वार्षिक रिपोर्ट

ANNUAL REPORT

2024-2025

राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान

बाबा गंग नाथ मार्ग, नई दिल्ली --110067

The National Institute of Health and Family Welfare,
Baba Gang Nath Marg, Munirka, New Delhi-110067.

Phones: 91-11-2616 5959, 91-11-2616 6441, 91-11-2618 8485, 91-11-2610 7773, 91-11-26189640, 91-11-26108906; Fax: 91-11-2610 1623; E-Mail: info@nihfw.org Web Site: www.nihfw.org Gram: SWASTH PARIVAR

विषय सूची (Contents)

क्रम	विषय	पृष्ठ संख्या
	निदेशक की ओर से	i-ii
	सिंहावलोकन	iii-xvii
1	शिक्षा	1-7
2	प्रशिक्षण	8-28
3	अनुसंधान एवं मूल्यांकन	29-53
4	विशिष्ट परियोजनाएँ एवं कंसोर्टियम गतिविधियाँ	54-65
5	विशिष्ट सेवाएँ	66-72
6	परामर्श एवं सलाहकारी सेवाएँ	73-89
7	प्रशासनिक उपाय	90
8	सरकारी कामकाज में हिन्दी का प्रयोग	91-94
9	संस्थान में मनाए गए कार्यक्रम	95-101
10	प्रकाशन	102-106
11	नियुक्तियाँ, पदोन्नति एवं सेवानिवृत्ति	107-108
	परिशिष्ट	109
	I. संचालन निकाय के सदस्यों की सूची	110-114
	II. स्थायी वित्त समिति के सदस्यों की सूची	115
	III. कार्यक्रम परामर्श समिति के सदस्यों की सूची	116-119
	IV. संकाय सदस्यों की सूची	120-121
	V. स्वीकृत मानवबल	122

निदेशक की कलम से

डॉ. सुनील विलासराव गित्ते
निदेशक (अतिरिक्त प्रभार)
राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान
नई दिल्ली – 110067

आपके समक्ष संस्थान का वार्षिक प्रतिवेदन 2024-25 प्रस्तुत करते हुए मुझे अत्यंत हर्ष हो रहा है। संस्थान वर्तमान में अपने 49वें वर्ष में प्रवेश कर चुका है और इस अवधि में हमने उल्लेखनीय प्रगति की है। इस प्रतिवेदन में वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान संस्थान की प्रमुख गतिविधियों और उपलब्धियों का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत करने का प्रयास किया गया है। यह रिपोर्ट हमारी मजबूत नींव और निरंतर बढ़ती हुई कार्यक्षमता का प्रमाण है।

हमारे लिए लोक स्वास्थ्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय स्थान प्राप्त करना संभव नहीं होता यदि स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों का सहयोग, मार्गदर्शन और आवश्यक दिशा-निर्देश प्राप्त न होते। मैं हमारे शासी निकाय, स्थायी वित्त समिति तथा कार्यक्रम परामर्श समिति के सम्मानित सदस्यों द्वारा वर्ष भर प्रदान किए गए निरंतर सहयोग के लिए हार्दिक आभार व्यक्त करता हूँ। हमारे मिशन और विज़न के मूल तत्व हमारे सभी शैक्षणिक कार्यक्रमों में निरंतर झलकते हैं, जिनमें एम.डी. (सीएचए), डीएचए, पीजीडीपीएचएम, दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रम, एमपीएच और पीएच.डी. पाठ्यक्रम शामिल हैं।

विगत वर्ष के दौरान हमने शिक्षण और प्रशिक्षण गतिविधियों में एक प्रगतिशील और प्रेरणादायक वातावरण विकसित करने का प्रयास किया। हमारे संकाय सदस्यों और शोधकर्मियों ने अपनी व्यावसायिक आकांक्षाओं के अनुरूप शिक्षण पद्धतियाँ तैयार कीं और प्रतिभागियों को विशेषज्ञों से जोड़ने के लिए अथक प्रयास किए। वर्ष के दौरान संस्थान में लगभग 134 प्रशिक्षण कार्यक्रमों और कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। संस्थान में संकाय विकास कार्यक्रम भी सफलतापूर्वक संचालित किया गया, जिसके अंतर्गत शिक्षकों, शोधकर्मियों और विद्यार्थियों ने लोक स्वास्थ्य, अध्यापन तथा अनुसंधान के क्षेत्र में अपनी क्षमताओं को अद्यतन करने हेतु विभिन्न क्षमता निर्माण गतिविधियों में भाग लिया।

प्रतिवेदित वर्ष के दौरान अनेक अनुसंधान अध्ययन, जिनमें स्नातकोत्तर थीसिस और शोध प्रबंध शामिल हैं, लोक स्वास्थ्य और उससे संबंधित क्षेत्रों में संपन्न किए गए। संकाय सदस्यों ने संसाधन विशेषज्ञ के रूप में विभिन्न बाह्य गतिविधियों में योगदान दिया, अनेक संगोष्ठियों एवं सम्मेलनों में अध्यक्ष, विशेषज्ञ समिति सदस्य और शोध पत्र प्रस्तुतकर्ता के रूप में भाग लिया।

हम गर्व के साथ अपनी पिछली उपलब्धियों को स्मरण करते हुए भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए भी तत्पर हैं जिनमें संकाय की कमी और समाज की बदलती आवश्यकताओं के अनुरूप अपनी गतिविधियों को अद्यतन बनाए रखना प्रमुख है। संकाय, कर्मचारियों और विद्यार्थियों की ओर से मैं संस्थान को और अधिक ऊँचाइयों तक ले जाने के लिए किए गए उनके समर्पण और परिश्रम के लिए हार्दिक धन्यवाद व्यक्त करता हूँ।

डॉ. सुनील विलासराव गित्ते
निदेशक (अतिरिक्त प्रभार)

सिंहावलोकन

राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान की स्थापना के बाद से ही भारत में स्वास्थ्य और परिवार कल्याण को सुदृढ़ बनाने के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। संस्थान ने सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली और प्रथाओं को सशक्त करने के उद्देश्य से विविध गतिविधियों को अपनाते हुए एक बहुआयामी दृष्टिकोण विकसित किया है।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान का प्रमुख योगदान क्षमता निर्माण में रहा है। इसने पेशेवरों और नीति-निर्माताओं के कौशल एवं ज्ञान को बढ़ाने के लिए शैक्षणिक पाठ्यक्रमों और प्रशिक्षण कार्यक्रमों का विकास और क्रियान्वयन किया है। साथ ही, संस्थान ने स्वास्थ्य परिणामों का आकलन करने और स्वास्थ्य कार्यक्रमों एवं नीतियों की प्रभावशीलता का मूल्यांकन करने के लिए व्यापक अनुसंधान भी किए हैं, जिससे साक्ष्य-आधारित निर्णय प्रक्रिया को मजबूती मिली है। संस्थान के मुख्य क्षेत्र निम्नलिखित हैं: स्वास्थ्य समानता और सुलभता को बढ़ावा देने वाली नीतियों का निर्माण; प्रभावी सार्वजनिक स्वास्थ्य हस्तक्षेपों और प्रबंधन रणनीतियों के लिए रूपरेखाओं का विकास; स्वास्थ्य सेवा वितरण प्रणाली में सुधार हेतु आवश्यक सुधारों की पैरवी; स्वास्थ्य वित्तीय तंत्रों का विश्लेषण और कार्यक्रमों की आर्थिक स्थिरता को प्रोत्साहन; जनसंख्या गतिशीलता और उसके स्वास्थ्य सेवाओं पर प्रभाव का अध्ययन; परिवार नियोजन, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य पहलों और प्रजनन अधिकारों पर विशेष ध्यान; अस्पताल संचालन और रोगी देखभाल की दक्षता एवं प्रभावशीलता में वृद्धि; जनजागरूकता बढ़ाने और व्यवहार परिवर्तन को प्रोत्साहित करने हेतु स्वास्थ्य संचार रणनीतियों का प्रसार; स्वास्थ्य शिक्षा में सुधार के लिए नवीन प्रशिक्षण विधियों और तकनीकों का अन्वेषण।

समग्र रूप से, राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान भारत के स्वास्थ्य परिदृश्य को आकार देने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। यह नीति निर्माण, क्षमता निर्माण और उन पहलों के क्रियान्वयन में योगदान देता है जो देश की जनसंख्या के स्वास्थ्य परिणामों में सुधार लाने में सहायक हैं।

संस्थान की दृष्टि

राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान का उद्देश्य सार्वजनिक स्वास्थ्य और परिवार कल्याण के क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त करने वाला एक वैश्विक ख्याति प्राप्त संस्थान बनना है। संस्थान की परिकल्पना केवल भारत में सार्वजनिक स्वास्थ्य में योगदान देने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह वैश्विक स्तर पर एक परिवर्तनकारी

शक्ति के रूप में उभरने की है, ऐसी शक्ति जो नीतियों और व्यवहारों को प्रभावित कर विश्वभर में स्वास्थ्य और कल्याण को बेहतर बनाए।

इस उद्देश्य की प्राप्ति हेतु संस्थान निम्नलिखित कार्यों के माध्यम से अपने मिशन को आगे बढ़ाता है:

संस्थान का मिशन सार्वजनिक स्वास्थ्य तथा संबंधित स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण कार्यक्रमों के प्रबंधन के लिए विचार मंच, उत्प्रेरक और नवप्रवर्तक के रूप में कार्य करना।	**शिक्षा और प्रशिक्षण**
	अनुसंधान और मूल्यांकन
	परामर्श सेवाएँ
	अंतर्विषयक टीमों के माध्यम से विशिष्ट सेवाओं का प्रावधान
	राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अन्य संस्थानों और संगठनों के साथ नेटवर्किंग

राष्ट्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण संस्थान की स्थापना 9 मार्च, 1977 को दो राष्ट्रीय स्तर के संस्थानों; राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रशासन और शिक्षा संस्थान और राष्ट्रीय परिवार नियोजन संस्थान के विलय से हुई थी। राष्ट्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण संस्थान, भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के तहत एक स्वायत्त संगठन है जो देश में स्वास्थ्य और परिवार कल्याण कार्यक्रमों को बढ़ावा देने के लिए एक शीर्षस्थ तकनीकी संस्थान के साथ-साथ एक 'थिंक टैंक' के रूप में कार्य करता है।

प्रमुख समितियां

संस्थान की प्रमुख समितियों में शासी निकाय, स्थायी वित्त समिति और कार्यक्रम सलाहकार समिति शामिल हैं। शासी निकाय केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री की अध्यक्षता में संस्थान के समग्र शासन को देखता है। स्थायी वित्त समिति का नेतृत्व केंद्रीय सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय करते हैं और यह समिति वित्तीय पहलुओं का ध्यान रखती है। कार्यक्रम सलाहकार समिति संस्थान की शैक्षणिक गतिविधियों की देखभाल करती है। निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान, इन सभी समितियों में सदस्य-सचिव के रूप में कार्य करते हैं।

श्री जगत प्रकाश नड्डा
माननीय केंद्रीय मंत्री
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण
भारत सरकार

श्रीमती अनुप्रिया पटेल
माननीय राज्य मंत्री
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण
भारत सरकार

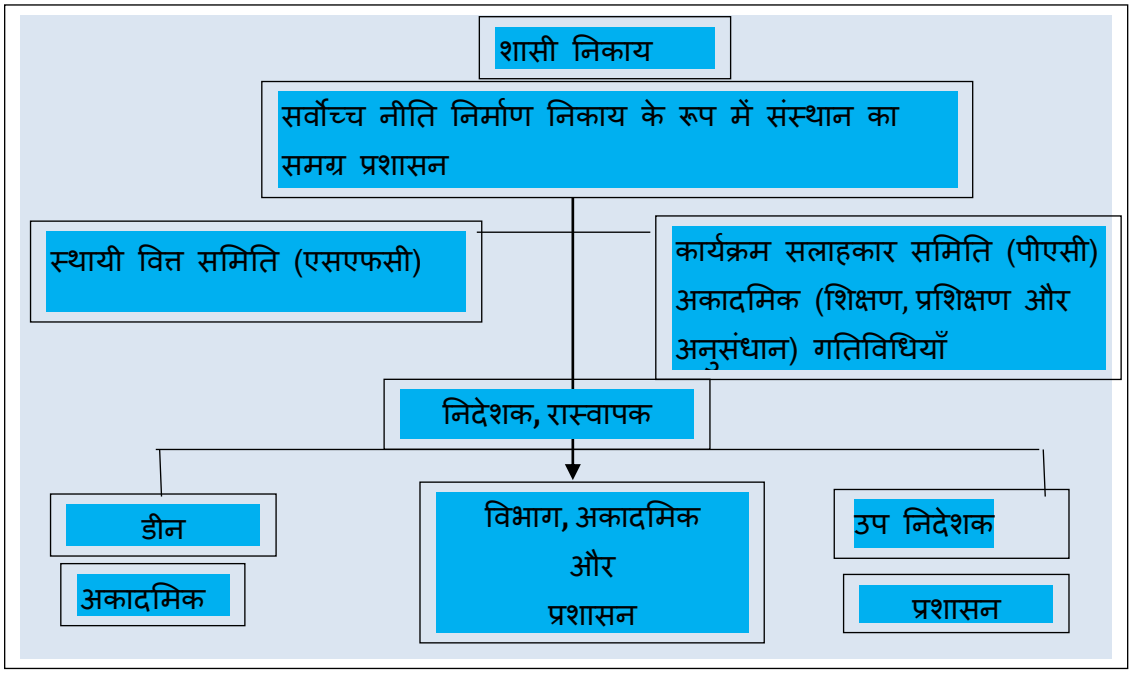

शासी निकाय (जीबी) राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान के लिए सर्वोच्च नीति बनाने वाली संस्था है। इसमें स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री, भारत सरकार, नई दिल्ली (अध्यक्ष); एवं सचिव (परिवार कल्याण), स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली (उपाध्यक्ष); अतिरिक्त सचिव (स्वास्थ्य), स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली (सदस्य); स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक, भारत सरकार, नई दिल्ली (सदस्य); अपर सचिव (रास्वापक. संस्थान से संबंधित), स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली (सदस्य); अपर सचिव (वित्तीय सलाहकार),

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली (सदस्य); महानिदेशक, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद, अंसारी नगर, नई दिल्ली (सदस्य); निदेशक, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, अंसारी नगर, नई दिल्ली (सदस्य); निदेशक, अंतर्राष्ट्रीय जनसंख्या विज्ञान संस्थान, गोवंदी स्टेशन रोड, देवनार, मुंबई (सदस्य); आदि, अध्यक्ष द्वारा नामित किये जाने वाले सात सदस्य; शामिल हैं। निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान, मुनिरका, नई दिल्ली सदस्य-सचिव के रूप में कार्य करते हैं।

स्थायी वित्त समिति (एसएफसी) रास्वापक. संस्थान के लिए वित्त की समीक्षा और अनुमोदन करती है और इसमें इसमें सचिव (परिवार कल्याण), स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली; स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली; अपर सचिव (वित्तीय सलाहकार), स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, नई दिल्ली, सदस्य, नीति आयोग और विशेष आमंत्रित अतिरिक्त सचिव (वीएचजेड) और निदेशक (प्रशिक्षण), स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, नई दिल्ली तथा निदेशक, रास्वापक. संस्थान सदस्य-सचिव के रूप में शामिल हैं।

कार्यक्रम सलाहकार समिति (पीएसी): कार्यक्रम सलाहकार समिति का उद्देश्य संस्थान में चल रही और प्रस्तावित अनुसंधान और प्रशिक्षण गतिविधियों के लिए व्यापक दिशानिर्देश तैयार करना और संस्थान के कार्यक्रमों में सुधार के लिए उपयुक्त सलाह और मार्गदर्शन प्रदान करना है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय/डीजीएचएस, आईसीएमआर, आईसीएसएसआर/जनसंचार संस्थान, आईआईपीएस, सीटीआई/एचएफडब्ल्यूटीसीएस के एक प्रतिनिधि, राज्य सरकार के एक स्वास्थ्य सचिव और स्वास्थ्य सेवाओं के दो निदेशकों को संस्थान के शासी निकाय के अध्यक्ष/वैकल्पिक उपाध्यक्ष द्वारा पीएसी के सदस्य के रूप में नामित किया जाता है। इसके अलावा, गवर्निंग बॉडी के दो सदस्यों को भी नामांकित किया जाता है। संकाय के दो सदस्यों को सीधे निदेशक, रास्वापक. संस्थान द्वारा नामित किया जाता है। निदेशक, रास्वापक. संस्थान कार्यक्रम सलाहकार समिति के सदस्य सचिव के रूप में कार्य करते हैं। अध्यक्ष एवं मनोनीत सदस्यों का कार्यकाल तीन वर्ष का होता है।

शिक्षा और प्रशिक्षण

शैक्षणिक गतिविधियां एवं स्नातकोत्तर शिक्षा

संस्थान के अधिदेश के अनुसार संस्थान की गतिविधियों का अवलोकन –

शिक्षा गतिविधियाँ

बुनियादी जन स्वास्थ्य शिक्षा की आवश्यकताओं को पूरा करने और देश में स्वास्थ्य और परिवार कल्याण कार्यक्रमों के क्षेत्र में अकादमिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए संस्थान द्वारा निम्नलिखित को पूर्णकालिक एवं दूरस्थ शैक्षिक गतिविधियों का आयोजन किया जाता है:

(i) एमडी (सामुदायिक स्वास्थ्य प्रशासन): सामुदायिक स्वास्थ्य प्रशासन में तीन वर्षीय स्नातकोत्तर डिग्री एमडी (सीएचए) दिल्ली विश्वविद्यालय से संबद्ध है और भारतीय चिकित्सा परिषद (एमसीआई) द्वारा मान्यता प्राप्त है। यह पाठ्यक्रम 1969 से जारी है। इस पाठ्यक्रम में प्रत्येक वर्ष दस सीटें निर्धारित होती हैं।

(ii) स्वास्थ्य प्रशासन में डिप्लोमा: स्वास्थ्य प्रशासन में दो वर्षीय स्नातकोत्तर डिप्लोमा (डीएचए), दिल्ली विश्वविद्यालय से संबद्ध है और भारतीय चिकित्सा परिषद (एमसीआई) द्वारा मान्यता प्राप्त है। इस पाठ्यक्रम में हर साल छह छात्रों की प्रवेश क्षमता है।

(iii) जन स्वास्थ्य प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडीपीएचएम): यह पाठ्यक्रम 2008 में संस्थान द्वारा पब्लिक हेल्थ फाउंडेशन ऑफ इंडिया के सहयोग से शुरू किया गया था जोकि स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा समर्थित था। पाठ्यक्रम में राष्ट्रीय उम्मीदवारों के लिए 30 सीटें हैं। पाठ्यक्रम का उद्देश्य मध्यम स्तर के सेवारत स्वास्थ्य व्यावसायिकों की क्षमता को बढ़ाना है।

(iv) एआईसीटीई द्वारा **अनुमोदित दूरस्थ शिक्षा** मोड के माध्यम से 15 महीने की अवधि के प्रस्तावित 'प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा' के 6 कार्यकारी पाठ्यक्रम इस प्रकार हैं, 1) स्वास्थ्य और परिवार कल्याण प्रबंधन 2) अस्पताल प्रबंधन 3) स्वास्थ्य संवर्धन 4) जन स्वास्थ्य पोषण 5) अनुप्रयुक्त महामारी विज्ञान 6) स्वास्थ्य संचार

(v) पीएच.डी. कार्यक्रम: यह पाठ्यक्रम वर्ष 2023 में राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान द्वारा जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के सहयोग से प्रारंभ किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य जन स्वास्थ्य के क्षेत्र में अनुसंधान क्षमता को सुदृढ़ और विस्तृत करना है।

(vi) एमपीएच (Master of Public Health) कार्यक्रम: संस्थान ने यह पाठ्यक्रम वर्ष 2024 में प्रारंभ किया, जो दिल्ली विश्वविद्यालय से संबद्ध है। इस कार्यक्रम में प्रति वर्ष 20 विद्यार्थियों को प्रवेश की अनुमति दी जाती है।

प्रशिक्षण एवं कार्यशाला गतिविधियाँ

राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान वर्षभर सार्वजनिक स्वास्थ्य, प्रशासन एवं प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं को लक्षित करते हुए व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रमों की श्रृंखला आयोजित करता है। वित्तीय वर्ष 2024-2025 में संस्थान ने सफलतापूर्वक लगभग **134 प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों और कार्यशालाओं** का आयोजन किया। इनका उद्देश्य स्वास्थ्य एवं कल्याण से संबंधित प्रमुख क्षेत्रों में प्रतिभागियों के कौशल और ज्ञान को सुदृढ़ करना था। संस्थान द्वारा आयोजित विविध प्रशिक्षण कार्यक्रमों ने न केवल प्रतिभागियों के व्यावसायिक विकास में योगदान दिया, बल्कि भारत की संपूर्ण स्वास्थ्य प्रणाली की क्षमता और प्रभावशीलता को भी मजबूत किया। विशिष्ट पाठ्यक्रमों, प्रतिभागियों की प्रतिक्रियाओं और प्रशिक्षण पहलों के परिणामों से संबंधित विवरण प्रशिक्षण अनुभाग में उपलब्ध हैं। ये सभी कार्यक्रम राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान की उस प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं, जिसके अंतर्गत संस्थान ऐसे दक्ष पेशेवरों का निर्माण करना चाहता है जो सार्वजनिक स्वास्थ्य और परिवार कल्याण के क्षेत्र में नेतृत्व कर सकें और नवाचार को आगे बढ़ा सकें।

अनुसंधान एवं मूल्यांकन

राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान में अनुसंधान एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। संस्थान का ध्यान स्वास्थ्य और परिवार कल्याण के विभिन्न पहलुओं पर केंद्रित रहता है, ताकि नीतियों को सशक्त किया जा सके, कार्यक्रमों की गुणवत्ता बढ़ाई जा सके और जन स्वास्थ्य से जुड़ी तात्कालिक चुनौतियों का समाधान किया जा सके। समीक्षित वर्ष के दौरान, संस्थान ने कुल **41 अनुसंधान अध्ययन** किए, जिनका उद्देश्य जन स्वास्थ्य के क्षेत्र में ज्ञान और समझ को आगे बढ़ाना था। राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान में अनुसंधान के प्रति प्रतिबद्धता उसके मिशन का अभिन्न अंग है। विभिन्न स्वास्थ्य विषयों पर अध्ययन करके, संस्थान ऐसे महत्वपूर्ण निष्कर्ष प्रदान करता है जो राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीतियों को दिशा देने और स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार लाने में सहायक होते हैं। इस अवधि में **12 अनुसंधान अध्ययन पूर्ण** किए गए, जबकि **29 अध्ययन प्रगति पर** हैं, जो समुदायों द्वारा सामना की जाने वाली स्वास्थ्य चुनौतियों का समाधान खोजने में संस्थान की सक्रिय भूमिका को दर्शाते हैं। इन अनुसंधान प्रयासों से प्राप्त निष्कर्ष देशभर में स्वास्थ्य परिणामों को बेहतर बनाने हेतु प्रभावी हस्तक्षेपों और रणनीतियों के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देंगे।

विशेषज्ञ सेवाएँ

राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान (एनआईएचएफडब्ल्यू) जन स्वास्थ्य और परिवार कल्याण को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से विभिन्न विशेषज्ञ सेवाएँ प्रदान करता है। ये

सेवाएँ जनसंख्या के विभिन्न वर्गों के लिए उपयुक्त हैं और स्वास्थ्य शिक्षा, अनुसंधान तथा नीति निर्माण को बढ़ावा देने के संस्थान के मिशन का समर्थन करती हैं।

संस्थान द्वारा प्रदान की जाने वाली प्रमुख विशेषज्ञ सेवाओं का संक्षिप्त विवरण निम्नलिखित है:

(i) नैदानिक सेवाएँ (Clinical Services): संस्थान को प्रजनन स्वास्थ्य देखभाल में उत्कृष्टता के केंद्रों में से एक के रूप में मान्यता प्राप्त है। एनआईएचएफडब्ल्यू क्लिनिक निम्नलिखित विशेषज्ञ नैदानिक सेवाएँ प्रदान करता है जिनमें बांझपन (Infertility) का प्रबंधन, प्रजनन एंडोक्राइनोलॉजिकल और स्त्रीरोग संबंधी विकारों का प्रबंधन, प्रसवपूर्व देखभाल (Antenatal Care), प्रसवपूर्व मरीजों, शिशुओं और बच्चों का टीकाकरण, गर्भनिरोधक सेवाएँआदि सम्मिलित हैं।

(ii) प्रयोगशाला सुविधाएँ: संस्थान की प्रयोगशाला प्रजनन विकारों के कारणों की गहन जांच करती है, जैसे जैव-रासायनिक, शारीरिक, एंडोक्राइनोलॉजिकल आदि। एंडोक्राइनोलॉजिकल और प्रजनन विकारों तथा बांझपन के प्रबंधन में अपनाई गई वैज्ञानिक दृष्टिकोणों ने उत्कृष्ट परिणाम प्रदान किए हैं।

(iii) आधिकारिक प्रकाशन

1. **स्वास्थ्य और जनसंख्या: परिप्रेक्ष्य एवं मुद्दे** – यह संस्थान का त्रैमासिक जर्नल है, जो **1978** से प्रकाशित हो रही है। समीक्षित अवधि में वर्ष **2024** के सभी अंक खंड संख्या 47: अंक 1, 2, 3 और 4 और वर्ष **2025** का अंक खंड संख्या 48: अंक 1 प्रगति पर हैं। यह पत्रिका **यूजीसी के केयर सूची** में सम्मिलित है।

2. **जन स्वास्थ्य धारणा** – रिपोर्ट अवधि के दौरान, **9 मार्च 2025** को संस्थान के वार्षिक दिवस समारोह के अवसर पर, संस्थान की हिंदी पूर्व समीक्षित पत्रिका **जन स्वास्थ्य धारणा** के अंक का विमोचन मुख्य अतिथि **सुश्री अनुप्रिया पटेल, माननीय राज्य मंत्री, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार** द्वारा किया गया।

समझौता ज्ञापन /सहयोग

समीक्षित शैक्षणिक वर्ष **2024-25** के दौरान संस्थान ने विभिन्न संस्थाओं और संगठनों के साथ सहयोग किया और समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए:

समझौता ज्ञापन की सूची (2024-25)

क्रम.	समझौता ज्ञापन		विषय
1.	राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान	सहकारी एवं कॉर्पोरेट प्रबंधन, अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान	27 मई 2024 को अस्पताल और स्वास्थ्य सेवा पेशेवरों के लिए लघु और दीर्घ प्रमाणपत्र कार्यक्रमों के आयोजन हेतु शैक्षणिक सहयोग पर हस्ताक्षर किए।
2.		स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय	13 जून 2024 को "जन स्वास्थ्य आपातस्थिति और स्वास्थ्य आपात स्थितियों के लिए अस्पताल तैयारी में क्षमता निर्माण" के तहत प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने हेतु समझौते पर हस्ताक्षर किए।
3.		सामाजिक चिकित्सा एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, सामाजिक विज्ञान संकाय, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय	12 अगस्त 2024 को जन स्वास्थ्य में पीएचडी उपाधि प्रदान करने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।
4.		राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन	28 अगस्त 2024 को राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम योजना के अंतर्गत जारी निधियों के प्रवाह एवं उनके उपयोग की निगरानी हेतु समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।
5.		प्राइमस पार्टनर्स प्राइवेट लिमिटेड	भारतीयों के लिए आईसीएमआर-एनआईएन द्वारा निर्धारित आहार संबंधी दिशानिर्देशों के परिप्रेक्ष्य में समाज में प्रचलित गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं के समाधान हेतु विभिन्न हितधारकों के बेहतर समझ के उद्देश्य से आयोजित गोलमेज़ चर्चाओं की श्रृंखला के लिए 26 सितंबर, 2024 को हस्ताक्षरित।
6.		एएमटीआरॉन- असम इलेक्ट्रॉनिक्स डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड	ई क्षेत्र में आईटी अवसंरचना के विकास हेतु। इसके पास डेटा प्रविष्टि, क्लाउड सेवाओं, नेटवर्क, मुक्त सॉफ्टवेयर, प्रणाली डिजाइन और सॉफ्टवेयर विकास के क्षेत्र में अपार क्षमता है। 4 अक्टूबर, 2024 को हस्ताक्षरित।

7.		सहकारी एवं कॉर्पोरेट प्रबंधन, अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान	अस्पताल एवं स्वास्थ्य देखभाल पेशेवरों के लिए अल्पकालिक और दीर्घकालिक प्रमाणन कार्यक्रम हेतु शैक्षणिक सहयोग। 27 मई, 2024 को हस्ताक्षरित।

सरकारी कामकाज में हिंदी का उपयोग

संस्थान में राजभाषा (हिंदी) के कार्यान्वयन की नियमित रूप से निगरानी, इस उद्देश्य के लिए विधिवत गठित समिति द्वारा की जाती है। इस अवधि के दौरान 84.75% पत्र (ई-मेल और फैक्स संदेश सहित) हिंदी में जारी किए गए, जबकि क्षेत्र 'क' में 85.11%, क्षेत्र 'ख' में 85.04% और क्षेत्र 'ग' में 81.43% पत्र हिंदी में जारी किए गए। निर्धारित लक्ष्य क्षेत्र 'क' और 'ख' के लिए 100% तथा क्षेत्र 'ग' के लिए 65% है। सामान्य आदेश उक्त अवधि (अप्रैल 2024 से मार्च 2025 तक) में द्विभाषी रूप में जारी किए गए। इसी प्रकार, हिंदी में प्राप्त सभी पत्रों का उत्तर हिंदी में दिया गया।
दैनिक अनुवाद कार्यों के अतिरिक्त, हिंदी में कई विशेष अनुवाद कार्य भी संपन्न किए गए, जिनमें वार्षिक प्रतिवेदन एवं वार्षिक लेखे 2024-25, प्रपत्र, सर्वेक्षण अनुसूचियाँ, प्रमाणपत्रों से संबंधित सामग्री, बैनर तथा विभिन्न विभागों से प्राप्त विज्ञापन सामग्री आदि का अनुवाद शामिल है।

राष्ट्रीय प्रलेखन केंद्र में उपलब्ध पुस्तकालय सुविधाएँ

इस क्षेत्र में राष्ट्रीय प्रलेखन केंद्र में उपलब्ध पुस्तकालय सुविधाएँ संभवतः भारत में सर्वश्रेष्ठ में से हैं। लगभग दो दशकों की अवधि में राष्ट्रीय प्रलेखन केंद्र ने स्वास्थ्य, जनसंख्या, परिवार कल्याण तथा संबद्ध क्षेत्रों से संबंधित विश्वव्यापी जानकारी को संजोए हुए लगभग 60,000 दस्तावेजों का एक संतुलित और अद्यतन संग्रह विकसित किया है, जिसमें पुस्तकें, सामयिक पत्रिकाएँ, तकनीकी प्रतिवेदन, वार्षिक प्रतिवेदन, सांख्यिकीय प्रतिवेदन, सम्मेलन कार्यवृत्त, मॉड्यूल, अप्रकाशित सामग्री तथा विशेष संग्रह शामिल हैं।

राष्ट्रीय प्रलेखन केंद्र, विकासशील पुस्तकालय नेटवर्क- डेलनेट का सक्रिय सदस्य है और अपने संसाधनों को 5,000 से अधिक सदस्य पुस्तकालयों, जिनमें **लाइब्रेरी ऑफ कॉंग्रेस, वाशिंगटन** भी शामिल है, के साथ साझा करता है।

राष्ट्रीय प्रलेखन केंद्र, राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान

एन.डी.सी. एन.एम.एल.–ई.आर.एम.ई.डी. इंडिया कंसोर्टियम का भी सदस्य है, जिसके माध्यम से 258 जर्नल्स तक निःशुल्क पहुँच उपलब्ध कराई जाती है। उपरोक्त के अतिरिक्त, **ऑनलाइन पब्लिक एक्सेस कैटलॉग (OPAC)** के माध्यम से सभी प्रकाशनों/प्रलेखनों का ग्रंथसूची विवरण निम्न लिंक पर देखा जा सकता है: http://14.139.63.242/webopac/। समिति/आयोग प्रतिवेदन, तकनीकी प्रतिवेदन, एच.पी.पी.आई. पत्रिकाएँ, तथा एन.आई.एच.एफ.डब्ल्यू. के महत्त्वपूर्ण प्रकाशन जैसे प्रमुख दस्तावेजों का **डिजिटलीकरण** किया गया है और इन्हें निम्न लिंक के माध्यम से सुलभ कराया गया है: https://nihfw.ac.in/cms/ndc-home.php

स्वास्थ्य सूचना विज्ञान केंद्र

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान में स्थापित स्वास्थ्य सूचना विज्ञान केंद्र ने मंत्रालय की डिजिटल स्वास्थ्य पहलों को सशक्त बनाने के लिए विविध वेब-आधारित अनुप्रयोगों के विकास एवं अनुरक्षण में सक्रिय योगदान दिया है।

ये अनुप्रयोग मंत्रालय के कई प्रभागों को सेवाएँ प्रदान करते हैं और स्वास्थ्य सेवाओं तथा सूचना प्रबंधन में सुधार लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

स्वास्थ्य सूचना विज्ञान केंद्र नवीनतम डिजिटल और उभरती प्रौद्योगिकियों के अनुरूप वेब-आधारित अनुप्रयोगों के विकास, निगरानी और उन्नयन हेतु आवश्यक तकनीकी सहयोग प्रदान करता है। सी.एच.आई. द्वारा संचालित कुछ प्रमुख राष्ट्रीय स्तर के अनुप्रयोग इस प्रकार हैं:नेशनल पब्लिक हेल्थ ऑब्ज़र्वेटरी, आयुष्मान भारत – आयुष्मान आरोग्य मंदिर पोर्टल, प्रधानमंत्री राष्ट्रीय डायलिसिस कार्यक्रम, प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान, कोविड-19 इंडिया S3 पोर्टल, मेरा अस्पताल, आज़ादी का अमृत महोत्सव, ई-क्लियरेंस फॉर आफ्टरलाइफ रिमेन्स, नेशनल आइडेंटिफिकेशन नंबर, फैसिलिटी बेस्ड नवजात शिशु देखभाल, दुर्लभ बीमारियों से ग्रस्त रोगियों के लिए क्राउडफंडिंग एवं स्वैच्छिक दान हेतु डिजिटल पोर्टल आदि।

राष्ट्रीय शीत-श्रृंखला एवं टीका प्रबंधन संसाधन केंद्र

राष्ट्रीय शीत-श्रृंखला एवं टीका प्रबंधन संसाधन केंद्र, जो राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान के अंतर्गत स्थापित है, वर्ष **2013** में इस उद्देश्य से स्थापित किया गया था कि भारत में एक उच्च गुणवत्ता वाली, प्रभावी एवं दक्ष टीकाकरण आपूर्ति श्रृंखला की स्थापना को सुगम बनाया जा सके। देश में टीकाकरण आपूर्ति श्रृंखला को सुदृढ़ बनाने में राष्ट्रीय शीत-श्रृंखला एवं टीका प्रबंधन संसाधन केंद्र की भूमिका निम्नलिखित है:

- टीकाकरण कार्यक्रम प्रबंधकों, टीका एवं शीत-श्रृंखला संभालकर्ताओं तथा शीत-श्रृंखला तकनीशियनों की क्षमता निर्माण।
- विभिन्न अध्ययनों एवं मूल्यांकनों का संचालन।
- एक सशक्त राष्ट्रीय शीत-श्रृंखला प्रबंधन सूचना प्रणाली का रखरखाव।
- प्रभावी टीका प्रबंधन मूल्यांकन, शीत-श्रृंखला एवं लॉजिस्टिक्स हेतु राष्ट्रीय तकनीकी परामर्श बोर्ड, तकनीकी विनिर्देशन विकास समूह के सचिवालय के रूप में कार्य करना तथा तकनीकी विनिर्देशन समिति का सदस्य होना।
- स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, गवर्नमेंट मेडिकल स्टोर डिपो, राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों को टीकाकरण आपूर्ति श्रृंखला के क्षेत्र में आवश्यक तकनीकी सहयोग प्रदान करना।

राष्ट्रीय टीकाकरण पर तकनीकी परामर्श समूह (NTAGI)

राष्ट्रीय टीकाकरण पर तकनीकी परामर्श समूह की स्थापना स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा वर्ष 2001 में एक आदेश के माध्यम से की गई थी। भारत में टीकाकरण से संबंधित सर्वोच्च परामर्श निकाय के रूप में, राष्ट्रीय टीकाकरण पर तकनीकी परामर्श समूह-एनटीएजीआई देश में टीका द्वारा रोके जा सकने वाले रोगों के प्रभावी नियंत्रण हेतु स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय को टीकाकरण सेवाओं एवं नीतियों पर दिशा-निर्देश एवं परामर्श प्रदान करता है। राष्ट्रीय टीकाकरण पर तकनीकी परामर्श समूह की अध्यक्षता स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के सचिव करते हैं तथा सह-अध्यक्ष के रूप में जैव प्रौद्योगिकी विभाग के सचिव और स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग के सचिव एवं भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद के महानिदेशक कार्य करते हैं।

राष्ट्रीय टीकाकरण पर तकनीकी परामर्श समूह को स्थायी तकनीकी उप-समिति का सहयोग प्राप्त है, जिसे आगे दो स्थायी कार्य समूहों का सहयोग प्राप्त है: (i) टीका-रोधी रोग निगरानी (ii) टीकाकरण एवं टीका अनुसंधान तथा क्षमता निर्माण। इसके

अतिरिक्त, राष्ट्रीय टीकाकरण पर तकनीकी परामर्श समूह को आवश्यकता आधारित अस्थायी कार्य समूहों का भी समर्थन प्राप्त है, जिनमें शामिल हैं: कोविड-19 कार्यसमूह, एचपीवी कार्यसमूह, रोटावायरस कार्यसमूह, पीसीवी कार्यसमूह, आरएसवी कार्यसमूह, कुष्ठरोग कार्यसमूह, टीका लागत-प्रभावशीलता कार्यसमूह, आचार संहिता कार्यसमूह, जापानी इंसेफेलाइटिस कार्यसमूह, मातृ टीकाकरण उप-समूह, टीका विश्वास उप-समूह, रोटावायरस टीका कार्यसमूह, हैजा कार्यसमूह, टाइफाइड कार्यसमूह तथा हेपेटाइटिस कार्यसमूह आदि। एसटीएससी, जो स्वतंत्र सदस्यों से मिलकर बनी है, का कार्य टीकाकरण नीतियों एवं कार्यक्रमों से संबंधित विषयों पर वैज्ञानिक साक्ष्यों की तकनीकी समीक्षा करना है। अंतिम सिफारिशें राष्ट्रीय टीकाकरण पर तकनीकी परामर्श समूह द्वारा एसटीएससी, कार्य समूहों तथा अन्य संबंधित साक्ष्यों की वैज्ञानिक समीक्षा को ध्यान में रखते हुए तैयार की जाती हैं।

राष्ट्रीय कौशल प्रयोगशाला (DAKSH)

राष्ट्रीय कौशल प्रयोगशाला – दक्ष की स्थापना **राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान** में **9 मार्च, 2015** को **भारत सरकार** द्वारा **यूनाइटेड किंगडम के लिवरपूल स्कूल ऑफ ट्रॉपिकल मेडिसिन** तथा **स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय** के **मातृ स्वास्थ्य प्रभाग** के सहयोग से की गई। इस प्रयोगशाला की स्थापना का उद्देश्य स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं — जैसे कि **सहायक नर्स दाई (ए.एन.एम.)**, **लेडी हेल्थ विज़िटर (एल.एच.वी.)**, **स्टाफ नर्स**, **चिकित्सा अधिकारी**, **नर्सिंग पर्यवेक्षक**, तथा **प्रसूति एवं शिशु रोग विशेषज्ञों** — के कौशल को उन्नत करना है, ताकि वे **प्रजनन, मातृ, नवजात, बाल एवं किशोर स्वास्थ्य आर.एम.एन.सी.एच.+ए.** सेवाओं की उच्च गुणवत्ता सुनिश्चित कर सकें। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का लक्ष्य **मातृ एवं नवजात मृत्यु दर और रोग भार को कम करना** है, जिसके लिए **प्रशिक्षित प्रसव सहयोगी** तथा **आपातकालीन प्रसूति एवं नवजात देखभाल** सेवाओं की उपलब्धता और गुणवत्ता में सुधार लाया जाता है।**कौशल प्रयोगशाला** प्रशिक्षुओं को बार-बार अभ्यास करने, नैदानिक परिस्थितियों का अनुकरण करने और योग्य प्रशिक्षकों की देखरेख में प्रशिक्षण प्राप्त करने का अवसर प्रदान करती है।

इस प्रयोगशाला में **चार कौशल स्टेशन** और **एक प्रसव कक्ष** हैं, जहाँ प्रतिभागी **छह दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम** के दौरान **पैंतीस मूलभूत कौशलों** का अभ्यास करते हैं। यह प्रशिक्षण **मॉडल्स**, **अनुकरण अभ्यास**, **प्रदर्शन**, **भूमिका-निर्वाह**, **वीडियो** और **प्रस्तुतियों** के माध्यम से कराया जाता है।

प्रशिक्षण के प्रमुख क्षेत्र हैं: गर्भावस्था पूर्व देखभाल, प्रसवकालीन देखभाल, प्रसवोत्तर एवं नवजात देखभाल, परिवार नियोजन, संक्रमण की रोकथाम, जटिलताओं का प्रबंधन, किशोर परामर्श तथा अन्य आर.एम.एन.सी.एच.+ए. सेवाएँ।

पीसी एवं पीएनडीटी (PC&PNDT) नोडल एजेंसी

पीसी एवं पीएनडीटी नोडल एजेंसी की स्थापना राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान में, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अंतर्गत, फरवरी 2017 में की गई थी। इसकी स्थापना भारत के माननीय सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशानुसार की गई थी, जो रिट याचिका नागरिक संख्या 341/2008 के प्रत्युत्तर में एक अंतरिम व्यवस्था के रूप में की गई थी। इसका उद्देश्य पूर्व-गर्भाधान और पूर्व-जन्म लिंग निर्धारण या लिंग-चयन से संबंधित ई-विज्ञापनों की निगरानी करना है, जो पीसी एवं पीएनडीटी अधिनियम, 1994 की धारा 22 के अंतर्गत प्रतिबंधित हैं।

नोडल एजेंसी का मुख्य उद्देश्य ई-विज्ञापनों को नियंत्रित करना और उन्हें हटाने में सुविधा प्रदान करना है। पीसी एवं पीएनडीटी अधिनियम की धारा 22 के उल्लंघन से संबंधित शिकायतों के सत्यापन के उपरांत, सामान्य जनता, सरकारी अधिकारियों, या अन्य स्रोतों से प्राप्त शिकायतों को संबंधित सर्च इंजन, वेबसाइट या सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म को उचित कार्रवाई के लिए अग्रेषित किया जाता है, जैसे-यूआरएल को ब्लॉक करना तथा उनके द्वारा की गई कार्रवाई की अनुवर्ती निगरानी भी की जाती है। इसके अतिरिक्त, नोडल एजेंसी स्वतः संज्ञान लेकर सक्रिय निगरानी भी करती है, जिसके अंतर्गत गूगल, याहू, बिंग, यूट्यूब आदि सर्च इंजनों और सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म की निगरानी की जाती है और उल्लंघन पाए जाने पर आवश्यक कार्रवाई की जाती है।

अपनी स्थापना से अब तक नोडल एजेंसी को 69 से अधिक शिकायतें प्राप्त हुई हैं तथा 450 स्वतः संज्ञान शिकायतें तैयार की गई हैं, जिनके परिणामस्वरूप पीसी एवं पीएनडीटी अधिनियम की धारा 22 का उल्लंघन करने वाले 6600 से अधिक यूआरएल की पहचान की गई है। इसके अतिरिक्त, लगभग 800 शब्दों पर निगरानी की गई है ताकि सर्च इंजनों पर अनुचित सामग्री को चिन्हित किया जा सके। अप्रैल 2024 से मार्च 2025 की अवधि के दौरान, 8 शिकायतें प्राप्त हुईं तथा 109 स्वतः संज्ञान शिकायतें दर्ज की गईं (जिनमें 602 यूआरएल शामिल थे), और साथ ही 100 से अधिक शब्दों के माध्यम से सर्च इंजनों की निगरानी की गई।

सक्षम (सतत स्वास्थ्य प्रबंधन के लिए उन्नत ज्ञान को प्रोत्साहित करना)

सक्षम का उद्घाटन: डिजिटल लर्निंग मीडिया लैब, राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान

सक्षम: डिजिटल लर्निंग मीडिया लैब का उद्घाटन 9 मार्च, 2025 को श्रीमती अनुप्रिया पटेल, माननीय राज्य मंत्री, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा रसायन और उर्वरक द्वारा किया गया, जिसमें डॉ. अतुल गोयल, महानिदेशक स्वास्थ्य सेवाएँ, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की गरिमामय उपस्थिति रही।

यह डिजिटल लैब स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के सक्षम पोर्टल के लिए ऑनलाइन सामग्री के ऑडियो और वीडियो रिकॉर्डिंग हेतु उपयोग की जाएगी।

मिशन कर्मयोगी

मिशन कर्मयोगी के तहत 01/04/2024 से 31/03/2025 की अवधि में विभिन्न प्रशिक्षण और कार्यशालाएँ हाइब्रिड मोड में आयोजित की गईं। राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान द्वारा आई.जी.ओ.टी. पोर्टल पर तीन सार्वजनिक स्वास्थ्य पाठ्यक्रम प्रदान किए गए:

i. मिशन कर्मयोगी के तहत राष्ट्रीय कर्मयोगी लार्ज स्केल जन सेवा कार्यक्रम में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के सभी अधिकारियों, एम.टी.एस. से लेकर डी.एस./निर्देशक स्तर तक, के लिए पाठ्यक्रम।
ii. एम.टी.एस. के लिए संवेदनशीलता कार्यशाला, जिसमें एम.टी.एस. हेतु अनुशंसित पाठ्यक्रम शामिल थे। राष्ट्रीय शिक्षण सप्ताह के अंतर्गत इस कार्यशाला में 52 प्रतिभागियों ने भाग लिया।
iii. स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम का राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान में आयोजन।

परामर्श और सलाह सेवाएँ

संस्थान के निदेशक, संकाय और अनुसंधान कर्मी विभिन्न राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय और स्वयंसेवी संगठनों को विभिन्न क्षमताओं में परामर्श और सलाह सेवाएँ प्रदान करते हैं। आगामी हिस्सों में इस संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई है।

संरचना सुविधाएँ

राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान में अत्याधुनिक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सुविधा उपलब्ध है, इसके अलावा 280-सीटर सभागार उच्च तकनीक पब्लिक-एड्रेस

सिस्टम से सुसज्जित है। प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों के लिए समर्पित विशेष शिक्षण ब्लॉक में कई हॉल आधुनिक शिक्षण-साधनों से सुसज्जित हैं, जो एक साथ कई प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित करने में सक्षम हैं। छात्रावास और अंतर्राष्ट्रीय छात्रावास एक समय में 150 से अधिक अतिथियों को समायोजित कर सकते हैं। संस्थान में मुक्त जिमनेजियम, बैडमिंटन कोर्ट, क्रिकेट-कम-फुटबॉल मैदान जैसे आउटडोर खेलों की सुविधा के साथ-साथ शतरंज, कैरम और टेबल टेनिस जैसे इनडोर खेलों की सुविधा भी उपलब्ध है।

1. शिक्षा

संस्थान विभिन्न प्रकार के शैक्षणिक कार्यक्रमों में संलग्न है, जैसे: सामुदायिक स्वास्थ्य प्रशासन में तीन वर्षीय स्नातकोत्तर डिग्री- एम.डी.-सी.एच.ए., स्वास्थ्य प्रशासन में दो वर्षीय स्नातकोत्तर डिप्लोमा- डी.एच.ए., सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रबंधन में एक वर्षीय स्नातकोत्तर डिप्लोमा, दूरस्थ शिक्षा मोड के माध्यम से 15 महीने की अवधि वाले तीन डिप्लोमा पाठ्यक्रम, ई-लर्निंग मोड के माध्यम से सार्वजनिक स्वास्थ्य और स्वास्थ्य क्षेत्र सुधार में पेशेवर विकास हेतु प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम, पीएच.डी. कार्यक्रम आदि। ये कुछ प्रमुख कार्यक्रम हैं जिनका उल्लेख यहाँ किया जा रहा है।

शिक्षण-संस्थान ने प्रतिवेदित वर्ष के दौरान निम्नलिखित शिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए।

संस्थान तीन पूर्णकालिक स्नातकोत्तर शैक्षणिक पाठ्यक्रम आयोजित करता है, जो निम्नलिखित हैं—

सामुदायिक स्वास्थ्य प्रशासन में तीन वर्षीय एम.डी. (सी.एच.ए.)

संस्थान **सामुदायिक स्वास्थ्य प्रशासन में तीन वर्षीय एम.डी. (सी.एच.ए.)** पाठ्यक्रम **1969** से आयोजित कर रहा है। यह पाठ्यक्रम **दिल्ली विश्वविद्यालय, चिकित्सा विज्ञान संकाय** से संबद्ध है और **राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एन.एम.सी.)** द्वारा मान्यता प्राप्त है। अब तक कुल **306 छात्र** इस पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूर्ण कर चुके हैं। **2021-24, 2022-25, 2023-26 और 2024-27** सत्रों के दौरान, **38 छात्रों** ने इस पाठ्यक्रम में भाग लिया, जिनमें **8 अंतिम वर्ष**, **10 दूसरे वर्ष** और **10 पहले वर्ष** के छात्र शामिल हैं। **2024-27** सत्र के लिए कुल **10 छात्र** नामांकित हैं।

स्वास्थ्य प्रशासन में दो वर्षीय स्नातकोत्तर डिप्लोमा (डी.एच.ए.)

संस्थान द्वारा **1993** में आरंभ किया गया यह **दो वर्षीय स्वास्थ्य प्रशासन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (डी.एच.ए.)** पाठ्यक्रम **दिल्ली विश्वविद्यालय** से संबद्ध है और **राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एन.एम.सी.)** द्वारा मान्यता प्राप्त है। **2022-24 और 2023-25** सत्रों के दौरान, इस पाठ्यक्रम में **11 छात्रों** ने भाग लिया, जिनमें **5 दूसरे वर्ष** और **6 पहले वर्ष** के छात्र शामिल हैं। अब तक कुल **67 छात्र** इस पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूर्ण कर चुके हैं। **2024-26** सत्र के लिए **6 छात्र** नामांकित हैं।

सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रबंधन में एक वर्षीय स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पी.जी.डी.पी.एच.एम.)

राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान, **स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार** और **पब्लिक हेल्थ फाउंडेशन ऑफ़ इंडिया** के सहयोग से **सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा** प्रदान करता है। संस्थान **पार्टनर्स इन पॉपुलेशन एंड डेवलपमेंट** के तहत **30 सीटें** प्रदान करता है और यह पाठ्यक्रम **2008** से चल रहा है। **2024-25** सत्र में कुल **9 छात्रों** ने नामांकन लिया, जिनमें से **4 राज्य प्रायोजित** और **4 स्व-प्रायोजित** थे।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान में पीएच.डी. कार्यक्रम

संस्थान ने सत्र 2023-24 से पीएच.डी. कार्यक्रम शुरू किया। संस्थान ने यूजीसी (नेट) योग्य उम्मीदवारों और सरकारी/यूजीसी मान्यता प्राप्त संस्थाओं में कार्यरत इन-सर्विस उम्मीदवारों से आवेदन आमंत्रित किए। जेएनयू की नीति के अनुसार, यूजीसी (नेट) योग्य उम्मीदवार ने साक्षात्कार में भाग लिया और प्रोटोकॉल प्रस्तुति दी। इन-सर्विस उम्मीदवारों ने लिखित परीक्षा, साक्षात्कार में भाग लिया और प्रोटोकॉल प्रस्तुति दी। कुल 8 उम्मीदवार नामांकित हुए (6 जे.आर.एफ. उम्मीदवार + 2 इन-सर्विस उम्मीदवार)। दो सेमेस्टर का पाठ्यक्रम और मार्गदर्शक (गाइड) आवंटन प्रक्रिया पूर्ण कर ली गई। 2024-25 सत्र के लिए 8 छात्रों ने प्रवेश लिया है और कक्षाएँ पहले ही शुरू हो चुकी हैं। संस्थान के सभी संकाय जेएनयू द्वारा पीएच.डी. मार्गदर्शक के रूप में मान्यता प्राप्त हैं।

एम.पी.एच. कार्यक्रम, राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान

एम.पी.एच. कार्यक्रम, दिल्ली विश्वविद्यालय, चिकित्सा विज्ञान संकाय (FMSC) से संबद्ध है और इसे दिल्ली विश्वविद्यालय के कार्यकारी परिषद द्वारा अनुमोदित किया गया है। 2024-25 सत्र के लिए प्रवेश सी.यू.ई.टी. के माध्यम से लिया गया, जिसे चिकित्सा विज्ञान संकाय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित किया गया। इस सत्र में 16 छात्र एम.पी.एच. पाठ्यक्रम के लिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान में शामिल हुए हैं।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान में दूरस्थ शिक्षण पाठ्यक्रम

दूरस्थ शिक्षण कक्ष की स्थापना 1992 में की गई थी, जिसका उद्देश्य विभिन्न स्वास्थ्य कर्मियों के ज्ञान और कौशल के निरंतर उन्नयन को सुगम बनाना है, ताकि वे पूरे देश में बेहतर स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान कर सकें और सार्वजनिक स्वास्थ्य में

नेतृत्व के लिए योग्य बन सकें। ये पाठ्यक्रम राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थाओं, सार्वजनिक और निजी स्वास्थ्य अनुसंधान संस्थानों, गैर-सरकारी संगठनों (एन.जी.ओ.) में स्वास्थ्य पेशेवरों की बढ़ती मांग को पूरा करते हैं। यह कक्ष उन सभी को उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा प्रदान करता है जो इसे प्राप्त करना चाहते हैं, चाहे उनकी उम्र, क्षेत्र, धर्म या लिंग कुछ भी हो। दूरस्थ शिक्षण कक्ष का मुख्य कार्य अकादमिक कार्यक्रमों की योजना बनाना, विकसित करना और विभिन्न स्तरों पर विभिन्न श्रेणियों के स्वास्थ्य कर्मियों के लिए डिस्टेंस लर्निंग के माध्यम से इन्हें प्रारंभ करना है।

पाठ्यक्रम संरचना: अभ्यर्थियों को सॉफ़्ट/हार्ड कॉपी में अध्ययन सामग्री मॉड्यूल के रूप में प्रदान की जाती है, जिसे स्वयं पढ़ा जाता है। आंतरिक मूल्यांकन निम्नलिखित मानदंडों के अनुसार किया जाता है: दो असाइनमेंट, प्रत्येक 5 दिन की दो संपर्क कार्यक्रम, 3 दिन की ऑनलाइन अनुसंधान पद्धति कक्षाएँ। एक प्रबंध पत्र। अंतिम परीक्षा पाठ्यक्रम की समाप्ति पर आयोजित की जाती है, जिसमें सैद्धांतिक परीक्षा, प्रायोगिक परीक्षा और मौखिक परीक्षा शामिल हैं।

दूरस्थ शिक्षण पाठ्यक्रम: संस्थान 15 महीने की अवधि वाले 06 स्नातकोत्तर **डिप्लोमा (प्रबंधन-कार्यकारी)** पाठ्यक्रम आयोजित करता है, जो निम्नलिखित क्षेत्रों में हैं: **स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण प्रबंधन, अस्पताल प्रबंधन, स्वास्थ्य संवर्धन, स्वास्थ्य संचार, अनुप्रयुक्त महामारी विज्ञान, सार्वजनिक स्वास्थ्य पोषण।** ये पाठ्यक्रम दूरस्थ शिक्षण के माध्यम से एआईसीटीई से संबद्ध हैं। **2024-25** शैक्षणिक वर्ष में, उपरोक्त पाठ्यक्रमों में कुल 532 अभ्यर्थियों ने नामांकन लिया।

1. अस्पताल प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा प्रबंधन: कुल 165 उम्मीदवारों ने नामांकन कराया। पाठ्यक्रम समन्वयक प्रो. मनीष चतुर्वेदी और सह-समन्वयक डॉ. रमेश गंडोत्रा हैं।

2. स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा प्रबंधन: कुल 50 उम्मीदवारों ने नामांकन कराया। पाठ्यक्रम समन्वयक प्रो. पुष्पांजलि स्वैन और सह-समन्वयक डॉ. राज नारायण हैं।

3. स्वास्थ्य संवर्धन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा प्रबंधन: पाठ्यक्रम समन्वयक डॉ. मोनिका सैनी और सह-समन्वयक डॉ. एस.पी. सिंह हैं।

4. अनुप्रयुक्त महामारी विज्ञान में स्नातकोत्तर डिप्लोमा प्रबंधन: कुल 27 उम्मीदवारों ने नामांकन कराया। पाठ्यक्रम समन्वयक डॉ. राजेश रंजन और सह-समन्वयक सुश्री भावना कथूरिया हैं।

5. लोक स्वास्थ्य पोषण में स्नातकोत्तर डिप्लोमा प्रबंधन: कुल 28 उम्मीदवारों ने नामांकन कराया। पाठ्यक्रम समन्वयक प्रो. नंथिनी सुब्बैया और सह-समन्वयक डॉ. ए.एम. एलिजाबेथ हैं।

6. स्वास्थ्य संचार में स्नातकोत्तर डिप्लोमा प्रबंधन: पाठ्यक्रम समन्वयक प्रो. अंकुर यादव और सह-समन्वयक श्री लखन लाल मीणा हैं।

संपर्क कार्यक्रम

- दूसरा संपर्क कार्यक्रम (बैच 2023-24) जून से जुलाई, 2024 के दौरान राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान, नई दिल्ली और राज्य स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान, बैंगलोर में आयोजित किया गया था।
- पहला संपर्क कार्यक्रम (बैच 2024-25) फरवरी से मार्च, 2025 के दौरान राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान, नई दिल्ली और राज्य स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान, बैंगलोर में आयोजित किया गया था।

अनुसंधान पद्धति प्रशिक्षण कार्यक्रम

डीएलसी 6 पीजीडीएम बैच 2024-25 के सभी पाठ्यक्रमों के लिए 10-12 दिसंबर, 2024 तक एक अनुसंधान पद्धति - ऑनलाइन पाठ्यक्रम आयोजित किया गया।

वार्षिक परीक्षा

वार्षिक परीक्षा (बैच 2023-24) राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान, नई दिल्ली और राज्य स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान, बैंगलोर में जनवरी-फरवरी, 2025 के दौरान निम्नानुसार आयोजित की गई:

क्रम	पाठ्यक्रम का नाम	नामांकित उम्मीदवारों की संख्या	उत्तीर्ण उम्मीदवारों की संख्या	टिप्पणी
1	पीजीडीएम- अस्पताल प्रबंधन	263	176	अनुपस्थित=7 अनुत्तीर्ण=17
2	पीजीडीएम- स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण	81	59	अनुपस्थित=15 अनुत्तीर्ण =7
3	पीजीडीएम- स्वास्थ्य संवर्धन	3	2	अनुपस्थित=1
4	पीजीडीएम- अनुप्रयुक्त महामारी विज्ञान	48	44	अनुपस्थितt=3 अनुत्तीर्ण =1
5	पीजीडीएम- जन स्वास्थ्य पोषण	43	33	अनुपस्थित=3 अनुत्तीर्ण =7
	कुल	438	314	

वार्षिक दीक्षांत समारोह

राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान-डीएलसी ने शैक्षणिक वर्ष (बैच) 2023-2024 के स्नातक छात्रों के लिए 25 फरवरी 2025 (मंगलवार) को अपना दूसरा दीक्षांत समारोह आयोजित किया। मुख्य अतिथि प्रो. (डॉ.) महेश वर्मा, कुलपति - गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, नई दिल्ली थे और संस्थान के निदेशक प्रो. धीरज शाह ने इस अवसर की शोभा बढ़ाई।

ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण: इस कार्यक्रम के अंतर्गत, विभिन्न विश्वविद्यालयों के छात्र जन स्वास्थ्य के विभिन्न विशिष्ट क्षेत्रों में अपना परियोजना कार्य करते हैं। इस कार्यक्रम के तहत, विभिन्न विश्वविद्यालयों (जामिया मिल्लिया इस्लामिया, एम्स जोधपुर, आईआईपीएस मुंबई, आईआईएचएमआर-जयपुर, डॉ. बी.आर. अंबेडकर विश्वविद्यालय, आईआईपीएच-दिल्ली, एम्स ऋषिकेश, जेएनयू, इग्नू) के 59 छात्रों ने 2024-25 के दौरान सार्वजनिक स्वास्थ्य के विभिन्न विशिष्ट क्षेत्रों में अपने प्रोजेक्ट वर्क (2-3 महीने) को आगे बढ़ाया। वास्तविक दुनिया के सार्वजनिक स्वास्थ्य अनुभव के साथ कक्षा सीखने को जोड़ना- हमने विभिन्न संस्थानों (डीयू, एम्स, टीआईएसएस, पीएचएफआई, जामिया, एमिटी, शारदा आदि) के 41 एमपीएच और एमबीए छात्रों को ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण और शोध प्रबंध परियोजनाओं के माध्यम से अपनी शैक्षणिक यात्रा को बढ़ाने का अवसर प्रदान किया है। ये परियोजनाएं, जो एक से तीन महीने तक चलती हैं, संस्थान में संकाय सदस्यों और वरिष्ठ अनुसंधान अधिकारियों के विशेषज्ञ मार्गदर्शन में आयोजित की गईं।

शैक्षिक भ्रमण: यह संस्थान देश भर के विभिन्न मेडिकल और नर्सिंग कॉलेजों के कई छात्रों के लिए जन स्वास्थ्य के दृष्टिकोण को बढ़ाने की शैक्षणिक यात्रा का भी हिस्सा है। अपनी शैक्षणिक यात्रा के दौरान, 23 संस्थानों/कॉलेजों/विश्वविद्यालयों से एमडी, एमबीए, एमपीएच और नर्सिंग कार्यक्रमों में अध्ययनरत कुल 903 छात्रों को जन स्वास्थ्य और संबद्ध क्षेत्रों में एक व्यापक दृष्टिकोण प्रदान किया गया। छात्रों को राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान के विशेषज्ञों और चिकित्सकों से सीधे

तौर पर प्रमुख जन स्वास्थ्य पहलों, स्वास्थ्य नीतियों और इन परियोजनाओं के कार्यान्वयन में आने वाली चुनौतियों के बारे में जानने और उनसे जुड़ने का अवसर मिला।

छात्रवृत्ति: सभी एमडी (सीएचए) और डीएचए छात्रों को वार्षिक वेतन वृद्धि के साथ लेवल 10 के सातवें वेतन आयोग के वेतनमान के अनुसार मासिक छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है, जबकि भारत सरकार सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडीपीएचएम) के दस अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के लिए 5000/- रुपये प्रति माह छात्रवृत्ति के साथ फेलोशिप (भोजन और आवास के लिए 2.5 लाख रुपये) देती है।

2. प्रशिक्षण

संस्थान जनस्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण के क्षेत्र में स्वास्थ्य चिकित्सकों के लिए विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम भी संचालित करता है। यह प्रशिक्षण पाठ्यक्रम (इंट्रा-म्यूरल और एक्स्ट्रा-म्यूरल) संस्थान द्वारा प्रतिवर्ष आयोजित किए जाते हैं, जिनका उद्देश्य

1. प्रतिभागियों को स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण कार्यक्रमों के लक्ष्यों और उद्देश्यों से परिचित कराना;
2. कार्यान्वयन में परिचालन संबंधी कठिनाइयों के बारे में उनके ज्ञान और समझ को अद्यतन करना; और
3. ऐसी बाधाओं को दूर करने के लिए उपचारात्मक उपाय सुझाना। इन गतिविधियों का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है:

संस्थान ने वित्तीय वर्ष 2023-24 में 100 प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित किए हैं। वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान आयोजित प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों की सूची नीचे दी गई है:

वर्ष 2024-25 के दौरान पूर्ण किए गए प्रशिक्षण/कार्यशाला गतिविधियों की सूची

क्रम संख्या	पाठ्यक्रम का शीर्षक	समन्वयक/ नोडल अधिकारी का नाम	अवधि	प्रतिभागियों की संख्या
1	आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (एबीडीएम) के मास्टर प्रशिक्षकों के लिए प्रथम पुनश्चर्या प्रशिक्षण	प्रोफेसर अंकुर यादव	3 से 5 अप्रैल 2025	32
2	एफएसएसएआई के खाद्य सुरक्षा अधिकारियों/ कर्मचारियों के लिए प्रेरण प्रशिक्षण कार्यक्रम	प्रोफेसर राजेश कुमार	8 से 20 अप्रैल 2025	45
3	"व्यक्तिगत क्षमता का पोषण और नेटवर्किंग को उन्मुक्त करना (निपुण)" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	प्रोफेसर राजेश कुमार	8 से 19 अप्रैल 2025	50
4	लोक शिकायत पर राष्ट्रीय कार्यशाला	प्रोफेसर अंकुर यादव	15 से 16 अप्रैल 2025	66

5	आईसीएमआर-सीओई-ईबीसीएच, पीजीआईएमईआर चंडीगढ़ और भारतीय बाल चिकित्सा के सहयोग से प्रोटोकॉल विकास और ग्रेडिंग के लिए व्यवस्थित समीक्षा	डॉ धीरज शाह	8 से 19 अप्रैल 2024	35
6	एनसीसीवीएमआरसी, राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान में आईएलआर, डीएफ और वोल्टेज स्टेबलाइजर की मरम्मत और रखरखाव पर शीत श्रृंखला तकनीशियनों का 54वां प्रशिक्षण	प्रोफेसर रेनू सहरावत	29 अप्रैल से 7 मई 2024	21
7	एनएएफयू, एसटीजी और दावा न्यायनिर्णयन पर प्रथम क्षेत्रीय कार्यशाला	प्रोफेसर अंकुर यादव	1-3 मई 2024	15
8	कार्यक्रम प्रबंधक (T-VaCC)के लिए वैक्सीन और कोल्ड चेन प्रबंधन पर 22वां प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	प्रोफेसर रेनू सहरावत	6 से 10 मई 2024	25
9	स्वास्थ्य सेवा व्यावसायिकों के लिए बुनियादी बांझपन प्रबंधन पर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	प्रोफेसर रेनू सहरावत	8 से 12 मई 2024	26
10	मास्टर प्रशिक्षकों के लिए प्रशिक्षणएबीडीएम : प्रथम बैच	प्रोफेसर अंकुर यादव	15 से 17 मई 2024	32
11	कार्यक्रम प्रबंधकों के लिए टीकाकरण एवं शीत श्रृंखला प्रबंधन पर 23वां प्रशिक्षण पाठ्यक्रम (टी –वैक)	प्रोफेसर रेणु सहरावत	27 से 31 मई 2024	22
12	जेएचपीइआईजीओ के सहयोग से शिक्षण, प्रशिक्षण और प्रसार के लिए डिजिटल सामग्री के विकास पर संकाय विकास कार्यशाला(राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं	डॉ. डी के यादव डॉ धीरज शाह	30 मई 2024	55

	परिवार कल्याण संस्थान डिजीकॉन कार्यशाला-2024)			
13	एनसीसीवीएमआरसी, राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थानमें आईएलआर, डीएफ और वोल्टेज स्टेबलाइजर की मरम्मत और रखरखाव पर शीत शृंखला तकनीशियनों का 55वां प्रशिक्षण	प्रोफेसर. रेणु सहरावत	3 से 11 जून 2024	19
14	एनएएफयू, एसटीजी और दावा न्यायनिर्णयन पर द्वितीय क्षेत्रीय कार्यशाला	प्रोफेसर अंकुर यादव	10 से 12 जून 2024	27
15	जांच तकनीकें और अभियोजन शुरू करना (सीडीएससीओ एवं राज्य)	प्रोफेसर राजेश कुमार	10 से 14 जून 2024	42
16	प्रधान मंत्री आरोग्य मित्रों के मास्टर प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण:प्रथन बैच	प्रोफेसर अंकुर यादव	19 से 21 जून 2024	25
17	स्वास्थ्य कर्मियों के लिए जनसांख्यिकीय डेटा विश्लेषण पर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	प्रोफेसर पुष्पांजलि स्वैन	24 से 26 जून 2024	12
18	कार्यक्रम प्रबंधकों के लिए टीकाकरण और शीत शृंखला प्रबंधन पर 24वां प्रशिक्षण पाठ्यक्रम (टी –वैक)	प्रोफेसर रेणु सहरावत	24 से 28 जून 2024	25
19	मध्य, पूर्व और पश्चिम क्षेत्र के लिए प्रधानमंत्री आरोग्य मित्र (पीएमएएम) के प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण	प्रोफेसर अंकुर यादव	26 से 28 जून 2024	34
20	उत्तम नैदानिक अभ्यासों पर प्रथम प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	डॉ. राजेश रंजन	27 से 28 जून 2024	36
21	एनएएफयू, एसटीजी और दावा न्यायनिर्णयन पर तृतीय क्षेत्रीय कार्यशाला	प्रोफेसर अंकुर यादव	30 जून से 2 जुलाई 2024	38

22	एनसीसीवीएमआरसी, राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान में आईएलआर, डीएफ और वोल्टेज स्टेबलाइजर की मरम्मत और रखरखाव पर शीत शृंखला तकनीशियनों का 56वां प्रशिक्षण	प्रोफेसर रेणु सहरावत	8 से 16 जुलाई 2024	18
23	आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के मास्टर प्रशिक्षकों के लिए प्रशिक्षण (ए बी डी एम) : तृतीय बैच	प्रोफेसर अंकुर यादव	10 से 12 जुलाई 2024	35
24	मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग के माध्यम से स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, मध्य प्रदेश से चयनित सहायक प्रबंधकों के लिए अस्पताल प्रबंधन पर द्वितीय फाउंडेशन कोर्स	प्रोफेसर मनीष चतुर्वेदी	15 जुलाई से 2 अगस्त 2024	32
25	स्वास्थ्य कर्मियों के लिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन सहित राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों के संदर्भ में स्वास्थ्य नीति, योजना और वित्तपोषण पर अभिविन्यास प्रशिक्षण	प्रोफेसर वी.के. तिवारी	22 से 26 जुलाई 2024	27
26	प्रधानमंत्री आरोग्य मित्रों के लिए मास्टर प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण: द्वितीय बैच	प्रोफेसर अंकुर यादव	24 से 26 जुलाई 2024	27
27	आईएपी द्वारा "राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान के स्वास्थ्य देखभाल व्यावसायिकों के लिए कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन पर कार्यशाला"	डॉ. धीरज शाह डॉ. गीतांजलि सिंह	28 जुलाई 2024	38

28	राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान संकाय के लिए कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न (पीओएसएच) कार्यशाला	प्रोफेसर मीराम्बिका महापात्रो	1 अगस्त 2024	81
29	पुनर्योजी चिकित्सा और जीन थेरेपी पर 26वीं आरटीपी	प्रोफेसरराजेश कुमार	5 से 7 अगस्त 2024	40
30	स्वास्थ्य सेवा व्यावसायिकों के लिए बुनियादी बांझपन प्रबंधन पर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	प्रोफेसर रेणु सहरावत	5 से 9 अगस्त 2024	35
31	राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान कर्मचारियों के लिए कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न (पीओएसएच) कार्यशाला	प्रोफेसर मीराम्बिका महापात्रो	6 अगस्त 2024	67
32	प्रधानमंत्री आरोग्य मित्रों के लिए मास्टर प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण:तृतीय बैच	प्रोफेसर अंकुर यादव	7 से 9 अगस्त 2024	25
33	एनसीसीवीएमआरसी, राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान में वॉक-इन-कूलर (डब्ल्यूआईसी) और वॉक-इन-फ्रीजर (डब्ल्यूआईएफई) की मरम्मत और रखरखाव पर शीत शृंखला तकनीशियन का प्रशिक्षण	प्रोफेसर रेणु सहरावत	19 से 24 अगस्त 2024	18
34	सतत प्रदर्शन प्राप्त करने के लिए तनाव प्रबंधन विषय पर 27वीं आरटीपी	प्रोफेसर राजेश कुमार	21 से 23 अगस्त 2024	38
35	वरिष्ठ नर्सिंग व्यावसायिकों के लिए नर्सिंग प्रबंधन पर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	प्रोफेसर नंदिनी सुबैया	27 से 31 अगस्त 2024	43

36	प्रधानमंत्री आरोग्य मित्रों के लिए मास्टर प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण: चतुर्थ बैच	प्रोफेसर अंकुर यादव	28 से 30 अगस्त 2024	33
37	राज्य कार्यक्रम अधिकारियों के लिए एनसीसीएमआईएस पर राष्ट्रीय प्रशिक्षण सह डेटा समीक्षा कार्यशाला	प्रोफेसर रेणु सहरावत	3 से 4 सितंबर 2024	18
38	उत्तम नैदानिक अभ्यासों पर द्वितीय प्रशिक्षण पाठ्यक्रम (जीसीपी)	डॉ. राजेश रंजन	5 से 6 सितंबर 2024	27
39	स्वास्थ्य सेवा व्यावसायिकों के लिए क्रियाशील वृद्धावस्था और कल्याण पर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	डॉ. डी.के. यादव	9 से 11 सितंबर 2024	21
40	स्वास्थ्य सेवा व्यावसायिकों के लिए क्रियाशील वृद्धावस्था और कल्याण पर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	प्रोफेसर मीराम्बिका महापात्रो	9 से 11 सितंबर 2024	27
41	स्वास्थ्य व्यावसायिकों के लिए सांख्यिकीय सॉफ्टवेयर का उपयोग करके डेटा विश्लेषण पर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	प्रोफेसर पुष्पांजलि स्वैन	9 से 13 सितंबर 2024	21
42	चिकित्सा एवं संबद्ध स्वास्थ्य व्यावसायिकों के लिए स्वास्थ्य देखभाल प्रबंधन में संचार विषय पर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	प्रोफेसर मिहिर कुमार मलिक	9 से 13 सितंबर 2024	14
43	एनसीसीवीएमआरसी दक्ष स्किल लैब	प्रोफेसर रेणु सहरावत	12 सितंबर 2024	80

44	नैदानिक उत्कृष्टता में वृद्धि: ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज फरीदाबाद के सहयोग से बायोमेडिकल अनुसंधान में जीसीपी और बायोएथिक्स कार्यशाला	डॉ. राजेश रंजन	12 से 13 सितंबर 2024	251
45	कार्यक्रम प्रबंधकों के लिए टीकाकरण एवं शीत श्रृंखला प्रबंधन पर 25वां प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	प्रोफेसर रेणु सहरावत	23 से 27 सितंबर 2024	21
46	चिकित्सा अधिकारियों/संकाय /शोधकर्ताओं के लिए प्रजनन जैवचिकित्सा तकनीकों में प्रगति पर तीसरा प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	डॉ. आर. राव सथुलुरी	23 से 27 सितंबर 2024	19
47	महामारी की तैयारी और प्रबंधन पर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	डॉ. राजेश रंजन	23 से 27 सितंबर 2024	39
48	दक्ष राष्ट्रीय कौशल प्रयोगशाला	डॉ. गीतांजलि सिंह	23 से 28 सितंबर 2024	15
49	राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत संचार कौशल में आईईसी अधिकारियों की क्षमता निर्माण पर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	प्रोफेसर अंकुर यादव	24 से 27 सितंबर 2024	18
50	सीडीएससीओ के नवनियुक्त औषधि निरीक्षकों के लिए प्रथम आवासीय प्रेरण प्रशिक्षण कार्यक्रम	प्रोफेसरराजेश कुमार	29 सितंबर से 30 अक्टूबर 2024	35
51	भारतीय नवजात शिशु नर्स संघ का 10वां वार्षिक सम्मेलन (आईएएनएन)	डॉ. धीरज शाह, प्रो. वी.के. तिवारी प्रोफेसर नंदिनी सुबैया	5 से 6 अक्टूबर 2024	250

52	दवा निर्माण इकाइयों के जोखिम आधारित निरीक्षण पर 28वीं आरटीपी	प्रोफेसरराजेश कुमार	7 से 9 अक्टूबर 2024	41
53	स्वास्थ्य कर्मियों के लिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन सहित राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों की निगरानी, पर्यवेक्षण और मूल्यांकन पर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	प्रोफेसर वी. के. तिवारी	7 से 11अक्टूबर 2024	45
54	डिजिटल परिवेश में पुस्तकालयों के परिवर्तन पर 20वां प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	प्रोफेसर मीराम्बिका महापात्रो	14 से 18 अक्टूबर 2024	26
55	एबीडीएम पर राष्ट्रीय स्तर के इंटीग्रेटर्स कार्यशाला	प्रोफेसर अंकुर यादव	16 अक्टूबर 2024	80
56	एबीपीएम-जेएवाई के वित्तीय प्रबंधन पर प्रशिक्षण	प्रोफेसर अंकुर यादव	21 अक्टूबर 2024	80
57	जन स्वास्थ्य आपात स्थितियों के प्रबंधन पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम	प्रोफेसर मनीष चतुर्वेदी	21 से 26 अक्टूबर 2024	33
58	एबीडीएमके वित्तीय प्रबंधन पर प्रशिक्षण	प्रोफेसर अंकुर यादव	22 अक्टूबर 2024	60
59	वरिष्ठ अस्पताल प्रशासकों के लिए अस्पताल प्रशासन पर 100वां प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	प्रोफेसर मनीष चतुर्वेदी	2 से 20 नवंबर 2024	29
60	राज्य कार्यक्रम अधिकारियों के लिए एनसीसीएमआईएस पर प्रशिक्षण सह डेटा समीक्षा कार्यशाला	प्रोफेसर रेणु सहरावत	3 से 4 नवंबर 2024	18
61	महामारी विज्ञान और जन स्वास्थ्य में जैव सांख्यिकी के अनुप्रयोग पर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	डॉ. राजेश रंजन डॉ. डी.के.यादव	4 से 8 नवंबर 2024	23

62	एनसीसीवीएमआरसी, राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान में आईएलआर, डीएफ और वोल्टेज स्टेबलाइजर की मरम्मत और रखरखाव पर शीत शृंखला तकनीशियनों का 58वां प्रशिक्षण	प्रोफेसर रेणु सहरावत	4 से 12 नवंबर 2024	17
63	जन स्वास्थ्यव्यावसायिकों के लिए गुणात्मक अनुसंधान पद्धति पर संकाय विकास कार्यशाला	डॉ. धीरज शाह प्रो. वी. के. तिवारी	5 से 6 नवंबर 2024	60
64	स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं के लिए सॉफ्ट स्किल्स पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	प्रोफेसर मीराम्बिका महापात्रो	12 से 14 नवंबर 2024	52
65	चिकित्सा के क्षेत्र में युवा शोधकर्ताओं के लिए "शोध पद्धति और शोधपत्र लेखन" पर कार्यशाला	डॉ. सरिता गौतम	15 से 17 नवंबर 2024	35
66	स्वास्थ्य व्यावसायिकों के लिए वृद्धजनों के समग्र स्वास्थ्य और कल्याण पर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	डॉ. एलिजाबेथ	18 से 22 नवंबर 2024	12
67	स्वास्थ्य व्यावसायिकों के लिए आर-सॉफ्टवेयर का उपयोग करके सांख्यिकीय डेटा विश्लेषण पर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	डॉ. डी. के. यादव	25 से 27 नवंबर 2024	14
68	कार्यक्रम प्रबंधकों के लिए टीकाकरण एवं शीत शृंखला प्रबंधन पर 26वां प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	प्रोफेसर रेणु सहरावत	25 से 29 नवंबर 2024	25

69	स्वास्थ्य व्यावसायिकों के लिए अनुसंधान पद्धति पर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	डॉ. सरिता गौतम	25 से 29 नवंबर 2024	17
70	स्वास्थ्य अनुसंधान में वैज्ञानिक लेखन पर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	डॉ. आर. राव सथुलुरी	25 से 29 नवंबर 2024	28
71	उत्तम नैदानिक अभ्यासों पर तीसरा प्रशिक्षण पाठ्यक्रम (जीसीपी)	डॉ. राजेश रंजन	2 से 3 दिसंबर 2024	20
72	फार्मास्युटिकल उद्योग में नई प्रौद्योगिकियों पर 30वीं आरटीपी (सीडीएससीओ और राज्य)	प्रोफेसर राजेश कुमार	2 से 4 दिसंबर 2024	38
73	सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज/एस डी लक्ष्यों के संदर्भ में नर्सिंग और मिडवाइफरी नेतृत्व निर्माण विषय पर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	डॉ. मोनिका सैनी	2 से 6 दिसंबर 2024	22
74	राज्य परियोजना प्रबंधन इकाइयों का उन्मुखीकरण-आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन	प्रोफेसर अंकुर यादव	5 से 6 दिसंबर 2024	45
75	मिशन कर्मयोगी के अंतर्गत आईजीओटी प्लेटफॉर्म के लिए सामग्री निर्माण पर एक दिवसीय कार्यशाला	डॉ. डी.के. यादव	6 दिसंबर 2024	15
76	स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण में लोजिस्टिक एवं आपूर्ति प्रबंधन प्रणाली पर 30वां प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	प्रोफेसर मनीष चतुर्वेदी	9 से 13 दिसंबर 2024	7

77	एनसीसीवीएमआरसी, राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान में वॉक-इन-कूलर (डब्ल्यूआईसी) और वॉक-इन-फ्रीजर (डब्ल्यूआईएफई) की मरम्मत और रखरखाव पर शीत शृंखला तकनीशियन का प्रशिक्षण	प्रोफेसर रेणु सहरावत	9 से 14 दिसंबर 2024	18
78	उत्तम नैदानिक अभ्यासों और जैव-नैतिकता पर सम्मेलन-पूर्व कार्यशाला	डॉ. राजेश रंजन	12 दिसंबर 2024	80
79	एनएचसीपी के लिए एबीपीएम-जेएवाई पर अभिविन्यास कार्यशाला	प्रोफेसर अंकुर यादव	12 से 13 दिसंबर 2024	43
80	"वृद्धजन सशक्तिकरण और सुखद वृद्धावस्था" पर 21वां द्विवार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन	डॉ. राजेश रंजन	13 से 15 दिसंबर 2024	60
81	उत्पाद एवं प्रक्रिया ज्ञान पर 31वां आरटीपी	प्रोफेसर राजेश कुमार	16 से 18 दिसंबर 2024	34
82	एनसीसीवीएमआरसी, राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान में आईएलआर, डीएफ और वोल्टेज स्टेबलाइजर की मरम्मत और रखरखाव पर शीत शृंखला तकनीशियनों का 59वां प्रशिक्षण	प्रोफेसर रेणु सहरावत	6 से 14 जनवरी 2025	17
83	एनसीसीवीएमआरसी में टीकाकरण एवं शीत शृंखला प्रबंधन पर सरकारी मेडिकल स्टोर डिपो अधिकारियों की क्षमता निर्माण	प्रोफेसर रेणु सहरावत	8 से 9 जनवरी 2025	13

84	राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान और एमट्रॉन ने उद्योग 4.0 डिजिटल स्वास्थ्य समाधानों की खोज के लिए बैठक की, जिससे एसडीजी 2030 के अंतराल को कम किया जा सके	डॉ. डी. के. यादव	10 से 11 जनवरी 2025	50
85	स्वास्थ्य आपात स्थितियों के लिए अस्पताल की तैयारी पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम	प्रोफेसर मनीष चतुर्वेदी	13 से 18 जनवरी 2025	37
86	सीडीएससीओ और सीआईआई और राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान के सहयोग से भारतीय चिकित्सा उपकरण विनियमन पर कार्यशाला	प्रोफेसर राजेश कुमार	15 जनवरी 2025	237
87	स्वास्थ्य व्यावसायिकों के लिए अनुसंधान पद्धति पर 5-दिवसीय प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	डॉ. सरिता गौतम	20 से 24 जनवरी 2025	17
88	"लर्निंग डिसेबिलिटी पर राष्ट्रीय सम्मेलन-मूल्यांकन, पहुंच, उपकरण, प्रौद्योगिकी और समावेशन में प्रगति"	डॉ. धीरज शाह डॉ. चेतना चौहान	21 से 24 जनवरी 2025	136
89	राज्य कार्यक्रम अधिकारियों के लिए एनसीसीएमआईएस पर प्रशिक्षण सह डेटा समीक्षा कार्यशाला	प्रोफेसर रेणु सहरावत	30 से 31 जनवरी 2025	10
90	पूर्वोत्तर और पूर्वी क्षेत्र की जिला कार्यान्वयन इकाइयों (डीआईयू) के लिए मास्टर प्रशिक्षकों का पुनश्चर्या प्रशिक्षण	प्रोफेसर अंकुर यादव	22 से 24 जनवरी 2025	17

91	एनसीसीवीएमआरसी, राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान में आईएलआर, डीएफ और वोल्टेज स्टेबलाइजर की मरम्मत और रखरखाव पर शीत श्रृंखला तकनीशियनों का 57वां प्रशिक्षण	प्रोफेसर रेणु सहरावत	3 से 11 फरवरी 2025	23
92	स्वास्थ्य व्यावसायिकों के लिए व्यावसायिक और पर्यावरणीय स्वास्थ्य पर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	प्रोफेसर नंदिनी सुबैया डॉ. राजेश रंजन	3 से 7 फरवरी 2025	23
93	पारंपरिक और पूरक चिकित्सा के बारे में आधारभूत ज्ञानऔर जागरूकता का निर्माण	डॉ. मोनिका सैनी	3 से 7 फरवरी 2025	17
94	बच्चों में ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकार (एएसडी) की विकासात्मक जांच और पहचान में स्वास्थ्य व्यावसायिकों की क्षमता निर्माण पर दो दिवसीय कार्यशाला	डॉ. धीरज शाह डॉ. चेतना चौहान	6 से 7 फरवरी 2025	42
95	नर्सिंग व्यावसायिकों के लिए अनुसंधान पद्धति पर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	प्रोफेसर नंदिनी सुबैया	10 से 14 फरवरी 2025	44
96	राज्य प्रभावी टीका प्रबंधन (ईवीएम) मूल्यांकन – उत्तराखंड	प्रोफेसर रेणु सहरावत	11 से 15 फरवरी 2025	16
97	पाठ्यक्रम डिजाइन पर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	प्रोफेसर मिहिर कुमार मलिक	12 से 14 फरवरी 2025	14
98	"उत्तम नैदानिक अभ्यास (जीसीपी)" पर चौथा प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	डॉ. राजेश रंजन	17 से 18 फरवरी 2025	23

99	सीडीएससीओ और राज्य औषधि नियंत्रण विभागों के अधिकारियों के लिए "नेतृत्व और प्रबंधकीय कौशल" पर 32वां आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम	डॉ. राजेश रंजन	17 से 19 फरवरी 2025	39
100	"चिकित्सा एवं संबद्ध स्वास्थ्य व्यावसायिकों हेतु स्वास्थ्य देखभाल वितरण सेवाओं को मजबूत करने के लिए स्वास्थ्य प्रणाली प्रबंधन" पर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	प्रोफेसर मिहिर कुमार मलिक	17 से 21 फरवरी 2025	10
101	महिला स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए लिंग आधारित हिंसा और मानवाधिकार पर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	प्रोफेसर मीराम्बिका महापात्रो	17 से 21 फरवरी 2025	32
102	"पारंपरिक, पूरक और एकीकृत चिकित्सा (टीसीआईएम) के बारे में आधारभूत ज्ञान और जागरूकता का निर्माण" पर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	डॉ. मोनिका सैनी	17 से 21 फरवरी 2025	17
103	"उत्तम नैदानिक अभ्यास और फार्माकोविजिलेंस" पर 24वां आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम	प्रोफेसर राजेश कुमार	20 से 22 फरवरी 2025	42
104	राज्य प्रभावी टीका प्रबंधन (ईवीएम) मूल्यांकन – राजस्थान	प्रोफेसर रेणु सहरावत	25 फरवरी से 1 मार्च 2025	38
105	कार्यालय प्रशासन (सीडीएससीओ)	प्रोफेसर राजेश कुमार	17 से 22 मार्च 2025	40

106	एनएचएम के अंतर्गत संचार कौशल में आईईसी अधिकारियों के क्षमता निर्माण पर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	प्रोफेसर अंकुर यादव	19 से 21 मार्च 2025	12
सक्षम के अंतर्गत प्रशिक्षण गतिविधियाँ: एलएमआईएस				
107	राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान में जेपीआईईजीओ के सहयोग से शिक्षण, प्रशिक्षण और प्रसार के लिए डिजिटल सामग्री विकास पर कार्यशाला (डिजीकॉन कार्यशाला-2024)।	डॉ. डी के यादव	30 मई 2024	50
108	सक्षम: एलएमआईएस एसटीडीसी मध्य प्रदेश, भोपाल में विभिन्न राज्यों के प्रशिक्षण समन्वयकों के लिए आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला	डॉ. राज नारायण	7 से 8 अक्टूबर 2024	30
109	सक्षम: एलएमआईएस एसटीडीसी उत्तर प्रदेश, आगरा में विभिन्न राज्यों के प्रशिक्षण समन्वयकों के लिए आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला	डॉ. राज नारायण	8 से 9 नवंबर 2024	35
मिशन कर्मयोगी के अंतर्गत प्रशिक्षण गतिविधियाँ				
110	राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान में मिशन कर्मयोगी के अंतर्गत स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के संगठनों द्वारा आईजीओटी प्लेटफॉर्म के लिए सामग्री निर्माण पर कार्यशाला	डॉ. डी. के. यादव	13 अगस्त 2024	50

111	राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान में कर्मयोगी सप्ताह - राष्ट्रीय शिक्षण सप्ताह का आयोजन	डॉ. डी. के. यादव	19 से 25 अक्टूबर 2024	400
112	राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान में मिशन कर्मयोगी के अंतर्गत आईजीओटी प्लेटफॉर्म पर स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के पाठ्यक्रमों की विषय-वस्तु निर्माण और निगरानी पर एक दिवसीय कार्यशाला	डॉ. डी. के. यादव	6 दिसंबर 2024	25
113	स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अधिकारियों का राष्ट्रीय कर्मयोगी वृहद जन सेवा कार्यक्रम प्रशिक्षण सत्र।	डॉ. डी. के. यादव	13 फरवरी 2025	40
114	स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अधिकारियों हेतु राष्ट्रीय कर्मयोगी वृहद जन-सेवा कार्यक्रम: प्रशिक्षण सत्र।	डॉ. डी. के. यादव	14 फरवरी 2025	40
115	स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अधिकारियों हेतु राष्ट्रीय कर्मयोगी वृहद स्तर पर जन-सेवा कार्यक्रम: प्रशिक्षण सत्र।	डॉ. डी. के. यादव	17 फरवरी 2025	40
116	स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अधिकारियों हेतु राष्ट्रीय कर्मयोगी वृहद स्तर पर जन सेवा कार्यक्रम प्रशिक्षण सत्र।	डॉ. डी. के. यादव	18 फरवरी 2025	40

117	स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अधिकारियों हेतु राष्ट्रीय कर्मयोगी वृहद स्तर पर जन सेवा कार्यक्रम प्रशिक्षण सत्र।	डॉ. डी. के. यादव	25 फरवरी 2025	40
118	स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के एमटीएस के लिए राष्ट्रीय कर्मयोगी वृहद स्तर पर जन सेवा कार्यक्रम प्रशिक्षण सत्र।	डॉ. डी. के. यादव	04 मार्च 2025	40
119	स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के पीपीएस/ पीए/ एसओ /एएसओ के लिए राष्ट्रीय कर्मयोगी वृहदस्तर पर जन सेवा कार्यक्रम प्रशिक्षण सत्र।	डॉ. डी. के. यादव	05 मार्च 2025	40
120	को स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के सहायक सचिवों के लिए राष्ट्रीय कर्मयोगी वृहदस्तर पर जन सेवा कार्यक्रम प्रशिक्षण सत्र।	डॉ. डी. के. यादव	6 मार्च 2025	40
121	स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के एसओ/एएसओ के लिए राष्ट्रीय कर्मयोगी- वृहदस्तर पर जन सेवा कार्यक्रम प्रशिक्षण सत्र।	डॉ. डी. के. यादव	07 मार्च 2025	40
122	स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के निदेशक/ डीएस/ यूएस/ पीपीएस के लिए राष्ट्रीय कर्मयोगी- वृहदस्तर पर जन सेवा कार्यक्रम प्रशिक्षण सत्र।	डॉ. डी. के. यादव	10 मार्च 2025	40

123	स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के एमटीएस के लिए राष्ट्रीय कर्मयोगी वृहदस्तर पर जन सेवा कार्यक्रम प्रशिक्षण सत्र।	डॉ. डी. के. यादव	11 मार्च 2025	40
124	स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के एसओ/एएसओ के लिए राष्ट्रीय कर्मयोगी वृहदस्तर पर जन सेवा कार्यक्रम प्रशिक्षण सत्र।	डॉ. डी. के. यादव	12 मार्च 2025	40
125	स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के एसओ/एएसओ के लिए राष्ट्रीय कर्मयोगी वृहदस्तर पर जन सेवा कार्यक्रम प्रशिक्षण सत्र।	डॉ. डी. के. यादव	18 मार्च 2025	40
126	स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के सहायक सचिव के लिए राष्ट्रीय कर्मयोगी वृहद स्तर पर जन सेवा कार्यक्रम प्रशिक्षण सत्र।	डॉ. डी. के. यादव	19 मार्च 2025	40
127	स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के एसओ/एएसओ के लिए राष्ट्रीय कर्मयोगी वृहद स्तर पर जन सेवा कार्यक्रम प्रशिक्षण सत्र।	डॉ. डी. के. यादव	20 मार्च 2025	40
128	स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के वरिष्ठ पीपीएस/पीपीएस/पीएस के लिए राष्ट्रीय कर्मयोगी वृहद स्तर पर जन सेवा कार्यक्रम प्रशिक्षण सत्र।	डॉ. डी. के. यादव	21 मार्च 2025	40

129	स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के व्यक्तिगत सहायक के लिए राष्ट्रीय कर्मयोगी वृहद स्तर पर जन सेवा कार्यक्रम प्रशिक्षण सत्र।	डॉ. डी. के. यादव	25 मार्च 2025	40
130	स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अधिकारियों/ कर्मचारियों के लिए राष्ट्रीय कर्मयोगी वृहद स्तर पर जन सेवा कार्यक्रम प्रशिक्षण सत्र।	डॉ. डी. के. यादव	11 मार्च 2025	42
131	स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अधिकारियों का राष्ट्रीय कर्मयोगी वृहद स्तर पर जन सेवा कार्यक्रम प्रशिक्षण सत्र।	डॉ. डी. के. यादव	13 मार्च 2025	40
132	स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के एसओ/एएसओ के लिए राष्ट्रीय कर्मयोगी वृहद स्तर पर जन सेवा कार्यक्रम प्रशिक्षण सत्र।	डॉ. डी. के. यादव	20 मार्च 2025	40
133	स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अधिकारियों/ कर्मचारियों का राष्ट्रीय कर्मयोगी वृहद स्तर पर जन सेवा कार्यक्रम प्रशिक्षण सत्र।	डॉ. डी. के. यादव	26 मार्च 2025	40
134	स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अधिकारियों/ कर्मचारियों के लिए राष्ट्रीय कर्मयोगी वृहद स्तर पर जन सेवा कार्यक्रम प्रशिक्षण सत्र।	डॉ. डी. के. यादव	28 मार्च 2025	40

बैठकें: - एसएफसी/ जीबी/ पीएसी/ अन्य

वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान आयोजित नियमित बैठकों की सूची नीचे दी गई है:

क्रम संख्या	बैठक का शीर्षक	अवधि	प्रतिभागियों की प्रकृति
1.	69वीं स्थायी वित्त समिति	8 मई 2024	सचिव (स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण), एएस एवं एफए- स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, वरिष्ठ सलाहकार (नीति आयोग), सदस्य (नीति आयोग), निदेशक (प्रशिक्षण प्रभाग) (स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय)
2.	70वीं स्थायी वित्त समिति	5 दिसंबर 2024	सचिव (स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण), एएस एवं एफए- स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, अपर महानिदेशक स्वास्थ्य सेवा, निदेशक (प्रशिक्षण प्रभाग) (स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय), निदेशक (स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय)
3.	कार्यक्रम सलाहकार समिति	15 अक्टूबर 2024	कार्यक्रम सलाहकार समिति के सदस्य, संकाय सदस्य, चिकित्सा अधिकारी और अनुसंधान अधिकारी
4.	कार्यक्रम सलाहकार समिति	18 मार्च 2025	कार्यक्रम सलाहकार समिति के सदस्य, संकाय सदस्य, चिकित्सा अधिकारी और अनुसंधान अधिकारी

5.	शासी निकाय	18 फरवरी 2025	माननीय केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री, सचिव (स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण), स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक, सचिव-स्वास्थ्य अनुसंधान एवं महानिदेशक, निदेशक- एम्स, निदेशक (स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय) आदि।

3. अनुसंधान एवं मूल्यांकन

संस्थान स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण के विभिन्न पहलुओं पर शोध कार्य को प्राथमिकता देता है।संस्थान में एक शैक्षणिक समिति और एक उच्च-स्तरीय कार्यक्रम सलाहकार समिति है, जिसमें पूरे भारत के प्रतिष्ठित विशेषज्ञ शामिल होते हैं।शैक्षणिक प्रयासों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए, ये समितियाँ संस्थान की सभी शैक्षणिक और शोध गतिविधियों की गहन जाँच और विचार-विमर्श करती हैं।इसके अतिरिक्त , प्रत्येक शोध प्रस्ताव संस्थान के नैतिक समीक्षा बोर्ड के समक्ष प्रस्तुत किया जाता है, जिसमें स्वास्थ्य, अनुसंधान और संबंधित तकनीकी पृष्ठभूमि के शिक्षाविद शामिल होते हैं ताकि नैतिक और अन्य प्रासंगिक मुद्दों पर विचार किया जा सके।

संस्थान भारत सरकार द्वारा शुरू की गई विभिन्न गतिविधियों और राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों का मूल्यांकन अध्ययन करता है। समीक्षाधीन वर्ष के दौरान, संस्थान 41 शोध अध्ययनों किए गए । इनमें से 12 शोध अध्ययन पूरे हो चुके हैं और शेष 29 अध्ययन जारी हैं।

पूर्ण किए गए शोध अध्ययन

(1) गुरुग्राम जिले में राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरबीएसके) के अंतर्गत मोबाइल स्वास्थ्य टीम की कार्यप्रणाली पर अध्ययन

(डॉ. अंजना अजी एवं प्रो. अंकुर यादव)

उद्देश्य:

- आरबीएसके कार्यक्रम के अंतर्गत कार्यरत मोबाइल स्वास्थ्य टीम की कार्यप्रणाली (इनपुट, प्रक्रिया और आउटपुट) का अध्ययन करना।
- आरबीएसके के अंतर्गत सेवाएँ प्रदान करने में मोबाइल स्वास्थ्य टीमों (डॉक्टर, एएनएम/स्टाफ नर्स, फार्मासिस्ट) के ज्ञान, दृष्टिकोण और कार्यप्रणाली का आकलन करना।
- लाभार्थियों के बीच आरबीएसके के अंतर्गत मोबाइल स्वास्थ्य टीमों द्वारा प्रदान की जाने वाली स्वास्थ्य सेवाओं के बारे में जागरूकता और उपयोगिता का पता लगाना।

प्रमुख निष्कर्ष:

- अध्ययन में पाया गया कि गुरुग्राम के सभी 11 एमएचटी में मानदंडों के अनुसार पर्याप्त स्टाफ था, तथा 4 ब्लॉकों में 44 स्वास्थ्य सेवा प्रदाता (जिनमें से 25 महिलाएं थीं) थे।

- जांचे गए 57,503 बच्चों में से 20,204 (35.1%) में कम से कम एक 4D पाया गया,जिसमें रोग सबसे आम तौर पर निदान की जाने वाली स्थिति (93.33%) में था ।
- आरबीएसके सेवाओं के बारे में लाभार्थियों की जागरूकता मध्यम थी, और 44.24% लाभार्थी इस कार्यक्रम के बारे में जानते थे। जहाँ मुफ़्त सेवाओं (95.9%) और सर्जरी (97.3%) के बारे में जागरूकता ज़्यादा देखी गई, वहीं मुफ़्त परिवहन और स्कूल जाँच के बारे में जागरूकता कम रही।
- लाभार्थियों को सेवाओं का लाभ उठाने में भी बाधाओं का सामना करना पड़ा। इनमें वित्तीय बाधाएँ (80.2%), डीईआईसी में लंबा इंतज़ार (40.7%), जागरूकता की कमी, घर पर अन्य ज़िम्मेदारियाँ (52.6%), निजी स्वास्थ्य सेवा तक आसान पहुँच के कारण प्राथमिकता (15.7%) और सरकारी सेवाओं के प्रति अविश्वास (5.2%) शामिल थे।

संस्तुतियां:

- एमएचटी कर्मचारियों के लिए 4डी, रेफरल प्रक्रिया, डेटा प्रबंधन और सामुदायिक सहभागिता जैसे सॉफ्ट कौशल को कवर करने वाले वार्षिक संरचित प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करना अनिवार्य है।
- यह सुनिश्चित करने के लिए दिशानिर्देश विकसित करें कि स्क्रीनिंग स्थल पर बुनियादी सुविधाएँ उपलब्ध होंअथवा स्क्रीनिंग उन स्थानों पर की जाए जहाँ बुनियादी सुविधाएँ जैसे- स्कूल, पंचायती राज कार्यालय आदि उपलब्ध हैं।
- मौजूदा चुनौतियों का समाधान करने के लिए जिला स्तर पर मासिक/त्रैमासिक समीक्षा बैठकें आयोजित करें।
- लोगो के मध्य विश्वाश बनाने के लिए स्थानीय प्रभावशाली व्यक्तियों और आशा जैसे सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को शामिल करके स्वास्थ्य जागरूकता गतिविधियाँ आयोजित करें।
- मौजूदा चुनौतियों का समाधान करने के लिए टीम स्तर पर आवधिक समीक्षा बैठकें आयोजित करें।

(2) दिल्ली के एक तृतीयक देखभाल सरकारी अस्पताल में प्रसवोत्तर महिलाओं में अवसाद पर एक अध्ययन ।

(डॉ. सुमन वर्मा एवं डॉ. राजेश रंजन)

उद्देश्य:

- प्रसवोत्तर अवसाद से ग्रस्त महिलाओं का अनुपात ज्ञात करना।
- जोखिम कारकों और प्रसवोत्तर अवसाद से उनके संबंध/कारण की पहचान करना।

- प्रसवोत्तर अवसाद से पीड़ित महिलाओं के जीवन की गुणवत्ता का आकलन करना।
- यदि कोई सुझाव हो तो प्रदान करना।

प्रमुख निष्कर्ष:

- प्रसवोत्तर अवसाद की व्यापकता 25.9% पाई गई, तथा जीवन की गुणवत्ता का प्रसवोत्तर अवसाद से महत्वपूर्ण संबंध पाया गया।
- प्रतिभागियों की प्रसूति प्रोफ़ाइल को देखते हुए, 0-3 महीने, 3-6 महीने, 6-9 महीने और 9-12 महीने की प्रसवोत्तर अवधि से प्रत्येक में 85 (25%) प्रतिभागियों को लिया गया।
- लगभग 2/3 प्रतिभागियों ने एन.वी.डी. के माध्यम से बच्चों को जन्म दिया है; 48.2% महिलाओं ने बताया कि उन्हें प्रसव के दौरान कुछ जटिलताएं हुईं, जबकि 51.8% महिलाओं को प्रसव के दौरान कोई जटिलता नहीं हुई।
- लगभग 50% प्रतिभागियों को गर्भावस्था के दौरान कोई न कोई दीर्घकालिक बीमारी थी। सामाजिक विशेषताओं के संदर्भ में, दो-तिहाई से ज़्यादा प्रतिभागियों को गर्भावस्था और बच्चे के पालन-पोषण के दौरान परिवार का सहयोग मिला, और लगभग 7.4% महिलाओं में वैवाहिक कलह देखी गई।
- लगभग 12.1% प्रतिभागियों ने घरेलू हिंसा से पीड़ित होने की बात कही।
- लगभग 86.5% महिलाओं ने बताया कि उन्हें बच्चों के पालन-पोषण में अपने पति का सहयोग नहीं मिला। हमारे अध्ययन में, 39.1% प्रतिभागियों को नवजात शिशु के लड़का या लड़की होने के बारे में कोई पसंद नहीं थी, जबकि 33.2% महिलाएँ लड़का चाहती थीं और 27.6% महिलाएँ लड़की चाहती थीं।
- सामाजिक-जनसांख्यिकीय प्रोफाइल में पति की आय और व्यवसाय सांख्यिकीय रूप से महत्वपूर्ण हैं।
- प्रसवोत्तर अवधि, प्रसव के तरीके और गर्भावस्था के दौरान दीर्घकालिक बीमारी की होने के बीच महत्वपूर्ण संबंध पाया गया।
- प्रतिगमन विश्लेषण में, घरेलू हिंसा, प्रसव का तरीका और पारिवारिक सहयोग महत्वपूर्ण जोखिम कारक पाए गए।
- घरेलू हिंसा, सिजेरियन सेक्शन और पारिवारिक सहयोग की कमी के कारण प्रसवोत्तर अवसाद विकसित होने की संभावना अधिक थी।

संस्तुतियां:

- अस्पतालों में प्रसवपूर्व देखभाल (एएनसी) सेवाओं में भाग लेने वाली महिलाओं को अपने मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए समय-समय पर परामर्श प्राप्त करना चाहिए।
- सभी एएनसी दिवसों पर उपस्थित रहने के लिए एक परामर्शदाता नियुक्त किया जाना चाहिए।
- प्रसव के बाद, प्रत्येक महिला को नियमित मुलाकातों के दौरान एक मनोवैज्ञानिक से मिलने का अवसर मिलना चाहिए।
- डिस्चार्ज से पहले, सभी महिलाओं का प्रसवोत्तर अवसाद (पीपीडी) की जाँच के लिए एडिनबर्ग पोस्टनेटल डिप्रेशन स्केल (ईपीडीएस) का उपयोग करके मूल्यांकन किया जाना चाहिए। यदि इस जाँच में किसी महिला का परीक्षण सकारात्मक आता है, तो उन्हें मनोचिकित्सक द्वारा आगे की जाँच करवानी चाहिए।
- इसके अतिरिक्त, प्रसवोत्तर यात्राओं के दौरान मातृ मानसिक स्वास्थ्य का आकलन किया जाना चाहिए।
- प्रजनन, मातृ, नवजात, बाल और किशोर स्वास्थ्य (आरएमएनसीएचए) अम्ब्रेला कार्यक्रम के अंतर्गत मातृ मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं को एकीकृत करने के साथ-साथ राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत मानसिक स्वास्थ्य पहलों को सुदृढ़ करने के प्रयास किए जाने चाहिए।
- मान्यता प्राप्त सामाजिक स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं (आशा) की भूमिका का विस्तार करके इसमें पीपीडी की जाँच को भी शामिल किया जाना चाहिए। चूँकि आशा कार्यकर्ता पहले से ही प्रसवोत्तर जाँच के लिए घर-घर जाकर जाँच करती हैं, इसलिए उन्हें पीपीडी की जाँच करने के लिए बुनियादी प्रशिक्षण दिया जा सकता है। यदि उन्हें कोई लक्षण दिखाई देता है, तो वे महिलाओं को आगे की सहायता के लिए नज़दीकी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों (पीएचसी) में भेज सकती हैं।

(3) दिल्ली एनसीआर के एक तृतीयक देखभाल अस्पताल में कैंसर रोगियों के लिए उपशामक देखभाल सेवाओं पर अध्ययन ।

(डॉ. बोडापटला संदीप रेड्डी और प्रो. वी.के. तिवारी)

उद्देश्य:

- तृतीयक देखभाल अस्पताल में उपशामक देखभाल के लिए मानव संसाधनों और सुविधाओं की उपलब्धता का आकलन करना।

- कैंसर रोगियों को प्रदान की जाने वाली सेवाओं का मूल्यांकन करना, जिसमें उपचार, परामर्श, रेफरल सेवाएँ, दर्द प्रबंधन और सामाजिक-वित्तीय सहायता शामिल हैं।
- पिछले तीन वर्षों में उपशामक देखभाल इकाई में भर्ती कैंसर रोगियों के रुझानों और पैटर्न का विश्लेषण करना।

प्रमुख निष्कर्ष:

- एक व्यापक दृष्टिकोण के माध्यम से शारीरिक, भावनात्मक और आध्यात्मिक चुनौतियों का समाधान करके, कैंसर रोगियों और उनके परिवारों के जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बनाने में उपशामक देखभाल एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।
- अध्ययन समूह में स्तन और गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर सबसे आम निदान थे, जो वैश्विक कैंसर प्रवृत्तियों के अनुरूप थे, और इन क्षेत्रों में हस्तक्षेपों की आवश्यकता पर प्रकाश डालते हैं।
- दर्द और थकान को प्रमुख लक्षणों के रूप में पहचाना गया, जिससे औषधीय और मनोसामाजिक हस्तक्षेपों को संयोजित करने वाली प्रभावी लक्षण प्रबंधन रणनीतियों की आवश्यकता पर बल मिला।
- संचार, भावनात्मक समर्थन और लक्षण प्रबंधन से रोगी की संतुष्टि आम तौर पर अधिक थी, लेकिन अपेक्षाओं को पूरा करने, समय पर देखभाल सुनिश्चित करने और परिवारों को पर्याप्त सहायता प्रदान करने में कमियाँ मौजूद थीं।
- तृतीयक देखभाल अस्पतालों ने आवश्यक उपशामक देखभाल सुविधाएँ प्रदान कीं, लेकिन रोगियों और परिवारों के लिए आराम, गोपनीयता और मनोरंजक गतिविधियों की उपलब्धता में कमियाँ पाई गईं।
- प्रणालीगत चुनौतियों, विशेष रूप से नियामक बाधाओं और प्रक्रियात्मक जटिलताओं ने अफीमसम (ओपिओइड) तक पहुँच में मुख्य बाधा उत्पन्न की, जो उपशामक देखभाल में प्रभावी दर्द प्रबंधन के लिए आवश्यक है।

संस्तुतियां:

- रोगियों और परिवारों की समग्र देखभाल के लिए मनोरंजक सुविधाओं सहित आरामदायक, निजी और सुसज्जित स्थानों का विकास करके उपशामक देखभाल के बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाएँ।
- स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं को निरंतर प्रशिक्षण प्रदान करें, जिसमें संचार कौशल, सांस्कृतिक दक्षता और रोगियों और परिवारों में मनोवैज्ञानिक परेशानियों के प्रबंधन पर ध्यान केंद्रित किया जाए।

- नियुक्ति प्रणालियों को अनुकूलित करके, स्टाफ को बढ़ाकर, तथा बेहतर कार्यप्रवाह दक्षता के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठाकर, रोगी प्रतीक्षा समय को कम करने के लिए सेवा वितरण को सुव्यवस्थित करना।
- भावनात्मक और मनोवैज्ञानिक सहायता सेवाओं का विस्तार करना, रोगियों और परिवारों के बीच चिंता और अवसाद को दूर करने के लिए परामर्शदाताओं और सहायता समूहों तक पहुंच को एकीकृत करना।
- मोबाइल इकाइयों और घर-आधारित देखभाल कार्यक्रमों के माध्यम से समुदाय-आधारित उपशामक देखभाल को मजबूत करना, विशेष रूप से ग्रामीण और वंचित क्षेत्रों में रोगियों के लिए पहुंच में सुधार करना।
- आवश्यक सेवाओं, दवाओं और उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए राष्ट्रीय प्रशामक देखभाल कार्यक्रम (एनपीपीसी) के अंतर्गत सरकारी वित्त पोषण में वृद्धि का समर्थन करना।
- जागरूकता बढ़ाने, आक्षेप को कम करने और उपशामक देखभाल सेवाओं के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए गैर-सरकारी संगठनों और सामुदायिक समूहों के साथ सहयोग को बढ़ावा देना।

(4) हरियाणा के गुरुग्राम जिले में चयनित स्वास्थ्य एवं कल्याण केंद्रों में वृद्धजनों के स्वास्थ्य देखभाल के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम (एनपीएचसीई) का मूल्यांकन

(डॉ. अमित मगरे और प्रो. नंदिनी सुबैया)

उद्देश्य:

- स्वास्थ्य देखभाल केंद्रों में एनपीएचसीई के अंतर्गत स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं की उपलब्धता की पहचान करना।
- स्वास्थ्य सेवा केंद्रों में वृद्धजनों द्वारा स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं के उपयोग के तरीकों का आकलन करना
- स्वास्थ्य एवं कल्याण केंद्रों में वृद्धजनों द्वारा स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं के उपयोग/ग्रहण को निर्धारित करने वाले कारकों का पता लगाना।
- स्वास्थ्य एवं कल्याण केंद्रों में एनपीएचसीई के अंतर्गत सेवाओं के प्रावधान के संबंध में वृद्धजनों की संतुष्टि के स्तर का आकलन करना।

प्रमुख निष्कर्ष:

- ज़्यादातर वृद्ध60-70 साल की उम्र की महिलाएँ थीं, जो न तो काम करती थीं और न ही शिक्षितथी ।विशेषकर उन वृद्धमहिलाओं को ज़्यादा सहयोग की ज़रूरत है जो दूसरों पर निर्भर हैं।

- सभी स्वास्थ्य केंद्रों में बुनियादी सुविधाएँ और कर्मचारी तो थे, लेकिन सेवाएँ हर जगह एक जैसी नहीं थीं। कुछ केंद्रों का प्रदर्शन दूसरों से बेहतर था, इसलिए स्वास्थ्य केंद्रों में और अधिक निरंतरदेखभाल की आवश्यकता है।
- सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं ने वृद्धजनोंके लिए आवश्यक सेवाओं को समझने और उनका उपयोग करने में मदद की। उनके दौरों और जागरूकता के लिए किए गए प्रयासों ने बुज़ुर्गों को मिलने वाली देखभाल में बड़ी भूमिका निभाई।
- ज़्यादातर लोग देखभाल से खुश थे, लेकिन कुछ लोगों को लंबे इंतज़ार और जाँचों या दवाओं की कमी जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ा। यह अच्छी प्रगति दर्शाता है, लेकिन यह भी दर्शाता है कि कुछ क्षेत्रों में अभी भी सुधार की आवश्यकता है।

संस्तुतियां:

- यह सुनिश्चित करना ज़रूरी है कि सभी स्वास्थ्य केंद्र समान सेवाओं के साथ एक ही तरह से काम करें। सभी को समान गुणवत्ता वाली देखभाल मिलनी चाहिए, चाहे वे किसी भी केंद्र में जाएँ।
- कर्मचारियों को नियमित रूप से प्रशिक्षित करें कि वे बुज़ुर्गों के साथ देखभाल और सम्मान से पेश आएँ। अच्छा संवाद और दयालुता बुज़ुर्गों के लिए बहुत मायने रखती है।
- जो बुजुर्ग लोग आसानी से यात्रा नहीं कर सकते, उनके लिए मोबाइल वैन या वीडियो कॉल (टेलीकंसल्टेशन) का इस्तेमाल करें। इससे उन लोगों को मदद मिलेगी जो बहुत कमज़ोर हैं या घर से चिकित्सा सहायता प्राप्त करने में असमर्थ हैं।
- सभी केंद्रों पर दवाओं की आपूर्ति और जांच सुविधाओं में सुधार करें ताकि लोगों को निजी क्लीनिकों में जाकर अतिरिक्त पैसे खर्च न करने पड़ें।
- समुदाय के बुज़ुर्गों की सहायता के लिए स्थानीय समूहों और स्वयंसेवकों के साथ मिलकर काम करें। उन्हें अपने दैनिक जीवन में सक्रिय और स्वस्थ बनाए रखने में मदद करने के लिए सिर्फ़ अस्पतालों से ज़्यादा की ज़रूरत है।

(5) दिल्ली के एक तृतीयक देखभाल अस्पताल में रोगाणुरोधी प्रबंधन और उसके कार्यान्वयन पर एक अध्ययन

(डॉ. हिमांशी अरोड़ा और प्रो. मीरांबिका महापात्रो)

उद्देश्य:

- दिल्ली के एक तृतीयक देखभाल अस्पताल में डॉक्टरों के ज्ञान और रोगाणुरोधी दवाओं के निर्धारण की पद्धति का पता लगाना।

- दिल्ली के एक तृतीयक देखभाल अस्पताल में स्वास्थ्य देखभाल व्यावसायिकों (डॉक्टरों और नर्सों) की संक्रमण रोकथाम और नियंत्रण के तरीकों का आकलन करना।
- दिल्ली के एक तृतीयक देखभाल अस्पताल में रोगाणुरोधी प्रबंधन कार्यक्रम के कार्यान्वयन की स्थिति का आकलन करना।
- दिल्ली के एक तृतीयक देखभाल अस्पताल में कार्यक्रम को लागू करने में आने वाली बाधाओं और सुगमताओं का पता लगाना।

प्रमुख निष्कर्ष:

- जागरूकता, अभिविन्यास, प्रशिक्षण और रोगाणुरोधी संरक्षकता कार्यक्रमों (एएमएसपी) के अनुपालन में बड़ा अंतराल हैं, जिसमें बिना नुस्खे के एंटीबायोटिक दवाओं का व्यापक उपयोग, नुस्खे में त्रुटियां, रोगियों का दबाव, गैर-अनुपालन और खराब संक्रमण रोकथाम के तरीकेपूरे अस्पताल में रोगाणुरोधी प्रतिरोध (एएमआर) के प्रमुख योगदानकर्ता के रूप में हैं।
- जबकि सामान्यतः सभी विभागों में अनुभवजन्य प्रिस्क्रिप्शन है। अधिकांश डॉक्टर दस्तावेज़ीकरण, जेनेरिक प्रिस्क्रिप्शन, सूक्ष्मजीवविज्ञानी परीक्षण, डी-एस्केलेशन और सुविधा उपचार दिशानिर्देशों के उपयोग में उच्च मानकों को बनाए रखते हैं, जो अच्छे रोगाणुरोधी प्रिस्क्रिप्शन के तरीकों को दर्शाता हैं जिनमें कुछ सुधार किए जा सकते है।
- अध्ययन से पता चलता है कि जहाँ ज़्यादातर डॉक्टर मरीज़ों को अपना एंटीमाइक्रोबियल कोर्स पूरा करने और खुराक के नियमों का पालन करने की सलाह देते हैं, वहीं बहुत कम डॉक्टर बचे हुए हिस्से के उचित निपटान औरबिना डॉक्टरी पर्चे के मिलने वाले एंटीमाइक्रोबियल खरीदने से बचने की सलाह देते हैं, जिससे ज़िम्मेदारी से एंटीमाइक्रोबियल इस्तेमाल के बारे में मरीज़ों को शिक्षित करने में कमी उजागर होती है।
- एंटीबायोटिक का उपयोग विभाग के अनुसार अलग-अलग था: सामान्य चिकित्सा में निचले श्वसन पथ के संक्रमण (एलआरटीआई) के लिए एक्सेस समूह का अधिक उपयोग किया गया, लेकिन दस्त के लिए ज्यादातर वॉच समूह का उपयोग किया गया; सामान्य सर्जरी में त्वचा के संक्रमण और छोटी सर्जरी के लिए एक्सेस समूह का उपयोग किया गया, लेकिन बड़ी सर्जरी के बाद अधिक वॉच समूह का उपयोग किया गया; बाल चिकित्सा में एलआरटीआई के लिए एक्सेस समूह का उपयोग किया गया, लेकिन पेचिश के लिए वॉच समूह का उपयोग किया गया; ईएनटी में ओटिटिस मीडिया और

साइनसाइटिस के लिए मुख्य रूप से एक्सेस समूह एंटीबायोटिक्स निर्धारित किए गए, लेकिन ग्रसनीशोथ के लिए वॉच समूह का उपयोग किया गया।

- डॉक्टर और नर्स दोनों ही हाथ धोने और दस्तानों के इस्तेमाल के बारे में अच्छी जानकारी रखते हैं। नर्सें लगातार बेहतर हाथ स्वच्छता का पालन करती हैं–खासकर मरीज़ों के संपर्क में आने से पहले, एसेप्टिक कार्यों से पहले, और दस्तानों को उतारने के बाद–जबकि दोनों समूहों में गाउन और सुरक्षात्मक चश्मे का इस्तेमाल कम ही होता है।
- जवाबदेही, सहायक नीतियां, प्रिस्क्रिप्शन और निदान दिशानिर्देश, परिणाम ट्रैकिंग और रिपोर्टिंग जैसे मुख्य एएमएसपी तत्व मध्यम रूप से अच्छी तरह से कार्यान्वित किए जाते हैं, नेतृत्व समर्थन, बहु-विषयक भागीदारी, नियमित ऑडिट, प्रक्रिया निगरानी और प्रिस्क्राइबर शिक्षा में अंतराल बने हुए हैं, जो प्रभावी प्रबंधन के लिए सुधार की आवश्यकता वाले क्षेत्रों को उजागर करते हैं।
- प्रभावी एएमएसपी कार्यान्वयन में प्रमुख बाधाओं में सीमित प्रयोगशाला संसाधन, कर्मचारियों की कमी, समय की कमी, असंगत एंटीबायोटिक आपूर्ति, रोगियों का दबाव और अपर्याप्त अनुवर्ती कार्रवाई शामिल थीजबकि पहचाने गए सुविधाकर्ताओं में उन्नत प्रशिक्षण, स्पष्ट जवाबदेही, बढ़ी हुई जनशक्ति, विनियमित एंटीबायोटिक आपूर्ति, सुलभ अस्पताल-विशिष्ट दिशानिर्देश और तर्कसंगत एंटीबायोटिक उपयोग का समर्थन करने के लिए रोगी शिक्षा शामिल थी।

संस्तुतियां:

- डॉक्टरों और नर्सों सहित सभी स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के लिए रोगाणुरोधी प्रबंधन, संक्रमण की रोकथाम और नियंत्रण प्रथाओं पर प्रशिक्षण कार्यक्रमों एवं कार्यशालाओं का कार्यान्वयन,विभिन्न विभागों की विशिष्ट आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए इन कार्यक्रमों को तैयार करना।
- एंटीबायोटिक दवाओं के निर्धारण संबंधी निर्णयों को निर्देशित करने के लिए साक्ष्य-आधारित दिशानिर्देशों और नैदानिक निर्णय समर्थन प्रणालियों के उपयोग को प्रोत्साहित करें।
- निर्धारित चिकित्सा का पालन सुनिश्चित करने तथा बचे हुए एंटीबायोटिक्स का उचित निपटान करने के लिए रोगी परामर्श के तरीकों को सुदृढ़ बनाना।
- संक्रमण संचरण के जोखिम को न्यूनतम करने तथा एंटीबायोटिक दवाओं के इष्टतम उपयोग को बढ़ावा देने के लिए उपयुक्त व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण और एंटीबायोटिक दवाओं की निरंतर और विनियमित आपूर्ति सुनिश्चित करना।

- मजबूत नेतृत्व प्रतिबद्धता, आईटी समर्थन सुनिश्चित करना, तथा एएमएसपी को पर्याप्त संसाधन आवंटित करना।
- इन प्रबंधन प्रथाओं और कार्यक्रम कार्यान्वयन का आकलन करने के लिए और अधिक गहन शोध अध्ययनों की आवश्यकता है, ताकि विभिन्न परिस्थितियों में प्रभावी उपायों को क्रियान्वित किया जा सके।

(6) नवजात शिशुओं में स्वास्थ्य देखभाल से जुड़े संक्रमण और नई दिल्ली के एक तृतीयक देखभाल अस्पताल में संक्रमण की रोकथाम और नियंत्रण

(डॉ. कृति चौहान एवं प्रो. राजेश कुमार)

उद्देश्य:

- नवजात शिशुओं में स्वास्थ्य देखभाल से जुड़े विभिन्न प्रकार के संक्रमणों के स्पेक्ट्रम का आकलन करना।
- संक्रमण के प्रति स्वास्थ्य कर्मियों के ज्ञान, दृष्टिकोण और प्रथाओं का आकलन करना
- स्वास्थ्य देखभाल से जुड़े संक्रमणों के जोखिम को कम करने के लिए रोकथाम और नियंत्रण।
- स्वास्थ्य देखभाल से संबंधित संक्रमण से ग्रस्त नवजात शिशुओं में रहने की औसत अवधि की तुलना संक्रमण रहित नवजात शिशुओं से करना।
- स्वास्थ्य देखभाल से संबंधित संक्रमण विकसित करने वाले रोगियों के परिवार द्वारा किए गए जेब-खर्च का अनुमान लगाना।

प्रमुख निष्कर्ष:

- अध्ययन में पाया गया कि एचएआई से जुड़े विभिन्न जोखिम कारक हैं, जैसे जन्म के समय कम वजन, समय से पहले जन्म, पूर्व में अस्पताल में भर्ती होने का इतिहास और अंतर्निहित सह-रुग्णताएं।
- लूडस्ट्रीम संक्रमण, वेंटिलेटर-संबंधी निमोनिया, और कैथेटर-संबंधी मूत्र पथ संक्रमण ही एकमात्र एचएआई पाए गए, एसएसआई का कोई दस्तावेजित मामला नहीं था।
- ग्राम-नेगेटिव सूक्ष्मजीवों के कारण अधिकांश संक्रमण हुए, जिनमें क्लेबसिएला सबसे आम संक्रमण कारक था। इसके अतिरिक्त, रोगाणुरोधी प्रतिरोध पैटर्न से संबंधित कई चिंताजनक रुझान भी सामने आए।
- एचएआई के कारण अस्पताल में भर्ती होने की अवधि बढ़ गई, संक्रमण से पीड़ित नवजात शिशुओं को अस्पताल में औसतन 23 दिन तक रहना पड़ा, जबकि संक्रमण से पीड़ित शिशुओं को 13 दिन तक रहना पड़ा।

- इस अतिरिक्त अवधि के प्रवास के कारण देखभालकर्ताओं पर आर्थिक बोझ बढ़ गया, तथा उन्हें भोजन, आवास, परिवहन, तथा कुछ प्रत्यक्ष चिकित्सा व्ययों और आय की हानि से संबंधित अप्रत्यक्ष लागतों के कारण भारी मात्रा में अपनी जेब से खर्च करना पड़ा।
- ज्ञान, दृष्टिकोण और प्रथाओं के मूल्यांकन से पता चला कि अधिकांश स्वास्थ्य कर्मियों ने अच्छे से लेकर उत्कृष्ट ज्ञान और दृष्टिकोण का प्रदर्शन किया, जिनमें से एक छोटा अनुपात औसत या औसत से नीचे की श्रेणी में रखा गया, तथा नर्सिंग स्टाफ ने रेजिडेंट डॉक्टरों की तुलना में कम समग्र प्रदर्शन प्रदर्शित किया।
- आईपीसी उपायों के प्रभावी कार्यान्वयन की मुख्य बाधाओं में समय की कमी और अपर्याप्त आपूर्ति शामिल थी। इन कमियों को दूर करने के लिए उचित हस्तक्षेप की आवश्यकता पर प्रकाश डाला गया।

संस्तुतियां:

- संक्रमण की रोकथाम और नियंत्रण: साक्ष्य-आधारित प्रोटोकॉल विकसित किए जाने चाहिए जिन्हें सभी स्वास्थ्य सेवा केंद्रों में समान रूप से लागू किया जा सके। दिशानिर्देशों का निरंतर पालन सुनिश्चित करने के लिए स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं का नियमित प्रशिक्षण आवश्यक है।
- रोगाणुरोधी प्रबंधन: एंटीबायोटिक दवाओं के इष्टतम और विवेकपूर्ण उपयोग को सुनिश्चित करने, अतार्किक नुस्खों को कम करने, नुस्खों का ऑडिट करने और रोगाणुरोधी प्रतिरोध को रोकने के लिए सभी आवश्यक कदमों का पालन करने के लिए एएमएसपी को लागू किया जाना चाहिए।
- स्वास्थ्य वित्तपोषण: देखभाल करने वालों को स्वास्थ्य बीमा योजनाओं के दायरे में शामिल करके उनके द्वारा किए जाने वाले अधिक खर्च को कम किया जाना चाहिए।
- नवजात शिशु देखभाल अवसंरचना: नवीनतम प्रौद्योगिकी उपकरणों का उपयोग करके मौजूदा अवसंरचना को बढ़ाया जाना चाहिए और नवजात शिशु देखभाल के लिए पर्याप्त कार्यबल तैनात किया जाना चाहिए।
- अनुसंधान, साझेदारी और सहयोग को बढ़ावा देना: अंतर-क्षेत्रीय सहयोग समय की मांग है, जहां विभिन्न हितधारक जैसे चिकित्सक, प्रशासक, नीति निर्माता, शोधकर्ता और स्थानीय समुदाय एचएआई से निपटने के लिए एक साथ आते हैं।

(7) (एल.जी.बी.टी.क्यू.+) समुदाय द्वारा दिल्ली एनसीआर में स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुँच का मूल्यांकन

(डॉ. मयूर जाधव एवं डॉ. मनीष चतुर्वेदी)

उद्देश्य:

- एल.जी.बी.टी.क्यू.+ समुदाय के बीच सामान्य स्वास्थ्य समस्याओं का अध्ययन करना।
- समुदाय में जोखिम कारकों एवं रोगों से बचाव के प्रति जागरूकता का मूल्यांकन करना।
- दिल्ली-एनसीआर के सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों में एल.जी.बी.टी.क्यू.+ समुदाय द्वारा स्वास्थ्य सेवाओं के उपयोग का अध्ययन करना।

प्रमुख निष्कर्ष:

अध्ययन से यह ज्ञात हुआ कि एल.जी.बी.टी.क्यू.+ व्यक्तियों को स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुँचने में कई प्रकार की बाधाओं का सामना करना पड़ता है। सबसे महत्त्वपूर्ण निष्कर्ष यह है कि स्वास्थ्य सेवाओं में भेदभाव एवं कलंक की व्यापकता पाई गई। अनेक प्रतिभागियों ने बताया कि उन्हें स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं से प्रत्यक्ष भेदभाव एवं सूक्ष्म पूर्वाग्रह का सामना करना पड़ा, जिसने उनकी उपचार प्राप्त करने की इच्छा पर नकारात्मक प्रभाव डाला। यह भेदभाव प्रायः डॉक्टरों में एल.जी.बी.टी.क्यू.+ स्वास्थ्य संबंधी विषयों पर प्रशिक्षण और जागरूकता की कमी के कारण उत्पन्न होता है, जिससे स्वास्थ्य वातावरण कई बार असहज एवं प्रतिकूल महसूस होता है।

भेदभाव के अतिरिक्त, अध्ययन इंगित करता है कि स्वास्थ्य सेवाएँ पर्याप्त नहीं हैं और समुदाय की आवश्यकताओं के प्रति संवेदनशील भी नहीं हैं। प्रतिभागियों ने बताया कि जेंडर-अनुकूल देखभाल और मानसिक स्वास्थ्य सेवाएँ इस समुदाय के लिए आसानी से उपलब्ध नहीं हैं। इसके अलावा, वित्तीय बाधाएँ भी एक महत्त्वपूर्ण समस्या के रूप में सामने आईं, क्योंकि कई प्रतिभागियों ने जेंडर-अधिकारिता उपचार के अधिक खर्च और अपर्याप्त बीमा व्यवस्था पर चिंता व्यक्त की।

वर्तमान अध्ययन यह भी दर्शाता है कि एल.जी.बी.टी.क्यू.+ समुदाय मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं, पुरानी बीमारियों और मादक पदार्थों की लत के प्रति अधिक संवेदनशील होता है, जिसका प्रमुख कारण समाज में व्याप्त भेदभाव और कलंक है। प्रतिकूल स्वास्थ्य परिणामों की पहचान बढ़ी हुई चिंता एवं अवसाद से की गई है, जो स्वास्थ्य क्षेत्र से उनके नकारात्मक अनुभवों के कारण उत्पन्न होते हैं।

यह शोध इस बात पर बल देता है कि स्वास्थ्य क्षेत्र में कार्यरत सभी व्यक्तियों के लिए बेहतर प्रशिक्षण एवं एलस्वा +.क्यू.टी.बी.जी.स्थ्य संबंधी मुद्दों के प्रति बढ़ी हुई जागरूकता की आवश्यकता है, ताकि इस हाशिए पर स्थित समुदाय को स्वास्थ्य सेवाओं तक समान एवं सम्मानजनक पहुँच सुनिश्चित की जा सके।

सिफ़ारिशें:

1. **स्वास्थ्य सेवाओं की सुलभता में सुधार**
   - समर्पित क्लिनिक एवं हेल्पलाइन:सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में एल.जी.बी.टी.क्यू.+ समुदाय के लिए अनुकूल क्लिनिक एवं हेल्पलाइन स्थापित की जाएँ, जिन्हें संवेदनशील एवं प्रशिक्षित पेशेवरों द्वारा संचालित किया जाए, ताकि सुरक्षित और स्वागतपूर्ण वातावरण उपलब्ध कराया जा सके।
   - समुदाय-आधारित स्वास्थ्य केंद्र:ऐसे क्षेत्रों में मोबाइल स्वास्थ्य इकाइयाँ एवं समुदाय-क्लिनिक स्थापित किए जाएँ जहाँ यह समुदाय सामाजिक कलंक के कारण मुख्यधारा की स्वास्थ्य सेवाओं से दूर रहता है।
2. **स्वास्थ्य जागरूकता एवं शिक्षा**
   - जागरूकता अभियान:एल.जी.बी.टी.क्यू.+ समुदाय में रोगों की रोकथाम, जोखिम कारकों एवं मानसिक स्वास्थ्य पर केंद्रित समुदाय-प्रेरित जागरूकता अभियान चलाए जाएँ।
   - सहकर्मी शिक्षण (पीयर एजुकेटर्स):समुदाय के सदस्यों को स्वास्थ्य जानकारी प्रसारित करने एवं स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं और समुदाय के बीच सेतु के रूप में प्रशिक्षित किया जाए।
3. **मानसिक स्वास्थ्य सहायता**
   - मनोसामाजिक सेवाएँ:मौजूदा स्वास्थ्य ढाँचे में एल शामिल हों।.जी.बी.टी.क्यू.+ विशेष मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं को एकीकृत किया जाए, जिसमें परामर्श एवं चिकित्सा सेवाएँ
   - समर्थन समूह:समुदाय-आधारित समर्थन समूहों को प्रोत्साहित किया जाए, ताकि वे भावनात्मक एवं सहकर्मी सहयोग प्रदान कर सकें तथा एकाकीपन को कम किया जा सके।
4. **स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं का प्रशिक्षण एवं संवेदनशीलता**
   - क्षमता निर्माण:डॉक्टरों, नर्सों एवं प्रशासनिक कर्मचारियों सहित सभी स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं को नियमित रूप से एल.जी.बी.टी.क्यू.+ विशेष स्वास्थ्य मुद्दों, जेंडर संवेदनशीलता एवं सांस्कृतिक रूप से सक्षम देखभाल पर प्रशिक्षण दिया जाए।कार्यशालाएँ एवं संगोष्ठियाँ:स्वास्थ्य कर्मचारियों को समुदाय की विशिष्ट

आवश्यकताओं एवं चुनौतियों के प्रति जागरूक करने हेतु अनिवार्य कार्यशालाएँ एवं संगोष्ठियाँ आयोजित की जाएँ।

(8) दिल्ली के एक अस्पताल में एंटीरेट्रोवायरल थेरेपी (ART) केंद्र में मरीजों में एंटीरेट्रोवायरल थेरेपी के पालन को प्रभावित करने वाले कारकों का अध्ययन

(डॉ. शांगलिन अरविंद एवं प्रो. (डॉ.) वी. के. तिवारी)

उद्देश्य:

- ए.आर.टी. मरीजों की सामाजिक-जनसांख्यिकीय एवं नैदानिक विशेषताओं का मूल्यांकन करना।
- मरीजों द्वारा सामाजिक कलंक से निपटने के लिए अपनाए गए उपायों का मूल्यांकन करना तथा उनका ए.आर.टी. पालन पर प्रभाव समझना।
- ए.आर.टी. केंद्र में देखभाल की गुणवत्ता एवं मरीज संतुष्टि का आकलन करना।
- ए.आर.टी. पालन को प्रभावित करने वाली प्रमुख बाधाओं एवं सहायक तत्वों की पहचान करना।

प्रमुख निष्कर्ष:

- पालन दर:
  - ✓ 74.2% प्रतिभागी पूरी तरह से ए.आर.टी. का पालन कर रहे थे।
  - ✓ 25.8% प्रतिभागियों ने पिछले तीन महीनों में एक या अधिक खुराकें भूलने की सूचना दी।
- पालन में बाधाएँ:
  - ✓ खुराक भूलने के सामान्य कारण थे — भूल जाना (58.6%), घर से बाहर होना (31.6%), तथा कलंक का भय (25%)।
  - ✓ मतली, थकान एवं चक्कर आने जैसे दुष्प्रभावों ने 36.8% मरीजों में दवा के नियमित सेवन को प्रभावित किया।
- पालन के सहायक तत्व:
  - ✓ सहयोगी स्वास्थ्य सेवा वातावरण, परामर्श सेवाएँ एवं सहकर्मी समर्थन समूहों ने पालन में सकारात्मक भूमिका निभाई।
  - ✓ जीवनशैली में परिवर्तन एवं स्वास्थ्य प्रदाता से नियमित परामर्श जैसे प्रभावी उपाय अपनाए गए।

सिफ़ारिशें:

- समुदाय-आधारित जागरूकता कार्यक्रमों एवं सहकर्मी समूहों के माध्यमसे परामर्श एवं कलंक में कमी लाने के प्रयासों को बढ़ावा देना।

- भूलने की समस्या को दूर करने और नियमित पालन को प्रोत्साहित करने हेतु अनुस्मारक उपकरण (जैसे एस.एम.एस. अलर्ट, दवा व्यवस्थित करने के डिब्बे) लागू करना।
- ए.आर.टी. सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार करना, प्रदाता-मरीज संवाद को बेहतर बनाना, प्रतीक्षा समय घटाना और कर्मचारियों को पालन संबंधी परामर्श के लिए प्रशिक्षित करना।
- भावनात्मक एवं कलंक से संबंधित बाधाओं को दूर करने हेतु मानसिक स्वास्थ्य स्क्रीनिंग और पेशेवर सहायता सहित मनोसामाजिक समर्थन सेवाओं को एकीकृत करना।
- नीति स्तर पर हस्तक्षेप कर मोबाइल एवं हाशिए पर स्थित समुदायों के लिए दवाओं की सतत आपूर्ति एवं उपलब्धता सुनिश्चित करना।

(9) दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में कार्यरत पेशेवरों के लिए स्वास्थ्य संवर्धन, रोग निवारण एवं उपचार हेतु डिजिटल स्वास्थ्य उपकरणों के उपयोग पर अध्ययन

(डॉ. मोंटे निकोलस एवं डॉ. रेनू सेहरावत)

उद्देश्य:

- कार्यरत पेशेवरों के बीच डिजिटल स्वास्थ्य उपकरणों के प्रति जागरूकता का मूल्यांकन करना।
- स्वास्थ्य संवर्धन, रोग निवारण एवं उपचार हेतु कार्यरत पेशेवरों द्वारा उपयोग किए जाने वाले डिजिटल उपकरणों/प्रौद्योगिकियों की पहचान करना।
- प्रचलित डिजिटल स्वास्थ्य प्रौद्योगिकियों के लाभ, उपयोगकर्ता-अनुकूलता एवं संभावित सीमाओं का आकलन करना।
- डिजिटल स्वास्थ्य उपकरणों के उपयोग में औसत लागत का अनुमान लगाना।

मुख्य निष्कर्ष:

- अध्ययन से पाया गया कि डिजिटल स्वास्थ्य उपकरणों के प्रति प्रतिक्रियादाताओं में जागरूकता का स्तर उच्च था। अधिकांश प्रतिभागी कम-से-कम एक प्रकार के डिजिटल उपकरण से परिचित थे। मुख्य उपयोगों में चिकित्सकीय नियुक्तियाँ बुक करना, टेलीमेडिसिन सेवाओं तक पहुँच बनाना तथा स्वास्थ्य सूचकांकों की निगरानी शामिल थी।
- मोबाइल स्वास्थ्य अनुप्रयोगऔर पहनने योग्य उपकरण सबसे अधिक उपयोग में आने वाले साधन के रूप में सामने आए, जो प्रौद्योगिकी-आधारित स्वास्थ्य समाधानों की बढ़ती प्रवृत्ति को दर्शाता है।

- अध्ययन से यह भी ज्ञात हुआ कि डिजिटल स्वास्थ्य उपकरणों का व्यापक उपयोग स्वास्थ्य संवर्धन एवं रोग निवारण के लिए किया जा रहा है, जिससे यह स्पष्ट होता है कि ये प्रौद्योगिकियाँ व्यक्तियों को स्वास्थ्य एवं कल्याण के प्रति अधिक सक्रिय दृष्टिकोण अपनाने में सक्षम बना रही हैं।
- स्वास्थ्य निगरानी अनुप्रयोगों का उपयोग सर्वाधिक था, इसके बाद पहनने योग्य उपकरणों का स्थान रहा, जो विशेष रूप से युवा पेशेवरों में लोकप्रिय थे। वृद्ध प्रतिभागियों ने टेलीमेडिसिन सेवाओं को प्राथमिकता दी, संभवतः चिकित्सकों से दूरस्थ परामर्श की सुविधा के कारण, जिससे उन्हें शारीरिक रूप से यात्रा नहीं करनी पड़ी।
- यद्यपि उपयोग व्यापक था, फिर भी कई बाधाओं की पहचान की गई। इनमें सबसे प्रमुखडेटा गोपनीयता संबंधी चिंताएँथीं, क्योंकि कई प्रतिभागियों ने संवेदनशील स्वास्थ्य जानकारी को ऑनलाइन साझा करने में हिचकिचाहट व्यक्त की।
- लागत भी एक महत्त्वपूर्ण कारक के रूप में उभरी – 27.9% प्रतिभागियों ने बताया कि लागत डिजिटल स्वास्थ्य उपकरणों के उपयोग में एक सीमित कारक है।

सिफारिशें:

- डिजिटल स्वास्थ्य उपकरणों का प्रयोग वर्तमान में मुख्य रूप से स्वास्थ्य संवर्धन एवं रोग निवारण में केंद्रित है, जबकि उपचार में इसका उपयोग सीमित है। उपचार के क्षेत्र में इन उपकरणों की संभावनाओं का, विशेषकरपुरानी बीमारियों की निगरानीके लिए, अधिक गहन अन्वेषण किया जाना चाहिए।
- सुविधा एवं लागत-प्रभाविता इन उपकरणों के उपयोग के प्रमुख कारण हैं। अतः इनका उपयोग स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक सुलभ एवं किफायती बनाने के लिए बढ़ाया जा सकता है, जिससे मौजूदा डिजिटल स्वास्थ्य ढाँचे का अधिकतम लाभ उठाया जा सके।
- डिजिटल स्वास्थ्य उपकरणों के संदर्भ में एक प्रमुख चिंता इनसे प्राप्त डेटा की विश्वसनीयता एवं वैधता की है। इस दिशा में सुधार हेतुमान्यता प्रणालीऔर विभिन्न प्रकार के उपकरणों के लिएराष्ट्रीय अथवा अंतर्राष्ट्रीय मानकस्थापित किए जाने चाहिए, जैसा कि चिकित्सकीय उपकरणों के लिए किया जाता है।

10) फरीदाबाद ज़िले में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र-हेल्थ एंड वेलनेस सेंटरों में गैर-संचारी रोगों की रोकथाम एवं नियंत्रण हेतु राष्ट्रीय कार्यक्रम (एनपी-एनसीडी) का मूल्यांकन

(डॉ. अंजू पी. एवं प्रो. (डॉ.) मनीष चतुर्वेदी)

उद्देश्य:

- प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र-हेल्थ एंड वेलनेस सेंटरों में गैर-संचारी रोगों की स्क्रीनिंग एवं उपचार हेतु आवश्यक भौतिक संरचना, लॉजिस्टिक्स, सुविधाओं एवं मानव संसाधन की उपलब्धता का मूल्यांकन करना।
- फरीदाबाद जिले के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र-हेल्थ एंड वेलनेस सेंटरों में एनपी-एनसीडी कार्यक्रम के अंतर्गत सेवाओं के उपयोग का अध्ययन करना।
- फरीदाबाद जिले में इन केंद्रों पर एनपी-एनसीडी कार्यक्रम के उपयोग को प्रभावित करने वाले कारकों का विश्लेषण करना।

मुख्य निष्कर्ष:

- एनपी-एनसीडी कार्यक्रम का क्रियान्वयन आवश्यक आधारभूत संरचना, मानव संसाधन, सेवा पैकेज और लॉजिस्टिक्स की दृष्टि से अपर्याप्त पाया गया।
- अधिकांश केंद्रों पर अनुशंसित जनसंख्या से अधिक लाभार्थियों को सेवाएँ प्रदान की जा रही थीं तथा प्रयोगशाला तकनीशियन एवं फार्मासिस्ट जैसे महत्त्वपूर्ण कर्मियों की भारी कमी पाई गई।
- आधे से भी कम प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में स्वास्थ्य संवर्धन हेतु आवश्यक आईईसी सामग्री का अभाव था। कई केन्द्रों में रोगियों की सुविधा, पहुँच और आवश्यक नैदानिक प्रयोगशाला सेवाओं की भी कमी थी।
- गर्भाशयग्रीवा कैंसर और सीओपीडी जैसी बीमारियों की स्क्रीनिंग सेवाएँ अत्यंत सीमित थीं। इंसुलिन जैसी आवश्यक दवाएँ नियमित रूप से अनुपलब्ध रहीं।
- केवल 30% प्रतिभागियों ने सरकारी सुविधाओं पर एनपी-एनसीडी स्क्रीनिंग सेवाओं का उपयोग किया। उपयोग को शैक्षिक स्थिति, व्यवसाय एवं स्वास्थ्य प्रणाली के पूर्व संपर्क जैसे कारकों ने प्रभावित किया।
- कुल प्रतिभागियों में से 23.44% ने स्वयं को किसी न किसी गैर-संचारी रोग से ग्रस्त बताया, जिनमें 13.1% मधुमेह और 15.6% उच्च रक्तचाप से पीड़ित थे।
- केवल 37.3% स्वयं-रिपोर्टेड गैर-संचारी रोगियों को सरकारी सुविधाओं में एनपी-एनसीडी के अंतर्गत उपचार मिला, जिनमें से मात्र 6% को पूर्ण माह की आवश्यक दवाएँ प्राप्त हुईं।

- सेवा उपयोग में प्रमुख बाधाओं में असुविधाजनक समय, लंबी प्रतीक्षा अवधि, परिवहन की कठिनाइयाँ, दूरी, अन्य व्यक्तियों पर निर्भरता, दवाओं की अनुपलब्धता तथा सेवा गुणवत्ता से जुड़ी चिंताएँ शामिल थीं।

सिफारिशें:

- पर्याप्त सुविधाओं, आवश्यक उपकरणों, इंसुलिन जैसी जीवनरक्षक दवाओं की निरंतर आपूर्ति एवं प्रशिक्षित मानव संसाधन की उपलब्धता सुनिश्चित करते हुए स्वास्थ्य अवसंरचना और जनशक्ति को सुदृढ़ किया जाए।
- व्यापक जन-जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से समुदाय को गैर-संचारी रोगों के प्रति शिक्षित किया जाए, स्वस्थ जीवनशैली को प्रोत्साहन दिया जाए और जमीनी स्तर पर स्वास्थ्य संवर्धन गतिविधियों को सशक्त किया जाए।
- सेवा वितरण एवं पहुँच में सुधार कर लाभार्थियों के उपयोग को बढ़ाने हेतु प्रभावी जनसंपर्क रणनीतियाँ अपनाई जाएँ। विशेषकर दूरस्थ क्षेत्रों के लिए परामर्श एवं फॉलो-अप हेतु टेलीमेडिसिन का एकीकरण किया जाए।
- स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं की क्षमता वृद्धि हेतु नियमित प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किए जाएँ, जिनमें संवाद कौशल, रोगी संवेदनशीलता एवं जटिल गैर-संचारी रोगों के प्रबंधन पर बल दिया जाए।
- एनसीडी कार्यक्रमों के लिए ठोस सरकारी समर्थन एवं नीति-स्तरीय समावेशन सुनिश्चित किया जाए, तथा वंचित जनसंख्या को गुणवत्तापूर्ण सेवाएँ उपलब्ध कराने हेतुटेलीमेडिसिनको एक प्रमुख उपकरण के रूप में बढ़ावा दिया जाए।

11) पुरुष बांझपन का अंतःस्रावी जैवचिह्नक: सीमेन प्लाज़्मा में टेस्टोस्टेरोन से एस्ट्राडियोल अनुपात – एक प्रारंभिक अध्ययन

(डॉ. किरण रंगारी एवं प्रो. रेनू सेहरावत)

सामान्य उद्देश्य:

- एनआईएचएफडब्ल्यू आउटडोर क्लिनिक में परीक्षण हेतु आए उन दंपतियों के पुरुष साथियों के सीमेन प्लाज़्मा में टेस्टोस्टेरोन/एस्ट्राडियोल अनुपात का मूल्यांकन करना, जिनके शुक्राणु गणना एवं गतिशीलता विश्व स्वास्थ्य संगठनमानकों (15×10^6शुक्राणु/मि.ली. एवं 40% प्रगतिशील गतिशीलता) के अनुसार सामान्य या असामान्य हैं।

विशिष्ट उद्देश्य:

- नॉर्मोज़ूस्पर्मिक पुरुषों के वीर्य प्लाज़्मा में टेस्टोस्टेरोन से एस्ट्राडियोल अनुपात स्थापित करना।

- गतिशीलता और गिनती के असामान्य वीर्य मापदंडों (एज़ोस्पर्मिक, ओलिगोस्पर्मिक, एस्थेनोज़ोस्पर्मिक) वाले पुरुषों में एस्ट्राडियोल एवं टेस्टोस्टेरोन अनुपात का पता लगाना।
- बांझपन वाले पुरुष रोगियों (जैसे एज़ोस्पर्मिक, ओलिगोस्पर्मिक या एस्थेनोज़ूस्पर्मिक) में परिवर्तित वीर्य मापदंडों को नॉर्मोस्पर्मिक टी/ई अनुपात के सन्दर्भ में टेस्टोस्टेरोन से एस्ट्राडियोल अनुपात के साथ सहसंबंधित करना।

प्रमुख निष्कर्ष

- नॉर्मोस्पर्मिक पुरुषों में टी/ई अनुपात:15.1 ± 9.9।
- एस्थेनोज़ूस्पर्मिया में टी/ई अनुपात:14.50 ± 9.73 (P = 0.787)।
- ओलिगोस्पर्मिया में टी/ई अनुपात:15.12 ± 7.22 (P = 0.978)।
- एज़ोस्पर्मिया में टी/ई अनुपात:10.41 ± 5.33 (P = 0.0137)
- जब गतिशीलता व संख्या के असामान्य मानकों वाले वीर्य नमूनों की तुलना सामान्य मानकों वाले नमूनों से की गई, तो एज़ोस्पर्मिया में टी/ई अनुपात में महत्वपूर्ण कमी पाई गई [10.41 ± 5.33 बनाम 15.1 ± 9.9 (P = 0.0137)]।
- एस्थेनोज़ूस्पर्मिया और ओलिगोज़ूस्पर्मिया के मामलों में सांख्यिकीय दृष्टि से कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं देखा गया।
- मोर्स्पर्मिक वीर्य नमूनों में तीन समूह बनाए गए - एंटीस्पर्म एंटीबॉडी की उपस्थिति वाले, उच्च संक्रमण वाले (पस कोशिकाएँ या ल्यूकोसाइट्स 10-12/HPF) और इनमें से किसी भी स्थिति के बिना। तुलना करने पर पाया गया कि संक्रमण वाले नमूनों में एस्ट्राडियोल का संकेंद्रण162.88 ± 41.58 (p = 0.0261)के साथ उल्लेखनीय रूप से बढ़ा हुआ था, और टी/ई अनुपात में9.44 ± 5.7 (p = 0.05)की उल्लेखनीय कमी पाई गई।
- इसी प्रकार, एंटीस्पर्म एंटीबॉडी उपस्थित नमूनों में एस्ट्राडियोल का संकेंद्रण219.15 ± 41.23 (P = 0.0126)था, जिसके साथ टी/ई अनुपात में महत्वपूर्ण कमी6.52 ± 4.5 (P = 0.025)पाई गई।
- नॉर्मोस्पर्मिक वीर्य प्लाज़्मा में टेस्टोस्टेरोन के संकेंद्रण में कोई उल्लेखनीय वृद्धि या कमी नहीं देखी गई।
- एस्थेनोज़ूस्पर्मिया में टेस्टोस्टेरोन या एस्ट्राडियोल के संकेंद्रण में एंटीस्पर्म एंटीबॉडी या पस कोशिकाओं की उपस्थिति/अनुपस्थिति के आधार पर कोई महत्वपूर्ण बदलाव नहीं पाया गया।

सिफारिशें:

- सामान्य अथवा असामान्य सीमेन सैंपलों का औसत T/E अनुपात 15.1 ± 9.9 माना जा सकता है।
- जब T/E अनुपात 10 या उससे कम होता है, तो यह वृषण स्तर पर शुक्रजनन में असामान्यता अथवा एंटीस्पर्म एंटीबॉडी या संक्रमण की उपस्थिति का सूचक हो सकता है।

12) राष्ट्रीय पोलियो सर्विलांस परियोजना (एनपीएसपी) संक्रमण का मूल्यांकन (2024)

(प्रोफेसर (डॉ.) धीरज शाह और प्रोफेसर (डॉ.) मनीष चतुर्वेदी)

उद्देश्य:

- सन् 2020 के मध्यावधि मूल्यांकन के पश्चात डब्ल्यूएचओ-एनपीएसपी संक्रमण की प्रगति की समीक्षा करना ।
- संभावित चुनौतियों की पहचान करना और जोखिम कम करने हेतु अनुशंसाएँ प्रस्तुत करना।

निष्कर्ष:

- एनपीएसपी टीकाकरण और संक्रामक रोग निगरानी में आवश्यक समर्थन प्रदान करता है। निगरानी प्रणाली पोलियो-मुक्त स्थिति बनाए रखती है, लेकिन वैश्विक पोलियो जोखिम जारी रहने के कारण समर्पित कार्यबल की निरंतर आवश्यकता है। एनपीएसपी की स्वतंत्र निगरानी और प्रशिक्षण प्रणाली अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जाती है। एनपीएसपी अभी भी मुख्य पोलियो कार्यों में व्यापक रूप से संलग्न है, जिनका पूर्ण संक्रमण नहीं हुआ है।
- पोलियो-संबंधी गतिविधियों का संक्रमण धीमा है और राज्यों में असमान रूप से प्रगति कर रहा है। एनपीएसपी ने नियमित टीकाकरण कवरेज और खसरा-रुबेला उन्मूलन में योगदान दिया। कोविड़-19 प्रतिक्रिया में एनपीएसपी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।
- एनपीएसपी को संचालित जारी रखने की प्रबल इच्छा व्यक्त की गई है।

अनुशंसाएँ:

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय हेतु:

- एनपीएसपी नेटवर्क के वित्तपोषण एवं संचालन को कम-से-कम वर्ष 2028 तक जारी रखें और एक परिष्कृत संक्रमण योजना तैयार करें।

- पोलियो कार्यों के संक्रमण हेतु राज्यों एवं जिलों को रणनीतिक सहयोग प्रदान करें।
- पोलियो संक्रमण निगरानी के लिए स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय - विश्व स्वास्थ्य संगठनसंयुक्त संचालन समिति का गठन करें।
- समय-सीमा सहित व्यावहारिक संक्रमण रूपरेखा (रोडमैप) तैयार करें।
- वर्ष 2020 एवं 2024 के मूल्यांकनों से प्राप्त अनुशंसाओं की समीक्षा करें।
- प्रतिरक्षण से परे एनपीएसपी गतिविधियों के विस्तार हेतु परिचालन शोध (ऑपरेशनल रिसर्च) कराएँ।
- वर्ष 2027 में एनपीएसपी का मूल्यांकन सुनिश्चित करें।
- एनपीएसपी की स्वतंत्र संरचना को बनाए रखें।

विश्व स्वास्थ्य संगठन एनपीएसपी हेतु:

- एनपीएसपी के प्रभावी संचालन को कम-से-कम वर्ष 2028 तक सुनिश्चित करें और एक बेहतर, व्यावहारिक संक्रमण योजना तैयार करें।
- संक्रमण सूचकों के आधार पर समय-समय पर मूल्यांकन करें।
- कार्यक्रम संबंधी आवश्यकताओं के अनुसार एसएमओ नेटवर्क की संख्या एवं स्थान समायोजित करें।
- नेटवर्क समायोजन के संबंध में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालयऔर राज्य सरकारों को प्रतिपुष्टि दें।
- मानव संसाधन प्रबंधन और तकनीकी परिचालन सहयोग में नेतृत्व क्षमता सुदृढ़ करें।
- सार्वजनिक स्वास्थ्य की मांगों और व्यवहार्यता की समीक्षा कर कार्यों का विस्तार करें, साथ ही पोलियो कार्यों में गुणवत्ता बनाए रखें।

संस्थान के क्रियाशील अनुसंधान अध्ययन

निम्नलिखित अनुसंधान अध्ययन शैक्षणिक वर्ष 2024-25 में प्रगति पर हैं।

क्रम संख्या	अनुसंधान अध्ययन का विषय	प्रधान अन्वेषक	सह-अन्वेषक
1	नीति से व्यवहार तक: सेवा वितरण स्तर पर मल्टी डोज वायल नीति और कोल्ड चेन प्रबंधन पर एक अध्ययन	प्रो. रेनू शाहरावत	डॉ. कंचन सिंह
2	सार्वभौमिक टीकाकरण कार्यक्रम के कार्यान्वयन में शामिल टीका एवं कोल्ड चेन संचालकों की प्रशिक्षण आवश्यकता का मूल्यांकन	प्रो. रेनू शाहरावत	डॉ. कंचन सिंह

3	महिलाओं में ह्यूमन पैपिलोमावायरस (HPV) के प्रारंभिक निदान हेतु नैनो बायो-सेंसर का उपयोग करते हुए पॉइंट-ऑफ-केयर टेस्टिंग (POCT) उपकरण का विकास	प्रो. रेनू शाहरावत	डॉ. दिनेश कुमार एवं डॉ. किरण रंगारी
4	नर चूहों में नीम के फाइटोकेमिकल अर्क की विषाक्तता पर अध्ययन, जिसे पुरुष गर्भनिरोधक के विकास हेतु हार्मोनों के साथ संयोजन में उपयोग किया जाएगा: एक प्रारंभिक अध्ययन	डॉ. एस. रामचंद्र राव	प्रो. राजेश कुमार
5	दक्षिण दिल्ली के स्वास्थ्य एवं कल्याण केंद्रों का उपयोग करते हुए 50 वर्ष एवं उससे अधिक आयु के पुरुषों में रक्त सीरम में पीएसए का अनुमान लगाने हेतु व्यवहार्यता अध्ययन	प्रो. राजेश कुमार	डॉ. एस. रामचंद्र राव
6	भारत की चयनित जनसंख्या समूहों में दीर्घकालिक श्वसन रोगों की महामारी विज्ञान पर ICMR टास्क फोर्स अध्ययन (CRISPI)	प्रो. मनीष चतुर्वेदी	डॉ. मोनिका सैनी
7	भारत के दस सर्वाधिक जनसंख्या वाले शहरों में विभिन्न प्रकार की औषधि दुकानों पर चिकित्सीय गर्भपात दवाओं की उपलब्धता एवं पहुँच पर अध्ययन	डॉ. राजेश रंजन	प्रो. नंथिनी सुब्बैयाह एवं डॉ. रमेश चंद
8	राष्ट्रीय एड्स एवं यौन रोग नियंत्रण कार्यक्रम (NACP) का मध्यावधि मूल्यांकन	डॉ. धीरज शाह	प्रो. मनीष चतुर्वेदी एवं प्रो. वी.के. तिवारी
9	राष्ट्रीय वन हेल्थ कार्यक्रम (NOHP-PCZ) के अंतर्गत जूनोसिस की रोकथाम और नियंत्रण हेतु कार्यक्रम का तृतीय पक्ष मूल्यांकन	डॉ. किरण रंगारी	डॉ. ए.एम. एलिज़ाबेथ एवं डॉ. रेखा मीना
10	राष्ट्रीय रेबीज नियंत्रण कार्यक्रम का मूल्यांकन	डॉ. सरिता गौतम	प्रो. मीरम्बिका महापात्रो एवं डॉ. राजेश कुमार
11	भारत में “लेप्टोस्पायरोसिस की रोकथाम एवं नियंत्रण कार्यक्रम (PPCL)” का मूल्यांकन अध्ययन	डॉ. डी.के. यादव	प्रो. अंकुर यादव एवं प्रो. नंथिनी सुब्बैयाह

12	भारत में "सर्पदंश विषाक्तता की रोकथाम एवं नियंत्रण के राष्ट्रीय कार्यक्रम (NPSE)" पर मूल्यांकन अध्ययन	डॉ. मोनिका सैनी	प्रो. मनीष चतुर्वेदी एवं प्रो. मीरम्बिका महापात्रो
13	भारत में टीकाकरण आपूर्ति श्रृंखला के तापमान निगरानी पर अध्ययन	प्रो. रेनू शहरावत	डॉ. कंचन सिंह

एम.डी. (सी.एच.ए./डी.एच.ए.) छात्रों द्वारा चल रहे शोध प्रबंध कार्य

एम.डी) .सी.एच.ए/(. डी.एच.ए .छात्रों के निम्नलिखित 16 शोध प्रबंध कार्य वर्तमान में प्रगति पर हैं।

(बैच 2024–2027)

क्रम संख्या	नाम	शोध प्रबंध का विषय	पर्यवेक्षक	सह-पर्यवेक्षक
1	डॉ. पुलकित खन्ना	दिल्ली के एक तृतीयक देखभाल अस्पताल के बाह्य रोगी विभाग के मरीजों की दवाओं पर होने वाले निजी खर्च का अध्ययन	डॉ. राजेश रंजन	प्रो. अंकुर यादव
2	डॉ. देवाशिष भारद्वाज	दिल्ली के एक तृतीयक देखभाल अस्पताल के बाह्य रोगी विभाग में आने वाले मरीजों के स्वास्थ्य-खोज व्यवहार का अध्ययन	प्रो. मनीष चतुर्वेदी	प्रो. वी.के. तिवारी
3	डॉ. राहुल कुमार गौतम	दिल्ली के विद्यालय में अध्ययनरत किशोरों (13–19 वर्ष) में भावनात्मक एवं व्यवहारिक समस्याओं का मूल्यांकन	प्रो. मीम्बिका महापात्रो	डॉ. राजेश रंजन
4	डॉ. सूर्य प्रकाश चौहान	दिल्ली के पशु-काटने के उपचार केंद्रों में आने वाले कुत्ते के काटने के मरीजों के स्वास्थ्य खोज व्यवहार पर अध्ययन	प्रो. वी.के. तिवारी	प्रो. मनीष चतुर्वेदी
5	डॉ. जया राय	20–45 वर्ष आयु की महिलाओं में असंचारी रोगों (मधुमेह, उच्च रक्तचाप, मोटापा) एवं मासिक अनियमितता, बांझपन व गर्भावस्था जटिलताओं के बीच संबंध पर अध्ययन	प्रो. अंकुर यादव	प्रो. राजेश कुमार

6	डॉ. अखिला वी. दास	टीकाकरण संकोच: दिल्ली के एक स्वास्थ्य केंद्र में आने वाले मरीजों के टीकाकरण दृष्टिकोण पर एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन	प्रो. राजेश कुमार	प्रो. रेनू शाहरावत
7	डॉ. वत्सला	दिल्ली के एक स्वास्थ्य केंद्र में लाभार्थियों के बीच आयुष्मान भारत स्वास्थ्य खाता (ABHA) आईडी की जागरूकता, अपनाने और उपयोग का अध्ययन	प्रो. ए. नंथिनी सुब्बैयाह	डॉ. राजेश रंजन
8	डॉ. अनिल यादव	दिल्ली में आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन (ABHIM) के अंतर्गत आयुष्मान आरोग्य मंदिरों के संचालन एवं सेवा वितरण पर अध्ययन	प्रो. राजेश कुमार	प्रो. रेनू शाहरावत
9	डॉ. सतीश कुमार	दिल्ली के एक तृतीयक देखभाल अस्पताल में बाह्य रोगी मरीजों पर गैर-आक्रामक ग्लूकोमीटर एवं गैर-आक्रामक हीमोग्लोबिनोमीटर की सटीकता, संवेदनशीलता एवं विशिष्टता का मूल्यांकन	डॉ. राजेश रंजन	प्रो. अंकुर यादव
10	डॉ. साहिलदीप सिंह	दिल्ली के एक शहरी स्वास्थ्य केंद्र में आने वाली 18–49 वर्ष की जनसंख्या में मोटापा और असंचारी रोगों के बीच संबंध का अध्ययन	प्रो. अंकुर यादव	प्रो. राजेश कुमार
11	डॉ. मंगिना लक्ष्मी तुलसी	दिल्ली के सरकारी अस्पताल में आने वाले प्रजनन आयु वर्ग के विवाहित जोड़ों में मोटापा और जीवनशैली जोखिम कारकों के प्रभाव पर अध्ययन	डॉ. एस. रामचंद्र राव	प्रो. वी.के. तिवारी
12	डॉ. नितिन बादवाल	दिल्ली के वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों के छात्रों में नशे के दुरुपयोग के ज्ञान और दृष्टिकोण पर एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन	डॉ. मोनिका सैनी	प्रो. वी.के. तिवारी
13	डॉ. सुषांत यादव	ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकारों में प्रारंभिक बनाम विलंबित हस्तक्षेप की लागत विश्लेषण	डॉ. रमेश चंद	डॉ. मोनिका जुनेजा

14	डॉ. पारुल सतसंगी	दिल्ली के नजफगढ़ स्थित आरएचटीसी डॉट्स केंद्र पर आने वाले तपेदिक (टीबी) रोगियों की संतुष्टि का अध्ययन	डॉ. धर्मेंद्र कुमार यादव	डॉ. रविंदर कुमार
15	डॉ. अमन अरोड़ा	आरएचटीसी नजफगढ़ के अंतर्गत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में आवश्यक दवा आपूर्ति श्रृंखला और प्रबंधन प्रथाओं का मूल्यांकन	डॉ. किरण रंगारी	डॉ. ए.एम. एलिज़ाबेथ
16	डॉ. अखिला जे.एस.	दिल्ली के एक शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की प्रसूति पूर्व क्लिनिक में आने वाली गर्भवती महिलाओं में एनीमिया और उसके जोखिम कारकों का अध्ययन	डॉ. सरिता गौतम	प्रो. राजेश कुमार

4. विशिष्ट परियोजनाएँ और कंसोर्टियम गतिविधियाँ

राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान राष्ट्रीय शीत श्रृंखला और वैक्सीन प्रबंधन संसाधन केंद्र, राष्ट्रीय कौशल प्रयोगशाला (दक्ष), स्वास्थ्य सूचना विज्ञान केंद्र, मातृ एवं शिशु ट्रैकिंग सुविधा केंद्र, टीकाकरण पर राष्ट्रीय तकनीकी सलाहकार समूह (एनटीजीआई) परियोजना जैसी कई विशिष्ट परियोजनाओं की विभिन्न गतिविधियों का प्रबंधन करता है।

राष्ट्रीय शीत-श्रृंखला और वैक्सीन प्रबंधन संसाधन केंद्र (एनसीसीवीएमआरसी)

राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान के अंतर्गत आने वाले एनसीसीवीएमआरसी की स्थापना 2013 में भारत में उच्च गुणवत्ता वाली, प्रभावी और कुशल टीकाकरण आपूर्ति श्रृंखला की स्थापना को सुगम बनाने के उद्देश्य से की गई थी। देश में टीकाकरण आपूर्ति श्रृंखला (आईएससी) को मजबूत करने में एनसीसीवीएमआरसी की भूमिका इस प्रकार है:

- प्रतिरक्षण कार्यक्रम प्रबंधकों, टीकाकरण एवं शीत श्रृंखला संचालकों और शीत श्रृंखला तकनीशियनों की क्षमता निर्माण।
- विभिन्न अध्ययन एवं आकलन आयोजित करना।
- एक सुदृढ़ राष्ट्रीय शीत श्रृंखला प्रबंधन सूचना प्रणाली का रखरखाव करना।
- प्रभावी टीका प्रबंधन (ईवीएम) के आकलन के लिए एक सचिवालय के रूप में कार्य करना।
- तकनीकी विशिष्टता समिति (टीएससी), कोल्डचेन और लॉजिस्टिक्स एवं तकनीकी विशिष्टता विकास समूह (टीएसडीजी) के लिए 'राष्ट्रीय तकनीकी सलाहकार बोर्ड' (एनटीएबी) के एक सचिवालय के रूप में कार्य करता है।

वर्ष 2024-2025 में एनसीसीवीएमआरसी द्वारा आयोजित प्रमुख राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय गतिविधियाँ इस प्रकार हैं:

क. अंतर्राष्ट्रीय गतिविधियाँ:

1. **ईवीएम मूल्यांकन के लिए अंतर्राष्ट्रीय यूनिसेफ दीर्घकालिक समझौता (एलटीए):** एनसीसीवीएमआरसी - राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान को कोपेनहेगन, डेनमार्क स्थित वैश्विक यूनिसेफ ईवीएम सचिवालय द्वारा एक दीर्घकालिक समझौता (एलटीए) प्रदान किया गया है, जिसका उद्देश्य नियोजन, प्रशिक्षण, मूल्यांकन और निरंतर सुधार योजनाओं के विकास हेतु तकनीकी

सहायता प्रदान करना है। यह एलटीए पूर्वी एवं दक्षिणी अफ्रीका क्षेत्र (ईएसएआर), पश्चिमी एवं मध्य अफ्रीका क्षेत्र (डब्ल्यूसीएआर), और दक्षिण एशिया के लिए क्षेत्रीय कार्यालय (आरओएसए) को कवर करता है, जो 45 से अधिक देशों में ईवीएम 2.0 मूल्यांकन के संचालन में सहायता प्रदान करता है। इस दीर्घकालिक समझौता को स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (एमओएचएफडब्ल्यू) द्वारा आधिकारिक रूप से अनुमोदित किया गया है।

प्रभावी टीकाकरण प्रबंधन (ईवीएम) 2.0, विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा विकसित दिशानिर्देशों और मानकों का एक समूह है जिसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि टीकों का उनके पूरे जीवनकाल में उचित प्रबंधन, भंडारण और वितरण हो। इसका उद्देश्य वैश्विक टीकाकरण कार्यक्रमों में टीकों की उपलब्धता, गुणवत्ता और सुरक्षा में सुधार करना है।

2. **मलावी में प्रभावी वैक्सीन प्रबंधन मूल्यांकन 2.0 कार्यशाला:**
   जून 2024 में, यूनिसेफ दीर्घकालिक समझौते (एलटीए) के अंतर्गत, मलावी कंट्री ऑफिस ने एनसीसीवीएमआरसी- राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान के साथ लिलोंग्वे, मलावी में प्रभावी वैक्सीन प्रबंधन (ईवीएम) 2.0 मूल्यांकन कार्यशाला आयोजित करने का अनुबंध किया। यह कार्यशाला एनसीसीवीएमआरसी के नोडल अधिकारी के मार्गदर्शन और नेतृत्व में सफलतापूर्वक संपन्न हुई।

3. **मलावी ईवीएम मूल्यांकन 2024 सतत सुधार योजना कार्यशाला (सीआईपी):**
   अगस्त 2024 में, नोडल अधिकारी के नेतृत्व में एनसीसीवीएमआरसी टीम ने मलावी में एक सतत सुधार योजना (सीआईपी) कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में इंटरैक्टिव विचार-मंथन सत्र शामिल थे, जिनमें मूल्यांकनकर्ताओं, भागीदारों और मलावी ईपीआई टीम के बीच सहयोग को प्रोत्साहित किया गया ताकि सुधार के क्षेत्रों की पहचान की जा सके और देश की टीकाकरण प्रणालियों को मज़बूत किया जा सके।

ख . राष्ट्रीय गतिविधियाँ:

1. **टीकाकरण एवं शीत श्रृंखलाप्रबंधन पर सरकारी मेडिकल स्टोर डिपो के अधिकारियों का क्षमता निर्माण:**

नसीसीवीएमआरसी- राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान ने सरकारी मेडिकल स्टोर डिपो (जीएमएसडी) के अधिकारियों के लिए टीकों के संचालन और कोल्ड चेन प्रबंधन में क्षमता निर्माण का आयोजन किया।भारत की टीकाकरण आपूर्ति

श्रृंखला प्रणाली की एक महत्वपूर्ण रीढ़ के रूप में, ये चार जीएमएसडी लाखों टीकों की खुराक और सिरिंजों का भंडारण और वितरण करते हैं।टीकाकरण प्रभाग - स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के मार्गदर्शन में, एनसीसीवीएमआरसी-एनआईएचएफडब्ल्यू ने 8-9 मार्च 2024 को राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान में क्षमता निर्माण कार्यशाला का आयोजन किया।

2. टीकाकरण एवं शीत श्रृंखला प्रबंधन (टी-वीएसीसी) पर प्रशिक्षण:

टीकाकरण एवं शीत श्रृंखला प्रबंधन की प्रभावी योजना, कार्यान्वयन और पर्यवेक्षण में टीकाकरण कार्यक्रम प्रबंधकों के कौशल को सुदृढ़ करने के लिए, एनसीसीवीएमआरसी ने टीकाकरण एवं शीत श्रृंखला प्रबंधन प्रशिक्षण पर एक आवासीय पाठ्यक्रम विकसित किया है।अब तक देश भर में 578 से अधिक कार्यक्रम प्रबंधकों को प्रशिक्षित किया जा चुका है।2024-25 में, एनसीसीवीएमआरसी में टी-वीएसीसी के पाँच राष्ट्रीय बैच आयोजित किए गए और 32 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के कुल 118 प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया गया।

3. आइस-लाइन्ड रेफ्रिजरेटर, डीप फ्रीजर और वोल्टेज स्टेबलाइजर्स और डब्ल्यूआईसी-डब्ल्यूआईएफ की मरम्मत और रखरखाव पर शीत श्रृंखला तकनीशियनों का प्रशिक्षण:

कोल्ड चेन उपकरणों की मरम्मत और रखरखाव पर कोल्ड चेन तकनीशियनों का प्रशिक्षण आइस-लाइन्ड रेफ्रिजरेटर, डीप फ्रीजर और वोल्टेज स्टेबलाइजर की मरम्मत और रखरखाव पर कोल्ड चेन तकनीशियन के प्रशिक्षण के 06 बैच और वॉक-इन-कूलर और वॉक-इन-फ्रीजर (डब्ल्यूआईएफ) के 02 बैच आयोजित किए गए, जिसमें 27 राज्यों के 150 कोल्ड चेन तकनीशियनों (सीसीटी) को प्रशिक्षित किया गया।

4. साक्ष्य सृजन:

आईएससी के प्रभावी और कुशल संचालन हेतु साक्ष्य सृजन के एक भाग के रूप में, एनसीसीवीएमआरसी ने भंडारण और परिवहन तापमान में उतार-चढ़ाव का अध्ययन करने के लिए राष्ट्रीय तापमान निगरानी अध्ययन, 36 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में राष्ट्रीय ईवीएम मूल्यांकन और आईएससी में क्षमता निर्माण को सुदृढ़ करने हेतु प्रशिक्षण आवश्यकताओं का आकलन किया है। सभी रिपोर्टें स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय को प्रस्तुत की जाती हैं।

5. तकनीकी विनिर्देश समिति और तकनीकी विनिर्देश विकास समूह:

एनसीसीवीएमआरसी, शीत श्रृंखला और उपकरणों (सीसीई) के लिए तकनीकी विनिर्देशों का सचिवालय है। एनसीसीवीएमआरसी तकनीकी विनिर्देश विकास समूह (यूनिसेफ, विश्व स्वास्थ्य संगठन, यूएनडीपी, बीआईएस, जेएसआई, बीआईएस,

एनएचएसआरसी और राज्य सीसीओ के सदस्य) की बैठक आयोजित करता है, जिसमें स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के टीकाकरण प्रभाग द्वारा दिए गए निम्नलिखित एजेंडा मदों को अंतिम रूप दिया गया और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय को प्रस्तुत किया गया:

- ✓ भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) के सहयोग से वॉक-इन-फ्रीजर (डब्ल्यूआईएफ), सोलर डायरेक्ट ड्राइव (एसडीडी) के मसौदा मानकों की समीक्षा करना।
- ✓ यूआईपी में प्रयुक्त 0.5 मिली एडी सिरिंज और 5 मिली आरयूपी सिरिंज की विशिष्टताओं पर बोलीदाताओं द्वारा उठाए गए बोली-पूर्व प्रश्नों की समीक्षा करना।.
- ✓ यूआईपी में प्रयुक्त वैक्सीन वाहनों की विशिष्टताओं पर बोलीदाताओं द्वारा उठाए गए बोली-पूर्व प्रश्नों की समीक्षा करना

6. शीत श्रृंखला और लॉजिस्टिक्स पर राष्ट्रीय तकनीकी सलाहकार निकाय (एनटीएबी) और अन्य तकनीकी समितियां:

कोल्ड चेन लॉजिस्टिक्स पर राष्ट्रीय तकनीकी सलाहकार निकाय (एनटीएबी) का गठन स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा कोल्डचेन उपकरणों की विशिष्टता, वैक्सीन के अलावा टीकाकरण लॉजिस्टिक्स और भारत में सार्वभौमिक टीकाकरण कार्यक्रम के लिए कोल्ड चेन प्रणाली को मजबूत करने पर साक्ष्य और तकनीकी इनपुट प्रदान करने के लिए किया गया है।

एनसीसीवीएमआरसी को राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान के निदेशक की अध्यक्षता में एनटीएबी के सचिवालय के रूप में नामित किया गया है।

7. मास्टर संसाधन पूल गतिविधियाँ:

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के टीकाकरण प्रभाग के निर्देशानुसार, उपलब्ध भंडारण (शीत एवं शुष्क स्थान) की पहचान करने तथा राज्यों में विभिन्न शीत श्रृंखला स्तरों पर स्थापित शीत श्रृंखला उपकरणों की मरम्मत एवं रखरखाव के लिए आवश्यक स्पेयर पार्ट्स की बंडलिंग के लिए उत्तर प्रदेश राज्य को आरवीएस, मिर्जापुर, उत्तर प्रदेश तथा सरकारी मेडिकल स्टोर डिपो, करनाल, हरियाणा में वॉक-इन-कूलर के निरीक्षण के संबंध में तकनीकी सहायता प्रदान की गई।

8. राज्य वैक्सीन स्टोर (एसवीएस), अहमदाबाद, गुजरात के लिए फ्लोर प्लान के विकास हेतु तकनीकी सहायता:

एनसीसीवीएमआरसी ने अत्याधुनिक राज्य वैक्सीन स्टोर (एसवीएस) के लिए फ्लोर प्लान के विकास के संबंध में गुजरात राज्य को तकनीकी सहायता प्रदान की।अधिकारियों को राष्ट्रीय कोल्ड चेन वैक्सीन प्रबंधन संसाधन केंद्र (एनसीसीवीएमआरसी) और राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान (एनआईएचएफडब्ल्यू) द्वारा प्रतिनियुक्त किया गया था।अधिकारियों ने 12 से 13 दिसंबर 2024 तक अहमदाबाद, गुजरात का दौरा किया।

9. शीत श्रृंखला उपकरणों की खरीद की आवश्यकता का आकलन:

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के निर्देशानुसार, एनसीसीवीएमआरसी ने कोल्ड चेन उपकरणों (विद्युतीय और गैर-विद्युतीय) की वास्तविक आवश्यकता को अंतिम रूप देने औरदेश की खरीद आवश्यकताओं की सिफारिश करने के लिए एक तकनीकी विशेषज्ञ समिति का गठन किया है।इस समिति की अध्यक्षता नोडल अधिकारी-एनसीसीवीएमआरसी के राष्ट्रीय अध्यक्ष करेंगे और इसमें टीकाकरण प्रभाग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, यूनिसेफ, यूएनडीपी और एनसीसीआरसी के सदस्य शामिल होंगे।

10. एनसीसीएमआईएस/आईएससी एवं सहायक पर्यवेक्षण समीक्षा सह व्यावहारिक कार्यशाला:

एनसीसीवीएमआरसी के पास एक प्रबंधन सूचना प्रणाली है। इस डोमेन पर निम्नलिखित अनुप्रयोग उपलब्ध हैं, जो स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के टीकाकरण प्रभाग को विभिन्न टीकाकरण संबंधी गतिविधियों की योजना बनाने और विभिन्न नीतिगत निर्णय लेने हेतु डेटा प्रदान करने में सहायता करते हैं:

क्रम संख्या	एपलीकेशन का नाम	एपलीकेशन का उपयोग
1	राष्ट्रीय शीत श्रृंखला प्रबंधन सूचना प्रणाली (एनसीसीएमआईएस)	कोल्ड चेन उपकरण इन्वेंट्री का प्रबंधन करने के लिए
2	टीकाकरण प्रशिक्षण प्रबंधन सूचना प्रणाली (आईटी एमआई एस) मॉड्यूल	राष्ट्रीय/राज्य/जिला/ब्लॉक स्तर पर प्रशिक्षण डेटा को ट्रैक करना
3	स्पेयर पार्ट्स प्रबंधन मॉड्यूल	स्पेयर पार्ट्स की आपूर्ति और वितरण का प्रबंधन करना
4	राज्यवार ऑनलाइन प्रभावी टीका प्रबंधन मूल्यांकन सुधार योजना ट्रैकर मॉड्यूल	ईवीएम सुधार योजना गतिविधियों की ट्रैकिंग के लिए

5	टीकाकरण मॉड्यूल के लिए सहायक पर्यवेक्षण	सत्र स्थल, हाउस टू हाउस, कोल्ड चेन चेकलिस्ट की ट्रैकिंगके लिए

एनसीसीवीएमआरसी नियमित रूप से राज्य स्तर पर एनसीसीएमआईएस और इसके विभिन्न मॉड्यूल (अर्थात आईटीएमआईएस, स्पेयर पार्ट्स आदि) के साथ-साथ सहायक पर्यवेक्षण (सत्र स्थल, होज़ टू हाउस और कोल्ड चेन मॉनिटरिंग) पर समीक्षा और कार्यशालाएँ आयोजित करता है। 2024-25 में एनसीसीवीएमआरसी ने एनसीसीएमआईएस पर कुल 2 राष्ट्रीय स्तर की कार्यशालाएँ आयोजित कीं, जिनमें 35 राज्य स्तरीय कार्यक्रम अधिकारियों (एसआईओ/सीसीओ आदि) को प्रशिक्षित किया गया और राज्य स्तर पर 7 कार्यशालाएँ (4 ऑफ़लाइन मोड में और 3 ऑनलाइन मोड में) आयोजित की गईं, जिनमें 745 राज्य/ज़िला स्तर के अधिकारियों को प्रशिक्षित किया गया।

11. सहायक पर्यवेक्षण अनुप्रयोग (वेब और मोबाइल):

सहायक पर्यवेक्षण (एसएस) एक डिजिटल उपकरण है जो टीकाकरण के क्षेत्र में विभिन्न पर्यवेक्षण और निगरानी जाँच सूचियों, जैसे आरआई और आईएमआई (सत्र स्थल और एच2एच), कोविड-19 (सत्र स्थल और एच2एच), कोल्ड चेन (जीएमएसडी/एसवीएस/आरवीएस, डीवीएस और स्वास्थ्य सुविधा) आदि के लिए एक भंडार के रूप में कार्य करता है।अप्रैल 2024 से अब तक, राज्य/जिलों में पर्यवेक्षकों द्वारा 8,56,556 निगरानी डेटा एकत्र किए गए हैं।

12. आईटिम्स (iTMIS) अभिविन्यास प्रशिक्षण:

आईटिम्सएक गतिशील प्रशिक्षण पंजीकरण उपकरण है जिसे स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के मार्गदर्शन में एनसीसीवीएमआरसीद्वारा विकसित किया गया है।यह एप्लिकेशन टीकाकरण कार्यक्रम प्रबंधकों/प्रशिक्षकों को केंद्र/राज्य/जिला और ब्लॉक स्तर पर विभिन्न टीकाकरण प्रशिक्षणों में प्रशिक्षित प्रतिभागियों का पंजीकरण और डेटा एकत्र करने में सक्षम बनाता है।

टीकाकरण प्रभाग के निर्देशानुसार, सभी टीकाकरण प्रशिक्षणों को सूचना के एकल स्रोत के रूप में आईटिम्समें पंजीकृत किया जाना है। इस संबंध में, एनसीसीवीएमआरसीने देश भर में आईटिम्स(iTMIS) पर अभिविन्यास प्रशिक्षण आयोजित किए हैं।अब तक 18 से अधिक राज्य स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम (टीओटी) आयोजित किए जा चुके हैं, जिनमें राज्य सूचना अधिकारी (एसआईओ), सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी (सीसीओ), राज्य/जिला कार्यक्रम अधिकारी, जिला सूचना

अधिकारी (डीआईओ), मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ), राज्य प्रशिक्षण संस्थानों के प्रधानाचार्यों सहित 3500 से अधिक प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया गया।

13. जीएमएसडी स्टोर करनाल, हरियाणा में सहायक पर्यवेक्षण दौरा:

एनसीसीवीएमआरसी टीम द्वारा 12 नवंबर 2024 को जीएमएसडी करनाल में एक सहायक पर्यवेक्षण दौरा आयोजित किया गया था, जिसका उद्देश्य जीएमएसडी अधिकारियों को वैक्सीन और कोल्ड चेन प्रबंधन के लिए तकनीकी सहायता प्रदान करना था। इसकी रिपोर्ट टीकाकरण प्रभाग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय को प्रस्तुत की गई थी।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य पोर्टल (एनएचपी) के लिए स्वास्थ्य सूचना विज्ञान केंद्र (सीएचआई)

स्वास्थ्य सूचना विज्ञान केंद्र (सीएचआई), स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान में स्थापित किया गया है।सीएचआई ने स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की डिजिटल स्वास्थ्य पहलों को समर्थन देने के लिए विभिन्न प्रकार के वेब आधारित अनुप्रयोगों के विकास और रखरखाव में सक्रिय रूप से योगदान दिया है।ये अनुप्रयोग स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के कई प्रभागों में काम करते हैं और स्वास्थ्य सेवाओं और सूचना प्रबंधन को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।. सीएचआई द्वारा प्रबंधित कुछ प्रमुख राष्ट्रीय स्तर के अनुप्रयोगों में शामिल हैं, आयुष्मान भारत - आयुष्मान आरोग्य मंदिर पोर्टल, मृत्यु के बाद के अवशेषों के लिए ई-क्लीयरेंस (ईसीएआरई), प्रधानमंत्री राष्ट्रीय डायलिसिस कार्यक्रम, प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान (पीएमएसएमए), राष्ट्रीय सार्वजनिक स्वास्थ्य वेधशाला (एनपीएचओ), मेरा अस्पताल, सुविधा आधारित नवजात देखभाल, दुर्लभ रोगों के रोगियों के लिए क्राउडफंडिंग और स्वैच्छिक दान के लिए डिजिटल पोर्टल, आजादी का अमृत महोत्सव (एकेएम), कोविड-19 इंडिया एस3 पोर्टल,राष्ट्रीय पहचान संख्या (एनआईएन) पोर्टल।

स्वास्थ्य सूचना विज्ञान केंद्र के विभिन्न सहयोग और सहायता

राष्ट्रीय कौशल प्रयोगशाला - दक्ष

पर्यवेक्षकों तथा संकाय सदस्यों/प्रसूति केन्द्रों पर उत्तम आरएमएनसीएच+ए सेवाएं उपलब्ध कराने हेतु कार्यरत प्रसूति विशेषज्ञों एवं शिशु रोग चिकित्सकों के कौशल को उन्नत बनाने के उद्देश्य से एलएसटीएम, यू.के तथा मातृत् वस्वास्थ्य प्रभाग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के सहयोग से भारत सरकार द्वारा 9 मार्च, 2015 को राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान में राष्ट्रीय कौशल प्रयोगशाला (दक्ष) की स्थापना की गई। कौशल प्रयोगशाला स्वास्थ्य देखभाल प्रदाताओं के लिए एक प्रोटोटाइप प्रदर्शन, सीखने की सुविधा तथा योग्यता आधारित प्रशिक्षण पर केंद्रित है। कौशल प्रयोगशाला में पुनरावृत्ति कौशल अभ्यास, क्लिनिकल परिदृश्य में सिमुलेशन प्रशिक्षण, योग्य प्रशिक्षकों के पर्यवेक्षण में प्रशिक्षण के अवसर भी प्रदान किए जाते हैं।

इस प्रयोगशाला में 4 कौशल स्टेशन तथा 1 मॉडल प्रसूति कक् षहै, जहाँ प्रशिक्षणार्थी पुतलों पर अभ्यास, अनुकरणात्मक अभ्यास, प्रदर्शन, भूमिका प्रदर्शन, विडियो और प्रस्तुति करणों के माध्यम से 6 दिनों में 35 मूलभूत कौशल सीखते हैं।

प्रशिक्षणार्थीयों को प्रसव-पूर्व, प्रसव के दौरान, प्रसवोत्तर और नवजात देखभाल, परिवार नियोजन, संक्रमण की रोकथाम, जटिलताओं का प्रबंधन, किशोर परामर्श और अन्य आरएमएनसीएच+ए सेवाओं के क्षेत्रों में प्रशिक्षण दिया जाता है।

इस छह दिवसीय प्रशिक्षण को इस प्रकार विभाजित किया गया है:

1. ओएससीई और प्रश्नावली के माध्यम से प्रतिभागियों के कौशल और ज्ञान का प्रशिक्षण से पूर्व और पश्चात मूल्यांकन।
2. प्रदर्शन एवं सैद्धांतिक सत्र-सैद्धांतिक सत्र वीडियो और पावरपॉइंट प्रस्तुतियों के माध्यम से आयोजित किए जाते हैं। कौशल सत्रों का प्रदर्शन कौशल केंद्रों में प्रशिक्षकों द्वारा मानकीकृत जाँच सूचियों के अनुसार पुतलों/उपकरणों पर किया जाता है।इसके बाद, प्रशिक्षु प्रशिक्षकों की देखरेख में पुतलों पर कौशल का अभ्यास करते हैं। प्रत्येक दिन के अंत में, किसी भी कौशल को सीखने के लिए पर्यवेक्षित कौशल अभ्यास का समय होता है।प्रशिक्षण के बाद मूल्यांकन किया जाता है और प्रशिक्षण के अंतिम दिन सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए जाते हैं।

वित्त पोषण एजेंसी: स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय

टिप्पणी: दिल्ली में ऐसी पाँच कौशल प्रयोगशालाएँ थीं। इनमें से चार प्रयोगशालाओं को 31 सितंबर 2025 तक विस्तार दिया गया है, जबकि राष्ट्रीयस्वास्थ्यएवंपरिवारकल्याणसंस्थानकी कौशल प्रयोगशाला को केवल 31 मार्च 2025 तक विस्तार मिला है।इन तिथियों के बाद, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा प्रयोगशालाओं को कोई वित्तीय सहायता प्रदान नहीं की जाएगी।

मार्च 2015 में इसकी शुरूआत से लेकर फरवरी 2025 तक, समीक्षाधीन वर्ष के दौरान इस पहल के तहत 110 बैचों में कुल 1,011 स्वास्थ्य देखभाल व्यावसायिकों को प्रशिक्षित किया गया है।

राष्ट्रीय टीकाकरण तकनीकी सलाहकार समूह (एनटीएजीआई) परियोजना

वर्ष 2001 में स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के एक आदेश द्वारा राष्ट्रीय टीकाकरण तकनीकी सलाहकार समूह की स्थापना की गई थी। टीकाकरण पर भारत के शीर्ष सलाहकार निकाय के रूप में, एनटीएजीआई देश में टीकाकरण द्वारा बचाव योग्य बीमारियों के प्रभावी नियंत्रण के लिए टीकाकरण और टीकाकरण सेवाओं के प्रावधान पर स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय को मार्गदर्शन और सलाह प्रदान करता है। एनटीएजीआई की अध्यक्षता सचिव, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण (स्वास्थ्य एवं कल्याण) द्वारा की जाती है और सचिव, जैवप्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी) और सचिव, स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग (डीएचआर) और महानिदेशक-भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) द्वारा सह-अध्यक्षता की जाती है।

एनटीएजीआई को स्थायी तकनीकी उप-समिति (एसटीएससी) द्वारा सहायता प्रदान की जाती है, जिसे अग्रलिखित क्रमश:दो स्थायी कार्यसमूहों द्वारा सहायता प्रदान की जाती है: (i) वैक्सीन प्रिवेंटेबल डिजीज सर्विलांस; (ii) टीकाकरण और वैक्सीन अनुसंधान और क्षमता निर्माण। हैजा कार्यसमूह, टाइफाइड कार्यसमूह, हेपेटाइटिस कार्यसमूह, इन्फ्लुएंजा कार्यसमूह, रोटावायरस कार्यसमूह, पीसीवी कार्यसमूह, कुष्ठ कार्यसमूह, एचपीवी कार्यसमूह, वैक्सीन लागत-प्रभावशीलता कार्यसमूह, अभ्यास कार्यसमूह, जापानी इंसेफेलाइटिस कार्यसमूह, मातृटीकाकरण उपसमूह, वैक्सीन आत्मविश्वास उपसमूह, रोटावायरस वैक्सीन कार्यसमूह और कोविड-19 कार्यसमूहों द्वारा आवश्यकता आधारित सहायता प्रदान की जाती है। एसटीएससी, में शामिल स्वतंत्र सदस्यों को टीकाकरण नीति और कार्यक्रमों से संबंधित मामलों पर वैज्ञानिक साक्ष्य की तकनीकी समीक्षा करने का काम सौंपा गया है।

एनटीएजीआई, एसटीएससी और इसके कार्यकारी समूहों को तकनीकी-प्रबंधकीय सहायता प्रदान करने के लिए एनटीएजीआई सचिवालय की स्थापना 2013 में की गई

थी। अप्रैल, 2016 में, यह निर्णय लिया गया कि एनटीएजीआई सचिवालय को भारत सरकार द्वारा पूरी तरह से समर्थन दिया जाएगा और इसे राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान में स्थापित किया जाएगा। एनटीएजीआई सचिवालय राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण में मई, 2017 से कार्य कर रहा है।

वित्तीय वर्ष 2023-24 (1 अप्रैल 2023 से 31 मार्च 2024) में, एनटीएजीआई द्वारा कोविड-19 टीकाकरण पर नीतिगत सिफारिशें की गईं।

एनटीएजीआई सचिवालय द्वारा निम्नलिखित प्रमुख गतिविधियों का आयोजन किया गया:

1. एक एनटीएजीआई बैठक: 26 जुलाई, 2023 को आयोजित की गई।
2. दो एसटीएससी बैठकें
3. कोविड-19 कार्यसमूह की तीन बैठकें
4. आरएसवी समूह की दो बैठकें
5. एसडब्ल्यूजी-टीकाकरण और वैक्सीन अनुसंधान और क्षमता निर्माण की एक बैठक
6. एनटीएजीआई आचार संहिता के संशोधन की एक बैठक
7. वैक्सीन लागत प्रभावशीलता विश्लेषण कार्यसमूह की दो बैठकें
8. एचपीवी कार्यसमूह की दो बैठकें
9. एसडब्ल्यूजी-वीपीडी निगरानी की दो बैठकें
10. पीसीवी-एससीडी कार्यसमूह की दो बैठकें
11. एसईएआर-आईटीएजी वार्षिक रिपोर्ट और 4 दिवसीय बैठक

पीसीएवंपीएनडीटी (PC&PNDT) नोडल एजेंसी

याचिका (सिविल) संख्या 341/2008 के परिणाम स्वरूप भारत के माननीय सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुसार फरवरी 2017 में स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के तहत राष्ट्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण संस्थान में पीसीऔरपीएनडीटी नोडल एजेंसी की स्थापना की गई थी। एक अंतरिम व्यवस्था के रूप में, गर्भधारण पूर्व और प्रसव पूर्व लिंग या लिंग-चयन के निर्धारण से संबंधित ई-विज्ञापनों की निगरानी के लिए, पीसीऔरपीएनडीटी अधिनियम, 1994 की धारा 22 के तहत निषिद्ध है।

नोडल एजेंसी का प्राथमिक उद्देश्य ई-विज्ञापनों को विनियमित करना और उन्हें हटाने की सुविधा प्रदान करना है। पीसी और पीएनडीटी अधिनियम की धारा 22 के उल्लंघन के संबंध में शिकायतों के उचित प्रमाणीकरण के बाद, आमजनता/सरकारी पदाधिकारियों/अन्यस्रोतों से प्राप्त शिकायतों को उचित कार्रवाई के लिए संबंधित सर्च

इंजनों को भेज दिया जाता है, जैसे यूआरएल को ब्लॉक करना और सर्च इंजन द्वारा की गई कार्रवाई पर फॉलो-अप किया जाता है। इसके अलावा, नोडल एजेंसी स्वत: संज्ञान गतिविधियां भी करती है और उल्लंघन के लिए विभिन्न सर्चइंजनों और सोशल मीडिया प्लेटफार्मों जैसे गूगल, याहू, बिंग, यूट्यूब आदि की निगरानी करती है और उनके खिलाफ आवश्यक कार्रवाई करती है।

अपनी स्थापना के बाद से, नोडल एजेंसी को 69 से अधिक शिकायतें प्राप्त हुईं और 450 स्वतःसंज्ञान शिकायतें तैयार की गईं, जिसके परिणामस्वरूप 6000 से अधिक यूआरएल की पहचान हुई जोपीसी और पीएनडीटी अधिनियम की धारा 22 का उल्लंघन करते हैं और 31 मार्च 2025 तक गूगल, याहू और बिंग जैसे सर्चइंजनों की निगरानी के लिए लगभग 700 कीवर्ड पर भी काम किया गया। इनमें से 8 शिकायतें अप्रैल 2024-मार्च 2025 की अवधि के दौरान प्राप्त हुईं और 109 स्वतः संज्ञान शिकायतें (602 यूआरएल सहित) की गईं, साथ ही 100 से अधिक कीवर्ड वाले सर्च इंजनों की निगरानी भी की गई।

सक्षम: राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान में डिजिटल लर्निंग मीडिया लैब

सक्षम: डिजिटल लर्निंग मीडिया लैब का उद्घाटन 9 मार्च, 2025 को माननीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा रसायन एवं उर्वरक राज्य मंत्री श्रीमती अनुप्रिया पटेल द्वारा डॉ. अतुल गोयल, डीजीएचएस, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की गरिमामयी उपस्थिति में किया गया।इस डिजिटल लैब का उपयोग स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के सक्षम पोर्टल के लिए ऑनलाइन सामग्री की ऑडियो-वीडियो रिकॉर्डिंग के लिए किया जाएगा।

मिशन कर्मयोगी और आईजीओटी के अंतर्गत गतिविधियाँ

मिशन कर्मयोगी:राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान ने मिशन कर्मयोगी के अंतर्गत राष्ट्रीय कर्मयोगी वृहद जन सेवा कार्यक्रम में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के सभी अधिकारियों (एमटीएस से लेकर डीएस/निदेशक स्तर तक) के लिए प्रशिक्षण आयोजित किया।

1. राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान, नई दिल्ली ने एमटीएस के लिए अनुशंसित पाठ्यक्रमों पर एमटीएस के लिए संवेदीकरण कार्यशाला का आयोजन किया। राष्ट्रीय शिक्षण सप्ताह के अंतर्गत कार्यशाला में 52 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

2. राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान, नई दिल्ली में स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम का आयोजन।

5. विशिष्ट सेवाएं

राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण के क्षेत्र में कई विशिष्ट सेवाओं का संचालन कर रहा है जैसे - एमसीएच और बांझपन-प्रबंधन, किशोर और युवा स्वास्थ्य, रजोनिवृत्ति स्वास्थ्य, नैदानिक प्रयोगशाला सेवाएं, राष्ट्रीय प्रलेखन केंद्र सेवाएँ, प्रेस इकाई, ऑडियो-विज़ुअल से कंप्यूटर सेंटर सेवाएँ, छात्रावास सेवाएं आदि।

रास्वापक. संस्थान का क्लिनिक

राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान के क्लिनिक में नैदानिक सेवाएं प्रदान की जाती हैं। इन सेवाओं में बांझपन प्रबंधन, प्रजनन संबंधी एंडोक्रिनोलॉजिकल और स्त्री रोग संबंधी विकारों के प्रबंधन, प्रसवपूर्व देखभाल, प्रसवपूर्व रोगियों, शिशुओं और बच्चों का टीकाकरण और गर्भनिरोधक सेवाएं सेवाएं प्रदान की जाती हैं। दोपहर में, किशोर और युवा एवं महिला क्लीनिक भी चलाए जाते हैं। सभी रोगियों के लिए पंजीकरण निःशुल्क है। प्रयोगशाला सेवाओं सहित गरीब रोगियों को सेवाएं बिना किसी भी शुल्क के मुफ्त प्रदान की जाती हैं। शेष रोगियों के लिए, संस्थान के मानदंडों के अनुसार शुल्क लागू होते हैं। क्लिनिक में कम आय वर्ग के रोगियों को मुफ्त दवा देने के लिए एक इन-हाउस फार्मेसी भी है। नि:संतान मरीजों को पहली बार आने पर प्रबंधन के लिए एक जोड़े के रूप में पंजीकृत किया जाता है। बाद के सभी अनुवर्ती परामर्श उसी चिकित्सक के साथ निर्धारित किए जाते हैं, जो देखभाल की निरंतरता सुनिश्चित करता है और चिकित्सक-रोगी संबंध बनाता है। अधिकांश प्रयोगशाला इन-हाउस रूप में उपलब्ध हैं और प्रयोगशाला सेवाएं स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं के निवारक और उपचारात्मक पहलुओं की रीढ़ हैं। हर रोगी के लिए रिकॉर्ड रूम में बहिररोगी चिकित्सा रिकॉर्ड बनाए जाते हैं और जब भी मरीज आगे परामर्श के लिए जाते हैं तो उनका रिकार्ड पुनः प्राप्त कर लिया जाता है। सभी इन-हाउस प्रयोगशाला रिपोर्ट मरीजों के संबंधित केस रिकॉर्ड फाइलों में दर्ज की जाती हैं ताकि मरीज द्वारा रिपोर्ट-संग्रह की परेशानी को कम किया जा सकें। प्रदान की जा रही सेवाओं का विवरण इस प्रकार है:

1. **क्लिनिकल सेवाएँ**

प्रात:कालीन क्लिनिक (सुबह 9 बजे - दोपहर 1:00 बजे):

- प्रसवपूर्व सेवाएं (जांच, समस्या की पहचान और रेफरल सहित उचित कार्रवाई)

- पल्स पोलियो प्रतिरक्षण (पीपीआई) सहित राष्ट्रीय टीकाकरण अनुसूची के अनुसार टीकाकरण
- गर्भनिरोधक सेवाएं
- बांझ दंपतियों का प्रबंधन
- प्रजनन संबंधी एंडोक्रिनोलॉजिकल और स्त्री रोग संबंधी विकारों का प्रबंधन

अपराह्न का क्लिनिक (दोपहर 2:00 बजे - शाम 4:00 बजे):

- किशोर और युवा क्लिनिक (10 वर्ष - 24 वर्ष की आयु)
- महिला सम्पूर्ण स्वास्थ्य क्लिनिक (40वर्ष एवं ऊपर की आयु)

विशिष्ट प्रक्रिया

- अंतरगर्भाशयी गर्भाधान

2. सहायक नैदानिक सेवाएं

प्रयोगशाला सेवाएँ

- नियमित रक्त एवं मूत्र परीक्षण
- चुनिंदा सीरोलॉजिकल परीक्षण
- वीर्य विश्लेषण
- रक्त जैव रसायन
- हार्मोन संबंधी परख
- शुक्राणु कार्यशीलता परीक्षण
- हिस्टोपैथोलॉजी- ईबी ऊतक और एफएनएसी और पैप स्मीयर *

गौण ओटी सेवाएं

- एंडोमेट्रियल बायोप्सी
- वृषण एफएनएसी

वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए इन सेवाओं का विवरण नीचे दिया गया है:

सेवाएँ	**नए मामले**	**अनुवर्ती मामलों**	
अप्रजननशीलता	442 जोड़े	महिला	पुरूष
		2895	1802
प्रजनन एंडोक्रिनोलॉजी स्त्रीरोग	549	671	
एएनसी	148	278	

किशोर	महिला-15	महिला-26
	पुरूष- 0	पुरूष- 2
सम्पूर्ण महिला स्वास्थ्य क्लिनिक	18	08
सामान्य स्टाफ	महिला- 40	महिला -15
	पुरूष -100	पुरूष -50
सामान्य	महिला -54	महिला -112
	पुरूष -106	पुरूष -158
बच्चे (केवल टीकाकरण)	महिला-110 पुरूष -129	महिला -251 पुरूष -257

प्रयोगशाला सेवाएं

नियमित रक्त और मूत्र परीक्षण (एचबी, टीएलसी, डीएलसी, ईएसआर, मूत्र आर / ई, मूत्र एम / ई)	2473
सीरोलॉजिकल टेस्ट (वीडीआरएल, ब्लड ग्रुप)	1698
वीर्य विश्लेषण	1792
ब्लड बायो-केमिस्ट्री (ब्लड शुगर, एलएफटी, केएफटी, जीटीटी, लिपिड प्रोफाइल, जीटीसी)	1124
हार्मोनल जांच (प्रोलैक्टिन, इंसुलिन, एलएच, एफएसएच, टीएसएच, टेस्टोस्टेरोन, टी 3, टी 4, ई 2)	1914
शुक्राणु आकृति विज्ञान + शुक्राणु व्यवहार्यता	300
जीसीएम	20
वीर्य जैव रसायन (जीपीसी, फ्रुक्टोज, एसिड फॉस्फेट)	18
शुक्राणु श्लेष्मा पैठ परीक्षण	54
आईयूआई नमूना तैयार करना	55
पैप स्मीयर परीक्षण	21
एचपीई	49
गर्भावस्था परीक्षण	346
पश्च कोइटल परीक्षण और सर्वाइकल म्यूकस	1012

गौण ओटी सेवाएँ

एंडोमेट्रियल बायोप्सी	49
विशिष्ट प्रक्रिया: आईयूआई (अंतर्गर्भाशयी गर्भाधान)	55

प्रेस इकाई

संस्थान के अनुसंधान, प्रशिक्षण, परामर्श और प्रशासनिक गतिविधियों का प्रकाशन और मुद्रण प्रेस यूनिट द्वारा किया जाता है। दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से स्वास्थ्य और परिवार कल्याण प्रबंधन, अस्पताल प्रबंधन, स्वास्थ्य संवर्धन, स्वास्थ्य संचार, अनुप्रयुक्त महामारी विज्ञान और जन स्वास्थ्य पोषण में डिप्लोमा पाठ्यक्रम के लिए पृष्ठभूमि दस्तावेज (मॉड्यूल और ब्लॉक) प्रतिवेदित वर्ष के दौरान तैयार किए गए थे। विभिन्न प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों, सर्वेक्षण कार्यक्रम और प्रशासनिक उद्देश्य के लिए अन्य रूपों की पृष्ठभूमि और परिचयात्मक दस्तावेज भी पुन: तैयार किए गए।

मुद्रण एवं प्रकाशन सेवाएँ

संस्थान अपने सतत शिक्षा कार्यक्रम के एक हिस्से के रूप में प्रति वर्ष विभिन्न प्रकाशनों को मुद्रित और प्रकाशित करता है।
कुछ महत्वपूर्ण प्रकाशन निम्न प्रकार थे:

- ✓ विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए बहुरंगीय ब्रोशर
- ✓ डीएलसी के मॉड्यूल/ब्लॉक
- ✓ संस्थान की वार्षिक रिपोर्ट
- ✓ संस्थान की वार्षिक लेखा रिपोर्ट
- ✓ कार्यक्रम सलाहकार समिति (पीएसी) दस्तावेज़
- ✓ सभी विभागों की स्टॉक सत्यापन रिपोर्ट, रास्वापक. संस्थान
- ✓ पत्रिका 'जन स्वास्थ्य धारणा'
- ✓ नए भर्ती किए गए सीएचएस चिकित्सा अधिकारियों के लिए एक हस्त पुस्तिका
- ✓ संस्थान न्यूजलैटर
- ✓ जर्नल: स्वास्थ्य और जनसंख्या: परिप्रेक्ष्य एवं मुद्दे
- ✓ एनटीसीपी का प्रशिक्षण मॉड्यूल
- ✓ स्वास्थ्य और जनसंख्या: परिप्रेक्ष्य एवं मुद्दे

आधिकारिक प्रकाशन

स्वास्थ्य और जनसंख्या: परिप्रेक्ष्य एवं मुद्दे

संस्थान 1978 से नियमित रूप से अपने आईएसएसएन-संख्या वाले बहु-विषयक त्रैमासिक जर्नल, स्वास्थ्य और जनसंख्या: परिप्रेक्ष्य और मुद्दों को नियमित रूप से प्रकाशित कर रहा है। राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर व्यापक प्रसार के साथ, इसमें स्वास्थ्य सेवाओं, परिवार कल्याण, जनसंख्या, अस्पताल प्रशासन, स्वास्थ्य-अर्थशास्त्र, स्वास्थ्य-संचार, जनसंख्या, सामाजिक विज्ञान के क्षेत्रों में वैज्ञानिक और शैक्षिक रुचि के और अन्य संबद्ध अनुशासनों के लेख शामिल हैं। । जर्नल को इंडमेड, एनआईसी, नई दिल्ली और गूगल स्कालर में अनुक्रमित किया गया है। जर्नल में प्रकाशित पत्रों के सार संस्थान की वेब साइट www.राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान .org पर भी उपलब्ध हैं; जबकि पूर्ण दस्तावेज़ इंडमेड, एनआईसी, नई दिल्ली (http://medind.nic.in/index.html) पर उपलब्ध हैं। समीक्षाधीन अवधि के दौरान 2024 के लिए एचपीपीआई के सभी अंक (वॉल्यूम संख्या 47 (1, 2, 3 और 4) और 2025 का अंक (वॉल्यूम संख्या 48 (1) प्रकाशित किए गए हैं। अब जर्नल यूजीसी की सूची में सम्मिलित है।

श्रव्य-दृश्य सेवाएँ

प्रतिवेदित अवधि में विभिन्न गतिविधियों के लिए संस्थान द्वारा कला, फोटो और प्रक्षेपण सेवाएं प्रदान की गईं।

राष्ट्रीय प्रलेखन केंद्र

राष्ट्रीय प्रलेखन केंद्र में उपलब्ध पुस्तकालय सुविधाएं, इस क्षेत्र में संभवतः भारत में सर्वश्रेष्ठ पुस्तकालयों में से एक हैं। दो दशकों की अवधि में, राष्ट्रीय प्रलेखन केंद्र ने 60000 से अधिक दस्तावेजों का विधिवत, संतुलित और अद्यतित संग्रह विकसित किया है, जिसमें किताबें, पत्रिकाएं, तकनीकी रिपोर्ट, वार्षिक रिपोर्ट, सांख्यिकीय रिपोर्ट, सम्मेलन की कार्यवाहियाँ, मॉड्यूल और गैर-पुस्तकीय सामग्री और दुनिया भर में जानकारी ले जाने वाले स्वास्थ्य, जनसंख्या, परिवार कल्याण और संबद्ध क्षेत्रों के बारे में विशेष संग्रह शामिल हैं।

राष्ट्रीय प्रलेखन केंद्र निम्नलिखित ऑनलाइन सेवाओं का सदस्य है:

- राष्ट्रीय प्रलेखन केंद्र डेलनेट-डेवलपिंग लाइब्रेरी नेटवर्क का एक सक्रिय सदस्य है और लिंक - https://delnet.in/index.html के माध्यम से सुलभ है।

राष्ट्रीय प्रलेखन केंद्र ने निम्नलिखित गतिविधियां पूरी कर ली हैं और लिंक - https://nihfw.ac.in/cms/ndc-home.php के माध्यम से इसे देखा जा सकता है।

- एमडी (पीएसएम), एमडी (सीएचए), अस्पताल प्रशासन आदि में स्नातकोत्तर अनुसंधान का डेटाबेस।
- दिल्ली में स्वास्थ्य विज्ञान पुस्तकालयों में उपलब्ध गैर-प्रिंट सामग्री की केंद्रीय सूची।
- स्वास्थ्य और परिवार कल्याण से संबंधित रिपोर्टों/ दस्तावेजों का संग्रह।
- डिजिटलीकरण परियोजना ने अपना पहला चरण पूरा कर लिया है। अधिकांश दुर्लभ और महत्वपूर्ण प्रकाशनों जैसे कमेटी रिपोर्ट, तकनीकी रिपोर्ट, एचपीपीआई जर्नल और संस्थान के प्रकाशन आदि का डिजिटलीकरण किया गया है।

एनडीसी निम्नलिखित ऑनलाइन सेवाएँ भी प्रदान कर रहा है:

- ऑनलाइन पब्लिक एक्सेस कैटलॉग
- 30 अंतरराष्ट्रीय प्रकाशकों से 13,000 ऑनलाइन जर्नल की सदस्यता (ONOS)
- ई-हेल्थ समाचार, प्रेस क्लिपिंग और संग्रह (हिंदी और अंग्रेज़ी)
- स्वास्थ्य पर समिति/आयोग की रिपोर्ट
- एडिशन की सूची

उपरोक्त के अतिरिक्त, वेब ओपेक के माध्यम से, सभी प्रकाशनों/दस्तावेज़ों का सारांशात्मक विवरण संस्थान की वेबसाइट https://nihfw.ac.in पर राष्ट्रीय प्रलेखन केंद्र के होम पेज लिंक https://nihfw.ac.in/cms/ndc-home.php से सुलभ है। राष्ट्रीय प्रलेखन केंद्र 1999 से प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित कर रहा है। 20वां प्रशिक्षण पाठ्यक्रम 14 से 18 अक्टूबर 2024 तक आयोजित किया गया, जिसका शीर्षक था: "डिजिटल वातावरण में पुस्तकालयों का रूपांतरण"।

कंप्यूटर केंद्र की सुविधा

संस्थान में कैंपस वाइड एरिया नेटवर्क के माध्यम से सभी संकायों, छात्रों, अनुसंधान और प्रशासनिक कर्मचारियों को कंप्यूटर और इंटरनेट की सुविधा प्रदान की गयी है। पूरा नेटवर्क कंप्यूटर सेंटर से संचालित किए गए पांच सर्वरों से जुड़ा है, जो राष्ट्रीय ज्ञान नेटवर्क (एनकेएन) द्वारा प्रदान की गई 1 जीबी बैंडविड्थ कनेक्टिविटी के माध्यम से संस्थान में 400 नोड्स को जोड़ता है। कंप्यूटर सेंटर सक्रिय रूप से डेटा विश्लेषण, प्रोग्रामिंग और कंप्यूटर असिस्टेड अधिगम में लगा हुआ है। कंप्यूटर सेंटर में शिक्षण/प्रशिक्षण उद्देश्यों और छात्रों के उपयोग के लिए दो सुसज्जित कंप्यूटर

प्रयोगशालाएँ हैं। बायोमेट्रिक उपस्थिति अनुवीक्षण पद्धति संस्थान में कार्यशील है। ये सुविधाएं सभी कर्मचारियों और छात्रों के लिए सुलभ है।

संस्थान की अपनी गतिशील वेबसाइट www.nihfw.ac.in है और अधिकारियों के लिए ई-मेल सुविधाएं हैं। कंप्यूटर केंद्र वीडियो-कॉन्फ्रेंसिंग सुविधा से युक्त है जोकि ई-लर्निंग और बैठकों के लिए उपयोग किया जाता है। केंद्र में एक विशेष रूप से डिज़ाइन किया गया साउंड प्रूफ रूम, एंटरप्राइज क्लास, पॉलीकॉम वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग उपकरण और हाई बैंडविड्थ इंटरनेट लाइन है। कॉन्फ्रेंसिंग कक्ष में अधिकतम 20 प्रतिभागी शामिल हो सकते हैं।

6. परामर्श और सलाहकार सेवाएँ

संस्थान के निदेशक तथा संकाय सदस्य विभिन्न क्षमताओं में अनेक राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय एवं स्वैच्छिक संगठनों को परामर्श एवं सलाहकार सेवाएँ प्रदान करते हैं।

निदेशक, संकाय और अन्य अधिकारियों की गतिविधियाँ:

बैठकें/ सम्मेलन/ कार्यशालाएं जिन में भाग लिया:

क्रम सं.	कार्यशाला / सेमिनार/ बैठक का शीर्षक	दिनांक/ अवधि	स्थान/आयोजक
प्रो. वीके तिवारी, अध्ययन एवं योजना एवं मूल्यांकन विभागाध्यक्ष			
1.	"प्रोटोकॉल विकास और जी.आर.ए.डी.ई. के लिए व्यवस्थित समीक्षा" पर कार्यशाला	18-19 अप्रैल 2024	सी.ओ.ई. - ईबीसीएच, पी.जी.आई.एम.ई.आर चंडीगढ़ एवं इंडियन पीडियाट्रिक्स के सहयोग से एनआईएचएफडब्ल्यू द्वारा आयोजित
2.	संकाय विकास कार्यक्रम के अंतर्गत गुणात्मक अनुसंधान पर कार्यशाला	5-6 नवंबर 2024	एनआईएचएफडब्ल्यू द्वारा आईएनसीएलईएन इंडिया के साथ संयुक्त रूप से आयोजित
3.	सीखने की अक्षमता पर राष्ट्रीय सम्मेलन - मूल्यांकन, सुगम्यता, उपकरण, प्रौद्योगिकी और समावेशन में प्रगति	22-24 जनवरी 2025	एनआईएचएफडब्ल्यू द्वारा सृष्टि के साथ संयुक्त रूप से आयोजित
4.	'सार्वजनिक स्वास्थ्य को आगे बढ़ाना: प्राथमिकताएं, नवाचार और वैश्विक साझेदारियां' पर रणनीति बैठक में भाग लिया।	1 मार्च 2025	एनआईएचएफडब्ल्यू द्वारा प्राइमस पार्टनर्स के साथ संयुक्त रूप से आयोजित

प्रो. मीराम्बिका महापात्रो, विभागाध्यक्ष, सामाजिक विज्ञान विभाग			
1.	राष्ट्रीय प्रसार कार्यक्रम, और स्वास्थ्य नेतृत्व में महिलाओं को आगे बढ़ाना: बाधाएं और सफलताएं	09 अगस्त 2024	महिलाओं पर शोध के लिए अंतर्राष्ट्रीय केंद्र (आईसीआरडब्ल्यू), नई दिल्ली द्वारा आयोजित।
प्रो. मनीष चतुर्वेदी, कार्यवाहक विभागाध्यक्ष, चिकित्सा देखभाल एवं अस्पताल प्रशासन विभाग			
1.	"प्रोटोकॉल विकास और जी.आर.ए.डी.ई. के लिए व्यवस्थित समीक्षा" पर कार्यशाला	18-19 अप्रैल 2024	सी.ओ.ई. - ईबीसीएच, पी.जी.आई.एम.ई.आर चंडीगढ़ एवं इंडियन पीडियाट्रिक्स के सहयोग से एनआईएचएफडब्ल्यू द्वारा आयोजित
2.	संकाय विकास कार्यक्रम के अंतर्गत गुणात्मक अनुसंधान पर कार्यशाला	5-6 नवंबर 2024	एनआईएचएफडब्ल्यू द्वारा आईएनसीएलईएन इंडिया के साथ संयुक्त रूप से आयोजित
3.	'सार्वजनिक स्वास्थ्य को आगे बढ़ाना: प्राथमिकताएं, नवाचार और वैश्विक साझेदारियां' के लिए रणनीति बैठक के संचालक के रूप में कार्य किया।	1 मार्च 2025	एनआईएचएफडब्ल्यू द्वारा प्राइमस पार्टनर्स के साथ संयुक्त रूप से आयोजित
प्रो. नंदिनी सुब्बैया, विभागाध्यक्ष, सामुदायिक स्वास्थ्य प्रशासन विभाग			
1.	"प्रोटोकॉल विकास और जी.आर.ए.डी.ई. के लिए व्यवस्थित समीक्षा" पर कार्यशाला	18-19 अप्रैल 2024	एनआईएचएफडब्ल्यू द्वारा आई.सी.एम.आर. -सी.ओ.ई. - ईबीसीएच, पी.जी.आई.एम.ई.आर चंडीगढ़ एवं इंडियन पीडियाट्रिक्स के सहयोग से आयोजित

2.	शिक्षण, प्रशिक्षण और प्रसार के लिए डिजिटल सामग्री विकास पर कार्यशाला (एनआईएचएफडब्ल्यू डिजीकॉन कार्यशाला-2024)	30 मई, 2024 को एनआईएचएफडब्ल्यू में	एनआईएचएफडब्ल्यू द्वारा झपीगो के सहयोग से आयोजित
3.	'सार्वजनिक स्वास्थ्य को आगे बढ़ाना: प्राथमिकताएं, नवाचार और वैश्विक साझेदारियां' पर रणनीति बैठक में भाग लिया	1 मार्च 2025	एनआईएचएफडब्ल्यू द्वारा प्राइमस पार्टनर्स के साथ संयुक्त रूप से आयोजित
4.	नवजात देखभाल में नवीनतम अपडेट: नवजात नर्सिंग में अत्याधुनिक नवाचारों की खोज	4-6 अक्टूबर 2024	एनआईएचएफडब्ल्यू द्वारा भारतीय नवजात शिशु नर्स एसोसिएशन के साथ मिलकर एक प्रतिष्ठित तीन दिवसीय सम्मेलन का आयोजन किया गया
प्रो. राजेश कुमार, प्रोफेसर, प्रजनन जैवचिकित्सा विभाग			
1.	'सार्वजनिक स्वास्थ्य को आगे बढ़ाना: प्राथमिकताएं, नवाचार और वैश्विक साझेदारियां' के लिए रणनीति बैठक में भाग लिया।	1 मार्च 2025	एनआईएचएफडब्ल्यू द्वारा प्राइमस पार्टनर्स के साथ संयुक्त रूप से आयोजित
प्रो. अंकुर यादव, कार्यवाहक विभागाध्यक्ष, संचार विभाग			
1.	दिनांक 13 से 15 दिसंबर, 2024 तक एनआईएच एफडब्ल्यू में आयोजित 21वें द्विवार्षिक अंतर्राष्ट्रीय एजिंग सम्मेलन में भाग लिया , जो चार अन्य संगठनों विनेज, पीडीआई, जीआरएफएस एचजीए और प्रत्यूषा फाउंडेशन के सहयोग से आयोजित किया गया था।	13-15 दिसंबर 2024	एनआईएचएफडब्ल्यू

2.	"प्रोटोकॉल विकास और जी.आर.ए.डी.ई. के लिए व्यवस्थित समीक्षा" पर कार्यशाला	18-19 अप्रैल 2024	सी.ओ.ई. - ईबीसीएच, पी.जी.आई.एम.ई.आर चंडीगढ़ एवं इंडियन पीडियाट्रिक्स के सहयोग से एनआईएचएफडब्ल्यू द्वारा आयोजित
3.	संकाय विकास कार्यक्रम के अंतर्गत गुणात्मक अनुसंधान पर कार्यशाला	5-6 नवंबर 2024	एनआईएचएफडब्ल्यू द्वारा आईएनसीएलईएन इंडिया के साथ संयुक्त रूप से आयोजित
4.	'सार्वजनिक स्वास्थ्य को आगे बढ़ाना: प्राथमिकताएं, नवाचार और वैश्विक साझेदारियां' के लिए रणनीति बैठक में भाग लिया।	1 मार्च 2025	एनआईएचएफडब्ल्यू द्वारा प्राइमस पार्टनर्स के साथ संयुक्त रूप से आयोजित
डॉ. एस. रामचंद्र राव, रीडर, प्रजनन जैवचिकित्सा विभाग			
1.	'सार्वजनिक स्वास्थ्य को आगे बढ़ाना: प्राथमिकताएं, नवाचार और वैश्विक साझेदारियां' पर रणनीति बैठक में भाग लिया	1 मार्च 2025	एनआईएचएफडब्ल्यू द्वारा प्राइमस पार्टनर्स के साथ संयुक्त रूप से आयोजित
डॉ. किरण रंगारी, रीडर, प्रजनन जैवचिकित्सा विभाग			
1.	संसाधन संकाय के रूप में "पुरुष बांझपन मूल्यांकन और रिपोर्टिंग" पर कार्यशाला में भाग लिया।	23 अक्टूबर 2024	एम्स पटना
2.	एजीआई पर 21 वां द्विवार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन : सम्मेलन में एक वैज्ञानिक सत्र की सह-अध्यक्षता की	14 दिसंबर 2024	एनआईएचएफडब्ल्यू

3.	अधिगम अक्षमता पर राष्ट्रीय सम्मेलन: सम्मेलन में वैज्ञानिक सत्र के लिए सह-अध्यक्ष।	24 जनवरी 2025	एनआईएचएफडब्ल्यू
4.	संकाय विकास कार्यक्रम के अंतर्गत गुणात्मक अनुसंधान पर कार्यशाला	5-6 नवंबर 2024	एनआईएचएफडब्ल्यू द्वारा आईएनसीएलईएन इंडिया के साथ संयुक्त रूप से आयोजित
5.	'सार्वजनिक स्वास्थ्य को आगे बढ़ाना: प्राथमिकताएं, नवाचार और वैश्विक साझेदारियां' के लिए रणनीति बैठक में भाग लिया।	1 मार्च 2025	एनआईएचएफडब्ल्यू द्वारा प्राइमस पार्टनर्स के साथ संयुक्त रूप से आयोजित
डॉ. राजेश रंजन, रीडर एवं कार्यवाहक विभागाध्यक्ष, महामारी विज्ञान विभाग			
1.	"क्लिनिकल उत्कृष्टता को आगे बढ़ाना: बायोमेडिकल रिसर्च वर्कशॉप में जीसीपी और बायोएथिक्स" विषय पर दो दिवसीय प्री कॉन्फ्रेंस वर्कशॉप में व्याख्यान दिए गए।	12 - 13 सितंबर 2024	ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, फरीदाबाद
2.	एनआईएचएफडब्ल्यू द्वारा 12 दिसंबर, 2024 को ऑनलाइन आयोजित "अच्छे नैदानिक अभ्यास" विषय पर पूर्व-सम्मेलन कार्यशाला में व्याख्यान दिया गया। व्याख्यान का शीर्षक: भारत में अनुसंधान नैतिकता और जैव-नैतिकता की यात्रा - उपदेशों, सिद्धांतों और व्यवहारों का परिचय।	12 दिसंबर 2024	एनआईएचएफडब्ल्यू

3.	21वें द्विवार्षिक अंतर्राष्ट्रीय वृद्धावस्था सम्मेलन में प्रोफेसर पीवी राममूर्ति व्याख्यान पुरस्कार व्याख्यान के पूर्ण सत्र और संगोष्ठी के अध्यक्ष	13-15 दिसंबर 2024	एनआईएचएफडब्ल्यू, नई दिल्ली
4.	" अधिगम अक्षमता पर राष्ट्रीय सम्मेलन - मूल्यांकन, पहुँच, उपकरण, प्रौद्योगिकी और समावेशन में प्रगति"। 23 जनवरी 2025 को लर्निंग डिसेबिलिटी में सामुदायिक जागरूकता पर एक सत्र भी आयोजित किया जाएगा।	21-24 जनवरी 2025	एनआईएचएफडब्ल्यू, नई दिल्ली
5.	21वें द्विवार्षिक अंतर्राष्ट्रीय वृद्धावस्था सम्मेलन के आयोजन सचिव	13-15 दिसंबर 2024	एनआईएचएफडब्ल्यू ने विनेज, पीडीआई, जीआरएफएसएचजीए और प्रत्यूषा फाउंडेशन के सहयोग से
6.	'सार्वजनिक स्वास्थ्य को आगे बढ़ाना: प्राथमिकताएं, नवाचार और वैश्विक साझेदारियां' पर रणनीति बैठक में भाग लिया	1 मार्च 2025	एनआईएचएफडब्ल्यू द्वारा प्राइमस पार्टनर्स के साथ संयुक्त रूप से आयोजित
7.	विश्व जनसंख्या दिवस समारोह में भाग लिया	11 जुलाई 2024	एनआईएचएफडब्ल्यू
8.	विश्व रोगी सुरक्षा दिवस समारोह में भाग लिया और ग्रीन हॉस्पिटल पर व्याख्यान और रोगी सुरक्षा पर पैनल चर्चा में भाग लिया	17 सितंबर 2024	एनआईएचएफडब्ल्यू

9.	संकाय विकास कार्यक्रम के अंतर्गत "गुणात्मक अनुसंधान कार्यशाला" में भाग लिया	5-6 नवंबर 2024	एनआईएचएफडब्ल्यू ने आईएनसीएलईएन इंडिया के साथ।
डॉ. सरिता गौतम, सहायक प्रोफेसर, सामाजिक विज्ञान विभाग			
1.	"प्रोटोकॉल विकास और जी.आर.ए.डी.ई. के लिए व्यवस्थित समीक्षा" पर कार्यशाला	18-19 अप्रैल 2024	सी.ओ.ई. - ईबीसीएच, पी.जी.आई.एम.ई.आर चंडीगढ़ एवं इंडियन पीडियाट्रिक्स के सहयोग से आयोजित
डॉ. मोनिका सैनी, सहायक प्रोफेसर, सामाजिक विज्ञान विभाग			
1.	"प्रोटोकॉल विकास और जी.आर.ए.डी.ई. के लिए व्यवस्थित समीक्षा" पर कार्यशाला	18-19 अप्रैल 2024	सी.ओ.ई. - ईबीसीएच, पी.जी.आई.एम.ई.आर चंडीगढ़ एवं इंडियन पीडियाट्रिक्सके सहयोग से एनआईएचएफडब्ल्यू द्वारा आयोजित
2.	संकाय विकास कार्यक्रम के अंतर्गत गुणात्मक अनुसंधान पर कार्यशाला	5-6 नवंबर 2024	एनआईएचएफडब्ल्यू द्वारा आईएनसीएलईएन इंडिया के साथ संयुक्त रूप से आयोजित
3.	'सार्वजनिक स्वास्थ्य को आगे बढ़ाना: प्राथमिकताएं, नवाचार और वैश्विक साझेदारियां' के लिए रणनीति बैठक में भाग लिया।	1 मार्च 2025	एनआईएचएफडब्ल्यू द्वारा प्राइमस पार्टनर्स के साथ संयुक्त रूप से आयोजित
डॉ. डी.के. यादव, सहायक प्रोफेसर एवं कार्यवाहक विभागाध्यक्ष, सांख्यिकी एवं जनसांख्यिकी विभाग			
1.	"प्रोटोकॉल विकास और जी.आर.ए.डी.ई. के लिए व्यवस्थित समीक्षा" पर कार्यशाला	18-19 अप्रैल 2024	एनआईएचएफडब्ल्यू द्वारा आई.सी.एम.आर. - सी.ओ.ई. - ईबीसीएच, पी.जी.आई.एम.ई.आर चंडीगढ़ एवं इंडियन

			पीडियाट्रिक्स के सहयोग से आयोजित
2.	शिक्षण, प्रशिक्षण और प्रसार के लिए डिजिटल सामग्री विकास पर कार्यशाला	30 मई, 2024	एनआईएचएफडब्ल्यू द्वारा झपीगो के सहयोग से आयोजित
डॉ. रमेश चंद, सहायक प्रोफेसर, योजना एवं मूल्यांकन विभाग			
1.	"प्रोटोकॉल विकास और जी.आर.ए.डी.ई. के लिए व्यवस्थित समीक्षा" पर कार्यशाला	18-19 अप्रैल 2024	सी.ओ.ई. - ईबीसीएच, पी.जी.आई.एम.ई.आर चंडीगढ़ एवं इंडियन पीडियाट्रिक्स के सहयोग से एनआईएचएफडब्ल्यू द्वारा आयोजित
2.	संकाय विकास कार्यक्रम के अंतर्गत गुणात्मक अनुसंधान पर कार्यशाला	5-6 नवंबर 2024	एनआईएचएफडब्ल्यू द्वारा आईएनसीएलईएन इंडिया के साथ संयुक्त रूप से आयोजित
3.	'सार्वजनिक स्वास्थ्य को आगे बढ़ाना: प्राथमिकताएं, नवाचार और वैश्विक साझेदारियां' पर रणनीति बैठक में भाग लिया	1 मार्च 2025	एनआईएचएफडब्ल्यू द्वारा प्राइमस पार्टनर्स के साथ संयुक्त रूप से आयोजित
डॉ. गीतांजलि सिंह, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, प्रजनन जैवचिकित्सा विभाग			
1.	संकाय विकास कार्यक्रम के अंतर्गत गुणात्मक अनुसंधान पर कार्यशाला	5-6 नवंबर 2024	एनआईएचएफडब्ल्यू द्वारा आईएनसीएलईएन इंडिया के साथ संयुक्त रूप से आयोजित
2.	अधिगम अक्षमता पर राष्ट्रीय सम्मेलन - मूल्यांकन, पहुंच, उपकरण, प्रौद्योगिकी और समावेशन में प्रगति' में भाग लिया	22 -24 जनवरी 2025	एनआईएचएफडब्ल्यू द्वारा सृष्टि के साथ संयुक्त रूप से आयोजित

3.	"बच्चों में ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकार (एएसडी) की विकासात्मक जांच और पहचान में स्वास्थ्य पेशेवरों की क्षमता निर्माण" विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया।	6-7 फरवरी, 2024	एनआईएचएफडब्ल्यू द्वारा बाल रोग विभाग, लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज और संबद्ध कलावती सरन चिल्ड्रन हॉस्पिटल के सहयोग से आयोजित
डॉ. चेतना चौहान, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, प्रजनन जैवचिकित्सा विभाग			
1.	संकाय विकास कार्यक्रम के अंतर्गत गुणात्मक अनुसंधान पर कार्यशाला	5-6 नवंबर 2024	एनआईएचएफडब्ल्यू द्वारा आईएनसीएलईएन इंडिया के साथ संयुक्त रूप से आयोजित
2.	'अधिगम अक्षमता पर राष्ट्रीय सम्मेलन - मूल्यांकन, सुगम्यता, उपकरण, प्रौद्योगिकी और समावेशन में प्रगति' का समन्वय किया गया	22-24 जनवरी 2025	एनआईएचएफडब्ल्यू द्वारा सृष्टि के साथ संयुक्त रूप से आयोजित
3.	"बच्चों में ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकार (एएसडी) की विकासात्मक जांच और पहचान में स्वास्थ्य पेशेवरों की क्षमता निर्माण" पर दो दिवसीय कार्यशाला का समन्वय किया।	6-7 फरवरी, 2024	एनआईएचएफडब्ल्यू द्वारा बाल रोग विभाग, लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज और संबद्ध कलावती सरन चिल्ड्रन हॉस्पिटल के सहयोग से आयोजित,
डॉ. वंदना भट्टाचार्य, अनुसंधान अधिकारी, योजना एवं मूल्यांकन विभाग			
1.	"प्रोटोकॉल विकास और जी.आर.ए.डी.ई. के लिए व्यवस्थित समीक्षा" पर कार्यशाला में भाग लिया	18-19 अप्रैल 2024	सी.ओ.ई. - ईबीसीएच, पी.जी.आई.एम.ई.आर चंडीगढ़ एवं इंडियन पीडियाट्रिक्सके सहयोग से एनआईएचएफडब्ल्यू द्वारा आयोजित

2.	शिक्षण, प्रशिक्षण और प्रसार के लिए डिजिटल सामग्री विकास पर कार्यशाला	30 मई, 2024	एनआईएचएफडब्ल्यू द्वारा झपीगो के सहयोग से आयोजित
3.	संकाय विकास कार्यक्रम के अंतर्गत गुणात्मक अनुसंधान पर कार्यशाला	5-6 नवंबर 2024	एनआईएचएफडब्ल्यू द्वारा आईएनसीएलईएन इंडिया के साथ संयुक्त रूप से आयोजित
4.	'अधिगम अक्षमता पर राष्ट्रीय सम्मेलन - मूल्यांकन, पहुंच, उपकरण, प्रौद्योगिकी और समावेशन में प्रगति' के एक सत्र की सह-अध्यक्षता की।	22-24 जनवरी 2025	एनआईएचएफडब्ल्यू द्वारा सृष्टि के साथ संयुक्त रूप से आयोजित
5.	'सार्वजनिक स्वास्थ्य को आगे बढ़ाना: प्राथमिकताएं, नवाचार और वैश्विक साझेदारियां' पर रणनीति बैठक में भाग लिया	1 मार्च 2025	एनआईएचएफडब्ल्यू द्वारा प्राइमस पार्टनर्स के साथ संयुक्त रूप से आयोजित
श्री लखन लाल मीणा, अनुसंधान अधिकारी, चिकित्सा देखभाल और अस्पताल प्रशासन विभाग			
1.	स्वास्थ्य पेशेवरों के लिए शिक्षा और प्रशिक्षण प्रौद्योगिकी पर कार्यशाला (एनआईएचएफडब्ल्यू का संकाय विकास कार्यक्रम) एनआईएचएफडब्ल्यू में यूसीएमएस और एमएएमसी, नई दिल्ली के एमईयू के सहयोग से आयोजित की गई।	27-28 दिसंबर,2024	एनआईएचएफडब्ल्यू द्वारा यूसीएमएस और एमएएमसी, नई दिल्ली के एमईयू के सहयोग से आयोजित।

डॉ. रेखा मीणा, अनुसंधान अधिकारी, प्रजनन जैवचिकित्सा विभाग			
1.	"प्रोटोकॉल विकास और जी.आर.ए.डी.ई. के लिए व्यवस्थित समीक्षा" पर कार्यशाला	18-19 अप्रैल 2024	सी.ओ.ई. - ईबीसीएच, पी.जी.आई.एम.ई.आर चंडीगढ़ एवं इंडियन पीडियाट्रिक्सके सहयोग से एनआईएचएफडब्ल्यू द्वारा आयोजित
2.	संकाय विकास कार्यक्रम के अंतर्गत गुणात्मक अनुसंधान पर कार्यशाला	5-6 नवंबर 2024	एनआईएचएफडब्ल्यू द्वारा आईएनसीएलईएन इंडिया के साथ संयुक्त रूप से आयोजित
डॉ. रमेश गंडोत्रा, सहायक अनुसंधान अधिकारी, योजना एवं मूल्यांकन विभाग			
1.	"प्रोटोकॉल विकास और जी.आर.ए.डी.ई. के लिए व्यवस्थित समीक्षा" पर कार्यशाला	18-19 अप्रैल 2024	सी.ओ.ई. - ईबीसीएच, पी.जी.आई.एम.ई.आर चंडीगढ़ एवं इंडियन पीडियाट्रिक्सके सहयोग से एनआईएचएफडब्ल्यू द्वारा आयोजित
2.	संकाय विकास कार्यक्रम के अंतर्गत गुणात्मक अनुसंधान पर कार्यशाला	5-6 नवंबर 2024	एनआईएचएफडब्ल्यू द्वारा आईएनसीएलईएन इंडिया के साथ संयुक्त रूप से आयोजित
श्री बच्चू सिंह, सहायक अनुसंधान अधिकारी, प्रबंधन विज्ञान विभाग			
1.	"प्रोटोकॉल विकास और जी.आर.ए.डी.ई. के लिए व्यवस्थित समीक्षा" पर कार्यशाला	18-19 अप्रैल 2024	एनआईएचएफडब्ल्यू द्वारा आई.सी.एम.आर. - सी.ओ.ई. - ईबीसीएच, पी.जी.आई.एम.ई.आर चंडीगढ़ एवं इंडियन पीडियाट्रिक्सके सहयोग से आयोजित

2.	शिक्षण, प्रशिक्षण और प्रसार के लिए डिजिटल सामग्री विकास पर कार्यशाला (एनआईएचएफडब्ल्यू डिजीकॉन कार्यशाला-2024)	30 मई, 2024	एनआईएचएफडब्ल्यू द्वारा झपीगो के सहयोग से आयोजित
सुश्री रीता रानी, सहायक अनुसंधान अधिकारी, सामाजिक विज्ञान विभाग			
3.	"प्रोटोकॉल विकास और जी.आर.ए.डी.ई. के लिए व्यवस्थित समीक्षा" पर कार्यशाला	18-19 अप्रैल 2024	एनआईएचएफडब्ल्यू द्वारा आई.सी.एम.आर. - सी.ओ.ई. - ईबीसीएच, पी.जी.आई.एम.ई.आर चंडीगढ़ एवं इंडियन पीडियाट्रिक्सके सहयोग से आयोजित
डॉ. वैशाली जायसवाल, सहायक अनुसंधान अधिकारी, सामुदायिक स्वास्थ्य प्रशासन विभाग			
1.	"प्रोटोकॉल विकास और जी.आर.ए.डी.ई. के लिए व्यवस्थित समीक्षा" पर कार्यशाला	18-19 अप्रैल 2024	एनआईएचएफडब्ल्यू द्वारा आई.सी.एम.आर. - सी.ओ.ई. - ईबीसीएच, पी.जी.आई.एम.ई.आर चंडीगढ़ एवं इंडियन पीडियाट्रिक्सके सहयोग से आयोजित
2.	शिक्षण, प्रशिक्षण और प्रसार के लिए डिजिटल सामग्री विकास पर कार्यशाला (एनआईएचएफडब्ल्यू डिजीकॉन कार्यशाला-2024)	30 मई, 2024	एनआईएचएफडब्ल्यू द्वारा झपीगो के सहयोग से आयोजित
3.	21वें द्विवार्षिक अंतर्राष्ट्रीय वृद्धावस्था सम्मेलन में भाग लिया और सम्मेलन की आयोजन टीम के सदस्य रहे।	13-15 दिसंबर 2024	एनआईएचएफडब्ल्यू ने विनेज™, पीडीआई, जीआरएफएसएचजीए और प्रत्यूषा फाउंडेशन के सहयोग से

डॉ. शेरिन राज टीपी, सहायक अनुसंधान अधिकारी, डीन कार्यालय			
1.	"प्रोटोकॉल विकास और जी.आर.ए.डी.ई. के लिए व्यवस्थित समीक्षा" पर कार्यशाला	18 - 19 अप्रैल 2024	एनआईएचएफडब्ल्यू द्वारा आई.सी.एम.आर. - सी.ओ.ई. - ईबीसीएच, पी.जी.आई.एम.ई.आर चंडीगढ़ एवं इंडियन पीडियाट्रिक्सके सहयोग से आयोजित
2	शिक्षण, प्रशिक्षण और प्रसार के लिए डिजिटल सामग्री विकास पर कार्यशाला (एनआईएचएफडब्ल्यू डिजीकॉन कार्यशाला-2024)	30 मई 2024	एनआईएचएफडब्ल्यू द्वारा झपीगो के सहयोग से आयोजित
3	संकाय विकास कार्यक्रम के अंतर्गत गुणात्मक अनुसंधान पर कार्यशाला	5 - 6 नवंबर 2024	एनआईएचएफडब्ल्यू द्वारा आईएनसीएलईएन इंडिया के साथ संयुक्त रूप से आयोजित
4	21 वें द्विवार्षिक अंतर्राष्ट्रीय एजिंग सम्मेलन में भाग लिया और सर्वश्रेष्ठ पेपर के चयन हेतु निर्णायक मंडल के सदस्य रहे।	13 - 15 दिसंबर 2024	एनआईएचएफडब्ल्यू ने विनेज™, पीडीआई, जीआरएफएसएचजीए और प्रत्यूषा फाउंडेशन के सहयोग से
5	सार्वजनिक स्वास्थ्य को आगे बढ़ाना: प्राथमिकताएं, नवाचार और वैश्विक साझेदारियां पर रणनीति बैठक में भाग लिया	1 मार्च 2025	एनआईएचएफडब्ल्यू द्वारा प्राइमस पार्टनर्स के साथ संयुक्त रूप से आयोजित

सुश्री भावना कथूरिया, सहायक अनुसंधान अधिकारी, महामारी विज्ञान विभाग			
1	"प्रोटोकॉल विकास और जी.आर.ए.डी.ई. के लिए व्यवस्थित समीक्षा" पर कार्यशाला	18 - 19 अप्रैल 2024	एनआईएचएफडब्ल्यू द्वारा आई.सी.एम.आर. - सी.ओ.ई. - ईबीसीएच, पी.जी.आई.एम.ई.आर चंडीगढ़ एवं इंडियन पीडियाट्रिक्सके सहयोग से आयोजित
2	संकाय विकास कार्यक्रम के अंतर्गत गुणात्मक अनुसंधान पर कार्यशाला	5 - 6 नवंबर 2024	एनआईएचएफडब्ल्यू द्वारा आईएनसीएलईएन इंडिया के साथ संयुक्त रूप से आयोजित
3	21 वें द्विवार्षिक अंतर्राष्ट्रीय एजिंग सम्मेलन में भाग लिया और सर्वश्रेष्ठ पेपर के चयन हेतु निर्णायक मंडल के सदस्य रहे।	13 - 15 दिसंबर , 2024	एनआईएचएफडब्ल्यू ने विनेज™, पीडीआई, जीआरएफएसएचजीए और प्रत्यूषा फाउंडेशन के सहयोग से
डॉ. राज नारायण, सहायक अनुसंधान अधिकारी, सांख्यिकी एवं जनसांख्यिकी विभाग			
1	"प्रोटोकॉल विकास और जी.आर.ए.डी.ई. के लिए व्यवस्थित समीक्षा" पर कार्यशाला	18 - 19 अप्रैल 2024	एनआईएचएफडब्ल्यू द्वारा आई.सी.एम.आर. - सी.ओ.ई. - ईबीसीएच, पी.जी.आई.एम.ई.आर चंडीगढ़ एवं इंडियन पीडियाट्रिक्सके सहयोग से आयोजित
2	शिक्षण, प्रशिक्षण और प्रसार के लिए डिजिटल सामग्री विकास पर कार्यशाला (एनआईएचएफडब्ल्यू डिजीकॉन कार्यशाला-2024)	30 मई 2024	एनआईएचएफडब्ल्यू द्वारा झपीगो के सहयोग से आयोजित

विशेषज्ञ के रूप में की जाने वाली गतिविधियाँ:

क्र सं	कार्यशाला/सेमिनार/बैठक का शीर्षक	दिनांक/अवधि	स्थान
प्रोफेसर मीरांबिका महापात्रो,विभागाध्यक्ष , सामाजिक विज्ञान विभाग			
1.	एक विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित व्याख्यान: **i.** ईएसआईसी, नई दिल्ली; **ii.** एम्स, देवघर; **iii.** सीसीआरटी, नई दिल्ली; **iv.** एआईआईए, नई दिल्ली; **v.** आईएफएस, नई दिल्ली; **vi.** राज्य कार्यक्रम प्रबंधन इकाई, दिल्ली राज्य स्वास्थ्य मिशन; और **vii.** राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (एनएचए), नई दिल्ली		नई दिल्ली
2.	भारतीय प्रजनन सोसाइटी के मुख्य टीम सदस्य के रूप में योगदान दिया, तथा चिकित्सकीय सहायता प्राप्त प्रजनन के लिए परामर्श और मनोवैज्ञानिक सहायता विकसित करने पर ध्यान केंद्रित किया।		
3	सदस्य के रूप में शैक्षणिक योगदान • राष्ट्रीय जैविक संस्थान (स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय), नोएडा की संस्थागत नैतिकता समिति के सदस्य • वेक्टर सीआरसी, पुडुचेरी के एसएसी सदस्य		नोएडा पुदुचेरी
4.	एक विशेषज्ञ के रूप में बैठक में भाग लिया 1. 02 जुलाई 2024 को एनआईपीसीसीडी में आयोजित परामर्श बैठक में भाग लिया। 2. 24 सितंबर 2024 को चिकित्सकीय सहायता प्राप्त प्रजनन के लिए मनोवैज्ञानिक समर्थन हेतु सर्वसम्मति वक्तव्य विकास समूह के सदस्य के रूप में भारतीय प्रजनन सोसायटी (आईएफएस) की बैठक में भाग लिया।	2 जुलाई 2024 24 सितंबर 2024	

	3. 6 दिसंबर, 2024 को सामाजिक विकास परिषद की आम सभा की बैठक में भाग लिया।	6 दिसंबर 2024	

अध्यक्षता/अध्यक्षता सत्र/समारोह

क्र सं	कार्यशाला/सेमिनार/बैठक का शीर्षक	दिनांक/ अवधि	स्थान
प्रोफेसर मीरांबिका महापात्रो, सामाजिक विज्ञान विभाग			
1	• प्रजनन और मानसिक स्वास्थ्य वेबिनार की अध्यक्षता	11 अप्रैल 2024	आईसीएमआर
	• 9-11 जुलाई, 2024 तक दिल्ली विश्वविद्यालय के मानव विज्ञान विभाग में राष्ट्रीय स्तर के डॉक्टरेट शोध संगोष्ठी की अध्यक्षता	10 जुलाई 2024	यूओडी
	• 21 मार्च 2025 को "आरएमएनसीएचए+" विषय पर वैज्ञानिक पेपर सत्र की अध्यक्षता, सत्र-**1**, स्थान: एमपीएच व्याख्यान-**1**, केएलई विश्वविद्यालय। आईपीएचएसीओएन सम्मेलन 21 से 23 मार्च 2025 तक आयोजित किया गया ।	21 मार्च 2025	केएलई विश्वविद्यालय आईपीएचएकॉन
	• 20 मार्च, 2025 को केएलई विश्वविद्यालय, बेलगांव में "क्षितिज का विस्तार: जीबीवी को संबोधित करना और एलजीबीटीक्यूआईए+वॉयस को उजागर करना" विषय पर पूर्व सम्मेलन कार्यशाला की	20 मार्च 2024	केएलई विश्वविद्यालय, बेलगाँव

	अध्यक्षता करेंगे (आईपीएचएसीओएन सम्मेलन 21 से 23 मार्च 2025 तक)। • ईएससीआई, फरीदाबाद के सहयोग से 12 सितंबर 2024 को बायोएथिक्स पर पूर्व-सम्मेलन कार्यशाला की अध्यक्षता	12 सितंबर 2024	ईएससीआई, फरीदाबाद
प्रोफेसर अंकुर यादव, कार्यवाहक विभागाध्यक्ष, संचार विभाग			
1	चार अन्य संगठनों विनेज, पीडीआई, जीआरएफएसएचजीए और प्रत्यूषा फाउंडेशन के सहयोग से 21वें द्विवार्षिक अंतर्राष्ट्रीय वृद्धावस्था सम्मेलन में भाग लिया और "बुजुर्ग सशक्तिकरण और सुखद वृद्धावस्था" पर सत्र की अध्यक्षता की।	13 दिसंबर 2024	राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान

7. प्रशासनिक उपाय

प्रतिवेदित अवधि के दौरान संस्थान में सेवानिवृत्ति, पेंशन, पदोन्नति, नियुक्ति आदि से संबंधित विषयों को अंतिम रूप देने के लिए अनेक प्रशासनिक प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित किया गया है।

शासी निकाय (जी.बी.) - संस्थान के कार्यों के प्रबंधन का मुख्य उत्तरदायित्व शासी निकाय का है जोकि स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के माननीय केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री की अध्यक्षता के अधीन गठित की गई है। बैठक में संस्थान के कामकाज में सुधार हेतु नीतिगत निर्णय लिए जाते हैं। शासी निकाय की बैठक 18 फरवरी 2025 को आयोजित की गई थी।

स्थायी वित्त समिति (एस.एफ.सी.) - स्थायी वित्त समिति एक अन्य महत्वपूर्ण समिति है, जो संस्थान के वित्तीय प्रबंधन हेतु मार्गदर्शन करती है। रास्वापक संस्थान की स्थायी वित्तीय समिति की 69वीं और 70वीं बैठक क्रमश: 8 मई, 2024 और 5 दिसंबर, 2024 को श्री अपूर्व चंद्रा, सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की अध्यक्षता में हुई थी।

कार्यक्रम सलाहकार समिति (पीएसी) - समिति में विभिन्न विषयों/अनुशासनों के प्रतिनिधि शामिल हैं, जो केंद्रीय एवं राज्य स्तर तथा केंद्रीय प्रशिक्षण संस्थानों से संबन्धित हैं तथा देश में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण कार्यक्रमों के संवर्धन में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से शामिल हैं। शिक्षण गतिविधियों के मार्गदर्शन करने हेतु तथा संस्थान की गतिविधियों की समीक्षा के लिए समिति की सामान्यतः एक वर्ष में दो बार बैठक आयोजित की जाती है। इस वर्ष मध्यावधि कार्यक्रम सलाहकार समिति (पीएसी) की बैठक 15 अक्टूबर, 2024 को और नियमित कार्यक्रम सलाहकार समिति (पीएसी) की बैठक 18 मार्च, 2025 को आयोजित की गई थी। पीएसी ने सभी प्रशिक्षण और अनुसंधान गतिविधियों के साथ-साथ चल रहे अध्ययनों की वर्तमान स्थिति की समीक्षा की। बैठक में सभी संकाय सदस्य, चिकित्सा अधिकारी, अनुसंधान अधिकारी और सहायक अनुसंधान अधिकारी शामिल हुए।

8. सरकारी कामकाज में हिन्दी का प्रयोग

संस्थान में राजभाषा नीति के क्रियान्वयन संबंधी प्रगति की समीक्षा करने के लिए संस्थान के निदेशक की अध्यक्षता में एक राजभाषा कार्यान्वयन समिति कार्यरत है। प्रतिवेदित अवधि में (अर्थात 1 अप्रैल, 2024 से 31 मार्च, 2025) के दौरान इस समिति की सभी त्रैमासिक बैठकें नियमित रूप से आयोजित की गईं।

सरकारी कामकाज में हिन्दी का प्रयोग

संस्थान की राजभाषा कार्यान्वयन समिति का वर्तमान गठन निम्नप्रकार से हैः

संस्थान की राजभाषा कार्यान्वयन समिति का गठन (31 मार्च, 2025 के अनुसार)

1.	प्रो. धीरजशाह, निदेशक	अध्यक्ष
2.	डॉ. वी.के. तिवारी, डीन एवं प्रोफेसर, योजना एवं मूल्यांकन विभाग	उपाध्यक्ष
3.	उप-निदेशक (प्रशा.)/नोडल अधिकारी (प्रशा.)	सदस्य
4.	डॉ. मनीषचतुर्वेदी, प्रोफेसर, एमसीएचए विभाग	सदस्य
5.	डॉ. अंकुर यादव, कार्यवाहक विभागाध्यक्ष, संचार विभाग एवं संकाय प्रभारी हिंदी कक्ष	सदस्य
6.	डॉ. गीतांजलि, वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी, प्रजनन जैवचिकित्सा विभाग	सदस्य
7.	डॉ. गौरवशर्मा, उप-निदेशक (तकनीकी), परियोजना	सदस्य
8.	प्रभारी (प्रशा.1)	सदस्य
9.	प्रभारी (प्रशा.2)	सदस्य
10.	अनुभाग अधिकारी, (अकादमिक)	सदस्य
11.	कार्यशाला एवं अनुरक्षण अधिकारी	सदस्य
12.	लेखा अधिकारी	सदस्य
13.	प्रभारी (कम्प्यूटरकेंद्र)	सदस्य
14.	प्रभारी (भण्डार)	सदस्य
15.	डॉ. गणेश शंकर श्रीवास्तव, प्रभारी (हिन्दी कक्ष)	सदस्य-सचिव

प्रतिवेदित अवधि में, संस्थान में राजभाषा नीति के क्रियान्वयन संबंधी प्रगति रिपोर्ट का संक्षिप्त विवरण निम्न प्रकार से हैः

पत्र व्यवहार में हिन्दी का प्रयोग

इस अवधि के दौरान, 84.75% पत्र (ई-मेल और फैक्स संदेश सहित) हिन्दी में जारी हुए अर्थात् 'क' क्षेत्र के 85.11% पत्र, 'ख़' क्षेत्र के 85.04% पत्र तथा 'ग' क्षेत्र के लिए क्रमशः 81.43% पत्र हिन्दी में जारी किए गए जबकि 'क' और 'ख़' क्षेत्रों के लिए निर्धारित लक्ष्य 100% है तथा 'ग' क्षेत्र के लिए यह लक्ष्य 65% है।उक्त अवधि (अर्थात अप्रैल, 2024 से मार्च, 2025) के दौरान शत-प्रतिशत सामान्य आदेश हिन्दी में जारी किए गए थे। इसी प्रकार हिंदी में प्राप्त सभी पत्रों के उत्तर हिंदी में दिए गए।

हिंदी में दिन-प्रतिदिन के अनुवाद कार्य के अतिरिक्त, कई विशिष्ट अनुवाद कार्य भी पूरे किए गए जिनमें वार्षिक रिपोर्ट तथा वार्षिक लेखा 2024-25, प्रोफार्मा, सर्वेक्षण कार्यक्रम, प्रमाण पत्र से संबंधित सामग्री, बैनर और विभिन्न विभागों के विज्ञापन शामिल हैं।

हिंदी शिक्षण योजना

हिन्दी शिक्षण योजना के अंतर्गत स्टाफ सदस्यों को हिन्दी आशुलिपि तथा हिन्दी टंकण में प्रशिक्षण

सभी 04 आशुलिपिकों (संस्थान के नियमित पद पर) को पहले ही हिन्दी आशुलिपि में प्रशिक्षित किया जा चुका है।

स्टाफ का हिन्दी-प्रशिक्षण

31 मार्च , 2025 के अनुसार संस्थान के सभी 136 स्टाफ सदस्यों को हिन्दी भाषा का कार्य साधक ज्ञान प्राप्त है, जिनमें से 72 को हिन्दी में प्रवीणता प्राप्त है तथा शेष 64 को हिन्दी भाषा का कार्य साधक ज्ञान प्राप्त है।

सरकारी कामकाज में हिन्दी के प्रगामी प्रयोग संबंधी प्रोत्साहन योजना

प्रतिवेदित अवधि में संस्थान के 06 कर्मचारियों ने उपरोक्त प्रोत्साहन योजना में भाग लिया था। वित्तीयवर्ष 2024-25 हेतु, उनके कार्य का मूल्यांकन निदेशक के अनुमोदन से गठित एक उप-समिति द्वारा किया जाएगा।

हिन्दी पखवाडा

हिंदी सप्ताह-**2024** संस्थान में **14** से **30** सितंबर **2024** तक आयोजित किया गया। सप्ताह के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं एवं कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इन गतिविधियों का दिनांकानुसार विवरण निम्नलिखित है:

- **13** सितंबर **2024:** निदेशक महोदय द्वारा एक ई-अपील जारी किया गया, जिसमें सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से अनुरोध किया गया कि वे हिंदी सप्ताह में सक्रिय रूप से भाग लें।
- **17** सितंबर **2024:** समूह 'बी' (गैर-शोध कर्मचारी) अधिकारियों के लिए एक रचनात्मक लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतिभागियों ने कल्पनाशील और प्रभावशाली रचनाएँ प्रस्तुत कीं।
- **18** सितंबर **2024:** समूह 'सी' अधिकारियों के लिए हिंदी निबंध प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतिभागियों ने समकालीन विषयों पर सारगर्भित निबंध लिखे।
- **19** सितंबर **2024:** हिंदी लिप्यंतरण और शब्दावली प्रतियोगिता बहु-कर्तव्य कर्मचारियों के लिए आयोजित की गई, जिसमें उनकी भाषा दक्षता और लेखन सटीकता का मूल्यांकन किया गया।
- **20** सितंबर **2024:** हिंदी वाद-विवाद प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें संकाय सदस्य, अनुसंधान अधिकारी एवं सहायक अनुसंधान अधिकारी, छात्र और समूह 'ए' अधिकारी शामिल हुए और दिए गए विषय पर तर्क प्रस्तुत किए।
- **24** सितंबर **2024:** हिंदी काव्य सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर श्री अरुण जैमिनी, श्री पवन कुमार, श्री प्रांजल धर एवं डॉ. गणेश शंकर श्रीवास्तव ने अपनी कविताएँ प्रस्तुत कीं। कार्यक्रम का संचालन डॉ. मोनिका सैनी ने किया।
- **25** सितंबर **2024:** एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला आयोजित की गई, जिसमें प्रतिभागियों को हिंदी के व्यावहारिक उपयोग, आधिकारिक प्रक्रियाओं में हिंदी के प्रभावी प्रयोग और अन्य भाषाई विषयों पर प्रशिक्षण दिया गया।
- **30** सितंबर **2024:** हिंदी सप्ताह के पुरस्कार वितरण एवं समापन समारोह के दौरान, "जन स्वास्थ्य धारणा" और साहित्य के हिंदी खंड का विस्तृत विश्लेषण साहित्यिक विशेषज्ञों द्वारा किया गया, जिनमें प्रो. कुमुद शर्मा, उपाध्यक्ष, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली, एवं निदेशक प्रो. धीरज शाह शामिल थे।

राजभाषा सम्मेलन

दिनांक 14 फरवरी, 2025 को राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान के ऑडिटोरियम में राजभाषा सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसका संयुक्त तत्वावधान राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान, भारतीय जनसंचार संस्थान, होम्योपैथी अनुसंधान केंद्रीय परिषद, आईआईटी दिल्ली और नगर राजभाषा क्रियान्वयन समिति (नाराकास) दक्षिण दिल्ली-03 के क्षेत्रीय प्रोजेक्ट द्वारा किया गया। उद्घाटन संबोधन में प्रो. धीरज शाह, निदेशक, एनआईएचएफडब्ल्यू, ने नाराकास के सभी सदस्यों से हिंदी को आधिकारिक भाषा के रूप में बढ़ावा देने और इसके प्रभावी कार्यान्वयन हेतु सामूहिक प्रयास करने का आवाहन किया।

सम्मेलन के अंतर्गत हिंदी और मीडिया पर एक विशेष सत्र का भी आयोजन किया गया। इस सत्र में प्रो. अंकुर यादव, प्रमुख, संचार विभाग, एनआईएचएफडब्ल्यू; श्री अशोक श्रीवास्तव, संपादक, दूरदर्शन समाचार; एवं श्री प्रतीक त्रिवेदी, वरिष्ठ संपादक, नेटवर्क 18 समूह ने मीडिया, सिनेमा और हिंदी की भूमिका पर अपने विचार साझा किए। इस सत्र का सफल संचालन डॉ. गणेश शंकर श्रीवास्तव, प्रभारी, हिंदी सेल द्वारा किया गया। इस अवसर पर एक भव्य कवि सम्मेलन का भी आयोजन हुआ, जिसमें प्रसिद्ध हिंदी कवियों डॉ. कीर्ति काले, प्रो. जितेंद्र श्रीवास्तव, श्री ओम प्रकाश कल्याण, श्री अरविंद पाठिक और डॉ. गणेश शंकर श्रीवास्तव ने अपनी काव्यपाठ प्रस्तुतियों से उपस्थित जनसमूह का मन मोह लिया।

हिंदी पत्रिका "जन स्वास्थ्य धारणा" का विमोचन

रिपोर्टिंग अवधि के दौरान, दिनांक 9 मार्च, 2025 को संस्थान के वार्षिक दिवस के अवसर पर हिंदी पत्रिका "जन स्वास्थ्य धारणा" का नवीनतम अंक माननीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री सुश्री अनुप्रिया पटेल द्वारा औपचारिक रूप से विमोचित किया गया।

9. संस्थान मे मनाए गए कार्यक्रम

48वें वार्षिक दिवस का उत्सव

संस्थान ने 9 मार्च 2025 को अपना 48वाँ वार्षिक दिवस मनाया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए, मुख्य अतिथि, श्री जे. पी. नड्डा, केंद्रीय मंत्री, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने एक वीडियो संबोधन के माध्यम से अपना बधाई संदेश दिया। उन्होंने देश में जन स्वास्थ्य व्यावसायिकों के लिए प्रशिक्षण, अनुसंधान और क्षमता निर्माण गतिविधियों के संचालन में अग्रणी भूमिका निभाने के लिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान की सराहना की। उन्होंने राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान को उसकी प्रासंगिक अनुसंधान गतिविधियों और ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म **'सक्षम'** के लिए भी बधाई दी, जो स्वास्थ्य सेवा में डिजिटल शिक्षण परिदृश्य को और बेहतर बनाएगा।

मुख्य अतिथि के रूप में, श्रीमती अनुप्रिया पटेल, केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री, ने इस बात पर प्रकाश डाला कि संस्थान की क्षमता निर्माण के प्रति प्रतिबद्धता, जन स्वास्थ्य में डॉक्टरेट और स्नातकोत्तर कार्यक्रमों के माध्यम से स्पष्ट होती है, जो देश में योग्य व्यावसायिकों की तत्काल आवश्यकता को पूरा करती हैं। राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान की शोध पहलों और विभिन्न सरकारी कार्यक्रमों के मूल्यांकन ने साक्ष्य-आधारित नीति निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। स्वास्थ्य सेवा व्यावसायिकों , विशेष रूप से अस्पताल प्रबंधनके प्रशिक्षण में संस्थान का सक्रिय दृष्टिकोण और डिजिटल इंडिया विज़न के साथ इसका समन्वय, स्वास्थ्य सेवा शिक्षा और सेवा वितरण के आधुनिकीकरण के प्रति इसके समर्पण को दर्शाता है।

विशिष्ट अतिथि, डीजीएचएस श्री अतुल गोयल ने इस बात पर प्रकाश डाला कि कैसे अनुसंधान राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान की एक प्रमुख ताकत रहा है और संस्थान ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों के मूल्यांकन के माध्यम से नीति और व्यवहार में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि भविष्य की ओर देखते हुए, राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान का लक्ष्य डिजिटल स्वास्थ्य नवाचारों का लाभ उठाना, मानसिक स्वास्थ्य चुनौतियों का समाधान करना और समुदाय-संचालित स्वास्थ्य सेवा मॉडल को बढ़ावा देना है, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि यह भारत के स्वास्थ्य सेवा पारिस्थितिकी तंत्र को आकार देने में सबसे आगे रहे।

संस्थान के निदेशक डॉ. धीरज शाह ने संस्थान की पिछले वर्ष की प्रमुख उपलब्धियों का विवरण प्रस्तुत किया और निकट भविष्य में की जाने वाली कुछ गतिविधियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि संस्थान ने जन स्वास्थ्य और स्वास्थ्य प्रबंधन के विविध क्षेत्रों में लगभग 4000 स्वास्थ्य कर्मियों को प्रशिक्षित करने के लिए 132 प्रशिक्षण कार्यक्रम और कार्यशालाएँ आयोजित कीं।

दो नई सुविधाओं, ओपन जिम्नेजियम पार्क और सक्षम-मीडिया लैब का उद्घाटन भी मुख्य अतिथि, श्रीमती अनुप्रिया पटेल, केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री और विशिष्ट अतिथि, डीजीएचएस श्री अतुल गोयल द्वारा किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि द्वारा संस्थान के नए लोगो और विभिन्न समितियों के नामों का अनावरण भी किया गया।
इस अवसर पर, विभिन्न श्रेणियों के सर्वश्रेष्ठ कर्मचारियों को मंच पर माननीय केंद्रीय राज्य मंत्री और अन्य गणमान्य व्यक्तियों से पुरस्कार प्राप्त हुए।

इस दिन संस्थान में डॉ. आर.पी. नेत्र विज्ञान केंद्र, एम्स, नई दिल्ली के सहयोग से एक व्यापक नेत्र जांच शिविर का भी आयोजन किया गया और कुल 134 लोगों ने अपनी जांच कराई।

कार्यक्रम के समापन पर संस्थान के विभिन्न स्नातकोत्तर विद्यार्थियों ने विभिन्न राज्यों के सुंदर लोक नृत्य प्रस्तुत किए। अंत में अध्ययन संकायाध्यक्ष प्रो. वी.के. तिवारी ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

स्वतंत्रता दिवस समारोह

राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान में 15 अगस्त, 2024 को स्वतंत्रता दिवस समारोह मनाया गया। इस अवसर पर, राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान के निदेशक, प्रो. धीरज शाह ने ध्वजारोहण किया और उपस्थित लोगों को संबोधित किया। राष्ट्रगान के बाद, राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान के विभिन्न वरिष्ठ अधिकारियों ने भी सभा को संबोधित किया। संस्थान के कर्मचारियों के बच्चों द्वारा एक संगीत कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया गया।

विश्व जनसंख्या दिवस

'विश्व जनसंख्या दिवस 2024'11 जुलाई 2024 को राष्ट्रीय प्रलेखन केंद्र,राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान में मनाया गया। यह दिवस तीव्र जनसंख्या वृद्धि से उत्पन्न चुनौतियों, जैसे स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, रोज़गार, लैंगिक समानता और पर्यावरणीय स्थिरता तक पहुँच, के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए समर्पित है।यह

राष्ट्रीय स्तर पर इन मुद्दों पर विचार-विमर्श का अवसर भी प्रदान करता है। एमडी सीएचए, डीएचए और पी गई डीपीएचएम के छात्रों ने इस कार्यक्रम के आयोजन में सक्रिय रूप से भाग लिया और इसके सफल आयोजन में अपना योगदान दिया। इस अवसर परप्रो. धीरज शाह, निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान ने प्रख्यात व्यक्तित्व श्री चित्तरंजन त्रिपाठी का स्वागत किया और उन्हें एक हरा पौधा और संस्थान का स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया। डॉ. अरीता सक्सेना ने दर्शकों से श्री चित्तरंजन त्रिपाठी का परिचय करायाऔर उनके राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय के निदेशक , लेखक, अभिनेता और संगीतकार के रूप में उनके शानदार करियर पर प्रकाश डाला, जिसमें रंगमंच, सिनेमा और संगीत में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा।

मुख्य भाषण देते हुए, श्री त्रिपाठी ने जनसंख्या संबंधी मुद्दों पर जागरूकता पैदा करने और लोगों को परिवार नियोजन के तरीकों को अपनाने के लिए प्रेरित करने में मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका पर ज़ोर दिया, साथ ही क्षेत्रीय कार्यकर्ताओं को जनसंख्या संबंधी मामलों पर संचार कौशल से लैस करने की आवश्यकता पर भी ज़ोर दिया।प्रोफ़ेसर पुष्पांजलि स्वैन, विभागाध्यक्ष, सांख्यिकी एवं जनसांख्यिकी विभाग ने भी उपस्थित लोगों को संबोधित किया और विश्व जनसंख्या दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला। इसके बाद एक पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया, जहाँ श्री त्रिपाठी और एनआईएचएफडब्ल्यू के निदेशक ने प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताओं के विजेताओं के साथ-साथ पीजीडीपीएचएम, एमडी (सीएचए) और डीएचए के छात्रों को सम्मानित किया, जिन्होंने इस कार्यक्रम की मेजबानी की थी।कार्यक्रम का समापन अध्ययन संकायाध्यक्ष डॉ. वी. के. तिवारी के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिन्होंने निदेशक, संकाय सदस्यों, कर्मचारियों और छात्रों के योगदान के लिए उनका आभार व्यक्त किया। इस कार्यक्रम को खूब सराहा गया और इसने सभी प्रतिभागियों पर एक अमिट छाप छोड़ी।

इस कार्यक्रम की कुछ मुख्य बातें नीचे चित्रों द्वारा दर्शाई गई हैं:

गणतंत्र दिवस समारोह

संस्थान में 26 जनवरी 2025 को देशभक्ति के उत्साह के साथ गणतंत्र दिवस मनाया गया। राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान के निदेशक प्रो. धीरज शाह ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और कर्मचारियों का अभिवादन किया। अपने संबोधन में, उन्होंने सभी से राष्ट्र के प्रति अपनी ज़िम्मेदारियों को पूरी ईमानदारी और समर्पण के साथ निभाने का आग्रह किया। कार्यक्रम में संस्थान के संकाय सदस्य, शोध कर्मचारी, प्रशासनिक कर्मचारी और आउटसोर्स कर्मचारी शामिल हुए।

इस अवसर पर एक सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किया गया, जिसमें स्टाफ सदस्यों और उनके बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिससे समारोह में और अधिक रौनक आ गई।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह

संस्थान में 21 जून 2024 को दसवाँ अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया गया।प्रति वर्ष इस दिन विश्व स्तर पर मनाया जाने वाला यह दिवस शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक कल्याण को बढ़ावा देने में योग के महत्व पर प्रकाश डालता है।वर्ष 2024 का विषय, "स्वयं और समाज के लिए योग", योग को एक परिवर्तनकारी अभ्यास के रूप में रेखांकित करता है जो मन और शरीर, विचार और कर्म को संतुलित करता है और व्यक्तियों और समुदायों के बीच सामंजस्य को बढ़ावा देता है।संस्थान के लॉन में सुबह 6:30 से 7:30 बजे तक एक घंटे का योग सत्र आयोजित किया गया, जिसमें संकाय, छात्रों और कर्मचारियों की सक्रिय भागीदारी रही। इस सत्र का नेतृत्व मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान (एमडीएनआईवाई) की योग प्रशिक्षक सुश्री खुशबू भटनागर ने किया।

कार्यक्रम की शुरुआत अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समन्वयक डॉ. मोनिका सैनी के संक्षिप्त परिचय से हुई, जिन्होंने नियमित योग अभ्यास के स्वास्थ्य लाभों पर प्रकाश डाला।सुश्री भटनागर ने विभिन्न आसन और प्राणायाम तकनीकों का प्रदर्शन किया

और रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करने, तनाव कम करने और समग्र स्वास्थ्य में सुधार लाने में उनकी भूमिका के बारे में जागरूकता बढ़ाई । इस समारोह में 120 प्रतिभागियों की प्रभावशाली उपस्थिति रही, जिसके बाद समग्र स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए पौष्टिक नाश्ते का वितरण किया गया। कार्यक्रम का समापन सुश्री भटनागर के अभिनंदन औरसंस्थान में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के सफल आयोजन के उपलक्ष्य में औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस **24** के समारोह की झलकियां निम्नलिखित हैं:

पी पी तलवार व्याख्यान

पी.पी. तलवार व्याख्यान श्रृंखला के अंतर्गत 11 सितंबर 2024 को दोपहर 2.45 बजे एनआईएचएफडब्ल्यू के सभागार में व्याख्यान का आयोजन किया गया। न्यूट्रिशन फाउंडेशन ऑफ इंडिया की निदेशक प्रो. प्रेमा रामचंद्रन ने 'एनीमिया नियंत्रण कार्यक्रम: राष्ट्रीय सर्वेक्षणों की भूमिका' विषय पर व्याख्यान दिया।

प्रोफेसर रामचंद्रन का वर्तमान शोध कार्य 'प्राथमिक देखभाल सेटिंग्स- गर्भावस्था में एनीमिया के प्रबंधन, पूर्वस्कूली बच्चों में रुग्णता पोषण बातचीत, बच्चों और वयस्कों में दोहरे पोषण बोझ की उभरती समस्याओं पर है।उन्होंने मध्याह्न भोजन कार्यक्रम और किशोरियों के लिए पोषण कार्यक्रम सहित कई राष्ट्रीय कार्यक्रमों का मूल्यांकन किया था।एफएओ के लिएउन्होंने भारत में दोहरे पोषण भार पर एक देश रिपोर्ट तैयार करने का कार्य किया है(एनएफआई और एफएओ वेबसाइटों पर उपलब्ध)।उन्होंने भारत सरकार के महिला एवं बाल विकास विभाग के लिए भारत में पोषण परिवर्तन 1947-2007 पर रिपोर्ट भी तैयार की (जो एनएफआई और डीडब्ल्यूसीडी वेबसाइटों पर उपलब्ध है)। उन्होंने डब्ल्यूएचओ - एसईएआरओ के लिए दक्षिण पूर्व एशियाई देशों में "पोषण और एचआईवी संक्रमण" पर एक रिपोर्ट और एफएओ के लिए 2013 में "पोषण संवेदनशील कृषि की दिशा में प्रगति - खाद्य सुरक्षा और भारत में पोषण स्थिति में सुधार" पर एक रिपोर्ट तैयार की।

उन्होंने गर्भनिरोधक, महिलाओं और बच्चों में कुपोषण, पोषण, स्वास्थ्य और पोषण-प्रजनन क्षमता पर परस्पर प्रभाव, कुपोषण और एनीमिया जैसी सामान्य समस्याओं वाले समुदायों में मौजूदा प्राथमिक स्वास्थ्य ढाँचे के माध्यम से स्वास्थ्य, पोषण और परिवार कल्याण सेवाओं की आपूर्ति और भारत में एचआईवी संक्रमण पर नैदानिक और परिचालनात्मक शोध अध्ययन किए।इन शोध अध्ययनों के आधार पर उनके लगभग 150 शोधपत्र समकक्ष-समीक्षित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए हैं। उन्होंने जनवरी 1995 से दिसंबर 2003 के बीच योजना आयोग में सलाहकार (स्वास्थ्य, पोषण और परिवार कल्याण) के रूप में कार्य किया।

10. प्रकाशन

प्रकाशन

- अंकुर यादव और गणेश शंकर श्रीवास्तव (2024)। स्वास्थ्य के क्षेत्र की वर्षिक उपलब्धियां। जन स्वास्थ्य धारणा, 29: 33-35.
- आर्य ए, राज शेरिन टीपी, तिवारी वीके (2024)। चुनौतियों से निपटना और अंतराल पाटना: भारत के विभिन्न क्षेत्रों में यूएनएड्स के 95-95-95 लक्ष्यों का मूल्यांकन, स्वास्थ्य और जनसंख्या: परिप्रेक्ष्य और मुद्दे, 47 (3): 231-243।
- चौधरी एम, राज शेरिन, तिवारी वीके। (2024)। राजस्थान के जोधपुर जिले में जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम (जेएसएसके) योजना का उपयोग: कार्यान्वयन के मुद्दे और चुनौतियाँ। स्वास्थ्य और जनसंख्या: परिप्रेक्ष्य और मुद्दे, 2024; 47(2): 121-128.
- डॉ. अंजलि शर्मा1, गुरदीप सिंह, मनजोत कौर, डॉ. धर्मेंद्र कुमार यादव और डॉ. राज नारायण "पंजाब में पुरुष आबादी में तंबाकू और शराब के सेवन का प्रचलन: एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन", यूरोपियन जर्नल ऑफ बायोमेडिकल एंड फार्मास्युटिकल साइंसेज, खंड 11 (2), पृष्ठ: 192-198, जनवरी, 2024।
- गणेश शंकर श्रीवास्तव और अंकुर यादव (2025)। शैक्षणिक संस्थानों में स्वास्थ्य संचार। जन स्वास्थ्य धारणा, 31: 16-18।
- गर्ग टी, रंगारी के (2024) एनएएफएलडी: भारत में गैर-संचारी रोगों की आगामी मूक महामारी- प्रचलन, जोखिम कारक, सरकारी प्रतिक्रियाएँ और सार्वजनिक स्वास्थ्य नीतियाँ, स्वास्थ्य और जनसंख्या: परिप्रेक्ष्य और मुद्दे, 47 (1): 47-57
- ईशा राठी, ए. मावी, एम. शन्नवाज़, एस. सईद, ए. यादव, एस. हसन (2024)। बांझपन के प्रबंधन में आयुर्वेद हस्तक्षेप की प्रभावशीलता: एक व्यवस्थित समीक्षा। क्यूरियस 16(4): e57730
- जायसवाल वीबी, मेश्राम पी, राज शेरिन टीपी. (2024)। एक ग्रामीण भारतीय जिले की वयस्क महिलाओं के फेफड़ों के कार्य पर पारंपरिक चूल्हों से उत्पन्न घरेलू वायु प्रदूषण का प्रभाव। जर्नल ऑफ एयर पॉल्यूशन एंड हेल्थ, 9(1): 15-28।
- जिरी आर, सुब्बैया एन और सैनी वी (2024), दिल्ली, भारत में प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं का वितरण: आशा कार्यकर्ताओं के ज्ञान और

कार्यात्मक प्रभावकारिता पर एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन, स्वास्थ्य और जनसंख्या: परिप्रेक्ष्य और मुद्दे, 47 (3): 167-176 जुलाई-सितंबर।

- कंचन एन, तिवारी वीके, राज शेरिन टीपी (2025)। दिल्ली में कोविड-19 टीकाकरण का परिचयोत्तर मूल्यांकन (पीआईई): डब्ल्यूएचओ फ्रेमवर्क का अनुप्रयोग। जर्नल ऑफ एपिडेमियोलॉजी फाउंडेशन ऑफ इंडिया, 3(1)।
- कश्यप एसएस, ठाकुर पी. (2025)। दीर्घकालिक शराब की लत के संदर्भ में मधुमेह का प्रबंधन: नैदानिक चुनौतियों और चिकित्सीय दृष्टिकोणों पर एक केस स्टडी। ज़ीचेन जर्नल। 11(1):31-46।
- कश्यप एसएस, ठाकुर पी. (2025)। धूम्रपान और शराब सेवन विकार के साथ एक रोगी में नैदानिक निहितार्थ और प्रबंधन रणनीतियाँ: एक केस स्टडी। ज़ीचेन जर्नल। 11(1):47-62। doi: 15.10089.ZJ.2025.V11I01.285311.3275।
- कुशवाहा के., महापात्रो एम., देव आर. (2024)। पोषण संबंधी स्थिति और मोटापा: भारत के ओडिशा के मलकानगिरी जिले की कोया और मटिया महिलाओं पर एक अध्ययन। डेमोग्राफी इंडिया। 53(1), 51-61
- महापात्रो एम. और रॉय एस. (2025)। देखभाल से जबरदस्ती तक: भारत में मातृ स्वास्थ्य सेवा में महिलाओं के अनादर और दुर्व्यवहार की अनकही सच्चाई। जर्नल ऑफ इंटरनेशनल विमेन्स स्टडी। 27(1):12
- महापात्रो एम. और सुदेशना रॉय। 2024। गर्भावस्था के दौरान घरेलू हिंसा के दुष्चक्र को तोड़ें। डेक्कन हेराल्ड, 18 अप्रैल 2024।
- महापात्रो एम., एट अल. (2024)। घरेलू हिंसा का सामना कर रही गर्भवती महिलाओं के जीवन की गुणवत्ता पर व्यवहारिक हस्तक्षेप पैकेज का प्रभाव: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण। बीएमसी ट्रायल्स। 25:567
- महापात्रो एम., एट अल. (2025)। किशोरों के समग्र विकास और कल्याण के लिए हस्तक्षेप प्रथाओं और उनकी सहभागिता पर एक परिप्रेक्ष्य। भारतीय बाल एवं किशोर मानसिक स्वास्थ्य संघ की पत्रिका।
- महापात्रो एम. (2024)। अनुप्रयुक्त बनाम व्यावहारिक नृविज्ञान। इकाई 4, नृविज्ञान में अनुप्रयुक्त आयाम। नई दिल्ली: इग्नू
- मित्तल ए, महापात्रो एम और भाष्कर एस. (2025)। भारत में प्रसवकालीन अवधि के दौरान जीवनसाथी की भागीदारी के माध्यम से मातृ देखभाल को बढ़ाना। महिला स्वास्थ्य विज्ञान पत्रिका। 9(1), 000239।

- मित्तल ए, महापात्रो एम. (2024)। भारत में विकलांग व्यक्तियों के बीच स्वास्थ्य बीमा - एनएफएचएस-5 का विश्लेषण। 13 (10), 1-4
- पटेल पीके, मित्रा आरपी, महापात्रो एम. (2024)। सहरिया (पीवीटीजी) जनजातियों में टीबी की समस्या से निपटने और उससे निपटने में आने वाली बाधाओं का समाधान। स्वास्थ्य और जनसंख्या: परिप्रेक्ष्य और मुद्दे 47 (1), 12 - 22
- रानी बी, सुब्बैया एन (2024), महिलाओं में तंबाकू के उपयोग के सामाजिक-आर्थिक पूर्वानुमानों का अनावरण: एनएफएचएस-5 से साक्ष्य, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंस एंड रिसर्च आर्काइव, 13(01), 2161-2171।
- सागर ए, अरोड़ा एच, महापात्रो एम. (2024)। भारत के राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों का मूल्यांकन: एक विश्लेषण। जर्नल ऑफ साउथ एशियन रिसर्च, 2(2), 177-185।
- सक्सेना पी, महापात्रो एम., एट अल (2024)। चिकित्सकीय सहायता प्राप्त प्रजनन के लिए मनोवैज्ञानिक समर्थन। नई दिल्ली: इंडियन फर्टिलिटी सोसाइटी (आईएफएस)
- शर्मा के, सुब्बैया एन, पंचोली ए (2024): दृष्टि से वास्तविकता तक: भारतीय स्वास्थ्य सेवा में आयुष्मान भारत की भूमिका का विश्लेषण। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंस एंड रिसर्च आर्काइव, 12(02), 2124-2134।
- श्री यू, राज शेरिन टीपी, रंगारी के (2024)। दिल्ली के दक्षिण-पश्चिम जिले में यूपीएचसी के दंत चिकित्सा ओपीडी में आने वाले मरीजों में मौखिक स्वास्थ्य के बारे में ज्ञान, दृष्टिकोण और व्यवहार, स्वास्थ्य विज्ञान पत्रिका, 2(2): 87-95
- सिंह एस, कुमार आर, राज शेरिन टीपी (2025)। दिल्ली के एक सरकारी अस्पताल में आने वाली गर्भवती महिलाओं में हेपेटाइटिस बी और सी संक्रमण के लिए सीरोप्रिवलेंस और जोखिम कारक। (2025)। जर्नल ऑफ द एपिडेमियोलॉजी फाउंडेशन ऑफ इंडिया, 3(1)।
- श्रीलक्ष्मी और महापात्रो एम. (2025)। कार्यात्मक स्वास्थ्य और संज्ञानात्मक क्षीणता: दिल्ली के वृद्धाश्रमों में रहने वाले बुजुर्ग निवासियों से प्राप्त अंतर्दृष्टि। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कम्युनिटी मेड पब्लिक हेल्थ। जनवरी;12(1), 360-367
- सुब्बैया एन, जायसवाल वी. (2024)। भारत के सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों के सेवा वितरण में बाधाएँ - एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन। ऑस्टिन जर्नल ऑफ पब्लिक हेल्थ एपिडेमियोलॉजी, 11(4):1171

- ठाकुर पी, कयाप एसएस. (2025). गंभीर अवसाद के लिए संज्ञानात्मक व्यवहार थेरेपी (सीबीटी) की प्रभावकारिता पर मेटा-विश्लेषण। ज़ीचेन जर्नल. 18(2):39-44. doi: 15.10089.ZJ.2025.V11I02.285311.3286.
- ठाकुर पी, कश्यप एसएस. (2025). अस्पताल प्रशासन: प्रभावी स्वास्थ्य सेवा की कुंजी–एक रिपोर्ट। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मल्टीडिसिप्लिनरी रिसर्च. 2025;7(1):1-32. doi:10.36948/ijfmr.2025.v07i01.37032.
- ठाकुर पी, कश्यप एसएस. (2025) नर्सिंग में एआई उपकरण: एक व्यवस्थित समीक्षा और मेटा-विश्लेषण। अंतर्राष्ट्रीय जर्नल मल्टीडिसिप्लिनरी रिसर्च। 7(1):1-4. doi:10.36948/ijfmr.2025.v07i01.36914.
- ठाकुर पी, कश्यप एसएस. व्यवहारिक लत: वर्तमान समझ और उभरते दृष्टिकोणों की समीक्षा। जेड जे. 2025 जनवरी;11(1):1-16.
- वैशाली जायसवाल, दीपशिखा, वी. के. तिवारी-भारत में चरम मौसम की घटनाओं से निपटना–एक भेद्यता मूल्यांकन अध्ययन, वर्तमान स्थिति और आगे का रास्ता। जर्नल ऑफ एनवायरनमेंट एंड पब्लिक हेल्थ रिसर्च 2023; 1(1):1280.
- यादव पी, सरकार ए, रंगारी के, वर्मा डी, निराला आरके (2024) शिफ बेस मेटल कॉम्प्लेक्स के बहुमुखी अनुप्रयोग पर एक अद्यतन समीक्षा। एसएसआर इंस्टीट्यूट ऑफ इंटरनेशनल जर्नल ऑफ लाइफ साइंसेज, 10 (03): 5529 - 5536

संपादित/ पुस्तक में अध्याय

- धर्मेंद्र कुमार यादव राज नारायण "आयुष्मान आरोग्य मंदिर: अंतिम छोर तक प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएँ", एमकेएसईएस प्रकाशक लखनऊ भारत, पृष्ठ: 74-78, 2024।
- जायसवाल वी. महिला श्वसन स्वास्थ्य, ऊर्जा और लिंग: महाराष्ट्र के एक ग्रामीण क्षेत्र का एक केस स्टडी, पुस्तक "लीडरशिप बाई इंडियन वीमेन: द प्रीकर्सर्स ऑफ़ पायनियरिंग चेंज इन" में, डॉ. सिद्धार्थ डॉ. नीलाक्षी एन.के. बोरा द्वारा संपादित, सम्यक प्रकाशन, आईएसबीएन - 9789366030000

पोस्टर प्रस्तुति

- नंथिनी सुब्बैया, शरण्या, अंकुर, भावना कथूरिया और सुभाष चंद ने 4-6 अक्टूबर 2024 को IANN सम्मेलन के दौरान भारत के दो राज्यों के चयनित जिलों में बुनियादी नवजात पुनर्जीवन प्रदान करने में सामुदायिक स्वास्थ्य

अधिकारियों (CHO) के कौशल का आकलन: एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन पर एक पोस्टर प्रस्तुत किया और सर्वश्रेष्ठ पोस्टर प्रस्तुति का पुरस्कार प्राप्त किया।

- वंदना भट्टाचार्य द्वारा संपादित पुस्तक, "राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (NHM) भारत में सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली का सुदृढ़ीकरण" में 'भारत में कुपोषण और स्वस्थ भारत प्राप्त करने का दृष्टिकोण' अध्याय, ISBN: 978-93-91248-96-3; 2024, MKSES प्रकाशक भारत पृष्ठ- 60-73

प्रकाशित पुस्तक

- धर्मेंद्र कुमार यादव, वंदना भट्टाचार्य, राज नारायण द्वारा संपादित पुस्तक “राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) भारत में सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली को सुदृढ़ बनाना”, आईएसबीएन: 978-93-91248-96-3; 2024, एमकेएसईएस प्रकाशक भारत।

11. नियुक्ति, पदोन्नति एवं सेवानिवृत्ति

नियुक्तियाँ

क्रम	नियुक्त व्यक्ति का नाम	सेवा में प्रवेश की तिथि
1.	सुश्री श्वेता ढींगरा, एसडीओ	01.10.2024
2.	श्री विशाल द्राल, एआरओ	16.12.2024
3.	डॉ. अमित कुमार, चिकित्सा अधिकारी	26.03.2025

पदोन्नति

क्रम	पदोन्नत कर्मचारी का नाम	पदोन्नत होने की तिथि
1.	श्री छुट्टन लाल मीना, सहायक	26.06.2024
2.	श्री एडमंड कुजूर, एलडीसी	26.06.2024

एमएसीपी/ वित्तीय उन्नयन

क्रम	एमएसीपीवित्तीय उन्नयन प्राप्त करने वाले / अनुसंधान एवं सचिवीय स्टाफ का नाम	एमएसीपी/वित्तीय उन्नयन की तिथि
1.	श्रीमती बीना, बहु कार्यकारी कर्मचारी	08.04.2024
2.	श्रीमती अंजूबाला, स्टेनोग्राफर ग्रेड- III	01.10.2024

सेवानिवृत्ति

क्रम	सेवानिवृत्त होने वाले संकाय/कर्मचारी का नाम	सेवानिवृत्ति की तिथि
1.	श्रीमती सुनीता खन्ना, यूडीसी	30.04.2024
2.	श्री सुरेन्द्र प्रसाद, कॉपी धारक	30.06.2024
3.	श्री उमेद सिंह, यूडीसी	30.06.2024
4.	डॉ. पुष्पांजलि स्वैन, प्रोफेसर	31.07.2024
5.	श्री पी.के. बंसल, सहायक	31.07.2024
6.	श्री राजपाल, एमटीएस	31.07.2024
7.	श्री मुकेश कौशिक, यूडीसी	31.07.2024

8.	श्रीमती पुष्पा रानी, नर्सिंग सिस्टर	30.09.2024
9.	श्रीमती किरण लता, नर्सिंग सिस्टर	30.09.2024
10.	श्री आलम सिंह, रसोइया	30.09.2024
11.	श्री. बैजनाथ, रसोइया	30.11.2024
12.	श्री. प्रेमपाल, सहायक	30.11.2024
13.	श्री. खुशीराम, एलडीसी	31.12.2024
14.	डॉ. जे.पी. शिवदासानी, अनुसंधान अधिकारी (एचजी)	31.01.2025
15.	श्री. धीरज सिंह, एमटीएस	31.01.2025

परिशिष्ट

I. शासी निकाय सदस्यों की सूची

II. स्थायी वित्त समिति के सदस्यों की सूची

III. कार्यक्रम सलाहकार समिति के सदस्यों की सूची

IV. संकाय सदस्यों की सूची

V. संस्थान में स्वीकृत श्रमशक्ति की स्थिति

संलग्नक-I

शासी निकाय के सदस्यों की सूची (31 मार्च, 2025 तक)

क्रम सं.	नाम	पद	ई-मेल और टेलिफोन नंबर
1.	श्री जगत प्रकाश नड्डा, माननीय केंद्रीय मंत्री, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, निर्माण भवन, नई दिल्ली - 110011	अध्यक्ष (पदेन अध्यक्ष)	**ई-मेलः-** hfm@gov.in **टेलिफोन:** 23063513 23063024
2.	सुश्री पुण्य सलिला श्रीवास्तव, सचिव, (स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण), स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, निर्माण भवन, नई दिल्ली - 110011	उपाध्यक्ष (पदेन)	**ई-मेलः** secyhfw@nic.in **टेलिफोनः** 23061863 23063221
3	प्रो. (डॉ.) अतुल गोयल स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय निर्माण भवन नई दिल्ली-110011	अध्यक्ष (पदेन)	**ई-मेलः** dghs@nic.in **टेलिफोन:** 23061438
4	डॉ. राजीव बहल सचिव, स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग (स्वास्थ्य मंत्रालय) और महानिदेशक भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद, अंसारी नगर, नई दिल्ली - 110029	सदस्य (पदेन)	**ई-मेल:** dg@icmr.org.in secy-dg@icmr.gov.in **टेलिफोन:** 26588204 26588662

5	डॉ. एम श्रीनिवास निदेशक, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, अंसारी नगर, नई दिल्ली-110029	सदस्य (पदेन)	**ई-मेल:** director@aiims.ac.in **टेलिफोन:** 26588500 26588700
6	सुश्री वी. हेकाली झिमोमी अपर सचिव (स्वास्थ्य) आर.नं. 256-ए, एमओएचएफडब्ल्यू, निर्माण भवन नई दिल्ली-110011.	सदस्य (पदेन)	**ई-मेल** : ash-mohfw@nic.in **टेलिफोन** : 23062857 23061447
7	श्री जयदीप कुमार मिश्रा वित्तीय सलाहकार कमरा सं. 247-ए, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, निर्माण भवन, नई दिल्ली - 110011.	सदस्य (पदेन)	**ई-मेल:** asfa-mhfw@nic.in **टेलिफोन** : 23061541 23061673
8	सुश्री निधि केसरवानी निदेशक, (प्रशिक्षण) स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय निर्माण भवन, नई दिल्ली-110011.	मनोनीत सदस्य (पदेन)	**ई-मेल:** nidhikesarwani@nic.in **टेलिफोन**: 23062434
9	डॉ. बी.एस. गर्ग निदेशक, डॉ. सुशीला नायर स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ, और सामुदायिक चिकित्सा के एमेरिटस प्रोफेसर,एमजीआईएमएस, सेवा ग्राम, वर्धा, महाराष्ट्र - 442102	सदस्य (पदेन) (13.02.2025 से प्रभावी)	**ई-मेल:** bsgarg@mgims.ac.in **टेलिफोन:** 07152 - 283 341 से 284 355

10	डॉ. देवराम ए. नागदेवे निदेशक (अतिरिक्त प्रभार) अंतर्राष्ट्रीय जनसंख्या विज्ञान संस्थान, गोवंडी स्टेशन रोड देवनार, मुंबई - 400 088	सदस्य (पदेन)	**ई-मेल:** director@iips.net **टेलिफोनः** 91+22+2556 3254/55, 91+22+42372400 **फैक्स:**91+22+2556 3257
11	श्री राजीब कुमार सेन वरिष्ठ सलाहकार (एमएसएमई/स्वास्थ्य/डब्ल्यूसीडी) नीति आयोग, संसद मार्ग नई दिल्ली-110001. (पत्राचार क्रमांक 72686/2016/एचएफडब्ल्यू)	सदस्य (पदेन)	**ई-मेल:** as-niti@gov.in **टेलिफोन**: 23096544
12	डॉ मधुलिका काबर प्रोफेसर, (बाल रोग विभाग) जेनेटिक यूनिट, ओल्ड ओटी ब्लॉक बाल रोग विभाग, एम्स अंसारी नगर, नई दिल्ली।	सदस्य 05.07.2022 से	**ई-मेल:** madhulikakabra@gmail.com **टेलिफोन**: 26594585 **फैक्स** :26588663, 26588641
13	डॉ. पंकजा राघव प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, (सामुदायिक चिकित्सा विभाग) चिकित्सा एवं परिवार विभाग, एम्स जोधपुर, राजस्थान	सदस्य 05.07.2022 से	**ई-मेल:** raghavpankaja3@gmail.com

14	डॉ. सरमा जी.आर.के. प्रोफेसर, (न्यूरोलॉजी विभाग),डी 8, सेंट जॉन्स मेडिकल कॉलेज अस्पताल, बेंगलुरु-560032	सदस्य 05.07.2022 से	**ई-मेल:** grk_sarma@yahoo.com
15.	प्रो. बी.आर.शमन्ना प्रोफेसर, स्कूल ऑफ मेडिकल साइंसेज सी-170, ओल्ड लाइफ साइंसेज ब्लॉक, साइंस कॉम्प्लेक्स हैदराबाद विश्वविद्यालय, गाचीबोवली, हैदराबाद - 500046	सदस्य 13.11.2022 से	**ई-मेल:** brsmd.uoh@nic.in; brsham@uohyd.ac.in; brsham@gmail.com **टेलिफोन:** 040-23135473/6679/5473
16	डॉ. शेखर शिवराम सालकर, सर्जिकल ऑन्कोलॉजिस्ट, मणिपाल अस्पताल, डोना पाउला, कमरा नंबर-22, ग्राउंड फ्लोर, मणिपाल अस्पताल, डॉ. ई बोर्गेस रोड, पणजी, गोवा-403004।	सदस्य 13.11.2022 से	**ई-मेल:** salkar.shekhar@gmail.com
17	डॉ. दया कृष्ण मंगल, सीनियर एसोसिएट, डी/ओ इंटरनेशनल हेल्थ, जॉन हॉपकिंस ब्लूमबर्ग स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ बाल्टीमोर, यूएसए, 5/11, एसएफएस, अग्रवाल फार्म, मानसरोवर, जयपुर- 302020, राजस्थान, भारत	सदस्य 13.11.2022 से	**ई-मेलः** mangaldk@hotmail.com

18	डॉ. जगत राम पूर्व निदेशक, पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ गृह संख्या463 -, फेज़2-, ओमेक्स, न्यू चंडीगढ़, मुल्लांपुर, पंजाब पिन -. 140901	सदस्य 13.11.2022 से	**ई-मेल:** drjagatram@gamil.com
19	डॉ. धीरज शाह, निदेशक, रास्वापक संस्थान, बाबा गंगनाथ मार्ग, मुनिरका, नई दिल्ली - 110067	सदस्य-सचिव (पदेन)	**ई-मेल:** director@nihfw.org **टेलिफोन:** 26100057 26185696

(क्रम संख्या 1 से 11 तक एवं 19 पदेन सदस्य हैं तथा 12 से 18 तक, अध्यक्ष के द्वारा गैर आधिकारिक सदस्यों के रुप में नामित प्रतिष्ठित व्यक्ति हैं।)

संलग्नक-II

स्थायी वित्त समिति के सदस्यों की सूची (31 मार्च 2025 तक)

क्र. सं.	नाम एवं पता	पद	ई-मेल पता / टेलीफोन नं.
1	सुश्री पुण्य सलिला श्रीवास्तव सचिव (स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण) स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय निर्माण भवन, नई दिल्ली-110011	अध्यक्ष	**दूरभाष:** 23061863 23063221 **ई-मेलः** Secyhfw@nic.in
2	श्री जयदीप कुमार मिश्रा वित्तीय सलाहकार, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, निर्माण भवन, नई दिल्ली - 110011.	सदस्य (पदेन)	**दूरभाष:** 23061438 **ई-मेलः** dghs@nic.in
3	डॉ. विजया वी. मोटघरे अतिरिक्त. डी.जी.एच.एस	डीजीएचएस, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा नामित	**दूरभाष** : 23062985 **ई-मेलः** asfa-mhfw@nic.in
4	सुश्री निधि केसरवानी निदेशक, (प्रशिक्षण) स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय निर्माण भवन, नई दिल्ली-110011.	विशेष आमंत्रित (पदेन)	**दूरभाष**: 23062434 **ई-मेलः** nidhikesarwani@nic.in
5	डॉ. धीरज शाह, निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान, नई दिल्ली-110067	सदस्य सचिव	**दूरभाष:** 26100057 26185696 **ई-मेलः** director@nihfw.org

संलग्नक-III

कार्यक्रम सलाहकार समिति के सदस्यों की सूची
(31 मार्च, 2025 तक)

क्रम सं.	नाम	पद	ईमेल तथा टेलिफोन नंबर
1	प्रो. बी.एस. गर्ग निदेशक, डॉ. सुशीला नायर स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ एवं एमेरिटस - सामुदायिक चिकित्सा के प्रोफेसर, एमजीआईएमएस, सेवा ग्राम, वर्धा- 442102	अध्यक्ष (दिनांक 07/02/2025 से)	**फ़ोन नंबर**: 9422141693 **ई-मेल:** bsgarg@mgims.ac.in
2	डॉ. राजीव बहल सचिव, स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग (स्वास्थ्य मंत्रालय) और महानिदेशक भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद, अंसारी नगर, नई दिल्ली - 110029	सदस्य (पदेन)	**फ़ोन नंबर**: 23736081 **ई-मेल:** dg@icmr.org.in
3	प्रो. (डॉ.) अतुल गोयल, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक, निर्माण भवन, नई दिल्ली - 110108	सदस्य (पदेन)	**फ़ोन नंबर**: 23061063/ 23061438 / 23061924 **ई-मेल:** dghs@nic.in
4	सुश्री निधि केसरवानी निदेशक, (प्रशिक्षण) स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय निर्माण भवन, नई दिल्ली-110011	सदस्य (पदेन)	**फ़ोन नंबर**: 23063155 **ई-मेल:** js.me-mohfw@nic.in
5	डॉ. देवाराम ए. नागदेवे निदेशक (अतिरिक्त प्रभार) अंतर्राष्ट्रीय जनसंख्या	सदस्य (पदेन)	**फ़ोन नंबर:** 022-42372442/ 25562062, 2225563254/ 55, 2242372400

	विज्ञान संस्थान (आईआईपीएस), गोवंडी स्टेशन रोड, देवनार, मुंबई - 400088		**फ़ैक्स:** 222556 3257 **ई-मेल:** director@iipsindia.ac.in
6	प्रो. सैबल चट्टोपाध्याय निदेशक, भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम), डायमंड हार्बर रोड, जोका, कोलकाता, पश्चिम बंगाल-700104	सदस्य (07/02/2025 से)	**फ़ोन नंबर:** 03324678312 **ई-मेल:** saibal35@gmail.com ई-मेल: iimcal.ac.in
7	डॉ. निपुण विनायक सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, महाराष्ट्र सरकार, 10वीं मंजिल, बी विंग, जीटी अस्पताल परिसर भवन, मुंबई, महाराष्ट्र– 400001	सदस्य (07/02/2025 से)	**फोन नंबर:** 022-22617388 **ई-मेल:** psec.pubhealth@maharashtra.gov.in
8	डॉ. सुनील विलासराव गित्ते, निदेशक राष्ट्रीय लोक स्वास्थ्य प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान (एनआईपीएचटीआर) 332, एसवीपी रोड, खेतवाड़ी, मुंबई-400004, महाराष्ट्र	सदस्य (07/02/2025 से)	**फ़ोन नंबर:** 022-23881724, 27494102 **ई-मेल:** director.fwtrc@nic.in niphtr.mohfw.gov.in, sv.gitte@gov.in
9	डॉ. पंकजा राघव, प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष सामुदायिक चिकित्सा एवं पारिवारिक चिकित्सा विभाग, एम्स जोधपुर-342001, राजस्थान अगरतल्ला - 799006	सदस्य (07/02/2025 से)	**मोबाइल:** 8003996904 **ई-मेल:** raghavpankaja3@gmail.com

10	डॉ. एस.एस. अग्रवाल निदेशक राज्य स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान (एसआईएचएफडब्ल्यू), झालाना डूंगी कॉलोनी, घाट की गूनी, जयपुर, राजस्थान 302004	सदस्य (07/02/2025 से)	**फ़ोन नंबर:** 0141-2706534, 2701938 **ई-मेल:** directorsihfw-rj@nic.insihaj
11.	श्री दिनेश श्रीवास्तव, आईएएस निदेशक, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण निदेशालय (पीएच एंड एफडब्ल्यू), 4/30, कमला पार्क रोड, कृष्णा नगर, भोपाल, मध्य प्रदेश - 462002	सदस्य (07/02/2025 से)	**फ़ोन नंबर:** 0755-2552958 **ई-मेल:** directoradmin.dhs@mp.gov.in
12	डॉ. आशुतोष हलदर प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष प्रजनन जीव विज्ञान विभाग, एम्स, अंसारी नगर, नई दिल्ली-110029	सदस्य (07/02/2025 से)	**टेलीफ़ोन:** 011 26588500/ 26588700 **ई-मेल:** ashutoshhalder@gmail.com
13	प्रोफेसर मीरांबिका महापात्रो प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष सामाजिक विज्ञान विभाग, रास्वापक. संस्थान, मुनिरका, नई दिल्ली - 110067	सदस्य (02.01.2023 से)	**टेलिफोन:** 26165959
14	प्रो. मिहिर कुमार मलिक प्रोफ़ेसर एवं कार्यकारी अध्यक्ष, प्रबंधन विज्ञान विभाग, रास्वापक संस्थान, नई दिल्ली- 110067	सदस्य (25/09/2024 से)	**टेलिफोन:** 26165959

15	डॉ. धीरज शाह, निदेशक, रास्वापक संस्थान, बाबा गंगनाथ मार्ग, मुनिरका, नई दिल्ली - 110067	सदस्य- सचिव (पदेन)	**ईमेल:**director@nihfw.org **टेलिफोन**: 26100057 26185696

संलग्नक - IV

संकाय सदस्यों की सूची (31 मार्च, 2025 तक)

संकाय सदस्य नाम	पद
डॉ. धीरज शाह, निदेशक	निदेशक
संचार विभाग	
प्रो. अंकुर यादव	प्रोफसर एवं कार्यवाहक विभागाध्यक्ष
सामुदायिक स्वास्थ्य प्रशासन विभाग	
डॉ. नंदिनी सुब्बैया	प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष
चिकित्सा देखभाल एवं अस्पताल प्रशासन विभाग	
डॉ. मनीष चतुर्वेदी डॉ .राजेश रंजन	प्रोफेसर एवं कार्यवाहक विभागाध्यक्ष रीडर
शिक्षा एवं प्रशिक्षण विभाग	
डॉ. मिहिर कुमार मलिक	प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष
महामारी विज्ञान विभाग	
डॉ. राजेश रंजन	रीडर एवं कार्यवाहक विभागाध्यक्ष
प्रबंधन विज्ञान विभाग	
डॉ. मिहिर मलिक	प्रोफेसर एवं कार्यवाहक विभागाध्यक्ष
योजना एवं मूल्यांकन विभाग	
डॉ. वी.के .तिवारी डॉ. मनीष चतुर्वेदी डॉ. रमेश चंद	प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष प्रोफेसर सहायक प्रोफेसर
प्रजनन जैव चिकित्सा विभाग	
डॉ. रेणु शेहरावत डॉ. राजेश कुमार डॉ. एस.रामचन्द्र राव डॉ. किरण रंगारी	प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष प्रोफेसर रीडर रीडर
सामाजिक विज्ञान विभाग	

डॉ. मीराम्बिका महापात्रो डॉ. सरिता गौतम डॉ. मोनिका सैनी	प्रोफेसर एवं कार्यवाहक विभागाध्यक्ष सहायक प्रोफेसर सहायक प्रोफेसर
सांख्यिकी एवं जनसांख्यिकी विभाग	
डॉ. धर्मेन्द्र कुमार यादव,	सहायक प्रोफेसर एवं कार्यवाहक विभागाध्यक्ष
कुल संकाय सदस्य	15

संलग्नक - V

रास्वापकसं. की मानवशक्ति (31 मार्च 2025 तक)

श्रेणी	**स्वीकृत संख्या**	**संख्या स्थिति (%)**	**रिक्त पद (%)**
समूह 'क'(संकाय सहित)	66	29 (43.94%)	37 (56.06%)
समूह 'ख'	132	57 (43.18%)	76 (57.58%)
समूह 'ग' (गैर तकनीकी तथा तकनीकी)	205	74 (36.10 %)	131 (63.90%)
कुल योग	**403**	**160**	**244**

(स्थायी स्वास्थ्य प्रबंधन के लिए उन्नत ज्ञान को प्रोत्साहित करना)

====

Contents

	From the Director's Desk	i
	An Overview	iii-xii
1.	Education	1-5
2.	Training	6-14
3.	Research and Evaluation	15-30
4.	Specialized Projects and Consortium Activities	31-39
5.	Specialized Services	40-44
6.	Consultancy and Advisory Services	45-51
7.	Administrative Measures	52
8.	Use of Hindi in Official Work	53-55
9.	Events celebrated at the Institute	56-60
10.	Publications	61-64
11.	Appointments, Promotions and Superannuation	65
	Annexures	66
I	List of Governing Body Members	67-68
II	List of Standing Finance Committee Members	69
III	List of Programme Advisory Committee Members	70-71
IV	List of Faculty Members	72
V	Sanctioned Manpower	73

From the Director's Desk

Dr. Sunil Vilasrao Gitte
Director (Additional Charge)
The National Institute of Health and Family Welfare
New Delhi-110067

It gives great pleasure to place before you our Annual Report, 2024-25. The Institute is currently in its 49th year of functioning and has demonstrated significant growth. An effort has been made in this report to provide snapshots of key activities and achievements of the Institute during the financial year 2024-25. This report is testimony of our strong foundation and growing performance.

We would have not been able to achieve prominence in the field of public health without the support of the senior officers from the Ministry of Health and Family Welfare for their cooperation and necessary directives to implement various activities. I also sincerely acknowledge the support provided by the eminent members of our Governing Body, Standing Finance Committee and Programme Advisory Committee throughout the year. The core elements of our Mission and Vision are consistently reflected in our academic programmes, including MD (CHA), DHA, PGDPHM, Distance Learning initiatives, MPH, and Ph.D. courses.

In the year that has gone by, we have tried to build progressive and inspiring environment during all our teaching and training activities. Our faculty members and research staff based on their professional aspirations have dedicated their efforts in creating learning paths and made efforts to connect the participants with experts towards an up-skilling journey in almost 134 training/workshops conducted at the institute during the year. We implemented the Faculty development programme in the institute where institute's faculty, research staff and students participated in various capacity building initiatives to update their skills in public health, teaching and research.

During the year, many research studies, including PG thesis/dissertations, were undertaken in the area of public health and related fields. The faculty has provided expertise as resource persons in various extra mural activities. They have participated in various seminars and conferences as chairpersons, member of expert committees and presented scientific research papers.

We have much to look back on with pride while simultaneously preparing for the challenges ahead including shortage of faculty and need to keep up our activities in alignment with changing dynamics and needs of our society. On behalf of faculty, staff and students, please accept my sincere thanks for the dedicated hard work and commitment to take our Institution to ever greater heights.

Dr. Sunil Vilasrao Gitte
Director (Additional Charge)

An Overview

The National Institute and Health and Family Welfare (NIHFW) has made significant strides in enhancing health and family welfare in India since its establishment. Its multifaceted approach in encompasses various activities aimed at strengthening public health systems and practices. Key contributions of NIHFW include capacity building through the development and implementation of educational courses and training programmes, to enhance the skills and knowledge of the professionals and policy makers. The NIHFW also engaged in comprehensive research to assess health outcomes and evaluate the efficacy of health programmes and policies, contributing to evidence-based decision making. The thrust areas of institutes focuses on critical areas such as : formulating policies that promote health equity and accessibility; developing frameworks for effective public health interventions and management strategies; advocating for reforms to improve health care delivery systems; analysing health financing mechanisms and promoting economic sustainability in health programmes; addressing population dynamics and its impact on health services; focusing on family planning, maternal and child health initiatives, and reproductive rights; enhancing the efficiency and effectiveness of hospital operations and patient care; promoting health communication strategies to raise awareness and encourage behavioural changes and exploring innovative training methods and technologies to improve health education.
Overall, NIHFW plays a crucial role in shaping the health landscape in India, contributing to policy formulation, capacity building, and the implementation of initiatives that improve health outcomes for the population.

Vision of the Institute

The NIHFW is to be seen as in an institute of global repute striving for excellence in Public Health and Family Welfare. The NIHFW envisions not just contributing to public health locally but becoming a transformative force on the global stage, influencing policies and practices that ultimately improve health and well-being the world.

Mission **To act as think tank, catalyst and innovator for management of public health and related health & family welfare programmes. This will be done by pursuing functions:**	**Education and Training**
	Research and Evaluation
	Consultancy and Advisory
	Provision of specialized services through Interdisciplinary teams
	Networking with other Institutes and Organizations at National and International level

The National Institute of Health and Family Welfare (NIHFW), was established on 9th March, 1977 by the merger of two national level institutions, viz. the National Institute of Health Administration and Education (NIHAE) and the National Institute of Family Planning (NIFP). The NIHFW, an autonomous organization, under the Ministry of Health and Family Welfare, Government of India, acts as an apex technical institute' as well as a 'think tank' for the promotion of health and family welfare programmes in the country.

Major Committees

The major committees of the Institute include the Governing Body (GB), the Standing Finance Committee (SFC) and the Programme Advisory Committee (PAC). The GB under the Chairmanship of the Union Minister of Health and Family Welfare looks into the overall governance of the Institute. The SFC is headed by the Union Secretary, MoHFW and takes care of the financial aspects. The PAC takes care of the academic activities of the Institute. Director, NIHFW, acts as the Member-Secretary in all these committees.

SHRI JAGAT PRAKASH NADDA
Hon'ble Union Minister
for Health and Family Welfare, Government of India

Smt. ANUPRIYA PATEL
Hon'ble Minister of State
for Health and Family Welfare, Government of India

The Governing Body(GB) is the apex policy making body for the NIHFW. It comprises of Minister of Health and Family Welfare, Government of India, (Chairman) ; Secretary (FW), Ministry of Health and Family Welfare, Government of India, (Vice-Chairman); Additional Secretary (Health), Ministry of Health and Family Welfare, Government of India, (Member); Director General of Health Services, Government of India, (Member); Addl. Secretary (Dealing with NIHFW), Ministry of Health and Family Welfare, Government of India, (Member); Addl. Secretary (Financial Advisor), Ministry of Health and Family Welfare, Government of India, (Member); Director General, Indian Council of Medical Research, (Member); Director , All India Institute of Medical Sciences, Delhi (Member); Director, International Institute for Population Sciences, (Member); seven members to be nominated by Chairman; Director, National Institute of Health and Family Welfare, acts as member-Secretary.

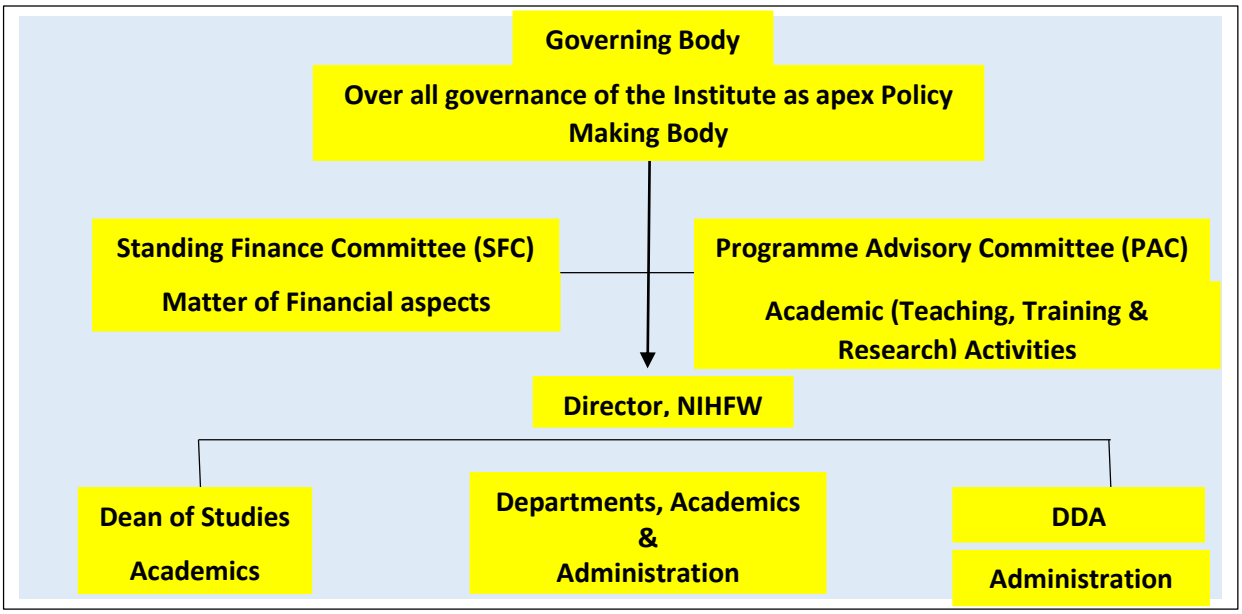

Organogram of the NIHFW

Standing Financing Committee (SFC) reviews and approves finances for NIHFW and comprises of Secretary (H&FW), Ministry of Health and Family Welfare, Govt. of India; Director General of Health Services, Ministry of Health and Family Welfare, Govt. of India; Addl. Secretary (Financial Advisor), Ministry of Health and Family Welfare, Member, NITI Aayog and Special invitee; J Joint Secretary, Ministry of Health and Family Welfare, with Director, NIHFW as Member-Secretary.

Programme Advisory Committee (PAC): The objective of the Programme Advisory Committee is to formulate broad guidelines for ongoing and proposed Research and Training activities of the Institute and to provide suitable advice and guidance for the improvement of the Programmes of the institute.

The constitution of the PAC as one representative each from MoHFW/Office of DGHS, ICMR, ICSSR/Institute of Mass Communication, IIPS, CTIs /HFWTCS, One Secretary Health of a State Government and two Directors of Health Services are nominated as member of PAC by Chairman/Alternate Vice Chairman of Governing Body of the Institute. Besides, two members of in-house faculty are also nominated directly by the Director, NIHFW serving as Member Secretary of the Programme Advisory Committee. The tenure of the Chairman and the nominated members will be of three years.

Education and Training

Academic Activities and Post-Graduate Education

The overview of the Institute's activities as per the mandate of the Institute are as follows--

Education Activities

The institute conducts its degree/diploma programmes either as Full- time on campus mode or in distance learning modular based mode to meet the basic public health education requirements and promote academic excellence in the fields of health and family welfare Programmes in the country.

(i) **M.D. (Community Health Administration):** Three-year Post Graduate Degree in Community Health Administration M.D. (CHA) affiliated to University of Delhi and recognized by the Medical Council of India (MCI). This course has been continuing since 1969. There are ten seats each year.

(ii) **Diploma in Health Administration:** The two-year Post-Graduate Diploma in Health Administration (DHA), is affiliated to University of Delhi and is recognized by the Medical Council of India (MCI). This course has an in-take capacity of six students every year.

(iii) **Post-Graduate Diploma in Public Health Management (PGDPHM):** This course was started by the Institute in 2008 in collaboration with the Public Health Foundation of India, and supported by the MoHFW. The course has 30 seats for national in-service candidates. The objective of the course is to enhance the capacity of the middle level in-service health professionals.

(iv) AICTE approved '**Post Graduate Diploma in Management'** 6 Courses of 15 Months Duration each are offered through Distance Learning Mode in specializations as: (1) Health and Family Welfare Management (2) Hospital Management (3) Health Promotion (4) Public health nutrition (5) Applied epidemiology and (6) Health communication.

(v) **PhD Programme:** This course was started by the Institute in 2023 in collaboration with the Jawahar Lal Nehru University, New Delhi. The objective of the course is to enhance the capacity of the research in Public Health.

(vi) **MPH programme: Institute started t**his course last year in 2024 affiliated to University of Delhi. This course has an in-take capacity of twenty students every year

Training and Workshop Activities

The National Institute of Health and Family Welfare (NIHFW) offer a comprehensive range of training programmes throughout the year, targeting various facts of public health, administration and management. In the year 2024-2025, the institute successfully organised nearly 134 training courses and workshops designed to enhance skills and knowledge in key areas related to health and welfare. The diverse training programmes offered not only contributed to the professional development of participants but also strengthened the overall capacity and effectiveness of health system in India. Details regarding specific courses, participant feedback, and outcomes of the training initiates can be found in the training section. These programmes reflect NIHFW's commitment to fostering skilled professionals who can lead and innovate in the field of public health and family welfare.

Research & Evaluation

Research plays a crucial role at the National Institute of Health and Family Welfare (NIHFW), focusing on various aspects of health and family welfare to inform policy, enhance programmes, and address pressing public health challenges. In the year under review, the Institute undertook a total of 41 research studies aimed at advancing knowledge and understanding in the field. The commitment to research at NIHFW is integral to its mission of public health and family welfare in India, by conducting studies that span a diverse range of health topics, the institute aims to provide insights that will inform national health policies and improve health services. The completion of the 12 studies and the ongoing progress of 29 research studies demonstrate NIHFW's active role in generating knowledge, critical for addressing health challenges faced by communities. Insights gained from

these research endeavours will contribute to the development of effective interventions and strategies to improve health outcomes across the country.

Specialized Services

The National Institute of Health and Family Welfare (NIHFW), offers a variety of specialised services aimed at enhancing public health and family welfare. These services cater to different segments of the population and support the institute's mission of promoting health education, research, policy formulation. Below is a brief overview of the key specialised services provided by the institute:

(i) **Clinical Services -** The Institute is recognized as one of the centres of excellence in reproductive health care. The NIHFW Clinic provides specialized clinical services which include management of infertility, management of reproductive endocrinological and gynaecological disorders, antenatal care, immunization of antenatal patients, infants and children and contraceptive services.

(ii) **Laboratory Facilities -** The laboratory of the Institute provides an in-depth investigation of the causes of reproductive disorders such as bio-chemical, anatomical, endocrinological, etc. The scientific approaches adopted in the management of endocrinological and reproductive disorders and infertility management have paid rich dividends.

(iii) **Official Publications**

1. **Health and Population: Perspectives and Issues-** A Quarterly Journal of Institute since 1978. During the period under review all the issues of HPPI for 2024 (Vol. No. 47 (1, 2, 3 & 4) and 2025 (Vol. No. 48 (1)) in progress; The Journal is cover under UGC care enlisted.

2. **Jan Swasthya Dhaarna** – During the period under report, on 9th March, 2025 on the occasion of Annual Day function of the Institute an issue of Jan Swasthay Dhaarna, a Hindi peer reviewed magazine of the institute was released by the Chief Guest - Ms. Anupriya Patel, Hon'ble Union Minister of State in the Ministry of Health and Family Welfare, Govt. of India.

MoUs /Collaborations

The Institute collaborated and signed MoU with different Institutes/ organizations during the academic year 2024-25 as follows:

List of MOUs (2024-25)

S. No.	Memorandum of Understanding (MOU) Between		Subject
1.	National Institute of Health and Family Welfare	The Institute of Cooperative and Corporate Management, Research and Training (ICCMRT)	Academic collaboration for Short and Long Certification program for hospital and healthcare professionals signed on 27th May, 2024
2.		Ministry of Health and Family Welfare	Undertaking training programs under "Capacity Building in Public Health Emergency and Hospital Preparedness for Health Emergencies" signed on 13th June, 2024
3.		Centre of Social Medicine and Community Health School of Social Sciences JNU	For rant of PhD (Public Health) degree signed on 12 August, 2024
4.		National AIDS Control Organization (NACO)	For fund flow and monitoring utilization of funds released under the NACP Scheme (CSS) signed on 28th August, 2024
5.		Primus Partners Private Limited	Series of roundtables for the purpose for better understanding of different stakeholders for tackling pressing health issues in our society in light of dietary guidelines for Indian by ICMR-NIN, 8.5.24 signed on 26th September, 2024
6.		AMTRON (Assam Electronics Development Corporation Ltd.	For development of IT infrastructure in the E Region. It has immense capacity is the field of data entry, cloud services, network, free software, system design and software development signed on 4th October, 2024
7.		The Institute of Cooperative and Corporate Management, Research and Training (ICCMRT)	Academic collaboration for Short and Long Certification program for hospital and healthcare professionals signed on 27th May, 2024

Use of Hindi in Official Work

The official language implementation in the Institute is regularly monitored by a committee duly constituted for this purpose. During this period, 84.75% of letters (including emails and fax messages) were issued in Hindi whereas 85.11% for Region 'A', 85.04% for Region 'B' and 81.43% for Region 'C'. The prescribed target is 100% for Regions 'A' and 'B', and 65% for Region 'C'. General Orders were issued bilingually during the said period (i.e. from April, 2024 to March, 2025). Similarly, all the letters received in Hindi were replied to in Hindi. Apart from day-to-day translation work in Hindi,

many specific translation work was also accomplished including annual report and annual accounts 2024-25, proformas, survey schedules, material pertaining to certificates, banners, and advertisements from various departments.

National Documentation Centre

The library facilities available at NDC are probably one of the best in India in this field. Over a period of two decades, the NDC has developed a well-balanced and up-to-date collection of about 60000 documents including books, periodicals, technical reports, annual reports, statistical reports, conference proceedings, modules, and non-book materials and special collection in the field of health, population and family welfare and allied areas carrying worldwide information.

National Documentation Centre is an active member of Developing Library Network (DELNET) and shares its resources with more than 5000 member libraries including Library of Congress, Washington.

National Documentation Center at the NIHFW

NDC is also a member of NML-ERMED India Consortium to provide free access to 258 journals. In addition to the above, through Online Public Access Catalog (OPAC), bibliographical details of all publications/documentations are accessible at the link http://14.139.63.242/webopac/. Important publications like committee/commission reports, technical reports, HPPI journals, important NIHFW publications, etc. have been digitized and made accessible through the link - https://nihfw.ac.in/cms/ndc-home.php.

Centre for Health Informatics

The Centre for Health Informatics (CHI), established by the Ministry of Health and Family Welfare (MoHFW) at the National Institute of Health and Family Welfare (NIHFW). CHI has actively contributed to the development and maintenance of a variety of Web based applications to support the Ministry of Health and Family Welfare's (MOHFW) digital health initiatives. These applications serve several divisions within MOHFW and play an important role in improving healthcare services and information management. CHI provides essential technical support for the development, monitoring, and upgrading of web based applications aligned with the latest digital and emerging technologies. Some of the major national level applications managed by CHI includes, National Public Health Observatory (NPHO), Ayushman Bharat – Ayushman Arogya Mandir Portal, Pradhan Mantri National Dialysis Program, Pradhan Mantri Surakshit Matritva Abhiyan (PMSMA), COVID-19 India S3 Portal, Mera Asptaal, Azadi ka Amrit Mahotsav (AKAM), e-Clearance for Afterlife

Remains (ecARe), National Identification Number (NIN), Facility Based Newborn Care, Digital Portal for Crowdfunding & Voluntary Donations for Patients of Rare Diseases.

National Cold-Chain and Vaccine Management Resource Centre

NCCVMRC, placed under NIHFW was established in 2013 with the objective of facilitating the establishment of a high-quality, effective, and efficient immunization supply chain in India. The role that NCCVMRC plays in strengthening the Immunization Supply Chain (ISC) in the country is as follows:

- Capacity building of Immunization Program Managers, Vaccine and Cold Chain Handlers and Cold Chain Technicians.
- Conducting various studies and assessments
- Maintaining a robust National Cold Chain Management Information System
- Acts as a Secretariat for Effective Vaccine Management (EVM) Assessment, National Technical Advisory Board (NTAB) for Cold Chain & Logistics, Technical Specification Development Group (TSDG) & a member of Technical Specification Committee (TSC)
- Provide necessary technical Support in the area of Immunization supply chain to MoHFW, Government Medical Store Depot (GMSD), States and UTs.

National Technical Advisory Group on Immunization (NTAGI)

The National Technical Advisory Group on Immunization (NTAGI) was established by an order of the Ministry of Health and Family Welfare (MoHFW) in 2001. As India's apex advisory body on immunization, the NTAGI provides guidance and advice to the MoHFW on provision of vaccination and immunization services for the effective control of vaccine preventable diseases in the country. The NTAGI is chaired by Secretary, Health & Family Welfare (H&FW) and Co-chaired by Secretary, Department of Biotechnology (DBT) and Secretary, Department of Health Research (DHR) & Director General-Indian Council of Medical Research (ICMR).

The NTAGI is supported by Standing Technical Sub-Committee (STSC), which is further supported by two Standing Working Groups: (i) Vaccine Preventable Disease Surveillance; (ii) Immunization and Vaccine Research and Capacity Building. In addition, it is supported by need based ad-hoc working groups: COVID-19 WG, HPV WG, Rotavirus WG, PCV WG, RSV WG, Leprosy WG, Vaccine Cost-Effectiveness WG, Code of Practice WG, Japanese Encephalitis WG, Maternal immunization subgroup, Vaccine confidence sub group, Rotavirus Vaccine WG, Cholera WG, Typhoid WG, and Hepatitis WG. The STSC, consisting of independent members, is tasked with undertaking technical review of scientific evidence on matters related to immunization policy and programmes. Final recommendations are drafted by the NTAGI taking into account the scientific review by the STSC, Working Groups and any other relevant evidence.

National Skills Lab (DAKSH)

National Skills lab - DAKSH at NIHFW was established on 9 March 2015 by Government of India in collaboration with LSTM, UK and the Maternal Health Division of MOHFW to upgrade the skills of health care providers such as ANMs/LHVs/SNs/MOs/nursing supervisors and faculty/obstetricians and paediatricians working at delivery points for providing quality RMNCH+A services. This training programme aims to reduce maternal and newborn mortality and morbidity by increasing availability and improving the quality of Skilled Birth Attendance (SBA) and Emergency Obstetric

and New-born Care (EmONC). Skills Lab provides the opportunity for repetitive skills practice, simulation of clinical scenarios and training under the supervision of qualified trainers.

The Skills lab comprises of 4 skill stations and 1 Labour room where the trainees learn 35 Basic skills in 6 days of training through practicing skills on mannequins, simulation Exercises, demonstrations, role plays, videos and Presentations.

Areas in which training is imparted are Antenatal, Intra-natal, Postnatal & Newborn care, Family Planning, infection Prevention, Management of Complications, adolescent counselling and other RMNCH + A Services.

PC & PNDT Nodal Agency

PC & PNDT Nodal Agency was established at the National Institute of Health and Family Welfare, under the Ministry of Health and Family Welfare in February 2017, as per directives of the Hon'ble Supreme Court of India in response to Writ Petition (Civil) No. 341/2008, as an interim arrangement, to monitor the e-advertisements related to pre-conception and pre-natal determination of sex or sex-selection, prohibited under Section 22 of the PC & PNDT Act, 1994.

The primary objective of the Nodal Agency is to regulate the e-advertisements and facilitate their removal. After due authentication of complaints with respect to the violation of section 22 of PC & PNDT Act, the complaints received from the general public/ government functionaries/ other sources are forwarded to the respective search engines/websites/social media platform for appropriate action, e.g. Blocking URLs and follow-up is done on the action taken by them. Furthermore, the Nodal Agency also performs suo moto/ active monitoring and monitors different search engines and social media platforms such as Google, Yahoo, Bing, YouTube, etc. for violation and takes necessary action against them.

Since its establishment, the Nodal Agency has received over 69 complaints & prepared 450 suo moto complaints, resulting in the identification of more than 6600 URLs that violate section 22 of the PC & PNDT Act and also worked on approx. 800 keywords for monitoring the search engines such as Google, Yahoo and Bing till 31st March 2025. Out of these, 8 complaints were received during the period April 2024-March 2025, and 109 suo moto complaints were made (including 602 URLs) along with monitoring of search engines with more than 100 keywords.

SAKSHAM (Stimulating Advanced Knowledge for Sustainable Health Management)

Inauguration of SAKSHAM: Digital Learning Media Lab at NIHFW:

SAKSHAM: Digital Learning Media Lab was inaugurated on 9th March, 2025 by Smt. Anupriya Patel, Hon'ble Minister of State for Health & Family Welfare & Chemical and Fertilizers in august presence of Dr. Atul Goel, DGHS, MoHFW. This digital lab will be utilized for audio video recording of online content for SAKSHAM portal of MoHFW.

Mission Karmayogi

Under Mission Karmayogi various Trainings and Workshops have been organised in hybrid mode during 01/04/2024 to 31/03/2025. Three public health courses were provided by NIHFW on IGOT portal:

i. All MoHFW officials (from MTS to DS/Director level) in Rashtriya Karmayogi Large Scale Jan Seva Program under Mission Karmayogi,
ii. Sensitization Workshop for MTS on recommended courses for MTS. 52 participants attended the workshop under National Learning Week,
iii. Celebration of Swachata Hi Seva Program at NIHFW.

Advisory and Consultancy Services

The Director, Faculty and Research staff members of the Institute provide advisory and consultancy services to various national, international and voluntary organizations in various capacities. In the forthcoming parts details are provided in this regard.

Infrastructure Facilities

The NIHFW has a state of the art video conferencing facility in addition to a 280-seater auditorium equipped with high-tech public-address systems. An exclusive Teaching Block with multiple halls fitted with modern teaching-aids is dedicated for the training courses that can hold many training courses simultaneously. The Hostel and International Hostel can accommodate more than 150 guests at a time. NIHFW has open gymnasium, a badminton court and cricket-cum-football ground for out-door games as well as chess, carom and table tennis indoor-games facility.

1. Education

The Institute is engaged in different types of teaching programmes viz., Three-year Post Graduate Degree in Community Health Administration (M.D-CHA), Two-year Post Graduate Diploma in Health Administration (DHA), One-year Post-Graduate Diploma in Public Health Management, three Diploma Courses in management of 15 months duration through Distance Learning Mode, Certificate Course in Professional Development in Public Health and Health Sector Reform through E-Learning Mode, and Ph.D. Programme are few to mention here.

Teaching-Institute has undertaken the following teaching programmes during the year under consideration.

The Institute conducts three full time Post-graduate educational courses as given below--

Three-year M.D. in Community Health Administration (CHA): The Institute conducts a three-year M.D. in Community Health Administration (CHA), since 1969. This course is affiliated to the Faculty of Medical Sciences, University of Delhi, and recognized by the National Medical Commission (NMC). Hitherto, a total of 306 students have passed out this course. During 2021-24, 2022-25, 2023-26, and 2024-27, 38 students attended the course including eight in the final year, ten in the second year and 10 in the first year. For the year 2024-27, 10 students are enrolled.

Two-year Post-Graduate Diploma in Health Administration (DHA): Started in 1993, this two-year Post-Graduate Diploma in Health Administration offered by the Institute is also affiliated to the University of Delhi and is recognized by the National Medical Commission (NMC). During 2022-2024 and 2023-25, 11 students attended the **course** including five in the second year and six in the first year. Hitherto, a total of 67 students have passed out this course, 6 students are enrolled for the year 2024-26.

One-Year Post-Graduate Diploma in Public Health Management (PGDPHM): NIHFW in collaboration with the Ministry of Health and Family Welfare, Government of India (GoI) and Public Health Foundation of India offer a Post-Graduate Diploma in Public Health Management. The institute offers 30 seats under Partners in Population and Development and running since 2008. In 2024-25, 9 students were enrolled, out of this 4 were state sponsored and 4 were self-sponsored.

Ph.D. Programme at the NIHFW: The Institute started Ph.D. Programme from the year 2023-2024. The institute invited applications from UGC (NET) qualified candidates and In-service candidates working in Government/UGC recognized organizations. As per policy of JNU, the UGC (NET) qualified candidates appeared for interview and made protocol presentation. The in-service candidates appeared for written test, interview and made protocol presentation. Total enrolled 8 candidates (6 JRF candidates + 2 In-service candidates). The two semester course work and guide allocation process were completed. For the year 2024-25, eight students a have taken admission, the classes have already been stared. All faculty of the NIHFW has been recognized by the JNU as Ph.D. supervisor.

MPH Programme at the NIHFW: The MPH Programme in affiliation with Faculty of Medical Science (FMSC), University of Delhi was approved by Executive Council of Delhi University. The admissions have been made through CUET, conducted by Faculty of Medical Science (FMSC), University of Delhi for the year 2024-25 and 16 students have joined for MPH course at NIHFW.

Distance Learning Courses at the NIHFW

The Distance Learning Cell was set up during the year 1992 with the objective to facilitate continuous up-gradation of knowledge and skills of various health personnel for delivering better health care across the country with credentials for leadership in Public Health. The courses cater to the increasing demand for Health Professionals in National Health Organizations, public and private health research institutes, Non-Governmental Organizations (NGOs). The cell provides access to high quality education to all those who seek it irrespective of age, region, religion and gender. The main function of Distance Learning Cell is Planning, Developing and launching of academic programmes at various levels for different categories of health personnel in distance learning.

Course Design: Self-reading of study materials in soft/hard copy supplied to candidates in the form of modules. Internal Assessment done by the following criteria with Two assignments, Two contact programmes of 05 days each, 03 days online Research Methodology classes and One dissertation. Final Examination is held at the end of the term by theory examination, Practical & Viva examination.

Distance Learning Courses: The Institute conducts 06 Post-Graduate ***Diploma in Management (Executive) courses*** of 15-month duration each in ***'Health and Family Welfare Management', 'Hospital Management', 'Health Promotion'***, ***'Health Communication', 'Applied Epidemiology' and 'Public Health Nutrition'*** through distance learning affiliation with AICTE. In the academic year (2024-25) 532 candidates got enrolled in above mentioned courses.

1. Post Graduate Diploma Management in Hospital Management: Total 165 candidates got enrolled. The Course Coordinator is Prof. Manish Chaturvedi and Co-coordinator Dr. Ramesh Gandotra.

2. Post Graduate Diploma Management in Health & Family Welfare Management: Total 50 candidates got enrolled. The Course Coordinator is Prof. Pushpanjali Swain and Co-coordinator Dr. Raj Narayan.

3. Post Graduate Diploma Management in Health Promotion: The Course Coordinator is Dr. Monika Saini and Co-coordinator Dr. S.P. Singh.

4. Post Graduate Diploma Management in Applied Epidemiology: Total 27 candidates got enrolled. The Course Coordinator Dr. Rajesh Ranjan and Co-coordinator Ms. Bhawana Kathuria.

5. Post Graduate Diploma Management in Public Health Nutrition: Total 28 candidates got enrolled. The Course Coordinator is Prof. Nanthini Subbiah and Co-coordinator Dr. A.M. Elizabeth.

6. Post Graduate Diploma Management in Health Communication: The Course Coordinator is Prof. Ankur Yadav and Co-coordinator Mr. Lakhan Lal Meena.

Contact Programmes:

- The 2nd contact programme (Batch 2023-24) was conducted during the month of June to July, 2024 at the NIHFW, New Delhi and SIHFW, Bangalore.

- The 1st contact programme (Batch 2024-25) was conducted during the month of February to March, 2025 at the NIHFW, New Delhi and SIHFW, Bangalore.

Research Methodology Training Programme

A Research Methodology - Online Course from 10-12, December, 2024 was conducted for all the DLC 6 PGDM courses for Batch 2024-25.

Annual Exam

The Annual Exam (Batch 2023-24) was conducted at the NIHFW, New Delhi and SIHFW, Bangalore during the month of January – February, 2025 as follows:

S. No.	Name of the Course	No. of candidates enrolled	No. of candidates passed	Remarks
1	PGDM- Hospital Management	263	176	Absent=7, Fail=17
2	PGDM- Health & Family Welfare	81	59	Absent=15, Fail=7
3	PGDM- Health Promotion	3	2	Absent=1
4	PGDM- Applied Epidemiology	48	44	Absent=3, Fail=1
5	PGDM- Public Health Nutrition	43	33	Absent=3, Fail=7
	Total	438	314	

ANNUAL CONVOCATION

The NIHFW-DLC was organized its 2nd Convocation Ceremony for the graduation of the academic year (batch) 2023-2024 on 25th February 2025 (Tuesday). The Chief Guest was Prof.(Dr.) Mahesh Verma, Vice Chancellor – Guru Gobind Singh Indraprastha University, New Delhi and our Director Prof. Dheeraj Shah graced the occasion.

Summer Training: Under this programme, students from various Universities pursue their project work in various specialized areas of public health. Under this programme, 59 students from various Universities (Jamia Milia Islamia, AIIMS Jodhpur, IIPS Mumbai, IIHMR –Jaipur, Dr. B.R. Ambedkar University, IIPH-Delhi, AIIMS Rishikesh, JNU, IGNOU, pursued their project work (2-3 months) in various specialized areas of public health during 2024-25. Bridging Classroom Learning with Real-World Public Health Experience- we have provided 41 MPH and MBA students from various institutes (DU, AIIMS, TISS, PHFI, Jamia, Amity, Sharda etc.) with an opportunity to enhance their academic journey through summer training and dissertation projects. These projects, which span one to three months, were conducted under the expert guidance of faculty members and senior research officers at the Institute. The students gained invaluable insights into the real-world applications of their classroom learning, preparing them to contribute effectively to India's evolving public health landscape upon their graduation.

Educational Visits: This Institute also forms part of the academic journey for Enhancing Public Health Perspectives for a number of students from various medical and nursing colleges from all over the country. As part of their academic journey, a total of 903 students pursuing MD, MBA, MPH, and Nursing programs from 23 Institutions/colleges/universities were provided with a comprehensive perspective in the field of Public health and allied areas. The students had the opportunity to engage

with and learn about key public health initiatives, health policies, and the challenges in the implementation of these projects, directly from the experts and practitioners involved at the NIHFW.

Scholarships: All the MD(CHA) and DHA students are given monthly stipend as the 7th Pay Commission Pay scale of level 10 along with annual increments whereas the GoI gives fellowships (Rs. 2.5 lakh for boarding and lodging) with Rs. 5000/- as stipend per month for ten international students of Post Graduate Diploma in Public Health Management (PGDPHM).

2. Training

The Institute undertakes various types of training programmes for the health practitioners in the area of public health and family welfare. The training courses (intra-mural and extra- mural) are organized by the Institute every year with an aim to –

1. familiarize the participants with the goals and objectives of health and family welfare programmes;
2. update their knowledge and understanding of operational difficulties in implementation; and
3. suggest remedial measures to overcome such constraints.

A brief of these activities is as Follows-Institute has conducted 134 training courses reported in the financial year 2024-25. A List of Training Courses, during the Financial Year 2024-25 is given below:

Sl. No.	Title of Course	Name of Coordinator/ Nodal Officer	Duration	No. of Participants
1	First Refresher Training for Master Trainers of Ayushman Bharat Digital Mission (ABDM)	Prof. Ankur Yadav	03rd – 05th April, 2024	32
2	Induction Training Programme for The Food Safety Officers/Officials Of FSSAI	Prof. Rajesh Kumar	8th- 20th April, 2024	45
3	Training Programme on "Nurturing Individual Potential and Unleashing Networking (NIPUN)	Prof. Rajesh Kumar	8th - 19thApril, 2024	50
4	National Workshop on Grievance	Prof. Ankur Yadav	15th – 16th April, 2024	66
5	Systematic Review for Protocol Development and GRADE in collaboration with ICMR-CoE-EBCH, PGIMER Chandigarh and Indian Paediatrics	Dr. Dheeraj Shah	18th - 19th April, 2024	35
6	54th Training of Cold Chain Technicians on repair and maintenance of ILR, DF & Voltage Stabilizer at NCCVMRC, NIHFW	Dr. Renu Shahrawat	29th April - 07th May, 2024	21
7	1st Regional workshop on NAFU, STG & Claim Adjudication	Prof. Ankur Yadav	1st – 3rd May, 2024	15
8	22nd Training Courses on Vaccine and Cold Chain Management for Program Mangers (T-VaCC)	Prof. Renu Shahrawat	06th - 10th May, 2024	25
9	Training Course on Basic Infertility Management for Healthcare Professionals	Prof. Renu Shahrawat	08th - 12th May, 2024	26
10	Training for Master Trainers ABDM: Batch 1	Prof. Ankur Yadav	15th - 17th May, 2024	32
11	23rd Training Courses on Vaccine and Cold Chain Management for Program Mangers (T-VaCC)	Prof. Renu Shahrawat	27th - 31st May, 2024	22
12	Faculty Development Workshop on Digital Content Development for Teaching, Training & Dissemination	Dr. D.K. Yadav Dr. Dheeraj Shah	30th May, 2024	55

Sl. No.	Title of Course	Name of Coordinator/ Nodal Officer	Duration	No. of Participants
	(NIHFW DigiCON Workshop-2024) in collaboration with JHPIEGO			
13	55th Training of Cold Chain Technicians on repair and maintenance of ILR, DF & Voltage Stabilizer at NCCVMRC, NIHFW	Prof. Renu Shahrawat	03rd - 11th June, 2024	19
14	2nd Regional Workshop on NAFU, STG & Claim Adjudication	Prof. Ankur Yadav	10th - 12th June, 2024	27
15	Investigation techniques and launching of prosecutions (CDSCO & States)	Prof. Rajesh Kumar	10th - 14th June, 2024	42
16	Training of Master Trainers for PMAMs: Batch 1	Prof. Ankur Yadav	19th – 21st June, 2024	25
17	Training Course on Demographic Data Analysis for Health Personnel	Prof. Pushpanjali Swain	24th - 26th June, 2024	12
18	24th Training Courses on Vaccine and Cold Chain Management for Program Mangers (T-VaCC)	Prof. Renu Shahrawat	24th - 28th June, 2024	25
19	Training of Trainers for Pradhan Mantri Arogya Mitras (PMAMs) for Central, East &West region	Prof. Ankur Yadav	26th - 28th June, 2024	34
20	1st Training Course on Good Clinical Practices	Dr. Rajesh Ranjan	27th - 28th June, 2024	36
21	3rd Regional workshop on NAFU, STG & Claim Adjudication	Prof. Ankur Yadav	30th June - 2nd July, 2024	38
22	56st Training of Cold Chain Technicians on repair and maintenance of ILR, DF & Voltage Stabilizer at NCCVMRC, NIHFW	Prof. Renu Shahrawat	08th - 16th July, 2024	18
23	Training for Master Trainers of Ayushman Bharat Digital Mission (ABDM)- Batch-3	Prof. Ankur Yadav	10th - 12th July, 2024	35
24	2nd Foundation Course on Hospital Management for Assistant Managers selected from the Department of Health & Family Welfare, Madhya Pradesh, through MP Public Service Commission	Prof. Manish Chaturvedi	15th July - 2nd Aug, 2024	32
25	Orientation Training on Health Policy, Planning & Financing in context of National Health Programmes including NHM for Health Personnel	Prof. V.K. Tiwari	22nd - 26th July, 2024	27
26	Training of Masters Trainers for Pradhan Mantri Arogya Mitras (PMAMs) for Batch 2	Prof. Ankur Yadav	24th – 26th July, 2024	27
27	Workshop on Cardiopulmonary Resuscitation for Health Care Professionals of NIHFW" by IAP	Dr. Dheeraj Shah Dr. Geetanjly Singh	28th July, 2024	38
28	Sexual harassment of women at the workplace (PoSH) for NIHFW Faculty on 24 July 2024: 81 participants	Prof. Meerambika Mahapatro	01st Aug, 2024	81
29	26th RTP on Regenerative Medicine and Gene Therapy	Prof. Rajesh Kumar	05th - 07th Aug, 2024	40
30	Training Course on Basic Infertility Management for Healthcare Professionals	Prof. Renu Shahrawat	05th - 09th Aug, 2024	35
31	Sexual harassment of women at the workplace (PoSH) for NIHFW staff on 1 August 2024: 67 participants	Prof. Meerambika Mahapatro	06th Aug, 2024	67

Sl. No.	Title of Course	Name of Coordinator/ Nodal Officer	Duration	No. of Participants
32	Training of Master Trainers for Pradhan Mantri Arogya Mitras (PMAMs) for Batch-3	Prof. Ankur Yadav	07th - 09th Aug, 2024	25
33	Training of Cold Chain Technician on Repair and Maintenance of Walk-In-Coolers (WIC) and Walk-In-Freezers (WIF), at NCCVMRC, NIHFW	Prof. Renu Shahrawat	19th - 24th Aug, 2024	18
34	27th RTP on Stress management for achieving sustaining performance	Prof. Rajesh Kumar	21st - 23rd Aug, 2024	38
35	Training Course on Nursing Management for Senior Nursing Professionals	Prof. Nanthini Subbiah	27th - 31st Aug, 2024	43
36	Training of Masters Trainers for Pradhan Mantri Arogya Mitras (PMAMs) Batch 4	Prof. Ankur Yadav	28th - 30th Aug, 2024	33
37	National Training cum Data Review Workshop on NCCMIS for State Programme Officials	Prof. Renu Shahrawat	03rd - 04th Sept, 2024	18
38	2nd Training Course on Good Clinical Practices (GCP)	Dr. Rajesh Ranjan	05th - 06th Sept, 2024	27
39	Training Course on Active Ageing and Wellbeing for Healthcare Professionals	Dr. D.K. Yadav	09th - 11th Sept, 2024	21
40	Training Course on Active Ageing and Wellbeing for Healthcare Professionals	Prof. Meerambika Mahapatro	09th - 11th Sept, 2024	27
41	Training Course on Data Analysis using Statistical Software for Health Professionals	Prof. Pushpanjali Swain	09th - 13th Sept, 2024	21
42	Training Course on Communication in Health Care Management for Medical & Allied Health Professionals	Prof. Mihir Kumar Mallick	09th - 13th Sept, 2024	14
43	NCCVMRC Daksh Skill Lab	Prof. Renu Shahrawat	12th Sept, 2024	80
44	Advancing Clinical Excellence: GCP and Bioethics in Biomedical Research Workshop in collaboration with ESIC Medical College Faridabad	Dr. Rajesh Ranjan	12th -13th Sept, 2024	251
45	25th Training Courses on Vaccine and Cold Chain Management for Program Mangers (T-VaCC)	Prof. Renu Shahrawat	23rd - 27th Sept, 2024	21
46	3rd Training Course on Advances in Reproductive Biomedicine Techniques for Medical Officers/ Faculty/Researchers	Dr. R. Rao Sathuluri	23rd - 27th Sept, 2024	19
47	Training Course on Epidemic Preparedness and Management	Dr. Rajesh Ranjan	23rd - 27th Sept, 2024	39
48	Daksh National Skills lab	Dr. Geetanjali Singh	23rd - 28th Sept, 2024	15
49	Training Course on Capacity Building of IEC Officers in Communication Skills under NHM	Prof. Ankur Yadav	24th - 27th Sept, 2024	18
50	1st Residential Induction Training Programme for newly Recruited Drugs inspections of CDSCO	Prof. Rajesh Kumar	29th Sept to 30th Oct, 2024	35
51	10th Annual Conference of India Association of Neonatal Nurses (IANN)	Dr. Dheeraj Shah, Prof. V.K. Tiwari	05th - 06th Oct, 2024	250

Sl. No.	Title of Course	Name of Coordinator/ Nodal Officer	Duration	No. of Participants
		Prof. Nanthini Subbiah		
52	28th RTP on Risk Based Inspections of drug manufacturing units	Prof. Rajesh Kumar	07th to 09th Oct, 2024	41
53	Training Course on Monitoring, Supervision and Evaluation of National Health Programmes including NHM for Health Personnel	Prof. V. K. Tiwari	07th to 11th Oct, 2024	45
54	20th Training Course on Transforming Libraries in Digital Environment	Prof. Meerambika Mahapatro	14th to 18th Oct, 2024	26
55	National Level Integrators Workshop on ABDM	Prof. Ankur Yadav	16th Oct, 2024	80
56	Training on Financial Management of ABPM-JAY	Prof. Ankur Yadav	21st Oct, 2024	80
57	Capacity Building Program on Management of Public Health Emergencies	Prof. Manish Chaturvedi	21st - 26th Oct 2024	33
58	Training on Financial Management of ABDM	Prof. Ankur Yadav	22nd Oct 2024	60
59	100thTraining Course on Hospital Administration for Senior Hospital Administrators	Prof. Manish Chaturvedi	02nd - 20th Nov,2024	29
60	Training cum Data Review Workshop on NCCMIS for State Programme Officials	Prof. Renu Shahrawat	03rd - 04th Nov, 2024	18
61	Training Course on Application of Biostatistics in Epidemiology and Public Health	Dr. Rajesh Ranjan Dr. D. K. Yadav	04th - 08th Nov, 2024	23
62	58th Training of Cold Chain Technicians on repair and maintenance of ILR, DF & Voltage Stabilizer at NCCVMRC, NIHFW	Prof. Renu Shahrawat	04th - 12th Nov, 2024	17
63	Faculty Development Workshop on Qualitative Research Methodology for Public Health Professionals	Dr. Dheeraj Shah Prof. V. K. Tiwari	05th - 06th Nov, 2024	60
64	Training programme on Soft skills for Healthcare providers	Prof. Meerambika Mahapatro	12th - 14th Nov, 2024	52
65	Workshop on "Research Methodology and Research Paper Writing" for young researchers in the field of medicine	Dr. Sarita Gautam	15th - 17th Nov, 2024	35
66	Training Course on Holistic Health and Wellbeing of Elderly for Health Professionals	Dr. Elizabeth	18th - 22nd Nov, 2024	12
67	Training Course on Statistical Data Analysis using R- Software for Health Professionals	Dr. D. K. Yadav	25th - 27th Nov, 2024	14
68	26th Training Courses on Vaccine and Cold Chain Management for Program Mangers (T-VaCC)	Prof. Renu Shahrawat	25th - 29th Nov, 2024	25
69	Training Course on Research Methodology for Health Professionals	Dr. Sarita Gautam	25th - 29th Nov, 2024	17
70	Training Course on Scientific Writing in Health Research	Dr. R. Rao Sathuluri	25th - 29th Nov, 2024	28
71	3rd Training Course on Good Clinical Practices (GCP)	Dr. Rajesh Ranjan	02 - 03rd Dec, 2024	20

Sl. No.	Title of Course	Name of Coordinator/ Nodal Officer	Duration	No. of Participants
72	30th RTP on New Technologies in Pharmaceutical Industry (CDSCO & States)	Prof. Rajesh Kumar	02nd - 04th Dec, 2024	38
73	Training course on Building Nursing and Midwifery Leadership in the context of Universal Health Coverage/ S D Goals	Dr. Monika Saini	02nd - 06th Dec, 2024	22
74	Orientation of State Project Management Units Ayushman Bharat Digital Mission	Prof. Ankur Yadav	05th - 06th Dec, 2024	45
75	One day workshop on Content Creation for the IGOT Platform under mission Karmayogi	Dr. D.K. Yadav	06th Dec, 2024	15
76	30thTraining Course on Logistics and Supply Management System in Health and Family Welfare	Prof. Manish Chaturvedi	09th - 13th Dec, 2024	7
77	Training of Cold Chain Technician on Repair and Maintenance of Walk-In-Coolers (WIC) and Walk-In-Freezers (WIF), at NCCVMRC, NIHFW	Prof. Renu Shahrawat	09th - 14th Dec, 2024	18
78	Pre-Conference Workshop on Good Clinical Practices and Bio-Ethics	Dr. Rajesh Ranjan	12th Dec, 2024	80
79	Orientation Workshop on ABPM-JAY for NHCPs	Prof. Ankur Yadav	12th - 13th Dec, 2024	43
80	21st Biennial International Conference on "Elderly Empowerment and Graceful Ageing	Dr. Rajesh Ranjan	13th - 15th Dec, 2024	60
81	31st RTP on Product & Process Knowledge	Prof. Rajesh Kumar	16th - 18th Dec, 2024	34
82	59th Training of Cold Chain Technicians on repair and maintenance of ILR, DF & Voltage Stabilizer at NCCVMRC, NIHFW	Prof. Renu Shahrawat	06th - 14th Jan, 2025	17
83	Capacity Building of Government Medical Store Depot Officials on Vaccine & Cold Chain Management at NCCVMRC	Prof. Renu Shahrawat	08th - 09th Jan, 2025	13
84	NIHFW & AMTRON meet to explore Industry 4.0 Digital Health Solutions, bridging SDG 2030 gaps	Dr. D. K. Yadav	10th - 11th Jan, 2025	50
85	The Capacity Building Programme on Hospital Preparedness for Health Emergencies	Prof. Manish Chaturvedi	13th - 18th Jan, 2025	37
86	Workshop on Indian Medical Device Regulations in collaboration with CDSCO & CII& NIHFW	Prof. Rajesh Kumar	15th Jan, 2025	237
87	5-day Training Course on Research Methodology for Health Professionals	Dr. Sarita Gautam	20th - 24th Jan, 2025	17
88	"National Conference on Learning Disability- Advances in Assessment, Accessibility, Tools, Technology & Inclusion"	Dr. Dheeraj Shah Dr. Chetna Chouhan	21st - 24th Jan, 2025	136
89	Training cum Data Review Workshop on NCCMIS for State Programme Officials	Prof. Renu Shahrawat	30th - 31st Jan, 2025	10
90	Refresher Training of Master Trainers for District Implementation Units (DIUs) Northeast and East region	Prof. Ankur Yadav	22nd - 24th Jan, 2025	17

Sl. No.	Title of Course	Name of Coordinator/ Nodal Officer	Duration	No. of Participants
91	57th Training of Cold Chain Technicians on repair and maintenance of ILR, DF & Voltage Stabilizer at NCCVMRC, NIHFW	Dr. Renu Shahrawat	03rd - 11th Feb, 2025	23
92	Training Course on Occupational and Environmental Health for Health Professionals for inviting nominations	Prof. Nanthini Subbiah Dr. Rajesh Ranjan	03rd - 07th Feb, 2025	23
93	Building Knowledge Base and Awareness about Traditional and Complimentary Medicine	Dr. Monika Saini	03rd - 07th Feb, 2025	17
94	Two day workshop on Capacity Building of health Professionals in Development Screening and Recognition of Autism Spectrum Disorder (ASD) in children	Dr. Dheeraj Shah Dr. Chetna Chouhan	06 - 07th Feb, 2025	42
95	Training Course on Research Methodology for Nursing Professionals	Prof. Nanthini Subbiah	10th - 14th Feb, 2025	44
96	State Effective Vaccine Management (EVM) Assessment – Uttarakhand	Prof. Renu Shahrawat	11th - 15th Feb, 2025	16
97	Training course on Curriculum Design	Prof. Mihir Kumar Mallick	12th - 14th Feb, 2025	14
98	4th Training Course on "Good Clinical Practices (GCP)"	Dr. Rajesh Ranjan	17th - 18th Feb, 2025	23
99	32nd Residential Training Programme on "Leadership and Managerial Skills" for officials of CDSCO and States Drugs Control Departments	Prof. Rajesh Kumar	17th - 19th Feb, 2025	39
100	Training Course on "Health System Management to Strengthen Health Care Delivery Services for Medical &Allied Health Professionals"	Prof. Mihir Kumar Mallick	17th - 21st Feb, 2025	10
101	Training Course on Gender-Based Violence and Human Rights for Promoting Women Health	Prof. Meerambika Mahapatro	17th - 21st Feb, 2025	32
102	Training course on "Building Knowledge Base and Awareness about Traditional, Complementary and Integrative Medicine (TCIM)"	Dr. Monika Saini	17th - 21st Feb, 2025	17
103	24th Residential Training Programme on "Good Clinical Practice and Pharmacovigilance"	Prof. Rajesh Kumar	20th - 22nd Feb, 2025	42
104	State Effective Vaccine Management (EVM) Assessment – Rajasthan	Prof. Renu Shahrawat	25th Feb - 01st March 2025	38
105	Office Administration (CDSCO)	Prof. Rajesh Kumar	17th-22nd March, 2025	40
106	Training Course on Capacity Building of IEC officers in Communications Skills under NHM	Prof. Ankur Yadav	19th – 21st March, 2025	12
Training Activities under SAKSHAM: LMIS				
107	Workshop on Digital Content Development for Teaching, Training and Dissemination)DigiCON Workshop-2024 (in collaboration with JHPIEGO at The National Institute of Health and Family Welfare.	Dr. D. K. Yadav	30th May, 2024	50

Sl. No.	Title of Course	Name of Coordinator/ Nodal Officer	Duration	No. of Participants
108	Delivered session on SAKSHAM: LMIS at Two-day National Workshop for Training Coordinators from different states has organized at STDC Madhya Pradesh, Bhopal.	Dr. Raj Narayan	07th - 08th Oct, 2024	30
109	Delivered session on SAKSHAM: LMIS at Two-day National Workshop for Training Coordinators from different states has organized at STDC Uttar Pradesh, Agar.	Dr. Raj Narayan	08th to 09th Nov, 2024	35
Training Activities under Mission Karm Yogi				
110	Workshop on Content Creation for IGOT Platform by MoHFW Organizations under Mission Karmayogi	Dr. D. K. Yadav	13th Aug, 2024	50
111	Karmayogi Sap - National Learning Week	Dr. D. K. Yadav	19th to 25th Oct, 2024	400
112	One Day Workshop on Content Creation and Monitoring of MoHFW Courses on IGOT Platform under Mission Karmayogi	Dr. D. K. Yadav	06th Dec, 2024	25
113	Rashtriya Karmayogi Large Scale Jan Seva Program Training Session of the official of MoHFW	Dr. D. K. Yadav	13th Feb, 2025	40
114	Rashtriya Karmayogi Large Scale Jan Seva Program Training Session of the official of MoHFW	Dr. D. K. Yadav	14th Feb, 2025	40
115	Rashtriya Karmayogi Large Scale Jan Seva Program Training Session of the official of MoHFW	Dr. D. K. Yadav	17th Feb, 2025	40
116	Rashtriya Karmayogi Large Scale Jan Seva Program Training Session of the official of MoHFW	Dr. D. K. Yadav	18th Feb, 2025	40
117	Rashtriya Karmayogi Large Scale Jan Seva Program Training Session of the official of MoHFW	Dr. D. K. Yadav	25th Feb, 2025	40
118	Rashtriya Karmayogi Large Scale Jan Seva Program Training Session of the official for MTS of MoHFW	Dr. D. K. Yadav	04th March, 2025	40
119	Rashtriya Karmayogi Large Scale Jan Seva Program Training Session of the official for PPS/PA/SO/ASO of MoHFW	Dr. D. K. Yadav	05th March, 2025	40
120	Rashtriya Karmayogi Large Scale Jan Seva Program Training Session of the official for ASOs of MoHFW	Dr. D. K. Yadav	06th March 2025	40
121	Rashtriya Karmayogi Large Scale Jan Seva Program Training Session of the official for SO/ASOs of MoHFW	Dr. D. K.Yadav	07th March 2025	40
122	Rashtriya Karmayogi Large Scale Jan Seva Program Training Session of the official for Director/DS/US/PPS of MoHFW	Dr. D. K. Yadav	10th March, 2025	40
123	Rashtriya Karmayogi Large Scale Jan Seva Program Training Session of the official for MTS of MoHFW	Dr. D. K. Yadav	11th March, 2025	40

Sl. No.	Title of Course	Name of Coordinator/ Nodal Officer	Duration	No. of Participants
124	Rashtriya Karmayogi Large Scale Jan Seva Program Training Session of the official for SO/ASO of MoHFW	Dr. D. K. Yadav	12th March, 2025	40
125	Rashtriya Karmayogi Large Scale Jan Seva Program Training Session of the official for SO/ASO of MoHFW	Dr. D. K. Yadav	18th March, 2025	40
126	Rashtriya Karmayogi Large Scale Jan Seva Program Training Session of the official for ASO of MoHFW.	Dr. D. K. Yadav	19th March, 2025	40
127	Rashtriya Karmayogi Large Scale Jan Seva Program Training Session of the official for SO/ASO of MoHFW.	Dr. D. K. Yadav	20th March, 2025	40
128	Rashtriya Karmayogi Large Scale Jan Seva Program Training Session of the official for Sr. PPS/PPS/PS of MoHFW.	Dr. D. K. Yadav	21st March, 2025	40
129	Rashtriya Karmayogi Large Scale Jan Seva Program Training Session of the official for PA of MoHFW	Dr. D. K. Yadav	25th March, 2025	40
130	Rashtriya Karmayogi Large Scale Jan Seva Program Training Session of the official for Officers/Officials of MoHFW.	Dr. D. K. Yadav	11th March, 2025	42
131	Rashtriya Karmayogi Large Scale Jan Seva Program Training Session of the official of MoHFW	Dr. D. K. Yadav	13th March, 2025	40
132	Rashtriya Karmayogi Large Scale Jan Seva Program Training Session of the official for SO/ASO of MoHFW.	Dr. D. K. Yadav	20th March, 2025	40
133	Rashtriya Karmayogi Large Scale Jan Seva Program Training Session of the Officers/Officials of MoHFW.	Dr. D. K. Yadav	26th March, 2025	40
134	Rashtriya Karmayogi Large Scale Jan Seva Program Training Session of the Officers/Official of MoHFW.	Dr. D. K. Yadav	28th March, 2025	40

Meetings: - SFC/GB/PAC/ others

A List of regular meetings organized, during the Financial Year 2024-25 is given below:

S. No.	Title of Meeting	Duration	Nature of Participants
1.	69th Standing Finance Committee	8th May, 2024	Secretary (H&FW), AS&FA- MoHFW, Senior Advisor (NITI Aayog), Member (NITI Aayog), Director (Training Division) (MoHFW).
2.	70th Standing Finance Committee	5th December, 2024	Secretary (H&FW), AS&FA- MoHFW, Addl. D.G.H.S, Director (Training Division) (MoHFW), Director NIHFW
3.	Programme Advisory Committee	15th October, 2024	Members of PAC, Faculty Members, Medical Officers and Research Officers

S. No.	Title of Meeting	Duration	Nature of Participants
4.	Programme Advisory Committee	18.March 2025	Members of PAC, Faculty Members, Medical Officers and Research Officers
5.	Governing Body	18th February 2025	Hon'ble Union Minister of Health and Family Welfare, Secretary, (H&FW), D.G. of Health Services, Secretary- Health Research and Director General, Director- AIIMS, Director NIHFW etc.

3. Research and Evaluation

The Institute gives priority attention to research work in different aspects of health and family welfare. The Institute has an Academic Committee and a high level Programme Advisory Committee consisting of eminent experts from all over India. All the educational and research activities of the Institute are scrutinized and deliberated upon thoroughly by these committees for ensuring the quality in academic endeavours. Further, each research proposal is placed before the Ethical Review Board of the Institute which comprises academicians from health, research and relevant technical backgrounds to look into ethical and other relevant issues.

The Institute conducts evaluation studies of various activities and National Health Programmes initiated by the Government of India. During the year under review, the Institute was involved in 41 research studies. Out of these research studies, 12 have been completed and 29 remaining are on-going.

COMPLETED RESEARCH STUDIES

(1) Study on the functioning of mobile health team under Rashtriya Bal Swasthya Karyakram (RBSK) programme in Gurugram district (Dr. Anjana Aji & Prof. Ankur Yadav)

Objectives:

- To study the system functioning (input, process and output) of the Mobile Health Team functioning under the RBSK Programme.
- To assess the Knowledge, Attitude and Practices of Mobile Health Teams (Doctors, ANM/Staff nurse, Pharmacists) in providing the services under RBSK.
- To find the awareness and utilisation of the health services provided by the Mobile Health Teams under RBSK among the beneficiaries.

Major findings:

- The study found that all 11 MHTs in Gurugram were adequately staffed as per norms, with 44 healthcare providers (25 of whom were females) across 4 blocks.
- Among the 57,503 children screened, 20,204(35.1%) were identified with at least one of the 4Ds, with diseases being the most commonly diagnosed condition (93.33%).
- Beneficiary awareness of RBSK services was moderate, with 44.24% being aware of the program. While high awareness was noted for free services (95.9%) and surgeries (97.3%), awareness of free transport and school screenings was lower.
- Beneficiaries also faced barriers in utilising the services. These included financial barriers (80.2%), long waiting times in DEIC (40.7), unawareness, other responsibilities at home (52.6%) and preference for private healthcare due to easy access (15.7%) and mistrust of government services (5.2%).

Recommendations:

- Mandatory organised annual structured training programs for MHT staff covering the 4Ds, referral processes, data management, and soft skills like community engagement.

- Develop guideline to ensure that screening site have basic amenities or screening will be done at the places where the basic amenities are available like schools, PRI office etc.
- Conduct monthly/ quarterly review meetings at the district level to address ongoing challenges.
- Organize health awareness activities by involving local influencers and community health workers such as ASHA to build trust.
- Conduct periodic review meetings at the team level to address ongoing challenges.

(2) A Study on Depression Among Postpartum Women in A Tertiary Care Government Hospital of Delhi (Dr. Suman Verma & Dr. Rajesh Ranjan).

Objectives:

- To find the proportion of women with postpartum depression.
- To identify the risk factors and its association with postpartum depression.
- To assess the quality of life of women suffering from postpartum depression.
- To provide recommendation if any.

Major Findings:

- The prevalence of postpartum depression was found to be 25.9%, and the quality of life was found to be significantly associated with postpartum depression.
- While looking at the obstetrics profile of the participants, 85 (25%) participants were taken each from the postpartum duration of 0-3 months, 3-6 months, 6-9 months, and 9-12 months.
- Around 2/3rd of the participants have given birth by NVD; 48.2% of women reported that they had some complications during delivery, while 51.8% of women did not have any complications during delivery.
- Around 50% of the participants presented with chronic illness during their pregnancy. In the social characteristics, more than 2/3rd of the participants had family support during their pregnancy and child-rearing time, and around 7.4% of women had marital discord.
- Around 12.1% of the participants reported suffering from domestic violence.
- Around 86.5% of the women reported that they did not have their husband's support during child-rearing. In our study, 39.1% of participants had no preference for the gender of the newborn child, while 33.2% preferred a male child and 27.6% of women wanted a girl child.
- Among the socio-demographic profiles, the income and occupation of the husband are statistically significant.
- A significant association was found between the postpartum duration, mode of delivery, and the presence of chronic illness during pregnancy.
- On regression analysis, domestic violence, mode of delivery and family support were found to be significant risk factor.
- The odds of developing postpartum depression were higher with domestic violence, caesarean section and lack of family support.

Recommendations:

- Women attending antenatal care (ANC) services in hospitals should receive periodic counselling to support their mental health.
- A counsellor should be appointed to be present on all ANC days.

- After delivery, each woman should have the opportunity to meet with a psychologist during regular visits.
- Prior to discharge, all women should be assessed using the Edinburgh Postnatal Depression Scale (EPDS) to screen for postpartum depression (PPD). If any women test positive on this screening, they should undergo further evaluation by a psychiatrist.
- Additionally, maternal mental health should be assessed during postnatal visits.
- Efforts must be made to integrate maternal mental health services under the Reproductive, Maternal, Newborn, Child, and Adolescent Health (RMNCHA) umbrella program, as well as to strengthen mental health initiatives under the National Mental Health Programme.
- The role of Accredited Social Health Activists (ASHAs) should be expanded to include PPD screening. Since ASHAs already conduct home visits for postnatal check-ups, they can be provided with basic training to enable them to screen for PPD. If they identify any symptoms, they can refer women to the nearest primary health centers (PHCs) for further assistance.

(3) Study on Palliative Care Services for Cancer Patients in a Tertiary Care Hospital in Delhi NCR (Dr. Bodapatla Sandeep Reddy & Prof. V.K. Tiwari).

Objectives:

- To assess the availability of human resources and facilities for palliative care in a tertiary care hospital.
- To evaluate the services provided to cancer patients, including treatment, counselling, referral services, pain management, and social-financial support.
- To analyse the trends and patterns of cancer patients admitted to the palliative care unit over the past three years.

Major Findings:

- Palliative care plays a critical role in enhancing the quality of life for cancer patients and their families by addressing physical, emotional, and spiritual challenges through a comprehensive approach.
- Breast and cervical cancers were the most prevalent diagnoses among the study group, consistent with global cancer trends, highlighting the need for targeted interventions in these areas.
- Pain and fatigue were identified as the predominant symptoms, underscoring the necessity for effective symptom management strategies that combine pharmacological and psychosocial interventions.
- Patient satisfaction with communication, emotional support, and symptom management was generally high, but gaps existed in meeting expectations, ensuring timely access to care, and providing adequate support for families.
- Tertiary care hospitals provided essential palliative care facilities, but deficiencies were noted in comfort, privacy, and availability of recreational activities for patients and families.
- Systemic challenges, particularly regulatory barriers and procedural complexities, significantly hindered access to opioids, critical for effective pain management in palliative care.

Recommendations:

- Enhance palliative care infrastructure by developing comfortable, private, and well-equipped spaces, including recreational facilities, to support holistic care for patients and families.

- Provide ongoing training for healthcare providers, focusing on communication skills, cultural competence, and managing psychological distress in patients and families.
- Streamline service delivery to reduce patient waiting times by optimizing appointment systems, increasing staffing levels, and leveraging technology for improved workflow efficiency.
- Expand emotional and psychological support services, integrating access to counsellors and support groups to address anxiety and depression among patients and families.
- Strengthen community-based palliative care through mobile units and home-based care programs to improve accessibility, particularly for patients in rural and underserved areas.
- Advocate for increased government funding under the National Program for Palliative Care (NPPC) to ensure the availability of essential services, medications, and equipment.
- Foster collaboration with non-governmental organizations and community groups to raise awareness, reduce stigma, and promote the utilization of palliative care services.

(4) Assessment of National Programme for Healthcare of Elderly (NPHCE) in Selected Health and Wellness Centers in Gurugram District, Haryana (Dr. Amit Magare & Prof. Nanthini Subbiah)

Objectives:

- To identify the availability of health care services under NPHCE at HCWs.
- To assess the pattern of utilization of health care services by elderly people at HWC
- To explore the factors determining the utilization/uptake of health care services by elderly people at HWCs.
- To assess the level of satisfaction of elderly people with regard to provision of services under NPHCE at HWCs.

Major Findings:

- Most elderly people were women aged 60–70, not working, and not educated. More support is needed, especially for elderly women who depend on others.
- All health centres had basic facilities and staff, but services were not the same everywhere. Some centres did better than others, so there needs to be more consistency.
- Community health workers helped elderly people understand and use the services. Their visits and awareness efforts played a big role in helping older people seek care.
- People were mostly happy with the care, but some faced issues like long waiting times and lack of tests or medicines. This shows good progress, but also that some areas still need fixing.

Recommendations:

- Need to make sure all health centres work the same way with equal services. Everyone should get the same quality of care, no matter which centre they go to.
- Train staff regularly to treat elderly people with care and respect. Good communication and kindness matter a lot to the elderly.
- Use mobile vans or video calls (teleconsultation) for old people who can’t travel easily. This will help those who are too weak or far away to get medical help from home.
- Improve the supply of medicines and testing facilities at all centres. So that people don’t have to go to private clinics and spend extra money.
- Work with local groups and volunteers to support the elderly in the community. Helping them stay active and healthy in their daily lives needs more than just hospitals.

(5) A Study on Antimicrobial Stewardship and its Implementation in a Tertiary Care Hospital in Delhi (Dr. Himanshi Arora & Prof. Meerambika Mahapatro)

Objectives:

- To ascertain the knowledge and antimicrobial prescribing practices of doctors in a tertiary care hospital in Delhi.
- To assess the Infection Prevention and Control practices of healthcare professionals (doctors and nurses) in a tertiary care hospital in Delhi.
- To assess the implementation status of antimicrobial stewardship programme in a tertiary care hospital in Delhi.
- To find out the barriers and facilitators in implementing the programme in a tertiary care hospital in Delhi.

Major Findings:

- There are significant departmental gaps in awareness, orientation, training, and adherence to antimicrobial stewardship programs (AMSP), with widespread overuse of antibiotics without prescriptions, prescription errors, patient pressure, noncompliance, and poor infection prevention practices emerging as key contributors to antimicrobial resistance (AMR) across the hospital.
- While empirical prescribing is common across departments, most doctors maintain high standards in documentation, generic prescribing, microbiological testing, de-escalation, and use of facility treatment guidelines, reflecting generally good antimicrobial prescribing practices with some scope for improvement.
- The study shows that while most doctors advise patients to complete their antimicrobial course and follow dosing schedules, fewer counsel on proper disposal of leftovers and avoiding over-the-counter antimicrobial purchases, highlighting gaps in patient education on responsible antimicrobial use.
- Antibiotic use varied by department: General Medicine used more Access group for Lower Respiratory Tract Infections(LRTIs) but mostly Watch group for diarrhoea; General Surgery used Access group for skin infections and minor surgeries but more Watch group after major surgeries; Paediatrics used Access group for LRTIs but Watch group for dysentery; ENT mainly prescribed Access group antibiotics for otitis media and sinusitis but Watch group for pharyngitis.
- Both doctors and nurses demonstrate good handwashing knowledge and glove use. Nurses consistently have better hand hygiene compliance—especially before patient contact, aseptic tasks, and after glove removal—while gown and protective eyewear use remain low for both groups.
- Core AMSP elements like accountability, supportive policies, prescription and diagnosis guidelines, outcome tracking, and reporting are moderately well implemented, gaps remain in leadership support, multidisciplinary involvement, routine audits, process monitoring, and prescriber education, highlighting areas needing improvement for effective stewardship.
- Key barriers to effective AMSP implementation included limited lab resources, staff shortages, time constraints, inconsistent antibiotic supply, patient pressure, and inadequate follow-up, while identified facilitators were enhanced training, clear accountability, increased manpower, regulated antibiotic supply, accessible hospital-specific guidelines, and patient education to support rational antibiotic use.

Recommendations:

- Implementation of training programs and workshops for all healthcare professionals, including doctors and nurses, on antimicrobial stewardship and infection prevention and control practices, and tailoring these programs to address the specific needs of different departments.
- Encourage the use of evidence-based guidelines and clinical decision support systems to guide antibiotic prescribing decisions.
- Strengthening of patient counselling practices to ensure adherence to prescribed therapy and proper disposal of leftover antibiotics.
- Ensuring a consistent and regulated supply of appropriate Personal Protective Equipment and antibiotics to minimize the risk of infection transmission and promoting optimal use of antibiotics, respectively.
- Secure strong leadership commitment, IT support, and allocate adequate resources to the AMSP.
- More in-depth research studies are needed to assess these stewardship practices and programme implementation, for effective measures to be implemented in different settings.

(6) Healthcare-Associated Infections in Neonates and Infection Prevention and Control Practices at A Tertiary Care Hospital in New Delhi (Dr. Kriti Chauhan & Prof. Rajesh Kumar)

Objectives:

- To assess the spectrum of different types of healthcare associated infections in neonates.
- To assess the knowledge, attitude and practices of healthcare workers towards infection
- Prevention and control to minimize the risk of healthcare associated infections.
- To compare the average length of stay in neonates developing healthcare-associated infection with that of neonates without infection.
- To estimate the out-of-pocket-expenditure incurred by the family of patients developing healthcare-associated infections.

Major Findings:

- The study found that there were various risk factors associated with HAIs, such as low birth weight, pre-term birth, history of previous hospitalisation and underlying co-morbidities.
- Bloodstream infections, ventilator-associated pneumonia, and catheter-associated urinary tract infections were the only HAIs found, with no documented case of SSI.
- Gram-negative micro-organisms caused most infections, with Klebsiella being the most common cause of infection. Additionally, there were several alarming trends related to antimicrobial resistance patterns.
- HAIs increased the duration of hospitalisation, with neonates suffering from infections having an average length of stay of 23 days, in contrast to 13 days for those without infections.
- This excess length of stay increased the economic burden for caregivers, who had to face substantial out-of-pocket expenditures related to indirect costs associated with food, lodging, transportation, and certain direct medical expenses and loss of income.
- Evaluation of knowledge, attitudes, and practices showed that most HCWs exhibited good to excellent knowledge and attitudes, with a minor proportion categorised as average or below average, and nursing staff demonstrating lower overall performance than resident doctors.

- Significant barriers to the effective implementation of IPC measures included lack of time and insufficient supplies, highlighting the necessity for targeted interventions to address these lacunae.

Recommendations:

- Infection Prevention and Control: Evidence-based protocols must be developed that can be implemented uniformly across healthcare facilities. Regular training of HCWs is essential to ensure consistent adherence to the guidelines.
- Antimicrobial Stewardship: AMSP needs to be implemented to ensure optimal and prudent use of antibiotics, reduce irrational prescriptions, conduct prescription audits, and follow all the required steps to curtail the rise of antimicrobial resistance.
- Health Financing: The high out-of-pocket expenditure incurred by caregivers must be reduced by including them under the ambit of health insurance schemes.
- Neonatal Care Infrastructure: The existing infrastructure should be ramped up using the latest technology equipment and adequate workforce must be deployed for neonatal care.
- Promote Research, Partnership and Collaboration: Intersectoral collaboration is the need of the hour, where diverse stakeholders such as clinicians, administrators, policymakers, researchers and the local community come together to tackle HAIs.

(7) Assessment of Access to Healthcare Services by Lesbian, Gay, Bisexual, Transgender, Queer (LGBTQ+) Population in Delhi NCR (Dr. Mayur Jadhav & Dr Manish Chaturvedi).

Objectives:

- To study the common health problems among LGBTQ+ population.
- To assess awareness regarding risk factors and disease prevention among LGBTQ+ population
- To study the utilization of healthcare services by LGBTQ+ population in government healthcare centres in Delhi NCR.

Major Findings:

From the study, a variety of barriers that prevent LGBTQ+ persons from accessing healthcare services are reflected. The most significant findings have been the prevalence of discrimination and stigma within healthcare settings. Many participants reported experiencing overt discrimination and subtle biases from healthcare providers, significantly impacting their willingness to seek care. These discriminations often emanate from the lack of knowledge in training and awareness related to LGBTQ+ health issues among doctors, leaving a healthcare environment rather unwelcome and hostile at times.

- In addition to discrimination, the study points out that healthcare service is not adequate and not sensitive enough to the needs of LGBTQ+ individuals. Participants mentioned that gender-affirming care and mental health services were not readily available for this community. Furthermore, the financial barriers were cited as one of the critical issues because many of the participants raised concerns over the high cost of the healthcare services and insufficient insurance for gender-affirming treatment.

- The current study further explains how the LGBTQ+ group is more susceptible to mental health problems, chronic illnesses, and substance abuse disorders mainly because of stigma and discrimination in society. Poor health outcomes are characterized by increased anxiety and depression resulting from negative experiences during their encounters with the health sector.
- The research highlights the urgency of better training for those in the healthcare industry and increased awareness of LGBTQ+-related health issues and needed policy changes to improve access in healthcare for this marginalized population.

Recommendations:

1. Improved Accessibility of Healthcare Services

- Dedicated Clinics and Helplines: Establish LGBTQ-friendly clinics and helplines within government healthcare facilities, staffed by sensitized professionals, to ensure a safe and welcoming environment.
- Community-Based Healthcare Centers: Set up mobile health units and community clinics in underserved areas to reach LGBTQ individuals who may avoid mainstream healthcare due to stigma.

2. Health Awareness and Education

- Awareness Campaigns: Launch community-driven awareness campaigns focusing on disease prevention, risk factors, and mental health within the LGBTQ population.
- Peer Educators: Train LGBTQ individuals as peer educators to disseminate health information and bridge the gap between healthcare providers and the community.

3. Mental Health Support

- Psychosocial Services: Integrate LGBTQ-specific mental health services into existing healthcare frameworks, including counselling and therapy to address the high prevalence of mental health challenges.
- Support Groups: Encourage the formation of LGBTQ support groups to provide emotional and peer support while reducing isolation.

4. Healthcare Provider Training and Sensitization

- Capacity Building: Regularly train healthcare providers, including doctors, nurses, and administrative staff, on LGBTQ-specific health issues, gender sensitivity, and culturally competent care.
- Workshops and Seminars: Conduct mandatory workshops to educate healthcare workers about the unique needs and challenges of the LGBTQ population to reduce stigma and discrimination.

(8) Factors Affecting Adherence to Antiretroviral Therapy among Patients at Antiretroviral Therapy Centre in a Hospital of Delhi (Dr Shanglin Aravind & Prof. (Dr) V.K. Tiwari)

Objectives:

- To assess the socio-demographic and clinical characteristics of ART patients.

- To evaluate the coping mechanisms used by patients to handle social stigma and their effect on ART adherence.
- To assess overall quality of care and patient satisfaction at the ART centre.
- To identify key barriers and facilitators influencing ART adherence.

Major Findings:

- **Adherence Rate:**
  - 74.2% of participants were fully adherent to ART.
  - 25.8% reported missing one or more doses in the last 3 months.

- **Barriers to Adherence Identified**
- Common reasons for missed doses: forgetfulness (58.6%), being away from home (31.6%), and fear of stigma (25%).
- - Side effects like nausea, fatigue, and dizziness affected medication intake in 36.8% of patients.

- **Facilitators to Adherence:**
- Supportive healthcare environment, counselling services, and peer support groups enhanced adherence.
- Effective coping mechanisms like lifestyle modifications and provider consultations were commonly employed.

Recommendations:

- Enhance counselling and stigma reduction efforts through tailored community-based awareness programs and peer group support mechanisms.
- Implement reminder tools (e.g., SMS alerts, pill organizers) to counteract forgetfulness and promote routine adherence.
- Strengthen ART service quality by improving provider-patient communication, reducing waiting times, and increasing staff training in ART adherence counselling.
- Incorporate psychosocial support services including mental health screening and access to professional therapy to address emotional and stigma-related adherence barriers.
- Policy-level interventions to ensure accessibility and continuous drug supply, particularly for mobile and marginalized populations.

(9) Study on the Use of Digital Health Tools for Health Promotion, Disease Prevention and Treatment in Working Professionals in Delhi NCR Region (Dr. Monte Nicolas & Dr. Renu Shahrawat)

Objectives:

- To assess the awareness of digital health tools among working professionals;
- To identify the digital tools/technologies used for health promotion, disease prevention and treatment in working professionals;

- To assess the advantages, user-friendliness and any disadvantages of the digital health technologies being used;
- To estimate the average cost incurred for the use of digital health tools.

Major Findings:

- The study found that awareness of digital health tools was notably high among the respondents, with most participants being familiar with at least one type of tool. The primary uses included booking medical appointments, accessing telemedicine services, and monitoring health metrics.
- Mobile health applications and wearable devices emerged as the most commonly used tools, reflecting a growing trend towards technology-driven healthcare solutions.
- The study found widespread use of digital health tools for health promotion and disease prevention which highlights the potential of these technologies to empower individuals in taking a more proactive approach to their health and well-being.
- Health monitoring applications were the most frequently used, followed by wearable devices, which were particularly popular among younger professionals. Older respondents showed a preference for telemedicine services, likely due to the ease of consulting doctors remotely without the need for physical travel.
- Despite the widespread adoption, several barriers were identified. Data privacy concerns were the most significant, with many respondents expressing hesitation about sharing sensitive health information online.
- Cost considerations played a role, with 27.9% respondents citing affordability as a limiting factor.

Recommendations:

- The use of digital health tools has primarily focused on health promotion and disease prevention, with limited application in treatment. Where they are used for treatment, it is mostly in mental health. Therefore, the potential of digital health tools in treatment, particularly for monitoring chronic health conditions, warrants further exploration.
- As the primary motivations for using these tools are convenience and cost-effectiveness, their use could be expanded to make health promotion, disease prevention, and treatment services more accessible and affordable, thereby leveraging the existing digital health infrastructure.
- A primary concern with digital health tools is the reliability and validity of the data they produce. To improve reliability, an accreditation system and relevant national or international standards are needed for various types of digital health tools, similar to those applied to medical equipment.

(10) Assessment of National Programme for Prevention and Control of Non- Communicable Diseases (NP-NCD) in Primary Health Centre-Health and Wellness Centres in Faridabad District (Dr. Anju P and Prof Dr. Manish Chaturvedi)

Objectives:

- To assess infrastructure, logistics, facilities and human resource availability at Primary Health Centre-Health and illness Centres for the screening and treatment of non- communicable diseases under NP-NCD.
- To study the utilization of services under NP-NCD programme at Primary Health Centre-Health and Wellness Centres in Faridabad district.

- To study the factors affecting utilization of NP-NCD programme at Primary Health Centre-Health and Wellness Centres in Faridabad district.

Major Findings:

- The implementation of the NP-NCD program at PHC-HWCs was found to be deficient in required infrastructure, human resources, service packages, and logistics.
- Most PHC-HWCs were catering to populations exceeding recommended numbers and suffered from inadequate human resources, including critical shortages of laboratory technicians and pharmacists.
- Less than half of the PHC-HWCs lacked essential IEC material for health promotion, and many also lacked patient comfort, accessibility, and essential clinical laboratory services.
- The availability of critical NP-NCD services, particularly cervical cancer and COPD screening, was significantly limited, and essential medications like insulin were often unavailable.
- Only 30% of study participants utilized NP-NCD screening services at government facilities, with educational status, occupation, and prior health system exposure influencing utilization.
- A notable proportion (23.44%) of the study population self-reported NCDs, with 13.1% having diabetes and 15.6% hypertension.
- Only 37.3% of self-reported NCD patients received treatment under NP-NCD at government facilities, and a mere 6% of these received all required medicines for a full month.
- Key perceived barriers to service utilization included inconvenient timings, long waiting times, transport difficulties, distance, and reliance on others for visits, medicine unavailability, and concerns about service quality.

Recommendations:

- Strengthen healthcare infrastructure and human resources by ensuring adequate facilities, essential equipment, a consistent supply of medicines like insulin, and sufficient qualified personnel.
- Enhance community awareness and engagement through comprehensive programs educating the public about NCDs, promoting healthy lifestyles, and strengthening health promotion activities at the grassroots level.
- Improve NCD service delivery and accessibility by increasing beneficiary utilization through effective outreach, and by integrating telemedicine for consultations and follow-up, especially for those facing logistical challenges.
- Invest in continuous capacity building for healthcare providers through regular training programs focused on communication skills, patient sensitivity, and managing complex NCD cases.
- Advocate for robust government support and policy integration for NCD programs, specifically promoting telemedicine as a vital tool for delivering quality healthcare to remote and underserved populations.

(11) Endocrine Bio Marker of Male Infertility: Testosterone to Estrogen Ratio in the Seminal Plasma. A Pilot Study (Dr. Kiran Rangari, Reader, RBM and Prof. Renu Shahrawat, HOD-RBM)

General Objective:

- To find out the testosterone /estrogen ratio in seminal plasma in the male partners of infertile couples attending NIHFW outpatient clinic with either normal or abnormal parameters of sperm count and motility as per WHO standards (Sperm count- 15x106 sperm/ml and sperm motility- 40% progressive motility).

Specific Objectives:

In the male partners of infertile couples attending NIHFW Clinic; the following studies were carried out.

- To establish the testosterone to estradiol ratio in the seminal plasma of normozoospermic males attending infertility clinic at NIHFW.
- To find out seminal testosterone to estradiol ratio in infertile males with abnormal semen parameters of motility and count i.e. azoospermic, oligospermic and asthenozoospermic males.
- To correlate altered semen parameters of infertile male patients (such as azoospermic, oligospermic or asthenospermic) with altered testosterone to estradiol ratio in relation to normospermic T/E ratio.

Major Findings:

- The T/E ratio of normospermia is 15.1 ±9.9
- The T/E ratio of asthenospermia is 14.50 ± 9.73 (P=0.787)
- The T/E ratio of Oligospermia is 15.12 ± 7.22 (P=0.978)
- The T/E ratio of Azoopspermia is 10.41 ± 5.33 (P=0.0137) *
- When the semen samples with the abnormal parameter of motility and count were compared with the semen samples with the normal parameters it was observed that the T/E ratio of Azoospermia was significantly reduced. [10.41 ± 5.33 vs 15.1 ±9.9 (P=0.0137) *]
- In cases of asthenozoospermia and oligozoospermia no significant difference was observed.
- In normospermic semen samples three groups were made based on the presence of antisperm antibodies and high infection (pus cells or leucocytes 10-12 /HPF) and without any of it. When compared we found that the estradiol concentration was significantly increased in infections 162.88± 41.58 (p=0.0261) * with significant reduction in T/E ratio of 9.44 ± 5.7 (p=0.05) *.
- Similarly, estradiol was found to be increased in semen samples with antispermantibodies 219 .15± 41.23 (p=0.0126) * with significant reduction in T/E ratio 6.52± 4.5 (p=0.025) *
- The testosterone concentration did not show any significant increase or decrease in the seminal plasma of the normospermic semen samples.
- In Asthenospermia the testosterone concentration or estradiol concentration did not show any significant difference in presence or absence of antisperm antibodies or pus cells.

Recommendations:

- The mean T/E ratio of normal or abnormal sample could be 15.1 ±9.9.
- When the T/E ratio is less than or equal to 10, may be due to the abnormality in the spermatogenesis at testicular level or the presence or absence of antisperm antibodies or infection.

12) Assessment of National Polio Surveillance Project (NPSP) Transition (2024) (Prof. (Dr) Dheeraj Shah, Director, NIHFW and Prof. (Dr) Manish Chaturvedi)

Objectives:

- Review progress of WHO NPSP transition following the 2020 midterm assessment.
- Identify prospective challenges and provide recommendations to mitigate risks.

Findings:

- NPSP provides essential support to immunization and communicable disease surveillance. Surveillance maintains polio-free status, with continued need for dedicated workforce due to ongoing global polio risks. NPSP's independent monitoring and training are highly valued. NPSP is still heavily involved in core polio functions, which are not fully transitioned.
- Transition of polio-related activities is slow and varies across states. NPSP contributes to improved routine immunization coverage and measles-rubella elimination. NPSP played a critical role in COVID-19 response.
- There is a strong desire for the NPSP to continue to operate.

Recommendations

For MoHFW:

- Extend NPSP network funding and operations until at least 2028, with a refined transition plan.
- Provide strategic support for the transition of polio functions to state and district authorities.
- Establish a joint MoHFW-WHO steering committee for polio transition monitoring.
- Develop a pragmatic transition roadmap with timelines.
- Review recommendations from 2020 and 2024 assessments.
- Conduct operational research for expanding NPSP activities beyond immunization.
- Facilitate an assessment of NPSP in 2027.
- Maintain the independent nature of the NPSP structure.

For WHO NPSP:

- Ensure efficient NPSP functioning until at least 2028, with a better, practical transition plan.
- Conduct periodic assessments against transition indicators.
- Adjust SMO network numbers and locations based on programmatic needs.
- Provide feedback on network adjustments to MoHFW and state governments.
- Strengthen leadership capacity in human resource management and operational technical support.
- Review public health demands and feasibility for expanding functions while maintaining quality in polio function.

ON-GOING RESEARCH STUDIES OF THE INSTITUTE

Following are the research studies ongoing in the academic year 2024-25.

S. No.	Topic of the Research Study	Principal Investigator	Co-investigator
1	From Policy to Practices: A Study on Multi Dose Vial Policy & Cold chain Management at Service Delivery Level	Prof. Renu Shahrawat	Dr. Kanchan Singh
2.	Training Need Assessment of Vaccine & Cold Chain Handlers involved in the	Prof. Renu Shahrawat	Dr. Kanchan Singh

	Implementation of Universal Immunization Program		
3	Development of a Point-of-Care Testing (POCT) Device using Nano Bio-Sensor for Early Detection of Human Papillomavirus (HPV) in Females	Prof. Renu Shahrawat	Dr Dinesh Kumar & Dr. Kiran Rangari
4	Evaluation of Neem Phytochemical Extract on Toxicity in Male Rats to be used in Combination with Hormones for the Development of Male Contraceptive: A Pilot Study	Dr. S. Ramachandra Rao	Prof. Rajesh Kumar
5	Feasibility study to estimate PSA in blood serum of male 50 years and above utilizing Health and Wellness Centre setup in south Delhi	Prof. Rajesh Kumar	Dr. S. Ramachandra Rao
6	ICMR Task Force study on Epidemiology of Chronic Respiratory Illness in Select Population Groups in India (CRISPI)	Prof. Manish Chaturvedi	Dr. Monika Saini
7	A study on the availability & accessibility of Medical Abortion Drugs at various types of pharmacy shops in ten most populous cities of India	Dr. Rajesh Ranjan	Prof. Nanthini Subbiahh & Dr. Ramesh Chand
8	Mid Term Evaluation of National AIDS and STD Control Program (NACP)	Dr. Dheeraj Shah	Prof. Manish Chaturvedi & Prof. V. K. Tiwari
9	Third Party Evaluation of the Program for National One Health Programme for Prevention and Control of Zoonoses (NOHP-PCZ)	Dr. Kiran Rangari	Dr. AM Elizabeth and Dr. Rekha Meena
10	Evaluation of National Rabies Control Program	Dr. Sarita Gautam	Prof. Meerambika Mahapatro & Dr. Rajesh Kumar
11	Evaluation Study of "Program for Prevention & Control of Leptospirosis (PPCL) in India"	Dr. D. K. Yadav	Prof. Ankur Yadav & Prof. Nanthini Subbiahh
12	Evaluation Study on "National Programme for Prevention and Control of Snakebite Envenoming (NPSE)" in India	Dr. Monika Saini	Prof. Manish Chaturvedi & Prof. Meerambika Mahapatro
13	Temperature Monitoring study of the Immunization Supply Chain in India	Prof. Renu Shahrawat	Dr. Kanchan Singh

ON-GOING THESIS WORK BY MD (CHA/DHA) STUDENTS

Following are the 16 ongoing thesis work by MD (CHA)/DHA students (Batch 2024-2027).

S. No.	Name	Thesis Topic	Supervisor	Co-Supervisor
1	Dr. Pulkit Khanna	Out of Pocket Expenditure Related to Drugs of OPD Patients of a Tertiary Care Hospital in Delhi	Dr. Rajesh Ranjan	Prof. Ankur Yadav
2	Dr. Devashish Bharadwaj	Health- Seeking Behaviour of Patients Attending Outpatient Department of A Tertiary Care Hospital in Delhi	Prof. Manish Chaturvedi	Prof. V.K. Tiwari
3	Dr. Rahul Kumar Gautam	Assessment of Emotional and Behavioural Problems Among School- Going Adolescents (13-19years) in a School in Delhi	Prof. Meerambika Mahapatro	Dr. Rajesh Ranjan
4	Dr. Surya Prakash Chauhan	Study on Health Seeking Behaviour Among Dog Bite Patients Attending Animal Bite Treatment Clinics in Delhi	Prof. V.K. Tiwari	Prof. Manish Chaturvedi
5	Dr. Jaya Rai	Association of Non-Communication Diseases (Diabetes, Hypertension, Obesity) with Menstrual Irregularities, Infertility, Pregnancy Complications Among Women Aged 20 to 45 years Visiting Government Healthcare Facilities in Delhi	Prof. Ankur Yadav	Prof. Rajesh Kumar
6	Dr. Akhila V. Das	Vaccine Hesitancy: A Cross-Sectional Study of Vaccination Attitudes Among Patients Attendance A Health Facility in Delhi	Prof. Rajesh Kumar	Prof. Renu Shahrawat
7	Dr. Vatsala	Awareness, Adoption and Utilization of Ayushman Bharat Health Account (ABHA) ID Among Beneficiaries in a health acre Facility in Delhi	Prof. A. Nanthini Subbiah	Dr. Rajesh Ranjan
8	Dr. Anil Yadav	Functioning and Service Delivery of Ayushman Arogya Mandira Under Ayushman Bharat Health Infrastructure Mission (ABHIM) in Delhi	Prof. Rajesh Kumar	Dr. Renu Shahrawat
9	Dr. Satish Kumar	The Accuracy, Sensitivity & Specificity of Non- Invasive Glucometer & Non- Invasive Hemoglobinometer on OPD patients of a Tertiary Care Hospital in Delhi	Dr. Rajesh Ranjan	Prof. Ankur Yadav

10	Dr. Sahildeep Singh	Obesity and It's Association With Non-Communication Diseases in (18-49 years) Urban Population Visiting a Healthcare Facility in New Delhi	Prof. Ankur Yadav	Prof. Rajesh Kumar
11	Dr. Mangina Laxmi Tulasi	Study on Influence of Obesity and Lifestyle Risk Factors on Infertility Among the Reproductive age Group Married Couples Visiting Government Hospital in Delhi	Dr. S. Ramachandra Rao	Prof. V.K. Tiwari
12	Dr. Nitin Badwal	Knowledge and Attitude of Substance Abuse Among Students of Senior Secondary Schools in Delhi: A cross sectional study	Dr. Monika Saini	Prof. V.K. Tiwari
13	Dr. Sushant Yadav	Cost analysis of early vs late intervention in autism spectrum disorders	Dr. Ramesh Chand	Dr. Monika Juneja
14	Dr. Parul Satsangi	Satisfaction Among Tuberculosis (TB) Patients Visiting DOTS Centre at RHTC, Najafgarh, Delhi	Dr. Dharmender Kumar Yadav	Dr. Ravinder Kumar
15	Dr. Aman Arora	Assessment of Essential Drug Supply Chain and Management Practices at Primary Healthcare under RHTC Najafgarh	Dr. Kiran Rangari	Dr. A.M Elizabeth
16	Dr. Akhila J S	Anaemia and it's Risk Factors Among Pregnant Women Attending Antenatal Clinic of an Urban PHC in Delhi	Dr. Sarita Gautham	Prof. Rajesh Kumar

4. Specialized Projects and Consortium Activities

The NIHFW manages the various activities of many specialized projects like National Cold Chain and Vaccine Management Resource Centre, National Skills Lab (DAKSH), Centre for Health Informatics, Mother and Child Tracking Facilitation Centre, National Technical Advisory Group on Immunization (NTAGI) Project, etc.

National Cold-Chain and Vaccine Management Resource Centre (NCCVMRC)

NCCVMRC, placed under NIHFW was established in 2013 with the objective of facilitating the establishment of a high-quality, effective, and efficient immunization supply chain in India. The role that NCCVMRC plays in strengthening the Immunization Supply Chain (iSC) in the country is as follows:

- Capacity building of Immunization Program Managers, Vaccine and Cold Chain Handlers and Cold Chain Technicians.
- Conducting various studies and assessments
- Maintaining a robust National Cold Chain Management Information System
- Acts as a Secretariat for Effective Vaccine Management (EVM) Assessment, National
- Technical Advisory Board (NTAB) for Cold Chain & Logistics, Technical Specification Development Group (TSDG) & a member of Technical Specification Committee (TSC)
- Provide necessary technical Support in the area of Immunization supply chain to
- MoHFW, Government Medical Store Depot (GMSD), States and UTs

The major national and international activities conducted by NCCVMRC in the year 2024-2025 are as follows:

A. International Activities:

1. International UNICEF LTA for EVM Assessment:

NCCVMRC-NIHFW has been awarded a Long-Term Agreement (LTA) by the Global UNICEF EVM Secretariat in Copenhagen, Denmark, to provide technical assistance for planning, training, assessment, and the development of continuous improvement plans. This LTA covers the Eastern & Southern Africa Region (ESAR), West & Central Africa Region (WCAR), and the Regional Office for South Asia (ROSA), supporting the conduct of EVM 2.0 Assessments in over 45 countries. The LTA has been officially approved by the Ministry of Health and Family Welfare (MoHFW).

Effective Vaccine Management (EVM) 2.0 is a set of guidelines and standards developed by the World Health Organization (WHO) to ensure that vaccines are properly managed, stored, and distributed throughout their lifecycle. The aim is to improve the availability, quality, and safety of vaccines in immunization programs globally.

2. The Effective Vaccine Management Assessment 2.0 workshop at Malawi:

In June 2024, under the UNICEF Long-Term Agreement (LTA), the Malawi Country Office contracted to the NCCVMRC-NIHFW to conduct the Effective Vaccine Management (EVM) 2.0

Assessment Workshop in Lilongwe, Malawi. The workshop was successfully carried out under the guidance and leadership of the NCCVMRC's Nodal Officer.

3. **Malawi EVM Assessment 2024 Continuous Improvement Planning Workshop (CIP):**

   In August 2024, the NCCVMRC team, led by the Nodal Officer, facilitated a Continuous Improvement Planning (CIP) workshop in Malawi. The event featured interactive brainstorming sessions that encouraged collaboration between assessors, partners, and the Malawi EPI team to identify improvement areas and strengthen the country's immunization systems.

B. National Activities:

1. **Capacity Building of Government Medical Store Depot Officials on Vaccine & Cold Chain Management:**

   NCCVMRC-NIHFW conducted the capacity building of Government Medical Store Depots (GMSDs) officials in handling vaccines and cold chain management. As a crucial backbone of India's Immunization Supply Chain System, the four GMSDs store and distribute millions of vaccine doses and syringes. Under the guidance of Immunization Division - MoHFW, NCCVMRC-NIHFW conducted the capacity building workshop on 8-9 March 2024 at NIHFW.

2. **Training on Vaccine and Cold Chain Management (T-VaCC):**

   To strengthen the skills of Immunization Program Managers in effective planning, implementation, and supervision of vaccine and cold chain management, NCCVMRC has developed a residential course on Training on Vaccine & Cold Chain Management. So far more than 578 program managers have been trained across the country. In 2024-25, five National batches of T-VaCC were conducted at NCCVMRC, and a total of 118 participants from 32 states/UTs were trained.

3. **Training of Cold Chain Technicians on repair & maintenance of Ice-lined Refrigerators, Deep Freezer & Voltage Stabilizers & WIC-WIF:**

   Training of Cold Chain Technicians on repair and maintenance of Cold Chain Equipment 06 batches of the Training of Cold Chain Technician on Repair and Maintenance of Ice-lined Refrigerator, Deep Freezer & Voltage Stabilizer and 02 batches of Walk-in-Cooler & Walk-in-Freezer (WIF were conducted in which 150 Cold Chain Technicians (CCTs) from 27 states were trained.

4. **Evidence generation:**

   As a part of Evidence generation for effective and efficient functioning of iSC, NCCVMRC has conducted National Temperature monitoring study to study the storage and transportation temperature excursions, national EVM assessment across 36 states/UTs as well as training needs assessment for strengthening capacity building in iSC. All the reports are submitted to MoHFW.

5. **Technical Specification Committee and Technical Specification Development Group:**

   NCCVMRC is the Secretariat for technical specifications for cold chain and equipment (CCE). NCCVMRC conducts meeting of the Technical Specifications Development Group (member are

from UNICEF, WHO, UNDP, BIS, JSI, BIS, NHSRC and State CCO) in which the following agenda items given by Immunization Division, MoHFW was finalized and submitted to MoHFW:

- To Review of the draft Standards of Walk-in-Freezer (WIF), Solar Direct Drive (SDD) in collaboration with Bureau of Indian Standard (BIS).
- To review the pre bid queries raised by bidders on specifications of 0.5 ml AD Syringes and 5 ml RUP syringes used in UIP.
- To review the pre bid queries raised by bidders on specifications of Vaccine Vehicles used in UIP.

6. National Technical Advisory Body (NTAB) on Cold Chain:

The National Technical Advisory Body (NTAB) on Cold Chain Logistics is constituted by MoHFW for providing evidence and technical inputs on specification of cold chain equipment, immunization logistics other than vaccine and strengthening cold chain system for the universal immunization program in India. NCCVMRC is designated as the secretariat for NTAB under the chairmanship of the Director, NIHFW.

7. Master Resource Pool Activities:

As directed by Immunization Division, MoHFW, technical support was provided to the state of Uttar Pradesh regarding inspection of Walk-in-Cooler at RVS, Mirzapur, Uttar Pradesh and Government Medical Store Depot, Karnal, Haryana for Identification of available storage (Cold & Dry Space) and bundling of spare parts required for repair & maintenance of Cold Chain Equipment installed at various cold chain levels in States.

8. Technical Support for Development of Floor Plan for State Vaccine Store (SVS), Ahmedabad, Gujarat:

NCCVMRC provided Technical Support to State Gujarat regarding for the development of the floor plan for the State-of-the-Art State Vaccine Store (SVS). The officials were deputed by the National Cold Chain Vaccine Management Resource Centre (NCCVMRC) and the National Institute of Health and Family Welfare (NIHFW). The officials visited Ahmedabad, Gujarat, from 12th to 13th December 2024.

9. Assessment of the need for procurement of cold chain equipment:

As directed by MoHFW, NCCVMRC constituted a technical expert Committee to finalize the actual requirement of cold chain equipment (electrical and non-electrical) and recommend the procurement needs for the country. The committee will be chaired by N.O-NCCVMRC with members from the Immunization Division, MoHFW, UNICEF, UNDP, and NCCRC.

10. NCCMIS/iSC & Supportive Supervision Review cum Hands on workshop

NCCVMRC has a Management Information System. This domain is hosting the following applications, which support to provide data to Immunization Division of MoHFW for planning various Immunization related activity and taking various policy level decision:

Sr. No	Name of the application	Use of the application
1	National Cold Chain Management Information System (NCCMIS)	To manage Cold Chain equipment Inventory
2	Immunization Training Management Information System (iTMIS) Module	To track training data at National /State / Districts/ Block levels
3	Spare Parts Management Module	To manage supply & distribution of spare parts
4	State-Wise Online Effective Vaccine Management Assessment Improvement Plan Tracker Module	To track EVM improvement plan activities
5	Supportive Supervision for Immunization module	To track session site, House to House, Cold Chain checklist

NCCVMRC conducts review & hands workshops on NCCMIS and its various modules (i.e. iTMIS, Spare Parts etc.) as well as Supportive Supervision (Session site, Hose to House & Cold Chain Monitoring) at the state level regularly. In 2024 -25 NCCVMRC conducted total 2 National Level workshop on NCCMIS wherein 35 state level programme officers (SIO/CCO etc.) were trained and 7 workshops at state level (4 in offline mode and 3 workshop in online mode) wherein 745 state/district level officials were trained.

11. Supportive Supervision Application (Web & Mobile):

Supportive Supervision (SS) is a digital tool that serves as a repository for various supervision and monitoring checklists i.e. RI & IMI (session site & H2H), COVID19 (session site & H2H), Cold Chain (GMSD/SVS/RVS, DVS & Health Facility) etc. in the field of immunization. From April 2024 till date, 8,56,556 monitoring data has been captured by supervisors in state/districts.

12. iTMIS orientation Training:

iTMIS is a dynamic training Registration tool developed by NCCVMRC under the guidance of MoHFW. This application enables Immunization programme managers /Trainers to register and capture the data of participants trained in various Immunization trainings at the centre/ state/ district and block level.

As directed by the Immunization Division, all the immunization trainings are to be registered in iTMIS as a single source of information. In this regard NCCVMRC has conducted orientation trainings on iTMIS across the country. So far more than 18 state level ToTs have been conducted wherein more than 3500 participants including SIOs, CCOs, State/District Programme Officers, DIOs, CMOs, Principals of state training institutes were trained.

13. Supportive Supervision visit at GMSD Store Karnal, Haryana

A Supportive Supervision visit was conducted by NCCVMRC team at GMSD Karnal on 12 November 2024 to provide technical support to GMSD Officials to manage vaccine & cold chain management and the report was submitted to the Immunization Division, MoHFW.

Centre for Health Informatics (CHI) for National Health Portal (NHP)

The Centre for Health Informatics (CHI), established by the Ministry of Health and Family Welfare (MoHFW) at the National Institute of Health and Family Welfare (NIHFW). CHI has actively contributed to the development and maintenance of a variety of Web based applications to support the Ministry of Health and Family Welfare's (MOHFW) digital health initiatives. These applications serve several divisions within MoHFW and play an important role in improving healthcare services and information management. CHI provides essential technical support for the development, monitoring, and upgrading of web based applications aligned with the latest digital and emerging technologies. Some of the major national level applications managed by CHI includes, Ayushman Bharat – Ayushman Arogya Mandir Portal**,** e-Clearance for Afterlife Remains (eCARe)**,** Pradhan Mantri National Dialysis Program, Pradhan Mantri Surakshit Matritva Abhiyan (PMSMA)**,** National Public Health Observatory (NPHO)**,** Mera Asptaal**,** Facility Based Newborn Care**,** Digital Portal for Crowdfunding & Voluntary Donations for Patients of Rare Diseases, Azadi ka Amrit Mahotsav (AKM), COVID-19 India S3 Portal**,**
National Identification Number (NIN) Portal**.**

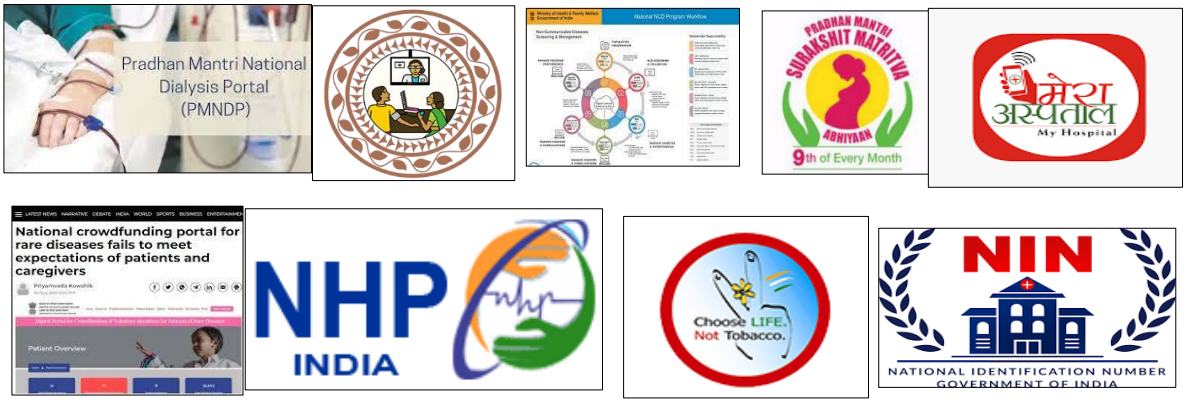

Various collaborations and handholding of the CHI

National Skills Lab–*DAKSH*

National Skills lab - DAKSH at NIHFW was established on 9 March 2015 by Government of India in collaboration with LSTM, UK and the Maternal Health Division of MOHFW to upgrade the skills of health care providers such as ANMs/LHVs/SNs/MOs/nursing supervisors and faculty/obstetricians and paediatricians working at delivery points for providing quality RMNCH+A services. This training programme aims to reduce maternal and newborn mortality and morbidity by increasing availability and improving the quality of Skilled Birth Attendance (SBA) and Emergency Obstetric and New-born Care (EmONC). Skills Lab provides the opportunity for repetitive skills practice, simulation of clinical scenarios and training under the supervision of qualified trainers.

The Skills lab comprises of 4 skill stations and 1 Labour room where the trainees learn 35 Basic skills in 6 days of training through practicing skills on mannequins, simulation Exercises, demonstrations, role plays, videos and Presentations.

Areas in which training is imparted are Antenatal, Intra-natal, Postnatal & Newborn care, Family Planning, infection Prevention, Management of Complications, adolescent counselling and other RMNCH + A Services.

The six days training is divided into:

1. Pre and Post training assessment of skills and knowledge of participants by administering OSCE & Questionnaire.

2. Demonstration & Theory sessions. Theory sessions are conducted by using videos and Power Point presentations. Skills sessions are demonstrated in Skill Stations by trainers on mannequins / equipment's as per the standardized checklists. It is followed by practicing of skills by the trainees on mannequins under supervision of the trainers. By the end of each day, there is time for Supervised Skills Practice to learn any skill. The post training assessment is done and on the last day of training certificate are given to all participants.

Funding Agency: MoHFW

Remarks: There were five such skill labs in Delhi. Four of these labs have been granted an extension up to 31st September 2025, while the skill lab at NIHFW has received an extension only up to 31st March 2025. Beyond these dates, no financial support will be provided to the labs by MoHFW.

Since its inception in March 2015 up to February 2025, a total of 1,011 health care professionals have been trained in 110 batches under this initiative during the year under review.

National Technical Advisory Group on Immunization (NTAGI) Project:

The National Technical Advisory Group on Immunization (NTAGI) was established by an order of the Ministry of Health and Family Welfare (MoHFW) in 2001. As India's apex advisory body on immunization, the NTAGI provides guidance and advice to the MoHFW on provision of vaccination and immunization services for the effective control of vaccine preventable diseases in the country. The NTAGI is chaired by Secretary, Health & Family Welfare (H&FW) and Co-chaired by Secretary, Department of Biotechnology (DBT) and Secretary, Department of Health Research (DHR) & Director General-Indian Council of Medical Research (ICMR).

The NTAGI is supported by Standing Technical Sub-Committee (STSC), which is further supported by two Standing Working Groups: (i) Vaccine Preventable Disease Surveillance; (ii) Immunization and Vaccine Research and Capacity Building. In addition, it is supported by need based ad-hoc working groups: COVID-19 WG, HPV WG, Rotavirus WG, PCV WG, RSV WG, Leprosy WG, Vaccine Cost-Effectiveness WG, Code of Practice WG, Japanese Encephalitis WG, Maternal immunization subgroup, Vaccine confidence sub group, Rotavirus Vaccine WG, Cholera WG, Typhoid WG, and Hepatitis WG. The STSC, consisting of independent members, is tasked with undertaking technical review of scientific evidence on matters related to immunization policy and programmes. Final recommendations are drafted by the NTAGI taking into account the scientific review by the STSC, Working Groups and any other relevant evidence.

The NTAGI Secretariat was established in 2013, to provide techno-managerial support to the NTAGI, STSC and its working groups. In April, 2016, it was decided that the NTAGI Secretariat

would be completely supported by the Government of India and it will be established in NIHFW. The NTAGI Secretariat has been functioning in NIHFW since May, 2017.

In the financial year of 2023-24 (1st April 2023 to 31st March 2024), the policy recommendations on COVID-19 vaccination were made by the NTAGI.

The following major activities were facilitated by the NTAGI Secretariat:

- One NTAGI meeting: held on July 26, 2023.
- Two STSC meetings
- Three meetings of COVID-19 Working Group
- Two meetings of RSV Group
- One meeting of SWG-Immunization and Vaccine Research and Capacity Building
- One meeting of Revision of NTAGI Code of Practice
- Two meetings of Vaccine cost effectiveness analysis Working Group
- Two meetings of HPV Working Group
- Two meetings of SWG-VPD Surveillance
- Two meetings of PCV-SCD Working Group
- SEAR-ITAG annual report and 4-day meeting

PC & PNDT Nodal Agency:

PC & PNDT Nodal Agency was established at the National Institute of Health and Family Welfare, under the Ministry of Health and Family Welfare in February 2017, as per directives of the Hon'ble Supreme Court of India in response to Writ Petition (Civil) No. 341/2008, as an interim arrangement, to monitor the e-advertisements related to pre-conception and pre-natal determination of sex or sex-selection, prohibited under Section 22 of the PC & PNDT Act, 1994.

The primary objective of the Nodal Agency is to regulate the e-advertisements and facilitate their removal. After due authentication of complaints with respect to the violation of section 22 of PC & PNDT Act, the complaints received from the general public/ government functionaries/ other sources are forwarded to the respective search engines/websites/social media platform for appropriate action, e.g. Blocking URLs and follow-up is done on the action taken by them. Furthermore, the Nodal Agency also performs suo moto/ active monitoring and monitors different search engines and social media platforms such as Google, Yahoo, Bing, YouTube, etc. for violation and takes necessary action against them.

Since its establishment, the Nodal Agency has received over 69 complaints & prepared 450 suo moto complaints, resulting in the identification of more than 6600 URLs that violate section 22 of the PC & PNDT Act and also worked on approx. 800 keywords for monitoring the search engines such as Google, Yahoo and Bing till 31st March 2025. Out of these, 8 complaints were received during the period April 2024-March 2025, and 109 suo moto complaints were made (including 602 URLs) along with monitoring of search engines with more than 100 keywords.

SAKSHAM: Digital Learning Media Lab at NIHFW

SAKSHAM: Digital Learning Media Lab was inaugurated on 9th March, 2025 by Smt. Anupriya Patel, Hon'ble Minister of State for Health & Family Welfare & Chemical and Fertilizers in august presence of Dr. Atul Goel, DGHS, MoHFW. This digital lab will be utilized for audio video recording of online content for SAKSHAM portal of MoHFW.

Activities under Mission Karmayogi and IGOT

Mission Karmayogi:

1. NIHFW conducted trainings of all MoHFW officials (from MTS to DS/Director level) in **Rashtriya Karmayogi Large Scale Jan Seva Program** under Mission Karmayogi**.**

2. NIHFW, New Delhi organized Sensitization Workshop for MTS on recommended courses for MTS. 52 participants attended the workshop under National Learning Week.

3. Celebration of Swachata Hi Seva Program at NIHFW, New Delhi.

5. Specialized Services

The NIHFW is conducting many specialized services in the field of health and family welfare like MCH and management of Infertility, Adolescent and Youth health, Menopausal health, Clinical Laboratory Services, National Documentation Centre Services, Press Unit, Audio- Visual Services, Computer Centre Services etc.

NIHFW Clinic

The NIHFW Clinic provides Clinical services and the services include management of infertility, management of reproductive endocrinological and gynaecological disorders, antenatal care, immunization of antenatal patients, infants & children and contraceptive services. In the afternoon, adolescent & youth and well-women clinic are also run. Registration is free for all the patients. The services, including laboratory services, are provided free of any charge to the poor patients. For rest of the patients, user charges are applicable as per the Institute's norms. The Clinic also has an in-house pharmacy to dispense free medicines to the poor patients. The patients are registered as a couple for the management of infertility on the first visit. All subsequent follow-up consultations are scheduled with the same doctor, which ensures the continuum of care and builds-up the doctor-patient relationship. Most of the laboratory investigations are available in-house and the laboratory services form the backbone of preventive and curative aspects of health care services. Out-patient medical records are maintained in the record room for every patient and are retrieved whenever the patients visit for further consultations. All the in-house laboratory reports get filed in the respective case record files of the patients so as to minimize the hassle of report collection by the patient. The details of the services being provided are as follows:

I. Clinical services

Morning Clinics (9.00 am - 1:00 pm):

- Antenatal Services (screening, problem identification and appropriate action including referral)
- Immunization as per National Immunization Schedule including Pulse Polio Immunization (PPI)
- Contraceptive services
- Management of infertile couples
- Management of reproductive endocrinological and gynaecological disorders

Afternoon Clinics (2:00 pm - 4:00 pm):

- Adolescent and Youth Clinic (10 years - 24 years of age)
- Well-Women Clinic (40 years of age & above)

Specialized procedure

- Intrauterine insemination

Supportive Diagnostic Services

Laboratory Services

- Routine Blood and Urine Tests

- Selected Serological Tests
- Semen Analysis
- Blood Bio-Chemistry
- Hormonal Assay
- Sperm Function Tests
- Histopathology- EB tissue, Pap smear and FNAC

Minor OT Services

- Endometrial Biopsy
- Testicular FNAC

An account of these services for the financial year 2024-25 is given below:

Services	**New Cases**	**Follow-up cases**	
Infertility	442 couples	Female	Male
		2895	1802
Reproductive Endocrinology & Gynaecology	549	671	
ANC	148	278	
Adolescents	Female-15 Male-0	Female-26 Male-2	
Well-Women Clinic	18	08	
Staff General	Female-40 Male-100	Female-15 Male-50	
General	Female-54 Male-106	Female-112 Male-158	
Children (immunization only)	Female-110 Male-129	Female-251 Male-257	

Laboratory Services

Routine Blood and Urine Tests (Hb, TLC, DLC, ESR, Urine R/E, Urine M/E)	2473
Serological Tests (VDRL, Blood Group)	1698
Semen Analysis	1792
Blood Bio-Chemistry (Blood Sugar, LFT, KFT, GTT, Lipid Profile, GCT)	1124

Hormonal Assay (Prolactin, Insulin, LH, FSH, TSH, Testosterone, T3, T4, E2)	1914
Sperm Morphology + Sperm Viability	300
GCM	20
Semen biochemistry (GPC, Fructose, Acid phosphatase)	18
Sperm mucous penetration test	54
IUI Sample Preparation	55
PAP Smear	21
HPE	49
Pregnancy Test	346
Post Coital Test and Cervical Mucous	1012

Minor OT Services

Endometrial Biopsy	49
Specialized procedure: IUI (Intrauterine Insemination)	55

Press Unit

The reprography and printing of research, training, consultancy and administrative activities of the Institute are done by the Press Unit. The background documents (modules and blocks) for the Diploma Courses in Health and Family Welfare Management, Hospital Management, Health Promotion, Health Communication, Applied Epidemiology and Public Health Nutrition through Distance Learning were reproduced during the year under review. The background and introductory documents for various training courses, survey schedules, and other forms for administrative purposes were also reproduced.

Printing and Publication Services

The Institute prints and publishes various publications every year as a part of its continuing education programme.

Some of the important publications were: -

- Multi-colour brochures for various training programmes
- Modules /Blocks of DLC
- Annual Report of the Institute
- Annual Accounts of the Institute
- Programme Advisory Committee (PAC) Document
- Stock verification reports of all departments, NIHFW
- Jan Swasthya Dhaarna

- A Handbook for the newly recruited CHS Medical Officers
- NIHFW Newsletters
- The Journal: Health and Population-Perspective and Issues
- Training Modules of NTCP
- Health and Population: Perspectives and Issues

Official Publications-

Health and Population: Perspectives and Issues

The Institute has been publishing its ISSN-numbered multi-disciplinary quarterly Journal, ***Health and Population: Perspectives and Issues*** regularly since 1978. With a wide circulation both at the national as well as international-level, it includes articles of scientific and educational interest in the areas of health services, family welfare, population, hospital administration, health-economics, health-communication, population, social sciences and other allied disciplines. The Journal is indexed in IndMED, NIC, New Delhi and Google Scholar. The abstracts of papers published in the Journal are also available at the Institute's web- site:www.nihfw.org; while the full papers are available on MedInd, NIC, New Delhi (http:// medind.nic.in/index.html). During the period under review all the issues of HPPI for 2024 (Vol. No. 47 (1, 2, 3 & 4) and 2025 (Vol. No. 48 (1) have been published; Now the Journal is UGC enlisted.

Audio-Visual Services

Art, photographic and projection services were provided by the Institute for various activities in the year under report.

National Documentation Centre (NDC)

The library facilities available at NDC are probably one of the best in India in this field. Over a period of two decades, the NDC has developed a well-balanced and up-to-date collection of about 60000 documents including books, periodicals, technical reports, annual reports, statistical reports, conference proceedings, modules, and non-book materials and special collection in the field of health, population and family welfare and allied areas carrying worldwide information.

The National Documentation Centre is a member of the following online services:

- NDC is an active member of DELNET-Developing Library Network and accessible through the link - https://delnet.in/index.html

The National Documentation Centre has been completed following activities and accessible through the link - https://nihfw.ac.in/cms/ndc-home.php

- Database of post-graduate research in MD (PSM), MD (CHA), MHA etc.;
- Union catalogue of non-print material available in Health Science Libraries in Delhi;
- Compendium of Reports/Documents in Health and Family Welfare;
- Digitization project has completed its first phase. Most of the rare and important publications like Committee Reports, Technical Reports, HPPI journals and NIHFW Publications etc. have been digitized.

The NDC has also been providing following online services:

- Online Public Access Catalogue (OPAC)
- Subscribed 13000 online journals from 30 international publishers (ONOS)
- e-Health news press clipping and repository (Hindi and English)
- Committee/ Commission report on health
- List of Addition

In addition to the above, through Web OPAC, bibliographical details of all publications/documents are accessible on the institute website "https://nihfw.ac.in" at the NDC home page link - https://nihfw.ac.in/cms/ndc-home.php NDC has been conducting a training course since 1999. The 20th Training Course was organised from 14th to 18th October 2024 titled "Transforming Libraries in Digital Environment".

Computer Centre Facility

The Institute has provided computer and internet access to all its faculty, students, research and administrative staff through Campus Wide Area Network. The whole network is connected with five servers hosted in the Computer Centre, connecting 400 nodes in the institute through a 1 GB bandwidth connectivity provided by National Knowledge Network (NKN). The Computer Centre is actively engaged in data analysis, programming and computer assisted learning. The Computer Centre has two computer labs for teaching/ training purposes and for the use of students. The Biometric Attendance Monitoring System has been installed in the Institute and is accessible to all the staff and students.

The Institute has its own dynamic website_www.nihfw.org and e-mail facilities for the officials. The Computer Centre has a state of the art video-conferencing facility that is used for e- learning and meetings. It has got a specially designed sound proof room, enterprise class Polycom Video Conferencing equipment and high bandwidth internet line. The Conferencing room can accommodate up to 20 participants.

6. Consultancy and Advisory Services

The Director and faculty members of the Institute provide advisory and consultancy services to various national, international and voluntary organizations in various capacities.

ACTIVITIES OF THE DIRECTOR, FACULTY AND OTHER OFFICIALS

MEETINGS/CONFERENCE/WORKSHOPS Attended:

S. No.	Title of workshop / Seminar / Meeting	Date / Duration	Place
Prof. V.K. Tiwari, Dean of Studies & Head, Department of Planning &Evaluation			
1.	Workshop on "Systematic Review for Protocol Development and GRADE	18th – 19th April 2024	Organized by NIHFW in Collaboration with ICMR – CoE – EBCH, PGIMER Chandigarh and Indian Paediatrics
2.	Workshop on Qualitative Research under Faculty Development Programme	5th – 6th November 2024	Organized by NIHFW jointly with INCLEN India
3.	National Conference on Learning Disability-Advances in Assessment, Accessibility, Tools, Technology & Inclusion	22nd - 24th January 2025	Organized by NIHFW jointly with Sristi
4.	Attended the Strategy Meet for 'Advancing Public Health: Priorities, Innovations and Global Partnerships' on.	1st March 2025	Organized by NIHFW jointly with Primus Partners
Prof. Meerambika Mahapatro, Head, Department of Social Science			
1.	National Dissemination Event, & Advancing Women in Health Leadership: Barriers and Breakthroughs.	09th August 2024	Organized by International Center for Research on Women (ICRW), New Delhi.
Prof. Manish Chaturvedi, Acting Head, Department of Medical Care and Hospital Administration			
1.	Workshop on "Systematic Review for Protocol Development and GRADE	18th – 19th April 2024	Organized by NIHFW in Collaboration with ICMR – CoE – EBCH, PGIMER Chandigarh and Indian Paediatrics
2.	Workshop on Qualitative Research under Faculty Development Programme	5th – 6th November2024	Organized by NIHFW jointly with INCLEN India
3.	Worked as moderator for the Strategy Meet for 'Advancing Public Health: Priorities, Innovations and Global Partnerships'	1st March 2025	Organized by NIHFW jointly with Primus Partners
Prof. Nanthini Subbiah, Head, Department of Community Health Administration			
1.	Workshop on "Systematic Review for Protocol Development and GRADE	18th – 19th April 2024	Organized by NIHFW in Collaboration with ICMR – CoE – EBCH, PGIMER Chandigarh and Indian Paediatrics
2.	Workshop on Digital Content Development for Teaching, Training & Dissemination (NIHFW DigiCON Workshop-2024)	30th May, 2024 at NIHFW	Organized by NIHFW in collaboration with JHPIEGO
3.	Attended the Strategy Meet for 'Advancing Public Health: Priorities, Innovations and Global Partnerships'	1st March 2025	Organized by NIHFW jointly with Primus Partners
4.	Recent updates in Neonatal Care: Exploring Cutting-Edge Innovations In Neonatal Nursing	4th - 6th October 2024	Organized by NIHFW with the Indian Association of Neonatal Nurses organized a prestigious three-day conference

S. No.	Title of workshop / Seminar / Meeting	Date / Duration	Place
Prof. Rajesh Kumar, Professor, Department of Reproductive Biomedicine			
1.	Attended the Strategy Meet for 'Advancing Public Health: Priorities, Innovations and Global Partnerships'.	1st March 2025	Organized by NIHFW jointly with Primus Partners
Prof. Ankur Yadav, Acting Head, Department of Communication			
1.	Attended 21st Biennial International Conference of Ageing from 13th – 15th December, 2024 held at NIHFW in collaboration with four other organizations namely Winage™, PDI, GRFSHGA and Pratyusha Foundation.	13th – 15th December, 2024	NIHFW
2.	Workshop on "Systematic Review for Protocol Development and GRADE	18th – 19th April 2024	Organized by NIHFW in Collaboration with ICMR – CoE – EBCH, PGIMER Chandigarh and Indian Paediatrics
3.	Workshop on Qualitative Research under Faculty Development Programme	5th – 6th November 2024	Organized by NIHFW jointly with INCLEN India
4.	Attended the Strategy Meet for 'Advancing Public Health: Priorities, Innovations and Global Partnerships'.	1st March 2025	Organized by NIHFW jointly with Primus Partners
Dr. S. Ramachandra Rao, Reader, Department of Reproductive Biomedicine			
1.	Attended the Strategy Meet for 'Advancing Public Health: Priorities, Innovations and Global Partnerships'	March 1st 2025	Organized by NIHFW jointly with Primus Partners
Dr. Kiran Rangari, Reader, Department of Reproductive Biomedicine			
1.	Workshop attended on "Male Infertility Assessment and Reporting" as a Resource faculty.	23rd Oct. 2024	AIIMS Patna
2.	21st Biennial International Conference on AGI : Co-chaired a scientific session in the conference	14th Dec. 2024	NIHFW
3.	National conference on Learning Disability: Co-chair for the scientific session in the conference.	24th January 2025	NIHFW
4.	Workshop on Qualitative Research under Faculty Development Programme	5th – 6th November 2024	Organized by NIHFW jointly with INCLEN India
5.	Attended the Strategy Meet for 'Advancing Public Health: Priorities, Innovations and Global Partnerships'.	1st March 2025	Organized by NIHFW jointly with Primus Partners
Dr. Rajesh Ranjan, Reader & Acting Head, Department of Epidemiology			
1.	Delivered lectures in two days Pre Conference Workshop on "Advancing Clinical Excellence: GCP and Bioethics in Biomedical Research Workshop	12th - 13th September 2024	ESIC Medical College & Hospital, Faridabad
2.	Delivered lecture in Pre Conference Workshop on "Good Clinical Practices" conducted online on December 12, 2024 by NIHFW. The title of talk: Journey of Research Ethics and Bioethics in India-Introduction to Precepts, Principles and Practices.	12th December 2024	NIHFW
3.	Chairperson for Plenary session and Symposium for Prof. P.V. Ramamurthi Oration Award Lecture in the 21st Biennial International Conference of Ageing	13th – 15th December 2024	NIHFW, New Delhi

S. No.	Title of workshop / Seminar / Meeting	Date / Duration	Place
4.	"National Conference on Learning Disability-Advances in Assessment, Accessibility, Tools, Technology & Inclusion". Also take a session on Community awareness in Learning Disability on 23rd January 2025.	21st – 24th January 2025	NIHFW, New Delhi
5.	Organizing Secretary for the 21st Biennial International Conference of Ageing	13th – 15th December, 2024	NIHFW in collaboration with Winage™, PDI, GRFSHGA and Pratyusha Foundation
6.	Attended the Strategy Meet for 'Advancing Public Health: Priorities, Innovations and Global Partnerships'	March 1st 2025	Organized by NIHFW jointly with Primus Partners
7.	Attended the world population day celebration	11th July 2024	NIHFW
8.	Participated in the World Patient Safety Day function and attended the lecture on Green Hospital and Panel Discussion on Patient Safety	17th September 2024	NIHFW
9.	Attended the "Qualitative Research Workshop" under Faculty Development Programme	5th – 6th November 2024	NIHFW in collaboration with INCLEN India.
Dr. Sarita Gautam, Assistant Professor, Department of Social Sciences			
1.	Workshop on "Systematic Review for Protocol Development and GRADE	18th – 19th April 2024	Organized by NIHFW in Collaboration with ICMR – CoE – EBCH, PGIMER Chandigarh and Indian Paediatrics
Dr. Monika Saini, Assistant Professor Department of Social Sciences			
1.	Workshop on "Systematic Review for Protocol Development and GRADE	18th – 19th April 2024	Organized by NIHFW in Collaboration with ICMR – CoE – EBCH, PGIMER Chandigarh and Indian Paediatrics
2.	Workshop on Qualitative Research under Faculty Development Programme	5th – 6th November 2024	Organized by NIHFW jointly with INCLEN India
3.	Attended the Strategy Meet for 'Advancing Public Health: Priorities, Innovations and Global Partnerships'.	1st March 2025	Organized by NIHFW jointly with Primus Partners
Dr. D. K. Yadav, Assistant Professor & Acting Head, Department of Statistics and Demography			
1.	Workshop on "Systematic Review for Protocol Development and GRADE	18th – 19th April 2024	Organized by NIHFW in Collaboration with ICMR – CoE – EBCH, PGIMER Chandigarh and Indian Paediatrics
2.	Workshop on Digital Content Development for Teaching, Training & Dissemination	30th May, 2024	Organized by NIHFW in collaboration with JHPIEGO
Dr. Ramesh Chand, Assistant Professor, Department of Department of Planning &Evaluation			
1.	Workshop on "Systematic Review for Protocol Development and GRADE	18th – 19th April 2024	Organized by NIHFW in Collaboration with ICMR – CoE – EBCH, PGIMER Chandigarh and Indian Paediatrics
2.	Workshop on Qualitative Research under Faculty Development Programme	5th – 6th November 2024	Organized by NIHFW jointly with INCLEN India
3.	Attended the Strategy Meet for 'Advancing Public Health: Priorities, Innovations and Global Partnerships'	1st March 2025	Organized by NIHFW jointly with Primus Partners

S. No.	Title of workshop / Seminar / Meeting	Date / Duration	Place
Dr. Geetanjali Singh, Chief Medical Officer, Department of Reproductive Biomedicine			
1.	Workshop on Qualitative Research under Faculty Development Programme	5th – 6th November 2024	Organized by NIHFW jointly with INCLEN India
1.	Attended 'National Conference on Learning Disability- Advances in Assessment, Accessibility, Tools, Technology & Inclusion'	22th – 24th January 2025	Organized by NIHFW jointly with SRISTI
2.	Attended Two-Day Workshop on "Capacity Building of Health Professionals in Developmental Screening and Recognition of Autism Spectrum Disorder (ASD) in Children	6th – 7th Feb, 2024	Organized by NIHFW in collaboration with Department of Paediatrics, Lady Harding Medical College & associated Kalawati Saran Children's Hospital,
Dr. Chetna Chauhan, Chief Medical Officer, Department of Reproductive Biomedicine			
1.	Workshop on Qualitative Research under Faculty Development Programme	5th – 6th November 2024	Organized by NIHFW jointly with INCLEN India
2.	Coordinated 'National Conference on Learning Disability- Advances in Assessment, Accessibility, Tools, Technology & Inclusion'	22nd – 24th January 2025	Organized by NIHFW jointly with SRISTI
3.	Coordinated a Two-Day Workshop on "Capacity Building of Health Professionals in Developmental Screening and Recognition of Autism Spectrum Disorder (ASD) in Children	6th – 7th Feb, 2024	Organized by NIHFW in collaboration with Department of Paediatrics, Lady Harding Medical College & associated Kalawati Saran Children's Hospital,
Dr. Vandana Bhattacharya, Research Officer, Department of Department of Department of Planning &Evaluation			
1.	Attended Workshop on "Systematic Review for Protocol Development and GRADE	18th – 19th April 2024	Organized by NIHFW in Collaboration with ICMR – CoE – EBCH, PGIMER Chandigarh and Indian Paediatrics
2.	Workshop on Digital Content Development for Teaching, Training & Dissemination	30th May, 2024	Organized by NIHFW in collaboration with JHPIEGO
3.	Workshop on Qualitative Research under Faculty Development Programme	5th – 6th November 2024	Organized by NIHFW jointly with INCLEN India
4.	Co-chaired one session in 'National Conference on Learning Disability- Advances in Assessment, Accessibility, Tools, Technology & Inclusion'	22nd – 24th January 2025	Organized by NIHFW jointly with SRISTI
5.	Attended the Strategy Meet for 'Advancing Public Health: Priorities, Innovations and Global Partnerships'	1st March 2025	Organized by NIHFW jointly with Primus Partners
Mr. Lakhan Lal Meena, Research Officer, Department of Medical Care and Hospital Administration			
1.	Workshop on Education & Training Technology for Health professionals (Faculty Development programme of NIHFW) held at NIHFW, in collaboration with MEUs of UCMS and MAMC, New Delhi.	27th – 28th December, 2024	Organized by NIHFW in collaboration with MEUs of UCMS and MAMC, New Delhi.
Dr. Rekha Meena, Research Officer, Department of Reproductive Biomedicine			
1.	Workshop on "Systematic Review for Protocol Development and GRADE	18th – 19th April 2024	Organized by NIHFW in Collaboration with ICMR – CoE – EBCH, PGIMER Chandigarh and Indian Paediatrics
2.	Workshop on Qualitative Research under Faculty Development Programme	5th – 6th November 2024	Organized by NIHFW jointly with INCLEN India

S. No.	Title of workshop / Seminar / Meeting	Date / Duration	Place
Dr. Ramesh Gandotra, Assistant Research Officer, Department of Planning &Evaluation			
1.	Workshop on "Systematic Review for Protocol Development and GRADE	18th – 19th April 2024	Organized by NIHFW in Collaboration with ICMR – CoE – EBCH, PGIMER Chandigarh and Indian Paediatrics
2.	Workshop on Qualitative Research under Faculty Development Programme	5th – 6th November 2024	Organized by NIHFW jointly with INCLEN India
Mr. Bacchu Singh, Assistant Research Officer, Department of Management Science			
1.	Workshop on "Systematic Review for Protocol Development and GRADE	18th – 19th April 2024	Organized by NIHFW in Collaboration with ICMR – CoE – EBCH, PGIMER Chandigarh and Indian Paediatrics
2.	Workshop on Digital Content Development for Teaching, Training & Dissemination (NIHFW DigiCON Workshop-2024)	30th May, 2024	Organized by NIHFW in collaboration with JHPIEGO
Ms. Rita Rani, Assistant Research Officer, Department of Social Sciences			
3.	Workshop on "Systematic Review for Protocol Development and GRADE	18th – 19th April 2024	Organized by NIHFW in Collaboration with ICMR – CoE – EBCH, PGIMER Chandigarh and Indian Paediatrics
Dr. Vaishali Jaiswal, Assistant Research Officer, Department of Community Health Administration			
1.	Workshop on "Systematic Review for Protocol Development and GRADE	18th – 19th April 2024	Organized by NIHFW in Collaboration with ICMR – CoE – EBCH, PGIMER Chandigarh and Indian Paediatrics
2.	Workshop on Digital Content Development for Teaching, Training & Dissemination (NIHFW DigiCON Workshop-2024)	30th May, 2024	Organized by NIHFW in collaboration with JHPIEGO
3.	Participated the 21st Biennial International Conference of Ageing and member of the organising team for the conference	13th – 15th December, 2024	NIHFW in collaboration with Winage™, PDI, GRFSHGA and Pratyusha Foundation
Dr. Sherin Raj TP, Assistant Research Officer, Dean's Office			
1.	Workshop on "Systematic Review for Protocol Development and GRADE	18th – 19th April 2024	Organized by NIHFW in Collaboration with ICMR – CoE – EBCH, PGIMER Chandigarh and Indian Paediatrics
2.	Workshop on Digital Content Development for Teaching, Training & Dissemination (NIHFW DigiCON Workshop-2024)	30th May 2024	Organized by NIHFW in collaboration with JHPIEGO
3.	Workshop on Qualitative Research under Faculty Development Programme	5th – 6th November 2024	Organized by NIHFW jointly with INCLEN India
4.	Participated the 21st Biennial International Conference of Ageing and member of the judging panel for the selecting the best paper	13th – 15th December 2024	NIHFW in collaboration with Winage™, PDI, GRFSHGA and Pratyusha Foundation
5.	Attended the Strategy Meet for 'Advancing Public Health: Priorities, Innovations and Global Partnerships'	1st March 2025	Organized by NIHFW jointly with Primus Partners
Ms. Bhawna Kathuria, Assistant Research Officer, Department of Epidemiology			
1.	Workshop on "Systematic Review for Protocol Development and GRADE	18th – 19th April 2024	Organized by NIHFW in Collaboration with ICMR – CoE – EBCH, PGIMER Chandigarh and Indian Paediatrics
2.	Workshop on Qualitative Research under Faculty Development Programme	5th – 6th November 2024	Organized by NIHFW jointly with INCLEN India
3.	Participated the 21st Biennial International Conference of Ageing and member of the organizing team for the conference	13th – 15th December, 2024	NIHFW in collaboration with Winage™, PDI, GRFSHGA and Pratyusha Foundation

S. No.	Title of workshop / Seminar / Meeting	Date / Duration	Place
Dr. Raj Narayan, Assistant Research Officer, Department of Statistics and Demography			
1.	Workshop on "Systematic Review for Protocol Development and GRADE	18th – 19th April 2024	Organized by NIHFW in Collaboration with ICMR – CoE – EBCH, PGIMER Chandigarh and Indian Paediatrics
2.	Workshop on Digital Content Development for Teaching, Training & Dissemination (NIHFW DigiCON Workshop-2024)	30th May 2024	Organized by NIHFW in collaboration with JHPIEGO

Activities undertaken as an Expert:

S. No.	Title of Workshop / Seminar/ Meeting	Date / Duration	Place
Prof. Meerambika Mahapatro, Head, Deptt. of Social Sciences			
1.	**As an expert Invited Lectures:** i. ESIC, New Delhi; ii. AIIMS, Deoghar; iii CCRT, New Delhi; iv. AIIA, New Delhi; v. IFS, New Delhi; vi. State Programme Management Unit, Delhi State Health Mission; and vii. National Health Authority (NHA), New Delhi		New Delhi
2.	Contributed as a core team member of the Indian Fertility Society, focusing on developing counselling and psychological support for medically assisted reproduction.		
3	**Academic Contribution as a Member** • Member for the Institutional Ethics Committee of National institute of Biologicals (MoHFW), Noida • SAC member of Vector CRC, Puducherry		Noida Puducherry
4.	**As an expert attended meeting** 1. Attended a consultation meeting held at NIPCCD on 02 July 2024. 2. Attended a meeting of the Indian Fertility Society (IFS) as a member of the consensus statement development group for psychological support for medically assisted reproduction on 24 September 2024. 3. Attended the General Body meeting of the Council for Social Development on December 6, 2024.	02 July 2024. 24 Sept 2024. 06 Dec, 2024.	

Chaired / Presided Session/Function

S. No.	Title of Workshop / Seminar/ Meeting	Date / Duration	Place
Prof. Meerambika Mahapatro, Deptt. of Social Sciences			
1	• Chair the fertility and mental health webinar • Chair the National-level doctoral research seminar from July 9-11, 2024, at the Department of Anthropology, University of Delhi • Chair a Scientific Paper Session on the topic "RMNCHA+, session-1 on 21 March 2025, venue MPH lecture-1, KLE University. IPHACON Conference scheduled from 21 to 23 March 2025 • Chair Pre Conference Workshop on "Expanding horizons: Addressing GBV and highlighting LGBTQIA+ voices" on 20 March, 2025 KLE University, Belgaon (IPHACON Conference from 21 to 23 March 2025). • Chair Pre-conference workshop on Bioethics on 12 September 2024 in collaboration with ESCI, Faridabad.	11 April, 2024 10 July 2024 21 March 2025 20 March, 2024 12 September 2024	ICMR UoD KLE University. IPHACON KLE University, Belgaon ESCI, Faridabad
Prof Ankur Yadav, Acting Head, Deptt. of Communication			
1	21st Biennial International Conference of Ageing in collaboration with four other organizations namely Winage™, PDI, GRFSHGA and Pratyusha Foundation and Chaired the session on **"Elderly Empowerment and Graceful Ageing".**	13 December, 2024	NIHFW

7. Administrative Measures

During the year under review, several administrative procedures for finalizing the matters relating to retirement, pension, promotion/appointments, etc. were streamlined in the Institute.

Governing Body (GB)

The major responsibility for management of the Institute's affairs has been entrusted with the Governing Body, constituted under the Chairmanship of the Hon'ble Union Minister for Health and Family Welfare. Policy decisions are taken in the meeting to improve the functioning of the Institute. The meeting of the G.B. was held on 18th Feb, 2025.

Standing Finance Committee (SFC)

The SFC is an important committee which provides guidance in the matters of financial management of the Institute. The 69th and 70th Meeting of the Standing Finance Committee of NIHFW was held on 8th May, 2024 and 5th December, 2024 respectively under the chairmanship of Shri Apurva Chandra, Secretary, Health and Family Welfare, MoHFW.

Programme Advisory Committee (PAC)

The committee includes representatives of different disciplines, drawn from the Central and State levels and Central Training Institutes, either directly or indirectly involved in the promotion of health and family welfare programmes in the country. The committee normally meets at least twice a year to review the activities of the Institute to provide guidance in academic activities. This year the mid-term PAC was held on 15th October, 2024 and the regular PAC Meeting was held on 18th March 2025. The PAC reviewed all the training and research activities as well as the current status of the on-going studies. All the faculty members, Medical Officers, Research Officers and Assistant Research Officer attended the meeting.

8. Use of Hindi in Official Work

An Official Language Implementation Committee is functioning in the Institute under the Chairmanship of Director, NIHFW to monitor the progress of the implementation of Official Language Policy at NIHFW. During the period under report, (i.e. from 1 April, 2024 to 31 March, 2025) Committee held all its quarterly meetings regularly.

Use of Hindi in Official Work

The present composition of the Official Language Implementation Committee is given below.

Composition of the Official Language Implementation Committee (i.e. As on 31 March, 2025)

1	Prof. Dheeraj Shah, Director	Chairperson
2	Prof. V. K. Tiwari, Dean & Head, Deptt. of Planning & Evaluation	Vice-Chairman
3	Deputy Director (Admn.)/NO(Admn)	Member
4	Prof. Manish Chaturvedi, Head, Deptt. of MCHA	Member
5	Prof. Ankur Yadav, Head, Deptt. of Communication & F/I Hindi Cell	Member
7	Dr. Geetanjali, Chief Medical Officer, Deptt. of R.B.M.	Member
8	Shri Gaurav Sharma, Dy. Director (Tech.), C.H.I	Member
9	In-charge, (Admn.I)	Member
10	In-charge, (Admn.II)	Member
11	Section Officer (Academic)	Member
12	Workshop and Maintenance Officer	Member
13	Accounts Officer	Member
14	In-charge, Computer Centre	Member
15	In-charge, (Stores)	Member
16	Dr. Ganesh Shankar Srivastava, In-charge, Hindi Cell	Member-Secretary

A brief of the progress regarding implementation of Official Language Policy during the period under report is given as follows:

Use of Hindi in Correspondence

During this period, 84.75% of letters (including emails and fax messages) were issued in Hindi whereas 85.11% for Region ‘A’, 85.04% for Region ‘B’ and 81.43% for Region ‘C’. The prescribed target is 100% for Regions 'A' and 'B', and 65% for Region 'C'. General Orders were issued bilingually during the said period (i.e. from April, 2024 to March, 2025). Similarly, all the letters received in Hindi were replied to in Hindi.

Apart from day-to-day translation work in Hindi, many specific translation work was also accomplished including annual report and annual accounts 2024-25, proformas, survey schedules, material pertaining to certificates, banners, and advertisements from various departments.

Hindi Teaching Scheme

Training of Staff under Hindi Teaching Scheme in Hindi Stenography and Hindi

Typewriting

All 04 Stenographers (on regular strength of the Institute) have already been trained in Hindi Stenography.

Training of Staff in Hindi

All the 136 eligible staff members of the Institute have attained working knowledge in Hindi, out of which 72 staff members have proficiency in Hindi and the remaining 64 have acquired the working knowledge in Hindi.

Incentive scheme for progressive use of Hindi in the official work

During the period under report, 06 employees of the Institute have been participating in the aforesaid Incentive Scheme. For the financial year 2024-25, their work was evaluated by a sub-committee constituted with the approval of Director, NIHFW.

Hindi Fortnight

Hindi Fortnight-2024 was organized at the institute from 14th to 30th September 2024. Various competitions and programs were organized as part of the fortnight. The day-wise details of these activities are as follows:

- September 13, 2024: An e-appeal was issued by the Director requesting all officials and staff to actively participate in the Hindi Fortnight.
- September 17, 2024: A creative writing competition was organized for Group ‘B’ (Non-research staff) officers. Participants submitted imaginative and impactful compositions.
- September 18, 2024: A Hindi essay competition was held for Group ‘C’ officials. Participants wrote meaningful essays on contemporary topics.
- September 19, 2024: A Hindi dictation and vocabulary competition was conducted for multi-tasking staff to assess their language proficiency and writing accuracy.
- September 20, 2024: A Hindi debate competition was held with participation from faculty members, research staff (RO/ARO), students, and Group ‘A’ officers, who presented arguments on given topic.
- September 24, 2024: A Hindi Kavi Sammelan (poetry gathering) was organized. On this occasion Sh. Arun Jaimini, Sh. Pawan Kumar, Sh. Pranjal Dhar and Dr. Ganesh Shanker Srivastava presented their poems. Dr. Monika Saini conducted the programme.
- September 25, 2024: A full-day Hindi workshop was held where participants were trained in practical use of Hindi, effective application of Hindi in official procedures, and other linguistic topics.
- September 30, 2024: during the Hindi Fortnight Prize Distribution and Closing Ceremony, a comprehensive analysis of the Hindi segment of "Public Health Awareness" and literature was conducted by literature experts, including Prof. Kumud Sharma, Vice President, Sahitya Akademi, New Delhi, and the Director, Prof. Dheeraj Shah.

Rajbhasha Sammelan

An official language conference (Rajbhasha sammelan) was organized on February 14, 2025 in the auditorium of the National Institute of Health and Family Welfare under the joint aegis of the National Institute of Health and Family Welfare, Indian Institute of Mass Communication, Central Council for Research in Homeopathy, IIT Delhi, Zonal Project under the Nagar Rajbhasha Kryanwayan Samiti (NARAKAS) South Delhi-03. In his inaugural address, Prof. Dheeraj Shah, Director, NIHFW, appealed to all members of NARAKAS to work collectively for the promotion and effective implementation of Hindi as the official language.

As part of the Conference, a special session on Hindi and Media was also organised. The session featured insightful deliberations by Prof. Ankur Yadav, Head, Department of Communication, NIHFW; Mr. Ashok Srivastava, Editor, Doordarshan News; and Mr. Pratik Trivedi, Senior Editor, Network 18 Group, who shared their perspectives on media, cinema, and the role of Hindi. The session was successfully conducted by Dr. Ganesh Shankar Srivastava, In-Charge, Hindi Cell. On this occasion, a grand Kavi Sammelan was also held, in which eminent Hindi poets Dr. Kirti Kale, Prof. Jitendra Srivastava, Shri Om Prakash Kalyane, Shri Arvind Pathik, and Dr. Ganesh Shankar Srivastava enthralled the audience with their poetry recitations.

Release of Hindi Magazine "Jan Swasthya Dhaarna"

During the reporting period, on March 9, 2025, on the occasion of the Institute’s Annual Day, the latest issue of the Hindi magazine "Jan Swasthya Dhaarna" was formally released by the Chief Guest, Hon’ble Minister of State for Health and Family Welfare, Ms. Anupriya Patel.

9. Events Celebrated at the Institute

Celebration of 48th Annual Day

The Institute celebrated its 48th Annual Day on 9th March 2025. Presiding the event, the Chief Guest, Shri J. P Nadda, Union Minister, Ministry of Health and Family and Welfare conveyed his congratulatory message through a video address. He commended NIHFW for being the frontrunner in conducting training, research and capacity building activities for the public health professionals in the country, He further congratulated NIHFW for its relevant research activities and the online platform SAKSHAM which will greatly improve the digital learning scenario in health care.

As Guest of Honour, Smt. Anupriya Patel, Union Minister of State, MoHFW, highlighted that the institute's commitment to capacity building is evident through its introduction of Doctoral and Master's programs in public health, addressing the urgent need for qualified professionals in the country. NIHFW's research initiatives, and assessment of various Government programs have significantly contributed to evidence-based policymaking. The institute's proactive approach in training healthcare professionals, especially in hospital management, and its alignment with the Digital India vision highlight its dedication to modernizing healthcare education and service delivery.

The Distinguished Guest, DGHS Shri Atul Goel, highlighted how research has been a key strength of NIHFW and the institute has contributed significantly to policy and practice through evaluation of National Health Programs. He emphasized that as NIHFW looks to the future, it aims to leverage digital health innovations, address mental health challenges, and foster community-driven healthcare models, ensuring it remains at the forefront of shaping India's healthcare ecosystem.

Dr. Dheeraj Shah, Director NIHFW presented the key achievements of the Institute of the preceding year and highlighted some of the activities to be undertaken in the recent future. He highlighted that the Institute organized a record 132 training programs and workshops in diverse areas of Public Health and Health management to train about 4000 health personnel.

Two new facilities, Open Gymnasium park and SAKSHAM-Media Lab were also inaugurated by the Guest of Honour, Smt. Anupriya Patel, Union Minister of State, MoHFW and the Distinguished Guest, DGHS Shri Atul Goel. The day also witnessed unveiling of the New logo of the Institute and the names of various committee by the guest of Honour.

On this occasion, best employees for various categories received awards from the Hon'ble Union Minister of State and other dignitaries on the dais.
A comprehensive Eye Screening Camp was also organized on this day in the institute in collaboration with Dr R. P. Centre for Ophthalmic Sciences, AIIMS, New Delhi and total 134 people got themselves screened.

At the culmination of the event various post graduate students of the institute presented beautiful folk dances from various states. At the end vote of thanks was offered by Prof. V.K. Tiwari, Dean of Studies.

Independence Day Celebration

Independence Day celebrations were observed on August 15, 2024 at the National Institute of Health and Family Welfare. On this occasion, Prof. Dheeraj Shah, Director, NIHFW hoisted the flag and addressed the attendees. Various senior officers of NIHFW addressed the gathering after the recitation

of the National Anthem. A concert was also performed by the children of the staff members of the institute.

World Population Day

The World Population Day 2024 was observed on 11th July 2024 at the NDC, National Institute of Health and Family Welfare. The day is dedicated to raising awareness about the challenges posed by rapid population growth, such as access to healthcare, education, employment, gender equality, and environmental sustainability. It also provides an opportunity to deliberate on these issues at the national level. Students of MD (CHA), DHA, and PGDPHM actively participated in organizing the event, contributing to its successful conduct. On this occasion, eminent personality Shri Chittaranjan Tripathy was welcomed by Prof. Dheeraj Shah, Director, NIHFW, and was felicitated with a green plant and a memento of the Institute. He was introduced to the audience by Dr. Arita Saxena, who highlighted his illustrious career as Director of the National School of Drama, writer, actor, and musician, with significant contributions to theatre, cinema, and music.

Delivering the keynote address, Shri Tripathy emphasized the crucial role of media in creating awareness about population issues and motivating people to adopt family planning practices, while also underscoring the need to equip field workers with communication skills on population matters. Prof. Pushpanjali Swain, Head, Department of Statistics & Demography, also addressed the gathering and highlighted the importance of World Population Day. A prize distribution ceremony followed, where Shri Tripathy and the Director of NIHFW felicitated winners of quiz competitions, as well as students of PGDPHM, MD (CHA), and DHA who hosted the event. The programme concluded with a vote of thanks by Dr. V. K. Tiwari, Dean of Studies, who expressed gratitude to the Director, faculty members, staff, and students for their contributions. The event was well received and left a lasting impression on all participants.

Some highlights of the event are shown below by these pictures:

Republic Day Celebration

Republic Day was celebrated at the Institute on 26th January 2025 with patriotic fervour. Prof. Dheeraj Shah, Director, NIHFW, unfurled the National Flag and greeted the staff. In his address, he urged everyone to uphold their responsibilities towards the nation with sincerity and dedication. The programme was attended by faculty members, research staff, administrative staff, and outsourced staff of the Institute.

On this occasion, a cultural programme was also organised, in which staff members and their children participated with enthusiasm, adding vibrancy to the celebration.

International Yoga Day Celebration

The 10th International Yoga Day was celebrated at the Institute on 21st June 2024 with great enthusiasm. Observed globally every year on this date, the day highlights the importance of yoga in promoting physical, mental, and spiritual well-being. The theme for 2024, *"Yoga for Self and Society"*, emphasized yoga as a transformative practice that balances mind and body, thought and action, and fosters harmony within individuals and communities. At NIHFW, a one-hour yoga session was conducted from 6:30 to 7:30 a.m. on the Institute lawns, with the active participation of faculty, students, and staff members. The session was led by Ms. Khushboo Bhatnagar, Yoga Instructor from the Morarji Desai National Institute of Yoga (MDNIY).

The programme began with a brief introduction by Dr. Monika Saini, Coordinator, International Yoga Day, who highlighted the health benefits of regular yoga practice. Ms. Bhatnagar demonstrated a range of Asanas and Pranayama techniques, creating awareness about their role in strengthening immunity, reducing stress, and improving overall health. The celebration witnessed an impressive turnout of 120 participants, followed by the distribution of healthy snacks to promote holistic wellness. The event concluded with the felicitation of Ms. Bhatnagar and a formal vote of thanks, marking the successful observance of International Yoga Day at the Institute.

Following are glimpses of the International Yoga Day' 24 Celebration:

PP Talwar Oration

In the series of P.P. Talwar oration edition of lecture was organised on 11th September 2024 in the auditorium of NIHFW at 2.45 PM. The lecture was delivered by Prof. Prema Ramachandran, Director of Nutrition Foundation of India, entitled ‘Anaemia Control programme: Role of National Surveys’.

Prof. Ramachandran’s current research work on management of anaemia in pregnancy in primary care settings, morbidity nutrition interaction in preschool children, emerging problems of dual nutrition burden in children and adults. She had undertaken evaluation of several national programmes including midday meal programme and nutrition programme for adolescent girls. She has undertaken preparation of a Country Report on Dual Nutrition Burden in India for the FAO (available in the NFI and FAO websites). She also prepared report on Nutrition Transition in India 1947-2007 for the Department of Women and Child Development of government of India (available in the NFI and DWCD websites). She completed a report on “Nutrition and HIV infection” in SE Asian countries for WHO - SEARO and a report on "progress towards nutrition sensitive agriculture – food security and improvement in nutritional status in India” for FAO in 2013.

She carried out clinical and operational research studies on Contraception, under nutrition in women and children Nutrition health and nutrition fertility interactions, delivery of health nutrition and family welfare services through existing primary health infrastructure in communities where under nutrition and anaemia are common and HIV infection in India. Based on these research studies her about 150 papers have been published in peer reviewed national and international journals. She worked between Jan 1995 and Dec 2003 as Adviser (Health, Nutrition and Family Welfare) in the Planning Commission.

10. Publications

PUBLICATIONS

- Ankur Yadav & Ganesh Shanker Srivastava (2024). Swasthya ke Kshetra ki Varshik Uplabdhiyan. Jan Swasthya Dhaarna, 29: 33-35.

- Arya A, Raj Sherin TP, Tiwari VK (2024). Navigating Challenges and Bridging Gaps: Evaluating the 95-95-95 Targets of UNAIDS in Different Regions of India, Health and Population: Perspectives and Issues, 47 (3): 231–243.

- Choudhary M, Raj Sherin, Tiwari VK. (2024). Utilization of Janani Shishu Suraksha Karyakram (JSSK) Scheme in Jodhpur District, Rajasthan: Implementation Issues and Challenges. Health and Population: Perspectives and Issues, 2024; 47(2): 121-128.

- Dr. Anjali Sharma1, Gurdeep Singh, Manjot Kaur, Dr. Dharmendra Kumar Yadav and Dr. Raj Narayan "Prevalence of Tobacco and Alcohol Consumption among Male Population in Punjab: A Cross-Sectional Study", European Journal of Biomedical AND Pharmaceutical sciences, Vol. 11 (2), pp: 192-198, Jan, 2024.

- Ganesh Shanker Srivastava & Ankur Yadav (2025). Shaikshanik Sansthaanon mein svaasthy sanchaar. Jan Swasthya Dhaarna, 31: 16-18.

- Garg T, Rangari K (2024) NAFLD: The Upcoming Silent Epidemic of Non-Communicable Disease in India- Prevalence, Risk Factors, Government Responses and Public Health Policies, Health and Population: Perspectives and Issues, 47 (1): 47-57

- Isha Rathi, A. Mavi, M. Shannawaz, S. Saeed, A. Yadav, S. Hasan (2024). Effectiveness of Ayurveda Intervention in the Management of Infertility: A Systematic Review. Cureus 16(4): e57730

- Jaiswal VB, Meshram P, Raj Sherin TP. (2024). Impact of indoor air pollution exposure from traditional stoves on lung functions in adult women of a rural Indian district. Journal of Air Pollution and Health, 9(1): 15-28.

- Jirie R, Subbiah N and Saini V (2024), Delivery of Primary Health Care Services in Delhi, India: A Cross-sectional Study on Knowledge and Functional Efficacy of ASHAs, Health and Population: Perspectives and Issues, 47 (3): 167-176 July- September.

- Kanchan N, Tiwari VK, Raj Sherin TP (2025). Post-Introduction Evaluation (PIE) of Covid-19 Vaccination in Delhi: Application of WHO Framework. Journal of Epidemiology Foundation of India, 3(1).

- Kashyap SS, Thakur P. (2025). Managing Diabetes Mellitus in the Context of Chronic Alcoholism: A Case Study on Clinical Challenges and Therapeutic Approaches. Zeichen Journal. 11(1):31-46.

- Kashyap SS, Thakur P. (2025). Clinical Implications and Management Strategies in a Patient with Concurrent Smoking and Alcohol Use Disorder: A Case Study. Zeichen Journal. 11(1):47-62. doi: 15.10089.ZJ.2025.V11I01.285311.3275.
- Kushwaha K, Mahapatro M, Dev R. (2024). Nutritional status and Adiposity: A Study of Koya and Matia women of Malkangiri district, Odisha, India. Demography India. 53(1), 51-61
- Mahapatro M & Roy S. (2025). From care to coercion: The unspoken reality of disrespect and abuse of women in maternal healthcare in India. Journal of International Women's Study. 27(1):12
- Mahapatro M & Sudeshna Roy. 2024. Break the vicious cycle of domestic violence during pregnancy. Deccan herald 18 April 2024.
- Mahapatro M, et al. (2024). The effect of a behavioural intervention package on quality of life of pregnant women experiencing domestic violence: a randomised controlled trial. BMC Trials. 25:567
- Mahapatro M, et al. (2025). A Perspective on Interventional Practices and Engagement of Adolescents for Their Overall Development and Well-Being. Journal of Indian Association for Child and Adolescent Mental Health.
- Mahapatro M. (2024). Applied vs practicing anthropology. unit 4, Applied Dimensions in Anthropology. New Delhi: IGNOU
- Mittal A, Mahapatro M and Bhashkar S. (2025). Enhancing Maternal Care through Spousal Involvement during Perinatal Period in India. Women's Health Science Journal. 9(1), 000239.
- Mittal A, Mahapatro M. (2024). Health insurance among persons with disability in India – analysis of NFHS-5. 13 (10), 1-4
- Patel PK, Mitra RP, Mahapatro M. (2024). Unravelling Barriers and Battle of Tuberculosis among Sahariya (PVTG) Tribes. Health and Population: Perspectives and Issues 47 (1), 12 - 22
- Rani B, Subbiah N (2024), Unveiling the Socioeconomic Predictors of Tobacco Use in Women: Evidence from NFHS-5, International Journal of Science and Research Archive, 13(01), 2161–2171.
- Sagar A, Arora H, Mahapatro M. (2024). Evaluation of National Health Programmes of India: An Analysis. Journal of South Asian Research, 2(2), 177-185.
- Saxena P, Mahapatro M., et al (2024). Psychological support for medically assisted reproduction. New Delhi: Indian Fertility Society (IFS)
- Sharma K, Subbiah N, Pancholi A (2024): From vision to reality: Dissecting Ayushman Bharat's role in Indian healthcare. International Journal of Science and Research Archive, 12(02), 2124–2134.

- Shree U, Raj Sherin TP, Rangari K (2024). Knowledge, Attitude and Practices On Oral Health Among the Patients Attending the Dental OPD at UPHC In The South-West District, Delhi, Health Sciences Journal, 2(2): 87-95

- Singh S, Kumar R, Raj Sherin TP (2025). Seroprevalence and Risk Factors for Hepatitis B and C infection among pregnant women attending a government hospital in Delhi. (2025). Journal of the Epidemiology Foundation of India, 3(1).

- Sreelakshmi and Mahapatro M. (2025). Functional health and cognitive impairment: insights from elderly residents in old-age homes in Delhi. Int. J. Community Med Public Health. Jan;12(1), 360-367

- Subbiah N, Jaiswal V. (2024). Barriers in the Service Delivery of Community Health Officers of India - A Cross-Sectional Study. Austin Journal of Public Health Epidemiology, 11(4): 1171

- Thakur P, Kahyap SS. (2025). Meta-analysis on the efficacy of cognitive behavioral therapy (CBT) for major depression. Zeichen Journal. 18(2):39-44. doi: 15.10089.ZJ.2025.V11I02.285311.3286.

- Thakur P, Kashyap SS. (2025). Hospital administration: key to effective healthcare—a report. Int J Multidiscip Res. 2025;7(1):1-32. doi:10.36948/ijfmr.2025.v07i01.37032.

- Thakur P, Kashyap SS. (2025) AI Tools in Nursing: A Systematic Review and Meta-Analysis. Int J Multidiscip Res. 7(1):1-4. doi:10.36948/ijfmr.2025.v07i01.36914.

- Thakur P, Kashyap SS. Behavioral Addiction: A Review of Current Understanding and Emerging Perspectives. Z J. 2025 Jan;11(1):1-16.

- Vaishali Jaiswal, Deepshikha, V. K. Tiwari-Dealing with extreme weather events in India—A vulnerability assessment study, current status and way forward. Journal of Environment and Public Health Research 2023; 1(1): 1280.

- Yadav P, Sarkar A, Rangari K, Verma D, Nirala RK (2024) An Updated Review on Versatile Application of Schiff Base Metal Complexes. SSR Institute of International Journal of Life Sciences, 10 (03): 5529 -5536

Edited/Chapter in Book

- Dharmendra Kumar Yadav Raj Narayan "**Ayushman Arogya Mandir**: **primary healthcare services up to the last mile**", MKSES Publisher Lucknow India, pp: 74-78, 2024.

- Jaiswal V. Women's Respiratory Health, Energy and Gender: A case study of a Rural Area of Maharashtra in the book Leadership by Indian Women: The Precursors of Pioneering Change in Edited by Dr. Siddhartha Dr. Neelakshi N.K. Borah, Samyak Publication ISBN – 9789366030000

Poster Presentation

- Nanthini Subbiah, Sharanya, Ankur, Bhawna Kathuria & Subash Chand presented a poster on Assessment of the Skills of Community Health Officers (CHOs) in Providing Basic Neonatal

Resuscitation Across Selected Districts in Two States of India: A Cross-Sectional Study during the IANN conference 4-6 October 2024 and received best poster presentation award.

- Vandana Bhattacharya **'Malnutrition in India and approach to achieve Swasthya Bharat'** chapter in edited Book, "National Health Mission (NHM) Strengthening Public Health System in India", ISBN: 978-93-91248-96-3; 2024, MKSES Publisher India pp- 60-73

Published Book

- Edited Book by Dharmendra Kumar Yadav, Vandana Bhattacharya, Raj Narayan "**National Health Mission (NHM) Strengthening Public Health System in India**", ISBN: 978-93-91248-96-3; 2024, MKSES Publisher India.

11. Appointments, Promotions and Superannuation

Appointments

S. No.	Name of the Appointee	Date of Joining
1	Ms. Shweta Dhingra, SDO	01.10.2024
2	Sh. Vishal Drall, ARO	16.12.2024
3	Dr. Amit Kumar, Medical officer	26.03.2025

Promotions

S. No	Name of the Faculty/Staff promoted	Date of Promotion
1.	Sh. Chuttan Lal Meena, Assistant	26.06.204
2.	Sh. Edmund Kujur, LDC	26.06.2024

MACP/ Financial Upgradations

S. No	Name of the Research & Secretarial Staff got MACP / Financial Upgradation	Date of MACP / Financial Upgradation
1.	Smt. Beena, MTS	08.04.2024
2.	Smt. Anju Bala, Steno Gr. III	01.10.2024

Retirements

S. No.	Name of the retired Faculty/ Staff	Date of Retired
1.	Smt. Sunita Khanna, UDC	30.04.2024
2.	Sh. Surendra Prasad, Copy Holder	30.06.2024
3.	Sh. Umed Singh, UDC	30.06.2024
4.	Dr. Pushpanjali Swain, Professor	31.07.2024
5.	Sh. P.K Bansal, Assistant	31.07.2024
6.	Sh. Rajpal, MTS	31.07.2024
7.	Sh. Mukesh Kaushik, UDC	31.07.2024
8.	Smt. Pushpa Rani, Nursing Sister	30.09.2024
9.	Smt. Kiran Lata, Nursing Sister	30.09.2024
10.	Sh. Alam Singh, Cook	30.09.2024
11.	Sh. Baijnath, Cook	30.11.2024
12.	Sh. Prempal, Assistant	30.11.2024
13.	Sh. Khushi Ram, LDC	31.12.2024
14.	Dr. J.P Shivdasani, Research Officer (HG)	31.01.2025
15.	Sh. Dhiraj Singh, MTS	31.01.2025

Annexures

I. **List of Governing Body Members**

II. **List of Standing Finance Committee Members**

III. **List of Programme Advisory Committee Members**

IV. **List of Faculty Members**

V. **Sanctioned and In-position Manpower**

Annexure-I

List of Governing Body Members (As on 31st March 2025)

S. No.	Name	Position	Email and Telephone No.
1.	**Shri Jagat Prakash Nadda** Hon'ble Union Minister of Health and Family Welfare, Nirman Bhavan New Delhi-110011.	Chairman (Ex. Officio)	E-mail:**Hfm@gov.in** T.No.:**23063513** **23063024**
2.	**Ms. Punya Salila Srivastava** Secretary, (Health & Family Welfare) Ministry of Health and Family Welfare Nirman Bhavan, New Delhi-110011.	Vice-Chairperson (Ex. Officio)	E-mail:**secyhfw@nic.in** T.No.:**23061863** **23063221**
3.	**Prof. (Dr.) Atul Goel** Director General of Health Services Ministry of Health and Family Welfare Nirman Bhavan, New Delhi-110011.	Member (Ex. Officio)	E-mail:dghs@nic.in T.No.:**23061438**
4.	**Dr Rajiv Bahl,** Secretary, Deptt. of Health Research (MoHFW) and Director General Indian Council of Medical Research Ansari Nagar, New Delhi-110029.	Member (Ex. Officio)	E-mail:dg@icmr.org.in secy-dg@icmr.gov.in T.No.:**26588204** **26588662**
5.	**Dr. M Srinivas** Director All India Institute of Medical Sciences Ansari Nagar, New Delhi-110029.	Member (Ex. Officio)	E-mail:director@aiims.gov.in director@aiims.ac.in T.No.:**26588500** **26588700**
6.	**Ms. V. Hekali Zhimomi** Additional Secretary (Health) R.No. 256-A, MoHFW, Nirman Bhavan New Delhi-110011.	Member (Ex. Officio)	E-mail:ash-mohfw@nic.in T.No.:**23062857** **23061447**
7.	**Shri Jaideep Kumar Mishra** Financial Advisor R.NO.247-A, Ministry of Health and Family Welfare, Nirman Bhavan, New Delhi-110011.	Member (Ex. Officio)	E-mail:asfa-mhfw@nic.in T.No.:**23061541** **23061673**
8.	**Ms. Nidhi Kesarwani** Director, (Trg.) Ministry of Health and Family Welfare Nirman Bhavan, New Delhi-110011.	Nominated Member (Ex. Officio)	E-mail: nidhikesarwani@nic.in T.No.:**23062434**
9.	**Dr. B.S. Garg** Director, Dr. Sushila Nayar School of Public Health, & Emeritus Professor of Community Medicine MGIMS, Sewa Gram, Wardha, Maharashtra – 442102	Member (Ex. Officio) (w.e.f 13.02.2025)	**Email :** bsgarg@mgims.ac.in T.No.: **07152-283341 to 284355**

S. No.	Name	Position	Email and Telephone No.
10.	**Dr. Dewaram A. Nagdeve** Director (Additional Charge) International Institute for Population Sciences Govandi Station Road Deonar, Mumbai – 400 088	Member (Ex. Officio)	E-mail:director@iips.net T.No.: **91+22+2556 3254/55, 91+22+42372400** **Fax:91+22+2556 3257**
11	**Sh. Rajib Kumar Sen** Sr. Adviser (Health/WCD) NITI Aayog, Sansad Marg New Delhi-110001.	Member (Ex. Officio)	E-mail:as-niti@gov.in T.No.:**23096544**
12	**Dr. Madhulika Kabra** Professor, (Dept. of Paediatrics) Genetic Unit Old OT Block Deptt. Paediatrics, AIIMS Ansari Nagar, New Delhi.	Member w.e.f. 05.07.2022	Email: madhulikakabra@gmail.com T.No.:**26594585** **Fax: 26588663, 26588641**
13	**Dr. Pankaja Raghav** Professor & Head, (Dept. of Community Medicine) Deptt. of Medicine & Family, AIIMS Jodhpur, Rajasthan	Member w.e.f. 05.07.2022	Email: raghavpankaja3@gmail.com
14	**Dr. Sarma G.R.K.** Professor, (Dept. of Neurology) D 8, St. John's Medical College Hospital, Bengalur-560032	Member w.e.f. 05.07.2022	Email: grk_sarma@yahoo.com
15	**Prof. B. R. Shamanna** Professor, School of Medical Sciences C-170, Old Life Sciences Block, Science Complex University of Hyderabad, Gachibowli, Hyderabad - 500046	Member w.e.f. 13.11.2022	T.No.:**040-23135473/66795473,** Email: brsmd.uoh@nic.in; brsham@uohyd.ac.in; brsham@gmail.com
16	**Dr. Shekhar Shivram Salkar,** Surgical Oncologist, Manipal Hospital, Dona Paula, Room No.-22, Ground floor, Manipal Hospitals, Dr E Borges Rd., Panaji, Goa- 403004.	Member w.e.f. 13.11.2022	Email: salkar.shekhar@gmail.com
17	**Dr. Daya Krishan Mangal,** Senior Associate, D/o International Health, John Hopkins Bloomberg School of Public Health Baltimore, USA, 5/11, SFS, Agarwal Farm, Mansarovar, Jaipur- 302020, Rajasthan, India	Member w.e.f. 13.11.2022	Email: mangaldk@hotmail.com
18	**Dr. Jagat Ram** Former Director, PGIMER, Chandigarh House No 463, Phase-2, Omaxe, New Chandigarh, Mullanpur, Punjab Pin.- 140901	Member w.e.f. 13.11.2022	Email: drjagatram@gmail.com
19	**Dr. Dheeraj Shah,** Director, NIHFW Baba Gangnath Marg, Munirka, New Delhi-110067.	Member-Secretary (Ex. Officio)	E-mail:director@nihfw.org T.No.:26100057 26185696

(1-11 & 19 are ex-officio members and 12-18 are eminent persons nominated as non-official members by the Chairman.

Annexure-II

List of Standing Finance Committee Members (As on 31st March 2025)

S. No.	Name & address	Chairperson / Members	Telephone No./ Mobile No.
1.	Ms. Punya Salila Srivastava Secretary (H&FW) Nirman Bhavan, New Delhi	Chairperson	T.No.:23061863, 23063221 secyhfw@nic.in
2.	Shri Jaideep Kumar Mishra Additional Secretary & Financial Advisor, MoHFW, Nirman Bhavan, New Delhi.	Member (Ex-Officio)	T.No.:23061438 dghs@nic.in
3.	Dr. Vijaya V. Motghare Addl. D.G.H.S	Nominated by DGHS, MoHFW Member	T.No.:23062985 asfa-mhfw@nic.in
4.	Ms. Nidhi Kesarwani Director, Training Division MoHFW, Nirman Bhavan, New Delhi.	Special invitee (Nominated) Ex- Officio	T.No.:23062434 nidhikesarwani@nic.in
5.	Dr. Dheeraj Shah Director, NIHFW, New Delhi.	Member-Secretary	T.No.:26100057 26185696 director@nihfw.org

Annexure-III

List of Programme Advisory Committee Members (As on 25.02.2025)

S. No.	Name	Position	Email and Telephone No.
1.	Prof. B.S. Garg Director, Dr. Sushila Nayar School of Public Health & Emeritus -Professor of Community Medicine, MGIMS, Sewa Gram, Wardha- 442102	Chairperson (w.e.f.07/02/2025)	Email: bsgarg@mgims.ac.in
2.	Dr. Rajiv Bahl Secretary Deptt. of Health Research(MoHFW) and Director General Indian Council of Medical Research (ICMR) Ansari Nagar, New Delhi-110029.	Member (Ex-Officio)	Email:-dg@icmr.gov.in T.No.:23736081
3.	Prof. (Dr.) Atul Goel Director General of Health Services(DGHS), Ministry of Health and Family Welfare, Room No. 446-A, Nirman Bhavan, New Delhi – 110011.	Member (Ex-Officio)	T.No.:23061063/ 23061438 / 23061924 Email:-dghs@nic.in
4.	Ms. Nidhi Kesarwani, IAS Director (Training Division) Ministry of Health and Family Welfare, Nirman Bhavan New Delhi – 110011.	Member (Ex-Officio)	Email:-js.me-mohfw@nic.in T.No.: 23063155
5.	Dr. Dewaram A. Nagdeve Director (Additional Charge) International Institute for Population Sciences(IIPS), Govandi Station Road, Deonar, Mumbai –400088	Member (Ex-Officio)	Email: director@iipsindia.ac.in T.No.:022-42372442/ 25562062/ 2225563254/ 55, 2242372400 Fax:222556 3257
6.	Prof. Saibal Chattopadhyay Director, Indian Institute of Management(IIM), Diamond Harbour Road, Joka, Kolkata, West Bengal 700104	Member (w.e.f.07/02/2025)	Email:- saibal35@gmail.com Email: iimcal.ac.in T.No.:03324678312
7.	Dr. Nipun Vinayak Secretary, (H&FW) Department of (H&FW) Government of Maharashtra, 10th Floor, B Wing GT Hospital Complex Building Mumbai – 400001,Maharashtra	Member (w.e.f.07/02/2025)	Email:- psec.pubhealth@maharashtra.gov.in T.No.:022-22617388
8.	Dr. Sunil Vilasrao Gitte, Director	Member (w.e.f.07/02/2025)	Email:- director.fwtrc@nic.in niphtr.mohfw.gov.in,

S. No.	Name	Position	Email and Telephone No.
	National Institute of Public Health Training and Research (NIPHTR) 332, SVP Road, Khetwadi, Mumbai-400004, Maharashtra		sv.gitte@gov.in T.No.:022-23881724, 27494102
9.	Dr. Pankaja Raghav, Professor & Head Dept. of Community Medicine and Family Medicine, AIIMS Jodhpur-342001, Rajasthan	Member (w.e.f.07/02/2025)	raghavpankaja3@gmail.com
10.	Dr. S.S. Agrawal Director State Institute of Health and Family Welfare (SIHFW), Jhlana Doongi Colony, Ghat Ki Guni, Jaipur, Rajasthan 302004	Member (w.e.f.07/02/2025)	T.No.:0141-2706534, 2701938 Email:-directorsihfw-rj@nic.insihaj@ymail.com sihfwraj@ymail.co
11	Sh. Dinesh Shrivastava, IAS Director, Directorate of Public Health & Family Welfare (PH&FW), 4/30, Kamla Park Road, Krishna Nagar, Bhopal (MP)-462002.	Member (w.e.f.07/02/2025)	Email. directoradmin.dhs@mp.gov.in T.No.:**0755-2552958**
12.	Dr. Ashutosh Halder Professor & Head Department of Reproductive Biology, AIIMS, Ansari Nagar, New Delhi-110029	Member (w.e.f.07/02/2025)	T.No.: 011-26588500/ 26588700 Email:ashutoshhalder@gmail.com
13.	Prof. Meerambika Mahapatro Professor and Head Deptt. of Social Science NIHFW, New Delhi.	Member (w.e.f. 02/01/2023)	T.No.: 26165959
14.	Prof. Mihir Kumar Mallick Professor and Acing Head Department of Management Science NIHFW, New Delhi.	Member (w.e.f.25/09/2024)	T.No.: 26165959
15.	Prof. Dheeraj Shah Director, NIHFW, New Delhi.	Member-Secretary (Ex. Officio)	Email:-director@nihfw.org. T.No.: 26100057, 26185696

Annexure-IV

List of Faculty Members (As on 31st March 2025)

Prof. Dheeraj Shah	**Director**
Department of Communication	
Dr. Ankur Yadav	**Professor and Acting Head**
Department of Community Health Administration	
Dr. Nanthini Subbiah	**Professor and Head**
Department of Medical Care and Hospital Administration	
Dr. Manish Chaturvedi **Dr. Rajesh Ranjan**	**Professor and Acting Head** **Reader**
Department of Education and Training	
Dr. Mihir Mallick	**Professor and Acting Head**
Department of Epidemiology	
Dr. Rajesh Ranjan	**Reader and Acting Head**
Department of Management Sciences	
Dr. Mihir Mallick	**Professor and Acting Head**
Department of Planning and Evaluation	
Dr. V. K. Tiwari **Dr. Manish Chaturvedi** **Dr. Ramesh Chand**	**Professor and Head** **Professor** **Assistant Professor**
Department of Reproductive Biomedicine	
Dr. Renu Shehrawat **Dr. Rajesh Kumar** **Dr. S. Ramachandra Rao** **Dr. Kiran Rangari**	**Professor and Head** **Professor** **Reader** **Reader**
Department of Social Sciences	
Dr. Meerambika Mahapatro **Dr. Sarita Gautam** **Dr. Monika Saini**	**Professor and Head** **Assistant Professor** **Assistant Professor**
Department of Statistics and Demography	
Dr. Dharmendra Kumar Yadav	**Assistant Professor and Acting Head**
Total Faculty members : 15	

--

Annexure-V

Manpower Position NIHFW (as on 31st March 2025)

Category	Sanctioned No.	No. in Position (%)	Vacant Posts (%)
Group-A (Including Faculty)	66	29 (43.94%)	37 (56.06%)
Group-B	132	57 (43.18%)	76 (57.58%)
Group-C (Non-technical and technical)	205	74 (36.10 %)	131 (63.90%)
Total	403	160	244

*** 28 appointed through GeM contract basis.**

(Stimulating Advanced Knowledge for Sustainable Health Management)